

सं० 1 1] No. 11] नई दिल्लो, शनिवार, मार्च 16, 1985 (फाल्गुन 25, 1906) NEW DELHI, SATURDAY, MARCH, 16, 1985 (PHALGUNA 25, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अनग संग्रनन के रूप में रखा जा सके (Soparato paging is given to this Part in order that it may be file! as a soparate compilation)

THE HI-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जनवरी 1985

सं० ए०-32014/1/84-(1) प्रशा० 1:—संघ ज्ञोक लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्निलिखित विष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० सं० स्टेट से० का ग्रेड 'ख' को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर निजी सिचव (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड "क" के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

कम सं०	नाम	अवधि	_
 श्री आई० श्री तरसेम 		2-1-85 से 31-3-85 वही	

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत पर लें कि निजी सचिव (कै० स० स्टे० से० के प्रोड "क") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है ग्रीर इससे उन्हें के० स० स्टे० कि प्रोड ''क" में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में ✓वरि का कोई हक नहीं मिलेगा। सं० ए० 32014/2,85-(II):—प्रशा० 1:—सघ लाक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्न-लिखित वैयिनितक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहलें हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयिनितक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड "ख") के पद पर सहर्ष नियुवत किया जाता है।

ऋ सं०	नाम .	अवधि	अभ्युक्ति
सर्वश	नी शी		
1. एच०	श्रो० मदान	2-1-85 से	नियमित नियुक्ति के
		31-3-85 तक	स्थान पर
2. वी० पं	ो० महाजन	वही	^१ वही
3. श्रीमर्त	ो सरोज	वही	श्री आई० एन० जर्मा
कपूर			के निजी सिखिव के पद पर तदर्थ आधार पर पदोन्नत हो जाने पर उनके स्थान पर।
4. रामेश्व	नर दास	वही	श्री तरसेम सिंह के निजी स्ट क्या के पद पर तद्य श्री शार पर पदोक्त हो जाने पर ।

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड "ख") के पद पर उन की नियुक्ति तदर्थ आधार पर है ग्रीर इससे इन्हें के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनाक 19 जनवरी 1985

र्सं० ए० 32014/1/84-प्रशा० III:—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय मे निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्रसं० नाम	- ′ अवधि
सर्वश्री	
1. एस० एन० कुमार	12-7-84 से 31-7-84 तक
2 फिलिप जान	वही
3. ए० एस० जाट	वही
4. सी० एल० भाट	वही
 भगीरथी कुमार 	10-7-84 से 31-7-81 तक
6. देव दत्त (अ० जा०)	16-7-84 म 31-7-81 तक
7. मनजीत कुमार	19-7-84 से 2-9-84 तक

एम० पी० जैन, अवर सचिव (प्रणा०) सघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 21 फरवरी, 1985

र्म० एस०-20/65-प्र ासन-5 --सम संख्यक अधिसूचना विनाम 2-5-1984 एवं 28-8-81 क्रम मे राष्ट्रपति, श्री एम० सी० श्रंगरीण, उप विधि सलाहकार को दिनाक 1-(-84 से 6-8-84 तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों मे तदर्थ अव र पर स्थानापन्न अपर निधि सलाहकार के रूप मे सहर्भ नियक्त उसते है।

राम स्वरूप नागपाल, प्रगामनिक अधिकारी (स्थापना) वेन्द्रीय स्रत्वेसण ब्युबा

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली दिनाक 19 फरवरो, 1985

सं० 18/1/85-प्रशा० 11 — पं० वंगाल राज्य पूर्तिस के निरीक्षक श्री सुगील कुमार चत्रवर्ती को केन्द्रीय गृतचर प्रशिक्षण स्कूल, कलकत्ता में पुनिस उपाधीक्षक (अनुदेशक) के पद पर दिनांक 4 जनवरी; 1985 (अपराह्म) से अगले आदेगों तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 25 फरवरी, 1985

सं०, 3,32,79-प्रशां० — 1:— भारतीय पुलिस सेवा के अपने मध्य प्रदेश सवर्ग में प्रत्यावर्तन के परिणाम स्वरूप श्री पी. पी० साहूरकर श्राई० पी० एस० (एम० पी० 1958) ने पुलिस अनुसंधान एव विकास व्यूरो नई दिल्ली के उप-निदेशक (विकास) के पद पर दिनाक 15 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) ने अपना कार्यभार सौंप दिया है।

ृएस० के० मलिक, ॄमहानिदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110004. दिनाक 18 फरवरी, 1985

स० पी० भात-1,83 अरथापना -1 भाग III:—राष्ट्र-गीन, के० रि० पु० वल के निरोक्षण नवल सिंह को पुलिस उप अधी-क्षक कम्पनी कमाइर क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप में अगले ग्रादेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं। उन्होंने अपना वार्यभार 06-2-1985 (पूर्वाह्म) को संभाल लिया है वह उन्हें 47 वाहिनी के० रि० पु० वल में पोस्ट कर दिया है।

दिनाक 20 फरवरी, 1985

सं० ग्रो० दो , 1764,82 स्थापना:— महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रसाद हजारीका, को 6 फरवरी, 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ठ. चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनाक 20 फरवरी, 1985

म० डी० एल०-18/84-स्थापना-1-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस यल के निम्नलिखित अधिकारियों की सेवाएं उनके नामों के आगे दर्शायीं गई तिथियों से पंजाव सरकार को डाटेंगन आधार पर सौपी जाती है:--

- (1) श्रो एच० एस० राय 8-1-85 (पूर्वाह्म) महायक कमाडेन्ट, 3वी बटायिलन, देर रि० पु० बल ।
- (2) श्री तिणत चन्द्र शर्मा, 9-185(अपराह्म)
 रात्रायक कमाडेन्ट,
 5वी वटालियन,
 के० रि० पु० बल ।

- (3) श्री एच०बी०एय० अस्ते : 15-1-85(ज्ञासहत्) सहाय ह कामांडेस्ट,
 28वी बटालियन,
 के० रि० पु० बता ।
- (4) श्री जगनीत सिंह, 10-1⊢85 (पूर्वाह्म)
 सह्यक, क्षींडेन्ट,
 35वी बटालियन ,
 के रि० पु० बत ।

दितांक 22 फरवरी 1985

सं० ग्रो० दो० 1811/83 स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर विनीद मिलक की अस्थायी कप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड—2 (डि० एन० पी०/कम्पनी कमान्डर) क पद पर 4 जुलाई 1983 अरणह्म में नियुक्त हुरुग्ते हैं। डाक्टर मिलक डाक्टरी परीक्षण में टीए पाये गये।

दिसाक 23 फरवरी 1985

सं० ग्रो० दें।०→121/69 स्था०—-राष्ट्रपति के० रि.० पु० बल के श्री दीं। एस० रेखीं, क्ष्माडेन्ट की प्रवरण कोटि (सलेक्शन ग्रेड) कथाडेन्ट के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहुर्य पदीकृति एरते हैं।

श्री रेखी ने दिनाक 29~1-1985 (पूर्वाह्न) से इस पद का कार्यभार सम्भाना ।

> अगोक राज महीपित महायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रोद्योगिश सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनां र 16 फरवरी 1985

मं० ई-32015(4)/5 85-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री एला० आर० वाही को प्रोन्तित पर 2 फरवरी, 1985 के अपराह्म में के० ग्रीठ मु० बल मुख्यालय , नई दिल्ली का सहायक कमाडेन्ड (फ० प्रा० अ०) नियुक्त करने हैं।

दिनाक 19 फरवर्र। 1985

सं ० ई-16013(1)/21/84-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री आर० पी० युरीज , भा० पु० रो० (हिमाचल प्रदेश -68) को प्रोन्नित पर 2 फरवरी 1985 के अपराह्म में श्रीर 8 जुलाई 1986 तक, जब व बेन्द्र में 5 वर्ष की निर्धारित अविध पूरी कर लेगे, प्रतिनियुक्ति की निर्धारित अविध के आधार पर 2000-2250 क्ष्पर्र के वेतनमान में वेन्द्रीय श्रीबोगिक सुरक्षा बल में उप महानिरीक्ष क के क्ष्प में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/6/85-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री पी० आर० गांगुर्ला की, प्रोत्निति पर 1 फरवरी, 1985 के अपराह्म से के० ग्रौ० मु० वल पूर्वी क्षेत्र मुख्यानय, कृतकत्ता में सहायक कमरडेन्ट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं। स० ई-32015(4)4/84-क्रामिक-1-राष्ट्रपति, श्री जगमाल मिंह को, प्रोत्नति पर, दिनांक 2 फरवरी, 1985 दे पूर्वाह्न से के० श्री० सु० बल उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय, नई दिल्ला में सहायक कमांडेन्ट (क्रनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के हप में नियकन करते हैं।

सं ० ई-32015 (4)/178/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री आग् एसं ० खती को, प्रोन्नति पर, दिनांक ६ अक्तूबर, 1984 के अपराह्म मे 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय मे नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थाया आधार पर के शौ सुर बल, युनिट, अनपारा यमंल पावर प्रोजेक्ट, अनपारा में सहायक कमाडेन्ट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 फरकरी 1985

मं० ई-16014(1)/23/73-कार्मिक---अपने राज्य काडर को प्रत्यावितित होने पर श्री एल० एम० देवासह।यम ने 31 जैनवरीं, 1985 के अपराह्म से के० ग्री० मु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक (आई एण्ड पी) के पर का कार्यभार छोड़ दिवा ।

दिनॉक 23 फरवरी 1985

मं० 1601,3(2)/23/84-कार्मिक-1--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री डी० एस० भुल्लर, भा० पु० से० (पंजाब) 64 ने 9 फरवरी, 1985 के अपराह्म में के० श्रौ० मु० बन युनिट पी० पी० टी० पौरादीप के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> (ह० अपठनीय) सहायक महानिरोक्षक (कार्मिक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी, 1985

मं० 10/33/79-प्रणा०--- 1 निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व के कार्यालय में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी श्री बी ०पी० जैन को नई दिल्ली में भारत के महारिजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 19 फरवरी, 1985 में स्थानांतरण द्वारा लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री जैन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रॉर

विन मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग बैक नाटि मुद्रणालय

देवाप, दिनांक 20 फरवरी 1985

नस्ती सं ० त्री० एन० पी० सी / 5 / 85 — विभागीय पदीस्रति समिति (समूह 'ख) की सिफारिणों पर निम्नलिखित नियमित उप कार्य अभियंतास्रों (कर्मशाला) को तदर्थ आधार पर रपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपितत) के वेतनमान में सहायक अभियंता, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) के पद पर उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथियों से 10 मार्च, 1985 (अपराह्न) तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्ति की जाती है।

ऋ° सं°	अधिकारीका नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की गई	तदर्थ नियुक्ति की तिथि	
	सर्वश्री			
1.	राम बृक्ष (अ० जा०)	सहायक अभियंता	12-2-85	
		(यांद्रिकी)	(पूर्वाह्न)	
ż.	के० के० गर्ग	सहायक अभियंता	12-2-85	
		(सिविल)	(पूर्वा ह्स)	
3. आर॰ एन० ठाकुर				
	(अ৹জা৹)	सहायकं अभियंता	13-2-85	
	,	(वाता०)	(पूर्वाह्न)	

इस तदर्थ नियुक्ति से उन्हें उक्त पद पर निरन्तर बने रहने का या इस पर नियमित नियुक्ति का भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा तथा ये तदर्थ नियुक्तियां किसी भी समय बिना कोई कारण बताये समाप्त की जा सकती हैं।

दिनांक 22 फरवरी 1985

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/85—श्री जी० आर० टाकुर तदर्थ तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना) वेतन-मान रुपये 650-1200 (राजपत्नित, समूह "ख") को दिनांक 16-2-85 (अपराह्न) से रुपये 550-800 के वेतनमान में उप तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना) (समूह "ग") के पद पर प्रत्यावर्तित (रिवर्ट) किया जाता है।

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 फरवरी 1985
सं० 4-वा० ले० प० 1/29/74-महालेखाकार-II
(लेखापरीक्षा), तमिलनाडु मद्रास के कार्यालय में कार्यरत श्री
के० कृष्णामूर्ति, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिविवा आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1984 (अपराह्म)
से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) कार्यालयः निदेशक, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य

नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 फरवरी 1985

सं० प्रभा० 1 का० आ० संख्या 60—इस कार्यालय के स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा आधिकारी (स्थायी प्रवर श्रेणी अनुभाग अधिकारी) श्री जवाहर लाल गुप्ता का दिनांक 13—2—1985 को देहावसान हो गया है भौर इस कारण से उनका नाम इस कार्यालय के नामावली में से दिनांक 14—2—1985 से निकाल दिया गया है।

श्री गुप्ता की जन्मतिथि 16-6-1965 है तथा ये सरकारी सेवा में 21-3-1955 (अपराह्म) को भर्ती हुए थे।

दिनांक 23 फरवरी 1985

सं प्रणासन/1 का० आ० संख्या 59—इस कार्यालय के स्थानापम लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एस० एस० लाल को भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, रानीपुर, हरिद्वार में दिनांक 25-5-1984 से सलग्न विवरण में समाविष्ट गतौ पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के पक्ष संख्या 1954-जी० ई० 2/1-84 दिनांक 24-8-84 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त है ।

ह० ग्रपगनीय उप-निदेशक, लेखापरीक्षा

कार्यालय : निदेशक, लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, विनांक 22 फरवरी 1985

सं० 5461/ए-प्रणासन/130/83-84:--राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में, स्थायी क्षूप से अन्तर्लयन के परिणाम-स्वरूप, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, विभाग के स्थायी लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री टी० एन० धर, का इस विभाग में प्रहणाधिकार, मूल. नियम 14-ए (डी) अधीन, दिनांक 24-7-1984 (पृथिद्धि) से समाप्त हो गया है।

भगवान शरण तायल सयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 8 फरवरी 1985

 स्वास्थ्य सेवाएं, आर्डनन्स फैक्टरी बोर्ड के पद पर, 1ली दिसम्बर, 1984 से एक वर्ष का अवधि के लिये पुनः नियुक्त करते हैं।

दिनां रु 11 फरवरी 1985

सं० 5/जी/85—वार्धंक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री दिलीप कुमार मित्र, स्था० एम० आ० (मीलिक एवं स्थायी सहायक) दिनांक 31 जनवरी, 1985 (अपराह्न) सेवानिकृत्त हुए।

र्वा० के० मेहता उप महानिदेशक

श्रम मंद्रालय

कारखाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1985

सं० 5/3/83-स्थापना--मक्षम अधिकारी, श्री टी०, वी० रामचन्द्रन को दिनांक 29-5-1984 से अपर सहायक निदेशक (गोदी सुरक्षा) के पद पर मौलिक व्य से नियुक्त करते हैं।

सं ० 15/10/83-स्थापना--श्री प्रकाश श्रीवास्तवा, सङ्ग्यक निदेशक (इण्डस्ट्रियल हाईजिन) कारखाना सलाह सेवा भीर श्रम विकान केन्द्र महानिदेशालय, बम्बई को सहायक निदेशक (इण्डस्ट्रियल हाईजिन) के पर से दिनांक 5-2-1985 (अपराह्म) में त्यागमत देने की इजाजत दी जाती है।

एस० बी० हैग्डेपारिल उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रात्य

मुख्य नियंत्रक आयात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 20 फरवरो 1985 आयात श्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण

सं० 1/1/6/83-प्रशासन (राज०) 1152--राष्ट्रपति, श्रीः लक्ष्मीश्वर प्रसाद (केन्द्राय सचिवालय सेवा वयन ग्रेड की प्रवरण सूर्ची, 1983) की मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति के कार्यालय, नई दिल्ली में 1 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्म) से जीर आगे 3 माम की अविध के लिये तदर्थ आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में और संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमत। में नियुक्त करते हैं।

प्रकाश चन्द्र जैन मुख्य नियंत्रक, शायात-नियति

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरनर्र, 1985

सं 1/2/84-जमशसन (राजपवित) /1113---राष्ट्रपति, श्री बी॰ एन॰ बैनर्जी (केन्द्रीय मध्यालय क्षेत्र के ग्रेंड--1) को 29 जनवरो, 1985 से, आगे आदेश होने तक, मुख्य नियंत्रका, आयात-नियति के कार्यालय, नई दिल्ला में, उप-मुख्य नियंत्रका, आयात- नियति के रूप में नियमित आधार पर स्थानायन रूप में नियुक्त करते हैं।

> एम० पी० अईसक उपं-मुख्य नियंत्रक, कृते मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आभुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, धिनांक 16 फरवरी 1985

सं० $2(42)/\xi$ ० एम० टॅ१० 1/85 385/-वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के श्रं। वाई० प१० मेहता, सह।यद निदेशक श्रेणः-II (प१० एवं ड१०) दिनांक <math>27-1-85 के अपराह्म से स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो गये।

आर० के० कुल[ा]णी संयुक्त वस्त्र आयुक्त

वन एवं वन्य प्रणासी विभाग भारतीय वन्य प्राणी संस्थान

देहरादून, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० 1-2/84-भा० व० सं०/355:--- इस संस्थान की अधिसूचना सं० 197/84-- डब्ल्यू० एल० आई० 3/22/बी, दिनांक 9 फरवरी, 1984, के णम में अधोहस्ताक्षरं।, भारतीय वन्य प्राणीं संस्थान, देहरादून में वित्त अधिकारी श्रीः एस० वी० प्रसाद का तदर्थ नियुक्ति की अविधि को दिनांच 1 फरवरी, 1985 से एक साल की आगामी अविधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जायें, इसमें जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

वि० वि० सहारिया निवेशक भारतीय वन्य प्राणी संस्थान

इस्पात, खान और कोमला मंत्रालय खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 फरवरी 1985

सं० 8 ए०-19011(208) 78-स्या० ए०--राष्ट्रपति, श्री गुराचारी, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान क्यूरो भें उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनाक 16 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से, तथ्ये आधार पर 6 माह के लिये या उस पद को विभागीय पदोन्नति सिमिति/संव लोहं संवा खायोग द्वारा नियमित रूप भी भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्युरो

अ.काणवाणा महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनाक 16 फरवरी 1985

सं० 3(113)/60-एस-दो--निवृत्तेन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्राबः० एल० चौहान, प्रशासनिक अधिकारी, भाकाशवार्णा, रोहतन, 31 अक्तूबर, 1984 (अपराह्म) से सरकारी रावा से कार्यमुक्त हो गर्ये।

दिनांक 20 फरवरी 1985

सं० 10/75/61-एस दो०--महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० के० श्रात्र स्तत्र, प्रशासनिक अधिकार्रा, विदेश सेवा प्रमाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर अस्थाया क्षेत्रता में 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतन-मान में 28 जनवरा, 1985 से अगले आदेशों तक नियुक्त दरते है।

2. श्राः आरु के श्रींवास्तव ने उसी तारीख को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ला के प. जे कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

> मोहन फांसिस, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ला, दिनाक 18 फरवरी, 1985

सं० 17/7/84-एस-4-महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली निम्नलिखित प्रवर इंजीनियरी सहायकों, उनके सहायक अभियन्ता को पदान्नित पर उनके नामों के सामने दी गई तिथियों सन्दर्भ आधार पर अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं:---

ऋद सं०	नाम	तैनाती केन्द्र	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
1. श्री ए	म० जयनारायणन	आकाशवार्ण। कोयम्बटूर	12-1284
		•	(पूर्वाह्न)

1	2	3	4
2. श्री एस	े कें० शर्ना	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ला	1-1-85 (पूर्वाह्न)

जे० उ.० भाटिया, उप विदेशक (प्रशासन) वृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1985

सं० 4/12/76-एम-ए----श्रा वृद्धिम बोराँग, वार्यक्रम निष्पादक, आकास्त्र,णा, डिब्रूगढ ने 28 प्रिन्म्बर, 1984 से सरकारा सेवा से त्यागपन द दिया है।

पिनांक 25 फरवरं., 1985

सं० 4/61/8-एप-एक -श्राप्ततः नन्यिम हिवेदः, कार्यक्रम निष्यादक, आकाशवाणी, इलाह∗दाद का दिनाक 13 फरवरा, 1985 को स्पर्यप्राप्त हो गया है।

दिनां र 26 फरवरी 1985

सं० 6(113)/62-एस-1 (खण्ड-II)--निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री एल० के० वहल, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, छत्तरपुर दिनौक 31 जनवरा, 1985 (अपराह्म) से सरकारी सेवा ने सेवा-निवृत्त हो गए।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन औप दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली दिनांक 14 फरवरी 1985

सं० ए-31014/4/84-प्र० (प्र०)—निदेशक, द्श्य एवं प्रचार निदेशालय, श्री कृष्ण कुमार को इसी निदेशालय मे दिनांक 5 फरवरी, 1985 से सहायक अनुसंघान अधिवारी (दृश्य) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

जी० पी० भट्टी उप-निदेशक (प्रशासन) कृते निदेशक, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1985

सं० ए० 38013/4/84-प्रशासन-I-सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक महा-निदेशक (पी० एफ० ए०) श्री डी० एम० घढ्डा, 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक, प्रशासन (मी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र लागिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिश्क 18 फरवरी 1985

स० पो० ए०/73(2)/83-आर-4/एच-139— नियंत्रक, भाभा परमाणु उत्हर्धः हेर्ने २१० प्रवास कारदेव जागले को निवासी जिकित्या अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुस्थान केन्द्र ने आयुदितान प्रभाग में 1 फरवरी 1985 अपराह्म से नोग वर्ष की अवधि तह अन्यानी रूप में नियुक्त करते हैं।

> म० द० गाडगिल ' उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, जिलाग 21 फरवरी 1985

म० एन०/226/सा० डब्ल्गू० एम०/स्थापना-1/537-श्रा प्रायतिनियोत वेत्रायुप्पत बान्तरूष्णत नायर ने वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर ग्रेड "एम बी" पद का पदभार 11-1-1985 पूर्वाह्न की स्वैष्ठिक सेवानिवृत्ति पर छोड़ दिया ।

> के० वेंकटकुष्णन् उपस्थापना अधिकारी

पामाणु ऊर्जा विभाग रिऐक्टर अनुसंधात हेन्द्र

क्तपावरम, दिनार 4 फावरी 1985

पं० ए०-3202 //1/35/आर०—िरएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेश ह ने मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी उच्च श्रेणो लिपिस और इंशा करें में प्रवरण कोटि लिपिक के पद पर स्थानापना का सानिवृद्ध थीं। बोडेबल वेम्बियन को उसी केन्द्र में 18-1-85 से 4-3 35 राजिं अविधि के लिए स्थानापन रूप के तदर्थ आधार पर विद्युवत िया है। यह नियुक्ति सहायक प्रशासिक अधिकारो और ए० वेस्ट्रसँया के स्थान पर की गर्या है जो प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

दिनाक 11 फरवरी 1985

स० आर० आर० ताः/ए० 32023/1/84-आर/2291— इम ंन्द्र की गरीख 19/21 नयम्पर, 1984 की समसंख्यक (17237) अधिमूचना के कम में िऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के निर्धेशक ने इस केन्द्र के गरी तहाया लेखापाल श्री किल्ली कुलंगार मानव वेलपुरात को उसा धन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से की गयी पदोन्नति की अविध 1-1-35 से 38-3-85 व्याच अर्गला आदेश होके तक के लिए, जी भी पहले विद्ता हो, यहा दी है।

दिता: 12 फरवर: 1985

से अगला आदेश होने तक के लिए सहायक प्रगासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> कु० एस० गोपालकृष्णन प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 16 फरवरी 1985

सं ० इस्ट/ई० एस० डो०/2035—निदेशक अ० उ० के० ने श्री जे० एम० सूरी स्थायी तकनीकी सहायक 'बी' ग्रौर अब स्थानापन्न वैज्ञानिक/ईजीनियर एस० बो० का इसे केन्द्र की सेवा से जुलाई 26, 1984 के अपराह्म से त्यागपन स्वीकार कर लिया है।

के० एस० कृष्णन प्रशासन अधिकारी:-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 25 जनवरो 1985

सं० ए० 12032/5/75-ई० ए०—इस कार्यालय की दिनाक 20-2-1976 की समसख्यक अधिसूचना का अधिकमण करते हुए, महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० एस० बतूरा, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली का भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमान एतन प्राधिकरण में विमानपत्तन अधिकारी (परिचालन) के रूप में समावेशन हो जाने पर दिनांक 4 फरवरी 1978 से उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनाक 12 फरवरी 1985

सं० ए० 38013/1/85-ई० ए०—निदेशक विमान क्षेत्र, दिल्ली के कार्यालय के श्री एम० पी० जैन, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 31-1-1985 से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

बी० भीमिक सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1985

सं० ए० 32013/9/84-ई० सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गर्या तारीख से छः मास की अवधि के लिए या पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, संचार अधिकारी के ग्रेड सें तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :---

			······································		
ऋ० न सं०	ाम वर्तमान तैनासी		जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की ता०	
सर्वश्र	 N—				
1. बीव	के० विश्वास	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	वं सं०स्टे० कलकत्ता	1-12-84	
2. प्रि	आर० गागुर्लाः	व <i>हीं</i>	वं० सं० स्टे० मद्राम	29-12-84	
3. आर	० एस <i>क</i> भगीरथ	वै० सं० स्टे० विल्ला	वें सं०स्टे० विल्ली	30-11-84	
4. एम	० के० पाल	वै० सं० स्टे० का लकत्ता	वै० सं० स्टे० मद्रास	30-12-84	
5. जे०	सी० डे० सरकार	वै० सं० स्टे० पटना	यै० सं० स्टे० कलकत्ता	3-12-84	
6. एस	० एल० सरदाना	म० नि० ना० वि०	वै० सं० स्टै० दिल्ली	20-10-84	
7. एस) आर० देशभाष्ठे	वै सं०स्टे०बम्बई	वै०सं०स्टे० वस्बई	20-10-84	
8. শৃত্য	राम सिह	• वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० मं० स्टे० दिल्ली	3-12-84	
9. डी०	एन० सुने	वै० सं० स्टे० बम्बई	यै० सं० स्टे० बम्बई	20-10-84	
10. आर	(० के ० मोदक	वै० सं० स्टे० नागपुर	वै० सं० स्टे० बम्बई	10-1-85	
11. वी(०	सो० त्रिश्वास	वै० सं० स्टे० गोहाटी	वं ० सं० स्टे० मद्राम	29-11-84	

उपर्युक्त अधिकारियों को संचार अधिकारी कें ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति हो जाने से वे नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे भौर तदर्थ आधार पर की गयो सेवा न तो ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए भौर न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नाति की पाताा है लिए गिनी जाएगी।

> र्था० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण महानिवेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1985

सं० 4/85—-श्री पी० एम० पावर ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहतीलय, दिल्ली में विष्ठ अधीक्षक के पद पर तैनात थे, वित्त मत्रालय, राजस्व विभाग के पत्न सं० फा० ए०— 32012/6/89—प्रशा०—II में अन्तर्गत जारी दिनांक 1—1—85 द्वारा स्थानातरित होने पर दिनांक 29 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्र में निरीक्षण महानिदेणालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में निरीक्षण, सहायक निदेशक, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में निरीक्षण, सहायक निदेशक, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद का कार्यभार सीमाल लिया।

सं० 5/85--श्री मैध्यु जान ने, जो पहले कौ जिन समाहर्तालय में महायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, विस्त मंदालय, राजस्थ विभाग के पत सं० ए-320132/6/84-प्रणा० क के अन्तर्गत जारी दिनाक 1-1-85 के आदेश सं० 2/85 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक नई।देख्ली में स्था नांतन्तरण होने पर, दिनांक 1 फरवरी, 1985 से (पूर्वाह्म), सहायक निदेशक निरीक्षण, सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक दिशाहित भारक के पद का कार्यभार सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के पद का कार्यभार सीमाल लिया।

दिनांक 22 फरवरी 1985

यू०) के पद पर तैनात थे, वित्त मतालय, राजस्य विभाग के पद फा० मं० ए०-32012/6/84-प्रणा०-Hके अनुसार जारी दिनांक 1-1-85 के आदेश सं० 2/85 द्वारा निर्देशण महानिदेशालय, सोमा णुलक तथा अदीय उत्पादन शुलक, नई दिल्ली में सीमा णुलक, उत्पादन शुलक तथा स्त्रण नियतण अपील अधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ के विभागीय प्रतिनिधि के कार्यालय स्थानातिरत होने पर दिनाक 13 'फरवरी, 1985 (प्रयक्ति) मे किनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रे कार्यालय सभाल लिया।

ए० सी० सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

समाहतालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनाकः 19 फरवरी 1985

मं० 1/85—पमाहतिलय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के श्री एन० एप० पंदावार, अधीक्षक देन्द्रीय उत्पाद शुल्क समृष्ट् 'ख निवर्तन की आयु की प्राप्त करने पर पिनांक 31—12—84 (अपराह्म) की शासकीय मेथा से बनिवृत्त हुए।

> भश्मीरा सिंह समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066 दिनांक 22 फरवरी 1985

सं० ए०-19012/1046/83एंस्ट-।-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री लल्लन सिंह पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 17-2-1984 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की मबधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भ रे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी भौर तदथ आधार पर स्थानापन रूप में नियमत करते हैं।

एसं० महावेव अध्यर अवर सचिव—I केन्द्रीय जल आयोग

वाणिज्य एवं पृति मंत्रालय पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गह,

कलकत्ता-700 027, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० जीरें -318/ए--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, श्री पी० के० दत्ता, मंडार एवं कय अधिकारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता का प्रतिनियुक्ति काल अगले छः महीने के लिए (1-12-84 से 31-5-85 (अपराह्म तक) बढ़ाते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1985

सं० जी०-318/ए--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्रीमती लीला सरकार, लेखा अधिकारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता का प्रतिनियुक्ति काल अगले एक वर्ष के लिए (1-3--85 से 28--2-86 तक) बढ़ाते हैं।

जे० एम० भट्टाचार्या उपनिदेशक (प्रशासन) शते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गह,

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

क∓पनीलॉ बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में श्रीर देस्टर्न इण्डिया रेडीएजर्स एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

बम्बई-4000 002, दिनांक 18 फुरवरी 1985

दिनांक 23-6-82 के द्वारा वेस्टर्न इंण्या रेडीएटर्स एण्ड लिमिटेड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

> श्रो० पी० जैन अतिरिक्त कम्पनी रुजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मे० जनधर्म प्रकाशन लिमिटेड, भोपाल (म० प्र०) के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 19 फरवरी 1985

सं० 1782/पी० एस० सी० पी०/366— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एसद् द्वार स्चित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर मे० जनधर्म प्रकाशन लिमिटेड, भोपाल (म० प्र०) का नाम, यदि इसके विरद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

एम० करमाकर कम्पनी एजिस्ट्रार मघ्य प्रवेश, न्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में ! ग्रीर

बण्टन एण्ड कम्पनी (इंजीनियर्स) लिमिटैंड के मामले में !

कोचीन, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० लिक्यि/1331/85—सिविल सं० सी० पी० 11/1983 में एरणाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 12-7-1984, के आदेश द्वारा कृष्टन आण्ट कम्पनी (इंजीनियर्स) लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में ग्रीर

रस्तण फँबर प्राइवेट लिमिटड के मामले में !. सं० लिक्वि/1333—सिविल सं० सी० पी० 2/1984

कोचीन, दिनांक 18 फरवरी 1985

में एरणाकुलम में स्थित उच्च त्यायालय है तारीख 23-7-84 के आदेश द्वारा रस्तण फैंबर प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

> के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर मै० हस इश्विया फास्टेनर्स प्रा० लिमिटेड के विषय मे

बगलूर, दिनाक 21 फरवरी 1985

स० 3468/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनूसरण में एसद् द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर इन्डया फासटेनर्स प्राइवेट लिमिटेट का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री दरपना प्रकाणन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बगलूर, दिनाक 21 फरवरी 1985

स० 9459/560/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण मे एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर श्री दरपन प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर स काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामेश्वर सिंह नेगी कम्पनियों का रेजिस्ट्रार कर्नाटक

प्रस्प वाह्र टी. एव. एस. 🧸 🗵

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन सूच्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, तहायक जामकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/6-84/774-अतः मुझे, सुधीर जन्द्रा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ई०-69, है तथा जो एन० डी॰ एस० ई० भाग-I, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्व अनुचर्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 84

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और लंतिशती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है: --

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत , उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तरे ब्याने में सुविधा के लिए; आर्थिता
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्ंचारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुर्थिश के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसिस स्यक्तियों, अधित् :--- श्रीमती गौरन देवी
पत्नी स्व० श्री हंस राज,
श्री राजिन्दर कुमार,
श्री अशोक कुमार,
सन्तोश कुमारी,
सुपुत्न एवं सुपुत्नी स्व० श्री हंस राज,
निवासी—साँजी निवास,
जी० टी० रोड,
खान्ना (पंजाब)।

(अन्तरक)

 मै० पंजाब शिल्पकला प्रा० लि०, ए०~6, रिंग रोड़, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कुरु करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत स्वना को राजपक्त में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्पर्कां करनः - इसमें प्रयुक्त सन्धां और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस संध्याय में दिया नवाडी।

नम्भूजी

प्रो० नं० ई०--69, एन० डी० एस० ई० भाग-I, नई दिस्सी, तावादी 212. 1/2 वर्ग गज, ढ़ाई मंजिला मकान।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-^I, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीख : 18-2-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आई..टी.एन.एस._-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

क्षार्याक्षय, सङ्घायक धायकर धायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०। एक्यू०। 3/37-ईई/6-84/ 383-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,00 ं/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०-1 है तथा जो प्लाट नं० 3 श्रीर 4, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीखे जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वाक्त संदित्त का दांचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बुन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक्ष कि निम्निचित उद्देश्य से उसल बन्तरण सिचित में पास्त्रिक कम से अधिक कम से अधिक कम के सिचित में पास्त्रिक कम से अधिक कम से अधिक समा अधिक

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय केंग्निश्च उस्त अधि-दिस्तन, के स्थीन कहा दोने के कना के सामित्य में कभी कहा वा संपर्ध वृष्ट् में शृद्धिया के किए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिन कर अधिनियम, अधिन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना छाहिए था, छिपाने में सुविधा के झिए;

भाराः मृक्, उक्त किपिनियम की भारा 269-न के अमृक्ररण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— मैं० सावित्री प्रोपर्टीज (प्रां०) लि०, 5/92, नेहरू 'प्लेस, नई विल्ली।

(अन्सरक)

श्रीमती आशा बासी
धर्मपत्नी श्री के० के० बासी,
निवासी-ए०-79,
श्रीत बिहार,
श्राई० पी० एक्स०,
विस्ली-110092।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, 'जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्त श्वासियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) 'इस सूजना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तृ में 'किए वा सुकोंगे।

स्पव्यक्तिस्मः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० अन्डर ग्राउण्ड बी-1, प्लाट नं० 3 भीर '4, प्रीत बिहार, कोर्माशयल काम्पलक्स, दिल्ली, तादादी 130 वर्ग फिट।

> जीव एसव गोपाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 30-1-1985

अस्य नाइं.डी.एन्,ूएस्यूननतननननन

भागकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नर्द दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985 निदेश सं आर्दे० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-84/ 436-ए०-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जी०-14-ई० है तथा जो जैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूणे रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जुन 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में तास्त्रिक कुप से क्षिणन नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथितवर के जभीन कर दोने के जन्तरक के क्रियल में कमी क्रांत्र मा उसके बचने में सुविधा की क्रिय; जीट/वा
- (िंच) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त बिभिन्यम, या भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सूनिधर के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- म० जना प्रोपर्टीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती एस० आहुजा ग्रीर श्री एच० सी० आहुजा, निवासी—डी०-10, प्रसाद नगर, दिल्ली-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या लागम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उका स्थावर मंगीत्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसन्त्री

प्रो० नं० जी०-14-ई०, जैना टायर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 140 वर्ग फिट।

जीं॰ एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-1-1985

माहर 🏺

प्ररूप आहे. टी. दन . एस .-----

1. श्री संज्जन बगारिया

(अन्सरक)

2. मै० मयूर एक्सपोर्ट

(अन्सरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्धर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० $66/\overline{\text{रंज}}-4/$ कल०/1984-85—अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो सालाप हावड़ा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती, (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप ये कथित किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुंहैं किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई श्री आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 9 1/2 डेसिमल, पता—सालाप, थाना डोमजुर हावड़ा, दलिल सं०—1984 का 2953।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिधित व्यक्तियों,, अर्थात् ः—-

सारीख: 15-2-1985

मोहर 🛎

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----1. श्री सज्जन बागारिया

(अन्तरक)

मैं० मयुर एक्सपोर्ट

(अन्तरिती)

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, महोयक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश १ सं० 67, रेंज-4 कल ० 1984-85-अत: मुझे, शंकर के० बनर्जी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है े की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० हैतथा जो सालाप, हावड़ा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधाड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के करमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्टेयह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित काजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ए'ते दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उट्टत जन्तरफ लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वायत, उपत ं अधिनियमः के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (ख) एेसी किसी या किसी धन गा अन्य अगस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि न्यवितयों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वश्र किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किये जा सक गै।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदल मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

जमीन—10 डेसिमल पता—सालाप, थाना डोमजुर हाबड़ा, दिलल सं० 1984 का 2933।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कतः क्रवः त्रकम् अधिनियम् की भाग 260-ग के अनुसरण में, मैं, त्यान अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 15-2-1985

मोहारः

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भरा 269-मु (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, एहायक जायकार आयुक्त (निरीजण)

अर्जन रेज-4, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेण सं० 68/रेंज+4/कल०/1984-85-अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्रवास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रापथे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो सालाप में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1984

को प्रतिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिकल निम्नसिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथन नहीं आया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के वजीत कर दोने के वन्त्ररक के दावित्य में कमी करने वा जससे वजने में सुविधा के जिये; धरिया
- (क) एसी किसी आय वा किसी भग वा अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) की, प्रवोधनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाता भाहिए था, छिपाने भी सुनिधा औ सिय;

अतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरक कें, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (;) के धारीन, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. श्री सज्जन धार्गारया

(अन्तरक)

2. मैं० मयूर एक्सपोर्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी इसको पृष्ठीकल सम्महिस्स का अर्थन, का विस् कार्यनाहिसाँ कारता हुए।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ें भी आयोप :----

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबीं भा भी व्यक्ति वार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजक व्यक्तियों में से किसी त्वितर ब्वाराः
- (क) इस स्वना के राष्प्रत में श्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्वित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्यास में दिया गवा है।

वस्त्र की

जमीन—. 11 डेसिमल, पता—सालाप, थाना—डोमजुर द्वावड़ा, दलिल सं० 1984 का 2909।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीणण) अर्जन रेंज-4, कलकता

तारीच: 15-2-1985

प्ररूप बाह्र'. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर लाग<mark>ुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश सं० 37 $\xi\xi/6213/84-85/1069$ —अतः मुझे, अनिल कुमार,

कातकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जनत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 न के ग्रंधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट 12, 1ली मंजिल, श्री कल्पा को आप श्रीर सिंग सो , डोम्बीवली है तथा जो थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्लीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (न्रीक्षण) अर्जन रेंज में रजिल्लीकरण अधिनयम, 1908 (1908 था 16) के अधीन, तारीख जुलाई 84 को पूर्वोक्स सपीत्त के जीचत बाजार मूल्य से का के इर्यमान शिवपल के लिए जन्नीरत की गृहीं हो आर मुमें यह विश्वाम करने का जरण है कि प्रथान किंग सपीत्त की उचित नाम पूल्य उसके इर्यमान प्रतिफल है, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का त्वाह प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत सन्तरण कि सिंग में बास्तविक कप में किंगत नहीं किया गया है "----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर बेने के जन्तरका के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्ीवधा के निष्; बॉर/ना
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्बत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निष्।

क्षण अय , अक्ष अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भ , में , उनस जिमिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3---496 GI/84

श्रीमती अचला डी० उकालकर, डी०-7, ग्राशिवाद अपार्टमेंट्स, कोथरूड, पुणे-29।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुरेखा ब्रिजमोह्न तोशनीवाल, चादेव सदन, सुभाष मार्ग, डोम्बिवली, याने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिक कार्यताहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अतिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास िश्वित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसू ची

पलैट नं 12, 1ली मंजिल, श्री कल्पा को-भ्राप० हार्जीसग सो शिम्बली, याने ।

(क्षेप्त: 44.69 चौ० मी०)

(जैसे कि रिजा) कित ऋ० 6213 जो जुलाई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

तारीख 2-2-1985

प्रकार वार्ट. टी. एत. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पाना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, महायकः कार्यकर बाब्क्सः (निरीक्षणः) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांकः 2 फरवरी 1985

निदेश सं० 37अ**ईई**/84-85/5639/1071--अतः मुझे, अनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त पिनियम' कहा गया है) नी धारा 269-स के अधीर सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का शारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25-000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-ए०, प्लॉट नं० 1021 1022 मदाशिव पेठ, पुणे है तथा जो पुणे-30 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहाया आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्वमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जनारण स हार्ड किसी जाम की शावस, उजस अभिनियम को जभीन कर दोने को जन्मरक को वायित्व में कमी करने या उससे जभने में सुविधा है लिए; भीर/या
- (क) भी फिली साय या किसी धन या अत्य आफ्तिया करें भिराम भारतीय आय-अन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनव किसीस्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ का भिरती दवारा पंकर नहीं किया गया था गर किसी शानी का सिए;

अतः अब, उक्त विधिनियमं को धारा 260-म ले अनसरक को, मी. उक्त क्षीधनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात ---- मैं० ए० बी० मले एण्ड कं० 1146, लिवाजी नगर, फि० स० मार्ग, पुणे-16।

(अन्तरक)

श्री गणेश गंगाधर धरप,
 1140, सदाशिव पेठ,
 पुणे-30।

(अन्तरिती)

का यह स्था जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर स्टित की नार १४०० दिन का स्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति हुआता;
- (स) ६स सूचना के नजपत्र में प्रकाशन की तारीखाः 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हिनवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींथे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

र न्**स्घी**

फ्लैंट 5-ए, प्लॉट नं॰ 1021, 1022 सदाभिव पेठ, नागनाथ पाट, पुणे-30।

(क्षेत्र: 775 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजर्ड़ीकृत ऋ० 5639 जो जून 1984 को सहाय आयकर आगुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार स**क्षम** प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 2-2-1985

प्रस्पः बाह^र. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां के 2 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/5129/84-85/1072—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, 4थी मंजिल, घर नं० घर नं० 2416, ईस्ट स्ट्रीट हैं तथ, जो पुणे में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता आंधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, र्राजस्ट्रीकरण आंधनियम, 1908 (1908 का 16) जून 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि सथाप्योंक्त मपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की गानत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दान क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- मैं० मकवाना बदर्स एण्ड कं०, 441, सोमवार पेठ, पुणे-6।

(अन्तरक)

धरमदास रामचन्द नन्दवानी, 74क/20, गांधी बिल्डिंग, अभ्रवाल कालीनी, मवानी पेठ, पुणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त गपित्त के अजन के सिध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबीप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हैं., के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 401 4थी मंजिल, घर नं० 2416, ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-1।

(क्षेत्र: 110 चौ० फि०)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कि 5129 जो जून 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सम्बम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (विरीक्षण) अर्जन रज, पूना

तारीख: 2-2-1985

प्रक्ष बाई.टी.युन.युस. ------

भारा १६९ मार्थ (1961 का 43) की भारा १६९ मार्थ (1) के अभीन स्वाना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 फरवरी 1985

मिवेश सं० 37अईई/6796/84-85/1073--अतः मुझे जनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लॉट पंच पाखड़ी, उमेव नगर, है तथा जो थाने में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रांजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हाँ और मुक्ते नह विद्यास करने का कारण हाँ कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हाँ और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पत्था गया प्रतिफल किन निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हाँ:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाद या किसी धन ा करव जास्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कवा, अकत अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण को. मी, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० महाबीर एण्ट्याइसेस, पाइप लाइन, . सेवानी ट्रांसपोर्ट के सामने, महामार्ग, थाने।

(अन्तरक)

मैं० महालक्ष्मी डेवलपर्स,
 उमेद नगर,
 पाईप लाईन मार्ग,
 जय संतोषी मां मंदिर के नजदीक,
 पंच पाखड़ी,
 थाने।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाना होती हो, से भीनर प्रक्रित स्विक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्लॉट जो पंचपाखड़ी गांव, उमेद नगर, थाने में स्थित है। भीर जिसका नं० 87, 90, 108, 122, 127 है। (क्षेत्र: 16983.37 चौ० मी०)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कि 6796 जो जून 1984 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

बारीख: 5-2-1985

नोष्ठर :

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनौँकः 2 फज़्बरी 1985 निदेश सं० 37\$ई/6690/84-85/1070—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट न० 15, 16, बगात नं० स० स० नं० 75, 76, कोरेगाव पार्क है तथा जो पुणे में स्थित है (भौर इससे उपावत अनुसूची ने भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहाया आवकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीतत नाजार मृन्य सं कम के दासमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीकत नाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिये) के बीध एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफालनीम्नलिखित उद्देश्य से उदत् अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करों, जिल्हों भारतीय आगातर श्रीविष्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अशिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिथाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० वरजोर नौरोजी लैंण्ड, तथा अन्य, 68-ए०, न्नीम केनेडी गार्डन्स, भोलामाई देसाई मार्ग, बम्बई-26।

वम्बई-21 ।

(अन्तरक)

 मैं० मिजिया ठाक्कर प्रोपर्टीस प्रा० लि०, 112/113, मित्तल टावर, बि०-विग, 11वी मंजिल, निरमान पवाइंट,

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सकति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास निखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों अरेर एवा का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय मे दिया। गया ही।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15, 16, कोरिगांव पार्क, पुणे। (क्षेत्र: 11764 चौ० यार्डस)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 6690 जो जून 1984 की सहाय विश्वयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-2-1985 मांहर : प्रकृष आई. १। एन. एम. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काम्नलय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई 5648/84-85/1074--अतः मुझे, अनिल कुमार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उन्त शोधीनग्रम नक्षा हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 '-रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी सं० युनिट-जी०-2 तथा एम०-2 तारावाग, कोरेगांव मार्ग, पुणे, सी० टी० एस० 17/7/2 स० स० नं० 371/1-5/1 ए०-2 है तथा जो पुणे में स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीहर्ता अधिकारों के कार्यालय, महायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जुनाई 1984

काँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मुं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिकल में, एस दृश्यमान प्रतिकल में, एस दृश्यमान प्रतिकल में, एस दृश्यमान प्रतिकल में, प्रस्ति का अंतर अन्तरिती (अन्तरित्ता से अधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरिक्ता) और अन्तरिती (अन्तरित्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गमा प्रतिकल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण स हुद्द किसी बाब कर बोनेत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में मिकिया के सिए।

सतः अब, उसत अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री म० ह० दमाङ्यि तथा अन्य, "जयम ट्रस्ट", इ।रा ज० म० मेहला, 21/1, र० अ० किदवाई मार्ग, बडाला (दक्षिण), बम्बई-36।

(अन्तरक)

2. श्री हुसेनभाई साहीं हुसिमुदिन तथा अन्य, डा० सयदुना ताहेर सैफुद्दीन मेमोरियल ट्रस्ट, मणिथा भेम्बर्स, 276, डा० ड० न० मार्ग, बम्बई-1।

(अन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन् क निए कार्यवाश्विम करता हु।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्सि व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याध्योकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गुवा है।

मनुसूची

यूनिट जी०-2 तथा एम०-2 क्षेत्र: 1798.173 कि कि तथा 938.33 चौ० फि० तारा बाग बिस्डिंग, कोरे-गांव मार्ग, पुणे। सी. टी० एस० नं० 17/7/2, पुणे, स० स० नं० 371-ए०/1-5/1-ए०-2, एफ० पी० नं० 287, टी० पी० एस० संगमवाडी, पुणे।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 5648 जो जुलाई 1984 को सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के बफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-2-1985

प्ररूप बाई. टी एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/4820/84-85/1075-अतः मुझे निल कुमार,

आयश्र आधीरत्य, 1981 (10() रा १३) फीनसे इसमी हमके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अभीत सक्षम प्रविकारी को दह विश्वास करने का दित **बाजार मल्**य .25,000/-र_{ास} से अधिक **हैं**

ग्रौर जिसकी सं० 566 हिस्सा नं० 16 बिववेव डी है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपर्वीद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिक री के क योलय सह यक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1008 का 16) के अधीन तारीख जून 1984।

को पर्यावत समात्ति को जीवत बाजार सत्य र कम का दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक स्थमान श्रीतफल स एसे दश्यमान प्रानफन का पन्द्रह अंतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्रितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्तिफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित थें कारतिक कर म किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबन, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य असन्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11, या लहा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया नाना था, छिपाने में एविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260-ए के अनसरण र्म, में उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती लक्ष्मी बर्ड भागुजी बिबवे तथा अन्य 119 विबवेव.डी पू क्रे-9

(अन्तरक)

2. श्रीमती किरण र० गंतर मै० गंतरा विल्डसं शोकक नगरे पूर्ण-7।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति कं अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 कि भो जर्जान या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों राचना की तानील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवी वाद मा समाप्त हाती हां, के भीतर पर्वाकर व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इर स्नना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिन मं जिए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्प

स० नं० 566 हिस्सा नं० 16 बिबवेवाडी पूणे। (क्षेत्र: 43520 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कं० 4827 जो जून 1984 को सहाय ह अ यकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दपतर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख: 5-2-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश स० 37-जी०/817/84-85/1219-अत मझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि रशवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ० प० नं० 191 स० ट० स० नं० 348/रा०/1/1-जी० संगमवाडी है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर रसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबधक पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1903 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984।

को पूर्तिकत सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्र्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिकल से एसे द्र्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिरा स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिया में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर लिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया खा या किया जाना चाहिए था, छिपान मा गूबिधा की सिए;

अत अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री जबाहर घासनमरी तथा अन्य, 186, बालकेश्वर मार्ग, बबर्म्झ-6।

(अन्तरक)

2 श्री माधव 2० सांमत तथा अन्य, 37-ट० वालमाउट, ने(पयन सी मार्ग, बम्बई-36।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्न सम्परित के अर्जन के सब्ध में कोई भी अप्या .~-

- (क) धास गुमना के राज्यात्र को प्राप्तान की नार्यात्र सं 4.6 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामान र 50 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वेक्त ब्यादना में स फिसी व्यक्ति जाता,
- (ख) इस अचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

रपरटोकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो ढोलेपाटिल मार्ग में है और जिसका फि पे ने 196, से टे से ने 348/ए०/1/1-बी॰ है और जो सगमाडी, पुणे में स्थित है।

(क्षेत्र. 2571.95 चौ० मी०)

(जँसे कि रिजिन्द्रीकृत बिलेख कि 2795,10 जो जन 84 का दुय्यम निबंधक, पुणे के दपतर में लिखा गया है।) अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, पूना

तारीख · 2-2-1985

प्ररूप आईं, टी. एन. एस , ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्बानय, महासक कामरर नामुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

्रिपा, दिनांक 2 फरवरी 1985 निदेश सं० 37–जी०,787/84–85/1220—अतः मुझे,

अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव नंव 4726/10 प्लाट नंव 40, पंढरपुर है तथा जो गीलापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अग्रि-कारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, गोलापुर में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारी ख जुन, 1984

को पूर्वोक्स सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसि इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण न हुई किसी बाय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आसकार औं धीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर व्यिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती बवारा धकर का कियान मी स्विधा के लिए;

सतः सब उक्त बोधिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा '1) के अधीम, निम्नलिखित व्यवित्यों, अथित :---4---496 GI/84 श्री गंगाधर महोदय गर्जर, पंढरपुर, शीलापुर।

(अन्तरक)

 श्री प्रकाश णंकरराव देशकर, ब्राश म० र० जोशी, (ग्रडवोकेट), "कला मूर्ति", भाजी मार्केट के नजदीक, पंढरपुर, शीलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 40, स० र० स० नं० 4726/40, पंढरपुर, मनिशान हाउस. णीलापुर।

(क्षेत्र: 90.5 तथा 2816 चौ० (म०)

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 1219 जो जून 1984 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुर्ण के दफ्तर में लिखा गया है।

अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायककर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 2-2-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार ,

कार्यासय, महायक कायकर कायकत (निरौक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेण सं० अई--2/37अईई/5811,84--85---अतः मझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 9. विलेज श्रोणिवरा, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उष्यत बाजार म्ल्य में कम के दृश्यमान प्रतिएक्ष्त के लिए अल्पेरित औ गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरक निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों कर. जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती ब्वारा प्रकट नश्री किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए:

जत. अज, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की पारारा ।;। बें अधीन, जिम्न∫लेखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2 अब्दुल भाई अउल्लाहीन सोमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

अनचची

"फ्लैंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बिस्डिंग नं० 9,, विलेज स्रोशियरा, बहराम बाग के पीछ, जोमेणवरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-2,37 ईई/5811, 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मन दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

प्रक्षम् जाहौ. टी. एत. एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेण सं० ग्रर्ड-2/37ईई/5833/84-85 — श्रत: मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2बी०, जो, ग्राउन्ड फ्लोर इमारत नं० ए, प्लाट नं० 18, भवानी नगर मरोर मरोगी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ ग्रनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तहरीख 2-6-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशाम से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण सं हुइ किसी बाय की बावस, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी भाय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ. उक्त अधिनियम की वारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकां अधीर :

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रब्दुल रशीद और श्रीमति मुमताज बेगम ए० रशीद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, आं उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, ओ उस अध्याय में दिया वया है।

बन्त्जी

"दुकान नं० 2बी०, जो ग्राउन्ड फ्लोर इमारत नं० ए, प्ला नं० 18 भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-2/37ईई/5833/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को र्जास्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

तारी**ख**ः 11-2-1985

प्रकथ नाइं.टी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन स्भाना

भारत तरकातु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/5839/84-85--अतः मुस्रे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मधाम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 101, जो, ''प्राईडि' बिल्डिंग, प्लाट नं. 17, 18 और 43 (अंश), एस.नं. 91ए, (अंशर), 95ए (अंश), वसीवा, अंधेरी (प), बम्बई-61.

में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजन्दी हैं तारीख 2-6-1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में समिशा के निए; और/बा
- (क), एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 व। 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्यारा प्रवाह नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिना से सविधा के लिए;

मत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. मेसस रेशम इंटरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती रथी उन्नी श्रीर श्री सी० के० उन्नी।

(अन्सरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अरुधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जम्सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, भही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लंट नं. 101, जा ''प्राइक्डि'' बिल्डिंग, प्लांट नं. 17,18 और 43 (अंश), मौजे, वसोंवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/5839/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

महिर:

प्ररूप बाइ . टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

नारत् दृरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवर्री 1985

निर्वेश सं० आई-2/37ईई/5850/84-85—अतः मुझे; लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लंट नं 704, जो, 7वी मंजिल, बिल्डिंग नं 6 (अल-मदीना), मिल्लात नगर, टिहलेज ओशिवरा, बेहराम वाग के पीछो, अंधेरी(प), बम्बई-58.

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय्कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारील 2-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने को सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्तत अधिनियमं की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**धित व्यक्तियों, अर्थात**ः— 1. श्री क्षियाउद्दीने बुखारी

(अंतरक)

2. श्री गयासुद्दीन अलाधनस

(अंतरिती)

स्त्री मह सूचना चार्डी करके पूर्वोंक्त सम्मरित के मर्चन के निक् कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुवत शब्दों और पदों का, जो उनत विभीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विया प्या ह

प्रन्सूची

प्लट नं. 704, जो, 7वीं मंजिल, बिल्डिंग नं.6, (अल-मदीना), मिल्लात नगर, टिहलेज ऑशिवरा, बेहराम बाग के पीछी, अंधेरी (प), बस्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.सं. अर्ह-2/37र्हर्ष/5850/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रणीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

भायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1985

निदेश म० अर्ছ-2/37-ईई/5852/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० फ्लंट न० 405, जो 4थी मजिल, बिल्डिंग ग्रव्हरी हाइट्स, प्लाट न० 1, एस० न० 41 (ग्रंश) 4 बंगसीज, वर्सीवा, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोन के अतरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:—

1. मेसर्स यस्मिन इंटरप्राइसेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री इस्माइल अब्दुल्ला जुम्मा

(ग्रन्तरिती)

 मेसर्स ग्रोशिवरा लैण्ड डिवलपमेट कम्पनी प्रा० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति मे हितबद्ध है)

को सह स्पना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त-अभिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं कर्य हागा जो उसा अध्याय में दिया स्था है।

अस साची

् "फ्लैंट न० 405, जो, ।थी मजिल, बिस्डिंग अँव्हरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० न० 41 (अंग), 4 बगलोज, वर्सीवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37—ईई/5852/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निशीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बर्ष**

तारीख: 7-2-1985

मोहर .

प्रस्त्य बार्डं.टी.एन.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सारत सरकाए

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-२, बम्बई

वम्बई, दिनॉक 7 फरबरी 1985 निदेश सं० अई-2/37–ईई/5855/84–85–-37न मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1304, जो 13वी मंजिल, बिल्डिंग नं० शेफफिल्ड, प्लाट नं० 354, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगलोज, वसींवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसने उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, नारीख 2-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; अपि/या
- ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का प्राप्तिक प्राप्तिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम पर्पति अधिनयम, या धन-कार अधिनियम पर्पति अधिनयम, या धन-प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियाँ गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलि। स्रत व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री ईश्वरी जी० उत्तम

(अन्तरक)

2 श्री कमलेश लाभशंकर अवस्थी

(अन्तरिर्ता)

3. मेसर्स श्रोशि वरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि०,

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है दि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ई) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुछ 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 1309, जो. 13वीं मंजिल, बिल्डिंग शेफ़फील्ड टावर्स, प्लाट नं० 354, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्ब ξ –58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सि अई-2/37–ईई/5855/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टिं किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 7-2-1985

प्रकप. नाइ. टी. एम. एस. - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/5856/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1303, जो, 13वी मंजिल बिल्डिंग ग्रोफिफिल्ड टावर्स, प्लाट नं० 354, एस० नं०, 41 (ग्रंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय, बम्बई में रिजम्ट्री है, तारीख 2-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे धृश्यमान प्रतिफल का धन्सह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण जिलात में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी आज की काब्त, उजल अधिनियम से अधीम कर दोने के ब्न्तर्क से दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ष्टिपाने में मृतिभा औं लिए;

अतः तय उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री मोइन जी० उत्तम

(अन्तरक)

2 श्रीमती मिनाशी एन० भट्ट

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया ने से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 1303, जो, 13वी मंजिल, बिल्डिंग गोफिफिल्ड टावर्स, प्लाट नं० 354, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची ज़ैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/5856/84-85 ग्रौर जो सभम प्राधिकारी, वस्थई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी मञ्जायक आयाग्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेंज-2, अम्बर्ध

तारीख: 7-2-1985

मांहर :

प्रकल बाद. दी. एन. इस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना भारत सुद्रकार

कार्यालय, सहायक **कायकर काय्**कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फ़रवरी 1985

निवेश सं० अई-2/37—ईई/5857/84—85——अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट न० 502, जो, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, विलेज स्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का स्वित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिक्त का निम्नितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिक्त का निम्नितियों के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिक्ता निम्नितियों के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रतिक्ता निम्नितियों के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रतिक्ता की निम्नितियों के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रतिक्ता की निम्नितियों के नीच एसे अन्तरण की लिए तथ पाणा प्रतिक्ता की निम्नितियों की नीच एसे किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनत बिध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; बार्/बा
- (क) एनेते किसी जान या किसी धन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुलिया विकार

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-5---496 GI/84 1. श्री झियाउदीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री गुलाम हुसैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

बनुसूची

"फ्लैंट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, विलेज श्रोणिवरा, बेहराम क्षाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), वम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37–ईई/5857/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

नारीख: 11−2−1985

प्ररूप बार्द. टी. एन., एस.-----ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायब आयवार आय्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई बम्बई, बिनांक 8 फ़रवरी 1985 निदेश सं० अर्द-2/37-ईई/5872/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- त स अधिक है

स्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, "पर्ल हवेन", प्लाट नं० 68-ए, आफ़ एस० एस० स्कीम 8, जपेल रोड, बांद्रा (प०), श्रम्बई-50 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ई), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरितं की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाग्वोंक्त सम्पत्ति का उज्ञित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे रश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ए.नी जिसी अप स सिसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों शरनीर अप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या क्किस स्थितियम या क्किस स्थितियम प्राप्तिक स्थितियम अस्ति अस्तियम अस्ति अस्तियों अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वियस के लिए;

बत् क्रव, उक्त अभिनियम, की भारा 260-म के अनुसरण औ, भ", उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिखित स्थितियों, नमाँच ----

- 1. श्री विजेन्द्र एम० घोणाय (एच० यू० एफ०। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री सागीर अहमद ग्रन्सारी श्रीर
 - (2) श्री शरीफ अहमद अन्सारी।

(अन्तरिती)

 श्री शाधीर अहमद अन्सारी श्रौर गरीफ ग्रंसारी।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ई)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित शद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्मष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया यसा है।

अनुसूची

"दुकान नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर "पर्स हवेन", प्लाट नं० 68-ए, आफ एस० एस० स्कीम, 8, चपेल रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित हैं।

अनम्ची जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/5872/84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, अम्बई

नारीख: 8-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्द टी. एन्., एस्., -------

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, अम्बर्द
अम्बर्द्द, विनांक 7 फ़रवरी 1985
निदेश सं० अर्द्द-2/37-ईई/5893/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, जो, 6वी मंजिल, बिल्डिंग प्रार्द्दम रोज, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंण), 4 बंगलोज, वर्सोधा, ग्रंधेरी (प०), धम्बाई—58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, धम्बाई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में श्रक्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत् मीनिवृत्व में वृत्तीय कहा योगे के क्यारक में वार्टिवर में कमी कहने वा अससे बचने में सुविधा के सिए; बीड/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में वृत्तिया के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों अर्थात् म— 1. मैसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(श्रन्सरक)

- 2 श्री मोहित मल्होता श्रीर श्री संतोष मल्होता (अन्तरिती)
- 3. मैंसर्स श्रोशिवरा लैन्ड डेवलेपमेट कं० प्रा० लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वविध, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ख) दुस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध, किसी जन्म स्थावत व्यारा जभोहस्ताक्ष्री के पाड़ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्यों करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं मुर्थ होगा को उस मुख्याय में दिया प्रवाह ।

वगृत्यो

"फ्लैंट नं० 602, जो, 6वी मंजिल, बिल्डिंग प्राईम रोज, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (घ्रंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/5893/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष आई. टी. एन. एस. -----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बाउव सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/5900/84-85-- अतः मुद्दीं, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है'), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० क्लैट नं० 1, जो '7बी मजिल, गोल्डन राक, को-आप० हार्जिसंग मोसाइटी लि०, पेरी कास रोड, ब्रादा, बम्बई, में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की ज्ञारा 269 के ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे उपयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गरन आर० रामचंद्रानी।

(अन्तरक)

(2) मिर्जा मोहम्मद जाफर अली खान नाजम-एस-सानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त स्मित्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपृतित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वता की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए जा सकों थे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त संब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थे। उस अभ्याय में विका युवा हैं श्री

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो, 7वी मजिल, गोल्डन राक को-आप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०,पेरी कस रोड,बांद्रा,बम्बई मे स्थित है। अनुसूची जैमा कि क० सं० अई-2/37/ईई/5900/84~85 श्रौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 4-6-1948 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

बाउव ब्रक्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) अर्थम रेंज, बम्बई

बम्बई, बिनाक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं ० अई-2/37ईई/5901/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसं इस्कें इसकें वृक्षात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम अभिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं०पलेट नं० 2, जां, 7र्व। मंजिल, गोल्डन रॉक को०-आप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०पेरी क्रांस रोड, बांद्रां, बम्बई, में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है) श्रीर जिसक करारनामा आयकर ऑधानियम, 1961 की धारा 269 के खे के अबीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके क्रयमान प्रिक्षित्त से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिग्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से किथा नहीं किया न्या है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी भाव की बावत उक्त जीध-रिन्धुम के सुधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्थ में कभी करने या उच्चे बचने में सुविधा के लिए; जीट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनी विकास जाना वाहिए था, डिपाने में सुनिधा के लिए;

अंत: अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित श्वक्तियों, स्थात् — (1) श्री शरन प्यार० रामचंदानी,

(अन्तरक)

(2) श्रीमति परवीन सुलतान बेगम।

(अन्तरिती)

को यह बूचना जारी करके पूर्वांक्त सभ्यत्सि के नर्जन के निय कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त रम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपंत्र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद में बद्ध किसी वाग त्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पगसपी

पर्लंट नं० 2, जो, 7वी मंजिल, गोल्डन राक को०-आप०, हार्जिसग सोसाइटी, लि०, पेरी कास रोड, दांद्रा, बम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/5901/84-85 थ्रौर सक्षम प्रााधकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रक्ष्याः वाह्यः दी, पुन्नः पुष्यः -------

अभेयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन स्चना

मार्ट्स बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई वम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985 निर्वेण सं० अई०-2/37र्श्ह, 5911/84/85—अतः, मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित क्षाणार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लंट नं० 28मां, स्इट श्रीर वस्ट साईड, श्रीर श्रीर गैरेज नं० 2 के माथ, जो विमूर्ती को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नार्थ अब्ह्येन्य, मांताकुझ (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण म्य में बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मद्दे हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त संवरण जिल्हा में बास्यविक रूप से किथा नहीं किया गया है ध----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर देने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/था
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः अष. उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दीपक चोपड़ा, (2) श्री धर्मबीर वी० चोपड़ा
 श्रीर (3) श्रीमती सावित्री देवी डी० चोपड़ा

(अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती चंब्रसेन पांय ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती पार्वती चंद्रसेन पाय ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

₹) ⊦

4. श्रीमती पार्वती चंत्रसेन पाँय।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध

है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

दगराची

"फ्लट नं० 28ां सी, ईस्ट भ्रौर वेस्ट माईड, भ्रौर गैरेज नं० 2 के साथ जो त्रिमूर्ती को० आप्रेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, नार्थ अव्हयेन्यू, सांताकूझ (प), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋुुसं अई-2,37ई ई,5911/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 4 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्र

तारीख: 11-2-1985 I

मोहर 🖫

प्रस्प बाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवरीं, 1985 निर्देश सं० अर्ह०--2, 37ईई/5903/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचिन बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो, 5वीं मंजिल, गोल्डन रॉक को—आप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, पेरी काम रोड, ब्रांदा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीला 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई फिसी नाम की नावत, अक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के निए; बार्ट/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्वैविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शरन आर० रामचंदानी।

(अन्तरक)

(2) मिर्जा हुसेन यावर खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट न० 2, जो, 5वीं मंजिल, गोल्डन राक को-आप० हाउसिंग सोंसाइटी लि०, पेरी क्रास रोड, ब्रांदा बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-2/37ईई; 5903, 84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **भ्रा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्ब**र्ड**

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

जागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय., सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/5902/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव्यालट नंव 1, जो, 5वीं मंजिल, गोल्डन राक को—आपव, हाउसिंग सोमाइटी लिव, पेरी कास रोड, बांदा, बम्बई में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है, (श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायिलय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरिती (अन्तरितयार्वे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी जाय की बाबत , उच्चेत अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-असर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपान में साबिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखिस व्यक्तिकार्यों, अर्थात् ए — (1) श्री गरन आर॰ रामचंदानी।

(अन्तरक)

(2) मिर्जा हुसैन यावर खान

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

न्यस्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, 5वी मंजिल, गोल्डन रॉक को आप हाउसिंग सोसाइटी लि०, पेरी कास रोष्ट, ब्रांब्रा, बम्बई में स्थित ई। अनुसूची जैसा की कि० सं० अई०-2/37ईई/5902/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-6-1983 को रिजस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष वार्ष्*् द*्रि एम्_स एस_ः-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई बर्ट दिनोक 11 फरवरी

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985 निर्देश सं० अई-2,37ईई/5912/84-85 --- अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं दुकान नं 1, जो, ली मंजिल, इमारत शिरीन सोराब पेलेस, प्लाट नं 225, नरीमन रोड, विले पार्ले, (पूर्व) बम्बई—57 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्प ने वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 4-6-1984,

की प्योंकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के 'निए तब पाया गया प्रतिफल निम्निसित्तत उप्योदय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से शुद्ध किशी बाव की पावत, उपैठ विधिनयम के अधीन कर दोने के बन्दरक की श्रीयत्य में कमी करने वा उससे बुचने में सुविधा की सिए; आर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्वैद्या के निए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सवानी फेमिली द्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर कुमार अमृत लाल गोहिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशांत्रत संपत्ति के वर्षम् के विश् कार्यगाहियां कारता हुं।

अन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 हिंग की अवधि या तत्सक्ष्यत्भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, को भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सें
 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 लिवित में किए का सुकोंगे।

स्पब्दीकरुणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नुना हु⁸।

, पनुसूची

दुकाव नं 1; को; 1ली मंजिल, इमारत शिरीन सोराब पेलेस, प्लाट नं 225, नरीमन रोड, विले पार्ले, (पूर्व) बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसा कि फल्सं० अई-2/37ईई/5912/84-85 और जोसक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्टाई

तारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाह् टी एन. एस अ

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद्ध 269-थ (1) के अधीन स्थान

बारत संस्काह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं् अई०-2, 37ई ई, 5913, 84-85-- अत: मुझे, क्ष्मण दास

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट/ब्लाक प्रिमायसेस 📫 9, जो, ग्राउ फ्लोर, इमारत "न्यू मुजाता को—आप० हार्डीसंग सोसाइटी लि०, जुहू तारा रोड, सांताकूज (प) बम्बई—49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियड, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 4—6—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल टे लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्क विम्लिक्ति उद्यक्ष से उद्य अन्तरण निर्मित में बास्तिविक स्थ विम्लिक्ति उद्यक्ष से उद्य अन्तरण निर्मित में बास्तिविक स्थ विम्लिक्ति अर्थन कहीं किया स्था है

- (क) नगरन से हुए जिसी बाव की बावत स्पष्ट स्वीय-नियम के अधीन कर दोने के नन्तरक को वायित्य में करी कहने या स्वत्ये बचने में स्विधा के लिए। बीए/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा बन्ध वास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनाथ अन्तरिती देशरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसत व्यक्तियों, अथात्:— (1) श्री शेख आदम मोहम्मद।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश राधाकृष्ण कुमार।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह नुसना सारी करके प्यामित तम्मित के सूर्यन के निहर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतित् की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीं स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के गर सिसित में फिए जा सकांगे।

स्यव्होंकरण:---इसमें प्रश्नुनत ग्रह्मों और पदों का, को सकह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्रह्मा है।

जनसङ्

"फ्लैट ब्लाक नं० 9, जो, ग्राडंड फ्लौर, न्यू सुजाता को-आप हाउसिंग सीसाइटी लि०, जुहू तारा रोड, साताकूज (प०), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37ईई,5913/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड कि या गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्र**क्ष्म बाइ** 👸 टरी_{-्} पुरा ु पुरा ु-----

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

MICH STEELS

कार्यातय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंन रैंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० अ**ई**--2₁ 37ईई₁ 5915₁84--85-- अन्य मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परधात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से ब्रिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 502, जो, 5 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 9 विलेज श्रोशिवरा, बहराम बाग के पछि, जोगेश्वरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सजम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1984

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के निए जंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एवं क्यमान प्रतिकल को पंत्रह प्रतिकत ते निभक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिकल निक्तिवित उद्योक्त से एक्त सन्तरण कि सित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दाहम से हुई किसी बाय का बावदः, उस्त मौधीनवम के सभीन कर बाने के बन्दारक के दायित्व से सभी करने या धन्से व्यन में स्भिमा के लिए? मौर√ना
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में त्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् १---

(1) श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल सत्तार चौहान।

अन्तरिती)

उनद सम्मृतित् के नुर्वाद में सम्मृत्य के नहेर थी आक्षोद्ध-:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितवों में से किसी स्वीस्त द्वारा;
- (स) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुरी

"प्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, विलेज; स्रोशिवरा, बहराम नाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋुसं० अई-2/37ईई/5915/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज 2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

माहर 🖫

मुक्त आहें हो हो पुत्र पुत्र स्टब्स्स

भागकर वृत्तिप्रीतयम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-अ (1) वे वृत्तीम बुजुरा

¹ शाहत अंद्रकाड

कार्यांक्य, सहावक बायकर बाय्क्त (निर्देशक) अर्जन रेज 2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्द: 2/37 ई०ई०/5919/84-85---अत: मुझें सक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जिसका उच्चित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं प्रलंट नं 604, जो 6 वी मंजिल, बिल्डिंग नं 12, व्हिलेज भोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प), बम्बई 58, में स्थित है (स्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है), स्रोर जिसका इकरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबत उच्चेत्स से उक्त बन्तरण शिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उन्नत विध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के हैंसए;

बतः, बब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-भ के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्ष्म 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री अहमद रेझा बेंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्चन के सिहु कार्यवाहियां करता हूं।

• उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कनेहें भी आक्षेप ः---

- (क) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकों गें।

स्थाख्दीकरण: इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ज्नुस्ची

फलैंट नं 0 604, जो 6 वी मंजिल, बिल्डिंग नं 0 12, क्लिज भोशिवरा, बेंहराम बाग के पीछे जोगे स्वरी (पैं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई० 2/37 ई०ई०/5919/ 84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 6 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मअ दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोम: 6-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश स॰ अई-2/37ईई/5920/84-85:--यतः मुझे,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 12, विलेज ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे) उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीखें 5-6-1984

की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों), और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-अधिनियक के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी क़रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असितयों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957-का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) विश्विति विश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् भ

1. श्रो झियाउद्दीन बुखारी।

ं (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद इकबाल मोहमद अमीन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बतस की

फ्लैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग न ० 12, विलेज ग्रोशिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेंश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स ० ्अई-2/38ईई/5920/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985 मोहर 🖁 प्रकम बाइं. टी. ऍन. एस. ----

बावकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांबय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं न रेंज-2, बम्बई

् अम्बर्ड, दिनांक 6 फर्परी 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/5921/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 603, जो, 6वी मंजिल बिल्डिंग नं० 12. विलेज भोशिवरा, बेहराम बाग के पिछि, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूर्चा में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-6-1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में श्राम्यक रूप से कंपित नहीं किया गया है है—

- े (क) क्रियरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त विभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे ब्याने में सुविधा के लिए, वरि√या
- (च) पुरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं / किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

शतः अय उक्त नीमनियम की भारा 269-ग के अमुसरक क्रें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) चे नभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अभात ६── 1. श्री झियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री कुरेशी मोहमद इकबाल।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के अर्जन के तिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है , 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर्य स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्वादिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के जिल्लाय 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थहोगा जो उत्प अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

प्लैट नं० 603, जो 6वी मंजिल, बिल्डिंग न०.12, विलेज श्रोशिवरा, बेंहराम घाग के पीछें, जोगेंश्वरी, (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/5921/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, पक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (नि**रीक्षण),** अर्जन रॉज**−2, बस्बई**

तारीख: 6-2-1985

मोहर:

प्रस्प बाइं.टो.एन.एस. ? - --

1. श्री एस० जे० कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

· 2. श्री नीलकण्ठ रघुनाथ खिरे । बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज 2, बम्बई -बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई- 2/37ईई/5927/84-85:--अत [·] मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चा**त् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया ह**ै**), की धा**रा** 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सख्या फ्लैट नं० 207 जो, कमलू कुंज, सुभाष

रोड, युनाइटेड इण्डस्ट्रियल फैक्टरी के सामने, विर्ले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख

5-6-1984

कौ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उदित बाजार मृल्य में कम के इरुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गर्वा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविकं रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसीं बाद की दादत, उक्त मुभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गरि/या
- (ख) एसे किसी आ राजिया का का किस्ट्रों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुराग णहट नहीं किया गया था या जिला जाना चाहिए था लिए ने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुरक में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🕏 अधीन्, निम्नतिश्वित् व्यक्तियाँ 🗗 अर्थात् 🖫 🗕

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ह

- (क) इस स्चन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से 45** दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कंपी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में . दिया गया है ३

अनुसूची

पलैट न० 207, जो कमल कुज, सुभाष रोड, युनाइटेड इण्डस्ट्रियल फैक्टरी के सामने, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57

अनुसूची जैसा कि ऋ स ० अई-2/37ईई/5927/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-198,

मोहरु 🛭

मुक्या आर्ष्ट होड दुन्ड दुन्ड - × - + -

बायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०२२/37 ई०ई०/5953/84र85—अतः मुझे; लक्ष्मणं दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०पलैंट नें० आगे दूसरी मंजिल पर, जो "भव-दीप" प्लाट नं० 22, श्रीजोरी कों० ऑप० हार्आसग सोसायटी लिमिटेड, वि० पि० रोड, श्रेधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्वित है श्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 व ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल निक्तिविद्य उद्देश्य से उकत अन्तरण कि चित्तर में वास्तिक कम से कीवत नहीं किया गया है है—

- '(क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-च को अन्सरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों हु। अधीत् ६—० 1. श्री चन्द्रणेखर जी० वैद्य।

(अन्तरक)

श्रीमती रमेश रानी डी० गृप्ता ग्रौर
 श्री राकेश डी० गृप्ता।

(अन्तरिती)

कों वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें।
 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूत्रना की नामी को 30 दिन की अविधि, जो श्री
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम निरिखन में क्लिए हा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्रची-

पलेट आगे दूसरी मंजिल पर, जो, भू"मय दीप," प्लाट नं॰ 22, अन्धेरी को-आप हार्जीसंग सोसईटी, वि॰ पी॰ रोड, अन्धेरी (प॰), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/5953/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बभ्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 र् को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ॄंलक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख 2 1984 मोहर ध वरूप बाइं, टी. एन. एस.-----

ाः श्रीमती भानूलू संगवान।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल जैन।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ब्म्बई, दिदांक 12 फ़रवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/5960/84-85:--अत मुझे,:

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 704, जो, कृष्णा अपार्टमेंट, प्लाट नं०15, 4, बेंगलौज रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-6-84

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के कात्पाय भे कमी करन था उसमें बचने में स्विधा है लिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अग्नित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बद: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण हो, मैं. इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्रची

फ्लैट नं॰ 704, जो कृष्णा अपार्टमेंट, प्लाट नं॰ 15, 4 बंगलीज रोड, अन्धेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ॰ सं॰ अई-2/37 ईई/5960/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7/-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष आहें हो एन, एस . ----

भागकर वरिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सुचना

साइत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई, 5967, 84-85:--अतः मुझे, सक्सण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैटनं० 908, जो, 9 वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ,अनूसूची में और मूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-6-1984

को पृत्रों क्त सम्परित के उचित बाजार मृत्या से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकरें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- /क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उदत अधि-निवंश के बंधीन और दोने के अंतरण के वाबित्य जै कभी करने वां उससे बचने में सुविभाके बिए; बीड/वां
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ट बीधनियम, वा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के अभेधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, किया में सुविधा के विक:

अतः अवः, उत्तर अधिनियम की वार्ण 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिं, अर्थात् ए--- 1. श्री कांतीलाल बी० जैन।

(अन्तरक)

2. श्री आर० डी० पिटो।

(अंतरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर संप्रित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त विभिन्निम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिया गया है।

अगुलुची

पस्तैट 908, जो, 9 वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश, रोड, वर्सीवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-2,37ईई,5967,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 7-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🕄

दास,

भारत बद्धार

कार्याक्षय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 फरवरी, 1985

निर्देश स० अई–2/37ईई_/5979/84-85—अ**तः मुझे,** लक्ष्मण

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास केरने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या आफिंस नं 5, जो 2 नमिजल, श्री बालाजा, दर्शन तिलक राइ, सांताकूज, (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 म्ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-6-1984।

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के, क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बार या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें प्परतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-स्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सूरिधा के निए;

कत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण रे, में, उक्त अधिनियम की धीरा 269-च की उपधारा (1)। हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों अधीर ध-- 1. मेसर्स भगवती बिल्डर्स ।

(अन्सरक)

श्री आर० डी० कुबल भ्रौर एसोसियेट।

(अम्तरिती)

2 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रे----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

लगुजु 📆

आफिस न० 5, जो, 2री मॉजिल, श्री बालाजी दर्शन, तिलक रोड, सांताकूज(प०), बम्बई-54 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/5979/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 7-6-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 2, सम्बर्ड

तारीख . 8-2-1985 मोहर . प्ररूप नाइ. टी. एन, एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मुधीन सुजना

भारत शरकार

कार्यालय, महायक आयंकर नापृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फ़रवरी 1985

निर्देश सं ०/अई-- 2/37-ईई/5981/84--85-- अतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिबे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- कि. सं अधिक हैं

की से आपक है और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 303 ए, जो 3री मंजिल, भारती अपार्टमेंटस ए, मेरली राजन रोड, ब्रांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ब्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 9-6-1984 को पूर्वें क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य म कम के रहपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक इं और अन्तरक (अन्तरका) और (बन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेहय से उनत अन्तरण लिखित बालाविक कम से स्थित वहीं दिना ग्या है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने का उससे बचने में सूविधा के लिए; आहर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभा के लिए; और/या

भराः भराः उत्रत अधिनियम् की भाग 269-ग के जनुसरण में, में, उत्रत अधिनियम की भाग 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ६—— 1. नवभारत डेवलपमेंट कारपीरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री बालू किशनचन्द छाबिया।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरुक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन क राज्य में ओई भी जाकीप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयभ के अध्याय 2√-क मा धीनभाषित है, वही अर्थ हांगा को उस अध्याय में विया नया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 303 ए, जो, 3री मंजिल, भारती अपार्ट,-मेंटस-ए, शोलीं राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई $_{l}$ 5981/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार , बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारे। सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 8-2-1985

मोहर:

प्रकल शाह_{ै टी.} एन., एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1985 निर्देण सं० अई-2/37ईई $_{l}$ 598 6_{l} 84-85—अतः मुसे, सक्मण वास,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं० 606, जो, 6वी मंजिल, कानकार्ड ए० बिल्डिंग, 4 बंगलोज, बसोंबा, अन्धेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की ।रा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-का-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम को दश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरितः की के ग हु मुभ्हे विश्वास करने का यह कारण 🕏 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं., एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुदंश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपान में सूर्विधा औ लिए।

कतः अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगत व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री मोहमद इक्बाल इस्माईल शिवाजी ग्रीर
 श्री मोहमद अफ्झलङ्गाजी इस्माईल।

(अन्तरक)

2. श्री मोहमद इक्बाल हस्त मिरचानी।

(अन्तरिती)

4. मैंसर्स स्रोणिवरा लेण्ड डैवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध हैं।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के गर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (₹) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीय रे 45 दिन के भीतर अवत स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पाल विक्ति में 1 हम्या प्रकाशनाः।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो दूस अध्याय में दिया ,गया है।

नन्त्वी

पलैट नै० 606, जो 6वा मंजिल, कानकाई ए, बिल्डिंग व 4 बंगलोज, बसाँबा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूत्री जमा कि क्रt मं० अई-2/37ईईt/5986/83-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🙎

प्रकम बाह्ये, टी., एन. एवं. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-मं (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ह, दिनांक 7 फ़रवरी 1985 निदश सं० अई-2/37ईई/5987/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ल को अधीन सक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलट नं 105, जो 1ली मजिल, हरमनीबी० बिल्डिंग, 4 बंगलोज, बुर्सोवा, अन्धेरी (प०) बम्बई—
58 में स्थिन हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तधिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की आवृध, उसते विधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; स्रोर/वा
 - (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का (1) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सबिधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उत्त अधिनियमं की धाग 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन ---- 1. श्री सईद मोईझुद्दीन ।

(अन्तरक)

 श्री जसिवन्दर सिंह ग्रीर निरन्दर सिंह।

(अन्तरिती)

 मेसर्स भ्रोणिवरा लैंन्ड डे०हलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लि०।

> (बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह शुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कर्यचाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सर्वध में कोई भी काक्षेप उ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींखा । 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यदितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के जीव निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

वंशसची

पर्लंट नं ० 105, जो, 1ली मजिल, हरमनी बी बिल्डिंग 4 बगलोज, बर्सोबा, अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० स० अई-2/37ईई/5987/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनाक 8-6-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–2, बम्बई

तारीख: 7-2-1985

मोहर :

प्रकप कार्ड, टीट एन. एस्ट्र------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 7 फ़रफरी 1985 निर्बेण सं० अर्ड-2/37र्ड्ड/5994/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण ।स.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.003/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मंग्या प्लेट २० ((7, जो, ग्राउण्ड प्लेअन, बिर्हिडम नं० बी-2, अपना घर यूनिट नं० 3 को० आप- हाउमिंग मोसाईटी लि०, श्री स्वामी समर्थनगर, 4 बेंगलोज, अन्धेरी (प०), बग्ध्र्र्स-58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार- नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-6-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के दीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तीवार हुए में किया गया है:---

- (कां) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत उक्त अधि = नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व की किसी करने या उनसे धचने की सृतिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या ब्रन्य अस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः बंब, उक्त वाधिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) भी अधीग, किस्तिकित व्यक्तियों, वर्षात् अल्ल 1. मेंसर्स समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री यनारायण वाबु मिस्त्री।

(अन्तरिती)

की यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तेत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी अ्यिक्तयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी अविद व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनेत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 007, जो, ग्राउण्ड प्लोअर, बिरिंडग, नं० बी-2 अपना घर यूनिट नं० 3, को आप हाउसिंग सोमाईटी लि०, श्री स्वामी समर्थ नगर, बंगलोज, अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० अई-2/37ईई/5994/84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 7-2-1984

मोहर 🔞

प्रकृप बाइं.ठी.एव.एस. ------

शायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर जायक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं ॰ अई-2/37**ईई**/6012,84-85'-यतः मुझे, लक्ष्मण वास.

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

प्रौर दिसकी संख्या इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 22, जो, ग्राउंड फ्लोअर, पी० 3, शिवणिक्त इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, एस० नं० 79, एच० नं० 10, एस० नं० 80 एस० नं० 1, मरोल विलेज, आफ अन्धेरी कुर्ला रोड (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्मान वितिष्ठ के लिए अन्तरित की गर्व है और मृत्रे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे द्रश्यमान प्रतिष्ठल का वृद्ध प्रतिष्ठल का वृद्ध प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (बंदरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नतिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में नृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तिग्ती दवारा ,प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना धाकिए था, छिपाने में मृतिथा खें सिए;

असः भव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधास (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:---- 1 श्री शिव शिक्त बिरुडर्स।

(अन्तरक) 🖁

2. श्री के० गोपाला कृष्णन।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्वक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो अक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्स्पी

इण्डस्ट्रियस शेंड नं० 22, जो भ्राउण्ड फ्लोर पी० 3, भिवशक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोल, विलेज, आफ कुर्ला रोड अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2,37 ईई,6012,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिटस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

सारीख: 11-2-1985

मोहर 🤌

प्रकल बार्ड . टी . इत . एस . ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-घ (1) के प्रधीन पुचना

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री निसार अहमद ए० मत्तार

(अन्तरिती)

भारत तरकाह

कार्यानयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 फ़रवरी, 1985

ि निर्दोश सं० अ**ई**-2/37 ई/6013/84-85:-अत मुझे, लक्ष्मण

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात म्वत्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात म्वत्य प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल विलेज श्रोणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्वर, (प०), अग्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारा, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हं और अध्यस्त (अध्यस्त को मोर अध्यिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अध्यस्त के लिए तय पाया गया प्रति- कस निम्नलिखित उद्देश्य न उच्त अस्तरण विश्वित मे बास्तिकृत क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय प्रायकण प्रिप्तिसम, 1922 . 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुबिक्षा के लिए ;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह— 8—496 GI/85 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तस्यं ची व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्यां में से किसी स्यक्ति इंबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क मा यथा परिभावित हाँ, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विका गक्षा है।

अनुसूची

पलैट नं० 301 जो 3री मंजिल, विलेज श्रोशिवरा, बहिराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है:

अनुसूची जैंसा कि कि ति अई-2/37ईई/6013/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर् ः

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारा 269-**व (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ह, विनाँक 8 फरवरी, 1985 निर्वेश सं० अर्ह-2/37र्हर्ह/6016/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 3, जो, 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, सिवता—2, रिबेलो रोड, बाँबा, बम्बई—50 में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 8~6—1984

को पृथेक्ति संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत संपत्ति का उण्यत बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अन्तरित (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा चया प्रतिक स, निम्नीसित उष्योदय से उद्य अन्तरण निविक्त में वास्तविक रूप से किया नहीं के

- (का) जन्तरण से हुइ फिसी जाय की वातत उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के बन्तरक औं दामित्य में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तिय[†] को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गया था वा िया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ो की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

मै० कानकार्ड इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

2. कुमारी त्रीरा सिसिलीया मार्ग।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर तंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकारो।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 3, जो, 2 री मंजिल, सिवता-2, निर्माणाधीन इमारत, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/6016/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्म आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–2, बम्बई

तारीख . 8-2-1985 मोहर :

प्रकथ बाईं. टी. एम. एस.-----

नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फ़रवरी, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6028/84-85—अनः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, "ए", विंग, सी शिल, बंगलोज, बसोंबा, अन्धेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण हिस्ति में नास्तिक रूप से कृषित नहीं किया नहीं है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदसे बजने में सृविधा के लिए; बीड/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपान के सुरायक के सिद्धः

मत: बन, उन्त विधिनियम, की भारा 269-व के बनुभरण में, मैं, उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नतिसित व्यक्तियमें, बर्मात्:— 1. मैंसर्स चेतन डेवलपमेंट।

(अन्तरक)

2. श्री स्वामी सी० पूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करकं प्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्रं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त परिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा स्याहरी:

जनसची

पलैट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, "ए" विंग, सी शिल, 7 बंगलोज, वसौंवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2,37ईई,6028,84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई-

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🛭

हरूप नार्चा, टी. एन. एवा.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकाड

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6029/84-85—अतः मुझ, लक्ष्मण वास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ - रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, "ए" विंग, सी णिल, 7 बंगलीज, वर्सीवा, अन्धेरी (प०) बम्बई 58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 8-6-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमून प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ((कंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त क्षेत्रकार के अपोत्त क्षेत्र को कन्तरक के द्यायत्थ्य मां कभी करने या उससे वचने या कृषिभा के हिन्छ, वार्/वा
- (ण) एसी किसी बाव पा किसी थन वा बन्य बास्तिनों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ नन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के जिय;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मर्ड, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- 1. मैसर्स चेतन डेवलपमेंटस ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती यू० किरण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पन्ति को नर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकारण की तारीस सं 45 दिन को अविधि या पत्समंधी अविध्यों पा स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाध्य हाती हा, के भीतर प्रवित्रभ स्थानित मों से किसी स्थानित द्वारा;
- (क) इस सूचना की राज्यन में प्रकासन की तारीख हैं

 45 विन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान
 लिखित में किए या सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिरियम, कश्च्याय 20-क में परिभावित है वही पर्य द्वा, ना उस प्रव्याय में दिया क्या है।

अनुसूचा

पलैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल "ए" विग, सी सिल, 7 बंगलौज, वर्सोबा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/6029/84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 8-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्ष**म** प्राधिकारी स**हायक गायकर ग्रायुक्**स (निरोक्षण) अर्जन रेंज–2,बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० अर्ध--2/37र्ध्ध/60/31/84--85-अनः मुझे लक्ष्मन दास

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अंधिनियम' कहा गया है), हा धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सख्या पलँटन० 201, जो, 2री मजिल, "ब", विंग सी शिल, 7 बगलौज, वर्सोवा, अन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विण्त हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घर्रा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ िंकसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उन्तर्श क्वां स्पृतिका के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की जिय;

1. मैसर्स चेतन डेवलपमेटस ।

(अण्तरक)

2. मैंसर्स स्टार ग्लास वर्क्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

चनत संपत्ति के अर्थन के सबध मं कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, "बी" विंग, सी शिल, 7 बंगलौज, वर्सोना, अन्धेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सख्या अई-2/37ईई/6031, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2.बम्बई

कतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रिजधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अभयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फ़रवरी 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/6038/84-85:--अत मुझे,

लक्ष्मण वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्त बाजार मृल्य

25.000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मजिल,

"अमर टावर", चन्दन सिनेमा के बाजू में, जुहू, बम्बई—49

में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विणित हैं), श्रीर जिसका करांरनामा आयकर अधिनियम

1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्बरित क्यी गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्त्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रावफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे जंतरण के स्थिए तब पायः
नया प्रािफल, निम्निचित उध्योदय से उन्त बतरण निचित के
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) असरक चैंडू किसी धाय की बाबस., उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अवस्था उत्तर्ध बचने में सुविधा के सिस्; जरि/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीन जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए वा छिपाने में सुविधा के सिए,

अत: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिश्चित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध---

1. मेसर्स अमर कन्स्ट्रकशन।

(अन्सरक)

2. उदय मनोहर लाल ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति, है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

जक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों प्र ज्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वर्षकी

फ्लेट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, "अमर ृटावर अन्दन सिनेमा के बाजू में, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि सं० 2/37ईई/6038/84-85 और जो सक्षमं प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज–2,बम्बई

सारीखाः 8-2-1985

मोह्र ⊉

प्रकप् बाइं.टी.एन.एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं; भारा 269-म (1) के बुभीन सुभना

भारत सहकार

क्षार्यालय, सहायक नायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985
निदेश सं० अई-2/37ईई/6046/84-84-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख व्हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 601, जो "कनवेरा इमारत", जयप्रकाश रोष्ट, घर्सोवा, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 8-6-1984

का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निवनाम करने का कारण है कि स्थापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) नग्तरण तं हुई किसी नाव की शावत, उनत अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक भी दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय-था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

लत जब उक्त स्थिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त स्थिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के सभीम, निम्निजितिक स्थितियों, अर्थात् :—— 1. मैसर्स देव कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनीता पी० खेमानी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवागः;
- (व) इस स्पना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश्र में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

रवय की

फ्लैंट नं० 601, जो, "कनवेरा" इमारत, जयप्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/6046/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2,बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर :

त्रस्य आह्रं .टी . एन . एस . -----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) ने मधीन सूचना

भारत मरकार

कार्णांस्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसदे पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, बिह्डिंग, नं० 6, विलेज श्रोशिवरा, बेहराम आग के पीछे जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कका के अधीन, सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषच्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है "----

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बानत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक की आधित्व में कभी करने या उत्तमे बचने में मुनिधा के निगा और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्र. झियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुबैदा बद्रहीन श्रीर नसरूल्ला खान।

(अस्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्डभी साक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्थल्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

भ्रनसूची

् फ्लप्ट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, विलेज भ्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई—58 में स्थिल हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/6051/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त,निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 6—2—19**85 मोहर** ब ब्रस्य बाइ .टी. एन . एस -----

आयकर अरिगिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन मचना

शास्त्र मरकार

कार्धानय, सहायक कायकार बायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, बस्बई

बम्बई, िनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं ० अई-2/37ईई/6068/84-85--अतः मुझं', लक्ष्मण दास,

सायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न किनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अजीत नक्ष्म पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जियका जीवत बाजार सन्य 25 (100/-र म पश्चिक्त न

ग्रीर जिसकी संघ्या पलैट नं० 107, जो, "कमल कूंज" सुभाष रोड, युनाइटेड, इण्डस्ट्रियल, फैक्टी के सामने, विले पार्ले (पूर्व), बम्बर्ट-57 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीट पर्ण रूप से विणा है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयहर अबिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को गर्ने जो ते ति का गरा भे का के का मान प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करों ना की अपनित्र के दूर्ण के का बूल्य, असे का गर्भ के विश्वास प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अभित को भीर अनरक (अनरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के तीन को जेनका के निए उस गया गया प्रति-फल निस्तितिक स्वतंत्र्य से जान अन्तरक निरित्रक से तास्त्रिक रूप से किथिर नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए। और/या
- (स) एसी किसी यात्र या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को रिक्त अपनीत अपनित्र अधिनियम १०११ ११०३ ११ रा उन्तर का गीतरम उन धन-कर प्रधिनियम, १०५७ (१०५७ का २७) के पणोक्का यन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना साहिए था, कियाने में सविधा

1. श्री एरा० जी० कन्स्ट्रवशन।

(अन्तरक)

डा० श्रीपाद यशवन्त रेगे
 ग्रीर विष्णु श्रीपाद रेगे।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 107, जो, "कमल कुंज" सुभाष्ट्र रोड, युनाइटेड इण्डस्ट्रिगल फैक्टरी के सामने, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/6068/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां के 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.,------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6071/84-85:---अत्रश्च मुर्झे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 8-ए०, ग्राउण्ड फ्लोअर, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लॉट नं० 28, महल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केन्त्र रोड, अन्धेरी (पृवं) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पृणं रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आगकर अधिनियम 1961 के धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 8-6-1984।

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबतः, उब्सा जिथितियम के जधीन कर दीने के जन्तरक जो वायित्य में कमी करते या उससे बचने में मृद्धिधा की लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:— 1. मैसर्स दामजी शाम जा एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. श्री लिना रिफ्रोशमेटस।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यूनिट नं० 8-ए जो, ग्राउण्ड क्लोअर, दाम जी शामजी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं० 28, महल इन्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केट्ज रोड, अन्धेरी पूर्व), बम्बई में रियत है।

अनुसूची जैंमा कि क सं० अई-2/37ईई/6071/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्र आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप लाइ. टी. एन. एस.-----

बाय्कर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई—2/37ईई/6075/84-85:---अत मुर्झे, लक्ष्मण दास

शायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्नीर जिसकी सख्या यूनिट नं 87, जो, 3री मंजिल, इमारत रहन ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सी० टी० एम० नं 744, (ग्रंश), इर्ला गावठाण, विले पार्ले (प०), बम्बई—56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका कारारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख क अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8—6—1984

को पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिचित में बास्त-विक क्ष से कथित महीं किया गया है के—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी कााने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना आहिए था, कियाने जें सीव्या हो विदे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण, के बभीन, निम्मिनिक्रिय व्यक्तियमों क वर्षा क्रिक्ट

1. मैंसर्स प्रगती कारपोरेशन।

(अन्तरक)

 श्री जयन्ती लाल जी शाहा और श्रीमती भक्तिबेन के० शाहा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए उसे के पास

स्पष्टीकर्ण: --- ५समं प्रवन्त कव्यों और पदौ का, जो उचन अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में किन्य गया है:

अनुसूची

यूनिट नं० 87, जो 3री मंजिल, इमारत रस्न ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेप्ट, सी० टी० एस० नं० 744 (श्रंग), ईली गावठाण विले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/6075/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11~2-1985

मोहरु 🖟

प्रकप बाइं., टर्डे., एन., एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज:2, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6076/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह म अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 88, जो, 3री मंजिल, इमारत रत्तज्यीत इण्डरिट्रयल इस्टेट, सी० टी० एस० नं० 744 (स्रंश), इर्ला गावठाण, विले पार्ले (प्०), बम्बई-56 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिपका उरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 263 अत्र के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रजिस्टू है तार ख 8-6-1984

का कुत्या मार्चार कराये के का करें के कर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि कथाए गीर प्रसित्त का विश्वास मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक में सास्तिवक मूप से कथित नहीं। कया गया है .—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दंभ के अन्तरक के दाविस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ण संग्रामा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात :--- 1. मैसर्स प्रगती कारपोरेणन।

(अन्तरक)

 श्री अवतार सिंह सोडी प्रोर सुरिन्दर कोर सोढो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में काइ भी आक्षप .-

- (क) इस मूचना के राजपा मा का बन की तारास स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो। के सीतर प्रविकत व्यक्तियों मा म किसी व्याप्त दवाराः
- (ख) इस सचना के राजपान मा प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उपा स्थापन स्थापन मा हिन्बद्ध किसी जन्य स्थापन द्याग साहरताक्ष्या के पास लिखिए में दिशा का समारी

स्पद्धीकरण: --इसम प्रयास प्रवास अरै पतो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूचा

यूनिट न० 83, जो 3री मजिन, इमारत रत्नज्योत इण्डस्ट्रियन इस्टेट, सी० टी० एन० नं० 714 (ग्रंग), इर्ला गावठाण, विले पार्ने (प०), वस्वई-56 में स्थित है।

अनुभूचो नैमा कि क रं० गर्-2/37ईई/6076/84-85 स्रोर जो अज्ञम प्राधिकारो, बन्बई द्वारा दिनाक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्दमण दास ाञ्चन प्राधिकारी पहारक ाायत्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप प्रार्द , टि , एन , एस , ----- 1 श्री झियाउदीन वुखारी ।

(ग्रन्तरक)

2. खान जमेल ग्रहमद युसुफ।

(भ्रन्तरिती)

सायकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) की धारा 269-व (1) के अर्थात स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वमाई

बम्बई, दिनांक 6 फरारी 1985

निदेश सं ० ग्र^६-2/37⁵ ⁷7077¹84-35:-- रन: मुझे, लक्ष्मण आयकर अधिनियस, 📭 🕙 1) (जिसे इसके

इसके पश्चात् 'एवर जीकिक व' कार्या है), की धारा 269-स्न के अधीन संस्था हा है। देवास करने का कारण है। कि असा है कि असा है। कि सामार मल्य 25.000/- -

और जिसकी अस्तर को एक नार हो, अधी मजिल बिल्डिंग, २० ८, जिले भार के पछि, जोगेश्वरी (प०), तस्य-१४ व स्वितः ' । । र इ ते उपावद्ध **अनुसूची** में और पर्ण प र पर्नेटर हैं) आर जिसका करारनामा आयन शिविद्य । १ की वार 269 क ख के अधीन, नशम पार्टियार्थ 🐤 🐪 🤄 र जिस्टी है, तारीख S**-**6-100.

का पूर्वीक्त सम्पत्ति की र्राना न तर कर न कर क दश्यनान प्रतिफल के लिए अर्टा ११ भर्द और मूझ यह विश्वास करने का कार्या १९ कि. १९ १० १० १० १० १० १० व्यक्ति बाजार मुल्य, उसके दरणमान प्रतिफल त एंसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक हो ः उन्हरदा (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तर्शितयाँ) के ४० एए अन्तरण क लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निर्मित्र एत ८६६ रेस स उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किनो आ। क। बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन ५० दोन के अन्तरण के दायित्व में कमी जनने या उत्तर्भ गतने में सुविधा ने निए, और/रा
- (स) एसी किसी अप भारतियाँ पा पा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारति नाद-तर लिबनियम, 1922 (1922 को 11) ए। उन्नज प्रीयनियम, या धन-कर अधिकार, 1057 (357 को 27) के प्रयोजनार्थ अवस्ति। द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जा ने दिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए:

कर अब, उनन मानामा । १८०० के जनसरण मों, मां, उदल प्रानीना । १८०० वर्गामा (1) के मधीत, निम्नलिक्ति कर्तवनाः, अधात् --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बे 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर ृस्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्ची

प्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 6 विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे; जोगेश्वरी (प॰); वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/6077/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाह . टी. एन . एस . -----

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/6078/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11, जो पारूल ग्रपार्टमेटस, 1ली मंजिल, जुहू रोड, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 8-6-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाद की बादत, उसस विधित्यम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे ब्रुटने में सुविधा के सिष्टु; बार्डिं/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने के सुविधा के जिए।

बतः बन, उक्त निधितियम की धारा 269-ग के जनुसर्धः में, में, उक्त निधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1), के सधीन, जिन्निनिधा निक्तों, वर्षात् झ— 1. कलकत्ता फिल्मसैट ग्रडव्हरटायर्जिग।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती माणेक गोपाल कृष्ण प्रभु।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्र

फ्लैट नं० 11, जो, पारूल ग्रपार्टमेंटस, 1ली मंजिल, जुह रोड, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6078/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाह् ती. एन, एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं ० श्रई-2/37ईई/6079/84-85:---श्रत भुझे, लक्ष्मण

दास,

शायकर श्रीधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 604 है जो 6वी मंजिल, ए-1, इमारत, बामणपुरी रोड, जे० बी० नगर, ग्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कृत किया गया है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के नीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत , उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में अनुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

ज़ुत्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण जो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविसिक्त स्थितिकों जर्मात् डिच 1. श्री मनोज कुमार रूबी किशन खन्ना।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती स्नेह्लता, देवी लाल मेहता।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जीधींनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही 1

ब्रनुसूची

फ्लैंट नं० 604, जो 64ों मंजिल, ए०-1 इमारत, बामणपुरी रोड, जे० बी० नगर, ग्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/6079/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🛭

मायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

शास्त्र मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37/ईई/6104/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिंधिरियम' कहा गया हैं). की धार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बन्जार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 101, और कार पार्किंग स्पेस, जो, "मेरी लैण्डस", नार्थ एवेन्यू सांताकुज (प०), बम्बई—64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/बा
- (ख) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, ,1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या लियाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1क्रें अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात ध ा. शी मार ता १ण्डनाइयेष ।

(शन्तरक)

2. श्री राहुल देन वर्षक एउ० यु० एक**०**। (अन्तरिती)

3. सन्ति वी

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग यें सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पति ने इकत व एक । क आहे भी बाह्मेप:--

- (क) इस स्वता है शलपात में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन हो ज़ली पा नत्यम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की नहीं के कि कि कि की नहीं का की मितर पूर्वित स्वति को सी अविद्या हो स्वति हो. के भीतर पूर्वित स्वित्वा को हो हो है कि सी निकार हनाया:

स्पर्धकिरण --- एसपा पायस (उने अर्थ एवा का, जो उक्त अपियाम में अप्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं पर्ध होंगा को उस अध्यास में दिया

जन संची

पलैट गं० 101, जो, "मेरी लैण्डस", (कार पाकिंग स्पेस), नार्थ अवेन्यू, सांनाकुज (प०), वम्बई-54 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/6104/84-85 और जो सक्षम पातिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रिजल्ट किया ग्रंग है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8--?-1985

सहिर :

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्रर्ड-2/37ईई/6107/84-85:—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 102, जो, 1ली मंजिल बिल्डिंग नं० 7, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निस्तिबि**ख व्यक्तियों, अर्थात् :---**10---496 G1/85 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

मुसाभाई इब्राहीम पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

मन्स ची

फ्लैट न० 102, जो 1लीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 7 विलेज ओशिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कम सं० ग्र ξ + 2^{1} 37ई ξ 1 6107 1 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेजि–2. बस्बई

नारीखा: 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई ब¥बई, दिनांक 11 फरवरी 1985 निदेश संख्या श्चई-2¹37ईई¹6109¹84-85--श्चतः सुझे, लक्ष्मण दास,

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उचित बाबार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 203, जो 2री मंजिल. बिर्लिडग नं० 10, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल की पन्तर प्रतिफल की पन्तर प्रतिफल की लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तर कि सिल में बास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन सए दोनं के बन्दरक की दाबित्व में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा में लिए; और/बा
- (च) एंसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य वास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा श्री झियाउदीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सलीमा गुलाम कादर बागवान ।

(अन्तरिती)

को नह स्वना बारी करके पूर्वोक्त संप्रित के क्वन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्तर संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

परीट नं० 203, जो, 2री मंजिल, बिस्डिंग नं 10 विलेज ओशिवरा, बहराम बाग के पीछे, जोगेण्यरी (प०), बम्बई – 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ्रम सं० श्रई-2/37हेई/6109/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्म दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 11-2-1985

महिर:

प्रकप् नार्वं, टी. एन्. एस..- - 🛪 🗝---

बाय्कड ब्रिप्रियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रामीन स्थान

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2¹37ईई/6110/84-85--ग्रतः मुझ, लक्ष्मण

शस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

25,000/- क. स आ पक ह और जिसकी सं० प्लाट नं० 65 ए०, जो, बकाला प्रगति को० श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, वायरलेस रोड, श्राफ श्रीनिवास बगारका रोड, जे० बी० नगर, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिशित्यम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपाब साजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल् सं, एसे क्यमान प्रतिफल् का पन्दाइ प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्बति से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावक, उक्क विधिनियम के बधीन कर दोनें के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे तकने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः विधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निम्नविधित स्वित्यमों, वर्षात हुन्न 1. श्रीमती कुलवन्त कौर।

(भन्तरक)

2. श्रीमती मिना ग्रारोरा।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोहें भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिविस्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 65 ए०, जो, बकाला प्रगति को श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, वायरलेस रोड, श्रांफ श्रीनिवास बगारका रोड, जे० बी० नगर, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/6110/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्राजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृत् वार्च . टी : एव . एव . ------

बायकतु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत् चुडुकाडु

कार्याक्य, सहायक् आयकर आयुक्तू (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, तारीख 11 फरवरी 1985

निदश स० ग्रई $-2^{1}37$ ईई16130/84-85—-ग्रत मुझे, लक्ष्मण वास.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लेट न० 5/बी, जो, आपन पाकिंग स्पेस के साथ, इमारत हिल टाप 49/49-ए०, पाली हिल रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 14-6-1984

को प्रवेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उवके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अतरक (अंतरको) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण निम्नलि में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के शिक्;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- 1 श्री डा० जिसीन कुमार कांचनलाल पारीख (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती चन्दरकाता जे० कुकरेजा। (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक् कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के कर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे था सकेंगे।

स्पथ्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया प्या है।

अनुसूची

💯 फ्लैंट🏆 न०🖫 5/बी, जो, ओपन पार्किंग, स्पेस के साथ, इमारत हिल टाप 49/49ए०, पाली हिल राड, बाद्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि के स० ग्रिक्ट-2/37ईई/6130/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-6-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज--2, बस्बई

ता**रीख:** 11-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृत वार्चा,दी . एतं . एवं : :-------

नामकर शिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के सभीन सुचना

भारत तरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1985 ेनिदेश सं० ग्रई-2[|]37ईई|6134[|]84-85:--भ्रतः मुझे, लक्षमण ेदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 404, जो, 4 थी मिल विल्डिंग, नं० ए० 20, श्रपना घर यूनिट नं० 5 को श्राप हाउसिंग मोसाईटी लि०, ओशिवरा, ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोज के बाजू में, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है, (और इससे उपाबढ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बार्ट/या
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः ;—— 1. समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(म्रन्तरक)

2. श्री फ्रन्क जोसेफ फर्नान्डीस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की टारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित व्यक्ति व्यक्ति में
- (व) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तार कि थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरि, के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पंधीकरण: - इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा स्या है।

वन्सची

प्लैंट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए०-20, श्रपना घर यूनिंट नं० 5 को श्रापहार्जीसंग सोसाईटी लि०, ओशिवरा, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोज के बाजू में, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० श्रई-2/37ईई/6134/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1985

मोहर :

अक्य बार्च, डी. एम. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नुधीन सूचना

नाउन चहानाह

कार्यालय, सहायक आवकर आवृक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2 बम्बई
बम्बई, तारीख 8 फरवरी 1985
निदेश स० प्रई-2/37ईई/6140/84-85:—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उविश बाजार मून्य 25,000/- रज. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105, जो 1ली मंजिल इमारत अवार्ड बी०, प्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्मोवा, श्रन्धेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विद्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जान की बाबद, उच्च अभिनियन की नवीन कर योगे के वंतरक के दायित्य में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के किए; अमूर/था
- (क) एसी किसी बाव या किसी थन या जन्य शास्तियों को, विमहें भारतीय जावक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उलत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा किया बाना वाहिष् था, छिपाने में सुविधा के किए;

ृबत: शब, उनत अभिनिवन भी भारा 269-ग के बनुसरण वें, भें,, उनत विभिनियम करे भारा 269-म की सम्भाग (१) के अभीत, तिकारियक अवस्थित विभाग क्रिक्ट श्रीमती साबित्नी नन्दा,
 और श्रीमती लिला पुरोहित।

(भ्रन्तरक) ज

2. श्रीमती धनीता विजराज पारेख।

(ग्रन्तरिती)

4. मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिं ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को सह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्जन के निए-कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के स्थाप को मुख्यस्य की तारीस से 45 दिन की अभीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तानीस से 30 दिन की सविध को भी स्विध नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोत्स न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण को प्रक्रास्त के वाहीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हिस्स्मूच् किया नन्त न्याक्ति ह्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवात में किए जा सकेंगे।

स्वकारण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वतः वृधिनिवव के बृध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया च्या है।

सनस्त्री

फ्लैट नं० 105, जो, 1 ली मंजिल, इसारत ग्रनार्ड बी०, प्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई $^{\prime}6140$ $^{\prime}84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

तारीख: 8-2-1985

माह्य 🖁

प्ररूप मार्च ्टी. एन . एस . । -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरका

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985 निदेश सं० श्रई-2/37ईई/6142/84-85:---श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका मं० दुकान नं० 2 जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, विल्डिंग, नारवूड, प्लाट नं० 319, एस० नं० 41, (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं)और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है, (और जिसका कारारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, नारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की बावत उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में स्थिया के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. मैसर्स यस्मिन कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रब्दुल गनी इब्रहीम।

(ग्रन्तरिती)

4. मैसर्म ओशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि॰)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपूर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों मंसे किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-ं अव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं: गया हैं।

नन्सूची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउण्ड, फ्लोग्नर, बिल्डिंग, नारवूड, प्लाट नं० 319,एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोबा, (श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ७० सं० श्रह्म $-2^{1}37$ ईई/6142/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनाक 14-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2 बस्बई

तारीख . 8-2-1985

मोहर:

प्रकल बाहुँ टी. एन. एस., -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/6149/84-85:--श्रत:, मुझे, नक्ष्मण **दा**स,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 702, जो, 7वी मंजिल विल्डिंग, नं० 2, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, ग्रन्थेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण निमंदिस में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावर्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ', ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) शहनाझ खातीव ।

(अन्तरिती)

को यष्ट स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त कमिकतों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चवा हैं।

नन्स्ची

फ्लेट नं० 702, जो, 7वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, विलेज, ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क मं० ग्रई-2/37ईई/6149/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-84 को रजिस्ट किया गया है।

लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहरः

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.----

बाध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रार्जन रेंज -2, घमबई

बम्बई, दिनांक 11 फण्यरी, 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/6197/84-85:--- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नप्ररण है कि स्थावण नमासि, जिसका उचित बाजार गल्य 25.,000 / - रा. से अभिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, बिच व्यू ग्रपार्टमेंटस, 77, चिमबाई रोड, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम -की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, धम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 15-6-1984

痛ो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित वाकार बस्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुद्द किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जंतरक के लियाज में नामी करने या जससे बचर में सुविधा के लिए; और/या
- (श्रा) एेसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय शबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अलिंग्ती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए:

अतः मध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, अवन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन जिल्लाकिन व्यक्तिन्यों, अर्थाल् '--11-496GI/84

ा श्री मेफजी म्रजी णहा।

(भ्रन्तरक)

- 2 1 श्री हेमन्त भिकाजी परीहार,
 - 2. श्रीमती नवलबेन मलावजी पटेल, श्रीर
 - 3 श्रीमती रानीबेन नानजी पटेल।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबिध बीच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के रात्रपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टम्ताक्षरी के पास लिक्ति में दिये का सकरेंगे।

स्पच्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे किया एवा है।

दुकान नं ० 7, जो, ग्रचउचण फ्लोग्नर, णिस व्यूह भपाटॅजेंटस, 77, हिमबाई रोद्भ, बांब्रा, णम्दई-50 में स्णित है। ग्रनुसूची जैसा कि क म० 2-37ईई/6197/84-85° और जो सक्षम प्राधिकारी,बस्बई द्वारा दिनांक 1.5-6-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारी**ख**: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ^र. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचनः

भारत सरुकार

कार्थालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11. फरवरी, 1985

निदेश म ॰ ग्रर्ी-2/37ईई/6204/84-85.---**ग्र**तःमुझे, लक्ष्मण वास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 5, जो 1ली मंजिल, न्यू गौतम करे०-ध्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, डा० श्रम्बेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं। (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधान मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकत्न के लिए अन्तरित की गई और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहय-

मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए:

कतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मंं, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्थां, अर्थात् :—

 श्रीमती सिता एम० णहानी, ग्रीप श्रीमती रूकमणी एस० मीरचन्धानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एल ० एन ० कृष्णनू धौर श्रीमती जयालक्ष्मी कृष्णनू।

(भ्रन्तरिती)

3 ग्रन्तियो ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 बिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्सूची

पर्लंट नं० 5, जो, 1ली मजिल, न्यू गौतम को०-श्राप हाउसिंग सोसाईटी, लि०, डा० अम्बेडकर रोड, खार, बम्बई 52 में स्थित है । ↑

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/6204/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मांहर :

प्ररूप आर्डे.टी.**एन**.एस.-----

थायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुभना

भारत सरकाइ

भार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं ० प्रई-2/37ईई/6206/84-85:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25000 रु० से अधिक है

भौर जिसकी सख्या फ्लेट नं० 610, जो, 6वी मजिल, बिल्डिंग मुगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 4 (ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका काण्नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण से निए तम् पाया गवा शांतफल, निम्निचित उद्योगों से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गवा है :---

- (क) अस्तरण में हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पंत्रे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा उ नित्त, और/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निचित स्थक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं सर्स लोखण्डवाला डेवलपमेट कारपोरेशन। (भ्रन्तरक)
- 2. राबर्ट कैस्टो।

(भ्रन्तरिती)

मैसर्स प्रोशिवरा लैण्ड डेवलपमेंन्ट कम्पनी (प्राइवेट)
 लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही स्क् करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीं है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पर्धाकरण — इस्स १ एको अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ बही वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया गया क्री

श्रनुसूची

पर्लैट नं० 610, जो, 6वी मंजिल, बिल्डिंग मगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगलोज, वर्सोबा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कस० श्रई-2/37ईई/6206/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई-2

तारीख: 7-2-1985

मोहर-ः

प्ररूप बाईं.टी.एनं.एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 फरवरी, 1985

सं ० श्रई-2/37ईई/6208/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या फ्लेट नं० 609, जो, 6वी मजिल, विल्डिंग मगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एम० नं० 41 (प्रश), 4 बंगलीज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बर्म्द-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15-6-1984

को पूर्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्त से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्योदय से उवत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मत. अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ।—

- मैसर्स लोखण्डवाला डेवलपमेंट कारपीरेशन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हिल्डा एम ० श्रेस्टो।

(भ्रन्तरिती)

4. मैसर्स झोशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रामोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास निर्मालन में किम ना सकता

ल्पच्हीकरॅणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिशियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिवा अया है।

वगुसूची

फ्लैट नं० 609, जो, 6वी मंजिल, बिल्डिंग मगनम टावर्स, प्लाट न० 357, एस० न० 41 (ग्रंग), 4 वंगली न वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-2/37ईई/6208/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 2 बम्बई

तारी**ख**: 7-2-1985

मोहर 😗

शुक्य वादै . टी . एस . एस . -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा । 269-म(1) के अभीनु सुमना

भारत सरकार

★ार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज 2, बम्बई
नामक हिलांक 6 फरनरी 1985

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6209/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दशके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रेकिर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बावस, उजस जिमित्यम के लभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व-में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसा किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को चिन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया या किया में सुनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए अ अनुसरण काँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्त व्यक्तियों, जर्थात् :--

1. मेसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

 2. भी पी०के० शोलापुरवाला श्रीर श्रीमती टी०के० शोलापुरवाला ।

(अन्तरिती)

3. मेसर्स भ्रोशिवरा लैण्डं डेवलपमेन्ट, कंपनी (प्रायवेट) लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिख् कार्यवाहिया करता हु-।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की सविध या तत्सम्बन्धी स्विवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकतयों में से किसी स्विवत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के द्विल ब्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए पा सकोंगे।

स्वजीकरण :- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और वहाँ का, जो उचत जीवितन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में विका गया है।

वगृत्युकी

फ्लट नं० 701. जो 7 वी मंजिल, इमारत कासगेट-बी प्लाट नं० 334, एस० नं० 41(ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सीबा ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची औसा कि क. सं. अई-2/137ईई/6209/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बााम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

विनांगः : 6-2-1985

माहर:

प्रकप भाइ. दी. एन. एस. -----

बावकड बरिपनियुम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

साहत् ब्रकार

कार्यां नय, तहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण)

अर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 फरवरी 1985

निदेण सं० अई०-2/37ईई/6215/84-85—अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, जो 5वीं मंजिल, बिलिंडग
नं० 10, व्हिलेंज, श्रोणिवरा, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी
(प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में
श्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं) श्रोर जिमका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं दिनांक 15-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान
प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के
बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तियक रूप से किथत नहीं
किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुइ जिसी जान की वाक्या, उसके अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य के कसी करने या उससे अथने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उचन की शीनयम, या धन-कण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असे अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री झियाउद्दीन, बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हमीदा बानो शहीद हुसेन,।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सै 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पहुरू सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें गय्कत शब्दो और पदों का, जो उक्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया नमा हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 501, जो 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 10 विहलेज, श्रोशिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-2/37ईई/6215/84-85 म्त्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दितांक 15-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी .महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-2-1985

माहर :

प्रूक्ष बार्, टी. एन. एव ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक ६ फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/6231/84-85---अतः, मुझे, स्वक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 7, श्रोशिवर व्हिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (पी०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची श्रोर जो पूर्ण रूप में बिणित हैं) श्रोर जिसका करारतामा आयक र अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिकल में, एसे दृश्यभान अतिकल का पन्दहं अनिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त ब्रिधिन्यम के अधीन कर देने के अंतरक के व्यक्तिया में कमी करने या उसते वचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय मा किसी भून या जन्य बास्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती माजिदा अफसझल हुसेन शेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुखना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्स विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

नगसची

फ्लैंट नं० 502, जो 5वी मंजिल, बिल्डिंग, नं० 7, भ्रोशिवरा, व्हिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि निं शाई-2/37ईई/6231/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षजमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक 6-2-1985 मोहर .

प्रकृत बाहें. टी. एम. एव.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फ रवरी 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/6232/84-85——अत:, मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 004, जो बिल्डिंग नं० ए-5 ग्राउन्ड फ्लोअर, "हृषिकेष", अपना घर यूनिट नं० 1, को-आँप० हाउसिंग सोमायटी लि०, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगलोज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है)

भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सेन एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्दह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफाल, निम्निलिचित उच्चेच्य से उच्य अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कर्मित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, श्वन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसं अपने मा सृष्टिभा के लिए; और्/या
- (च) एंसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती वृषारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना था, खिपाने में गृविधा के तिए;

जतः जन्न, उक्त जिथिनियन की भारा 269-म के जन्मरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उन्धारा (तर्भ के अधीन, निम्निलिकिक ध्यक्तियों, अर्थात् ——

1. मैससं समर्थ श्रेषलयमेन्ट कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

सुरेन्द्र लीलाराम भाटिया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीष धें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षंरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वमुसूची

फ्लैट नं० 004, जो बिल्डिंग नं० ए-5, ग्राउन्ड फ्लोअर 'हुषिकेश', अपना घर यूनिट नं० 1, को-आपरेटिव' हाउमिंग सोसायटी लि०, श्री स्वामो ममर्थ नगर, 4 बंगलोज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6232/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहाय ह आय हरण्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बई

दिनांक: 11-2-1985

मरेहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

त्रस्य आव् । जात्युगायुक्तः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ज (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6233/84-85—-श्रनः, मुझे, ∗ॅलक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक ही

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 301, जो 3री मजिल, बिल्डिंग नं० 7, विलेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०) बम्बई-58में स्थित है (और इससे उपाषद अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, का कारण है कि उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निसिश्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण निष्टिश्न में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण में हुं इं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कन्मी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और / या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा जे लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनसरण ..., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--12-496GI/84

श्री जियाउद्दीन बुखारी, ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मन्नाबी एस० शेखा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैंट नं ० 301, जो 3री मजिल, बिल्डिंग न ० 7, व्हिलेज भ्रोशियरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्राई-2/37ईई/6233/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनाक 16-6-1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्श (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-2-1985

मोहर

प्रक्ष आहें. टी. एत्. एस्. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

बारह रूरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश मं० ग्राई ०-2/37ईई/6237/84-85----- ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्प्रीर जिसकी सं ० कमरा नं ० 52, जो 1ली मंजिल, रोशनलाल स्रग्रवाल, शार्षिण स्प्राकेंड, अपना घर 41 के बाजू में, एम ० नं ० 42, श्राफ जे ० पी ० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; कीर/ए।
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य ज्ञास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सविधा अरिता?

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- ा. मैसर्स ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

 कुमारी नम्रता गिरधर गोपाल, पेशावारीया, (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

"कमरानं 052, जो 1ली मंजिल, रोशनलाल श्रग्रवाल णापिंग श्राकेंड, श्रपना घर 41 के वाजू में, एस 0 नं 0 42, ऑफ जे 0पी 0 रोड, वसींवा, वस्वई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० भ्राई-2/37ईई/6237/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, घम्बई

दिनांक : 6-2-1985

मोहर:

हरूप, बाह्री, टी. एन. एव. -----

अध्यकर माधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सुरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 8 फरवरी 1985 निदेश सं० भई०-2/37ईई/6247/84-85—धतः, मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० श्रार-2, जो 18वी मंजिल, इमारत "जाली हाय राईज" को-श्राप० हार्जासंग सोसायटी लि०, पाली माला रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचन बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिक्त उद्देश्य से उन्त अंतरण लिक्ति मं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण स हुइं किसी बाय की बाबस, उक्स बिधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने मां मृजिधा के सिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम एए बन्य अस्तियां करं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त जभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिन्सि व्यक्तियों, अर्थात् ३—- 1. श्री फारोख कासमञ्जली रोटटनस ।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती कविता जी ० दातवानी ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 पिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाप्त,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसपद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार तिश्वित में किए जा सकींगे।

स्यच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्धर जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिकाधिक है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में किया गया है।

अगुलुकी

फ्लैट नं ० घ्रार-2, जो 18वी मंजिल, "जाली हाय राईज" इमारत, को-ग्राप० हार्जीमंग मोसायटी लि ०, पाली माला रोड, बांद्रा (प ०), बम्बई-50 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37/6247/84-85— भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बर्ड

दिनांक: 8-2-1985

माहर 🛭

श्रक्य बाह्रं, टी., एन., एस. ---=-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

भम्बई, दिनाक 8 फरवरी 1985

निदेश सं ॰ श्रई ॰-2/37ईई/6256/84-85—श्रतः, मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1504, जो 15 वी मंजिल, इमारत अव्होरी हाईट्स, प्लाट नं ० 1, एस० नं ० 41 (श्रंग), 4 बगलोज, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलखत उक्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, जक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (वा) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उपत बीधीनयम की धारा 269-ग में बनुसरक में, में, उपत भीभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा । के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्थात:—— 1. मैसर्स यस्मिन इण्टरप्राइजेज ।

(भ्रन्तरक)

 श्री नारायण मदललाल टोडी, मैमर्स मदललाल चिरान्जी लाल ।

(भ्रन्तरिती)

3. मैं अोशिवरा लैंन्ड डब्ह्लोपमेंट क० (प्रा०) लि०। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना क गजपत्र म प्रकाशन का कार्याच म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरा।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

नन्सूची

फ्लैट नं० 1504, जो 15वी मंजिल, इमारत म्रव्होरी हाइईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलीज, वर्सीवा, भ्रंधेरी (प०), अम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6256/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, विनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-2-1985

मोहर 🗈

प्रस्प बाह्^न.टी.एन.युस<u>्,---</u>----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

गरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37ईई/6258/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण दासः.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 1502, जा 15वी मजिल, इमारत अव्होरी हाईट्स, 'लाट न० 1, एस० न० 41 (श्रंग), 4 बलोज, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीप इससे उपाब ब अनुसूची में श्रीप जो पूर्ण रुप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अश्रीन सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गचा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण दिश्विद में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है ध

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्निनिविक व्यक्तियों, वर्षात् क्र— 1. मैसर्स मस्मिन इंटरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा एल० सिघानिया।

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स ओशिवरा लैण्ड, डेवलपमेन्ट कंपनी (प्रा०) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यक्राहर्या करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1502, जो 15वी मजिल, इमारत, अव्होरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० न० 41 (श्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6258/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख : 6-2-1985

मोहरू 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फ़रवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37ईई/6259/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1606, जो 16 वीं मंजिल, इमारत अव्होरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धांरा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निर्लिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

1. मैसर्स यस्मिन इंटरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी प्रकाश एम ० सिंघानिया ।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स भ्रोशिवरा लैण्ड, डेबलपमेन्ट कंपनी (प्रा०) लि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

पलैट नं० 1606, जो 16वीं मंजिल, इमारत अन्होरी हाईट्म, प्लाट नं० 1, एम० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6259/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस. -----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-2/37ईई/6262/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो 2री मंजिल, अमुदा कुटीर को-आप० हार्जींग सोसायटी लि०, 245, वाटर फील्ड, रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, इसके क्ययसान प्रतिफल से, एसे क्ययमान प्रतिफल का पंबर्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिती (संतरितियाँ) के बीच एेसे बंधरण के लिए तय पाया ण्या प्रतिफाल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त मंतरण सिक्तित वों बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया हैं:---

- (का) अमररण से हुई किसी बाब की वाबत., उक्त विधितिक्य के बचीन कर दोने के बतरक के वायित्व में कभी करने या उसस बचने में समिश्र को लिए: स्टैंग्री
- (का) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्ही भारतीय भाषकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निवधाक लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, जनत लियानगम की धारा 269-व की उपधारा (1) बै बचीनं, निक्नीलिकत व्यक्तियों, वर्षाद :---

1. रतन गंगाराम हिरानी 🕒

(अन्तरक)

2. पुष्पा के० हिरानी ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त दंपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाश्रध ----

- (क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की शारीय में 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियाँ धन सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्याक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वदारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तावर्ग । पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शबा 🐉 ।

फ्लैट नं० 6, जो 2री मंजिल, असुदा कुटीर को-आप० हाउसिंग मोमायटी लि०, 245, वाटर फील्ड रोड, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि 700 सं० अई-2/37ईई/6262/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश मं० अई०-2/37ईई/6268/84-85----अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफ़िस नं० एम-303, जो 3री मंजिल, माधवा बिल्डिंग, बांद्रा-कुर्ला, कर्मिशयल काँम्पलैक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित ई (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरिती (अंतरित्यां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बारि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, त्रिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती इवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में विश्वा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम कि धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- माधवा यूनाइटेड हाटिल्म (इंटरनेशनल) लि॰ । (अन्तरक)
- श्री मुनील रघवीर बक्शी ग्रीर श्री रघवीर सिंह बक्शी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदी का, जो उक्स अधिनिदम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

आफिस नं० एम-303, 3री मंजिल, माधवा बिल्डिंग, बांद्रा-कुर्ली कर्माणयल काम्पलैक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-2/37ईई/62768/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 8-2-1985 -

मोहर

पुरूष: आर्^द. टी. प्न. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश मं ० ग्राई ०-2/37ईई/6269/84-85—ग्रनः मुझे सक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 502 है, जो 5वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, व्हिलेज, ग्रोशिवण, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्म्य बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाव की बाबत, जब्ब अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्थ में कमी करने या उसमें अपने में सविधा के लिए; बाँड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिपाने भासविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं को माँ उक्त अधिनियमं की भारा 269-थं की उपधारा (।) के अधिन विस्तिष्ठित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--/13--496GI84

1. श्री झियाउद्दीन ब्खारी,

(भ्रन्तरक)

2. श्रिक्सिन्सा, झहीर श्रहमद

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशहर्या शुरू करता हुं।

उक्त तम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्वित में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिचित में किए जा सकारी।

स्थिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्य

फ्लैंट नं० 502,जो 5वी मिजिल, बिल्डिंग नं० 8, व्हिलेज मोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० धाई-2/37ईई/6269/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड: किया गया है।

> लक्ष्मण द्यास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 6-2-1985

मोहर:

j

त्रक्ष सार्व_ःदीः एवः एत्_{या}-----

भावकड स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यात्म, तहायक मायकर भागूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं ० अई ०-2/37ईई/6270/84-85 मृतः मृत्ते, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रत. सं साधक हैं
श्रीर जिसकी सं विष्कृत नं व 403. जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग,
नं व 10, व्हिलेज, श्रीशिवरी, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प 0) बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में
श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर
श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 16-6-84
को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
पन्नाइ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिकत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिकित में
बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण ते हुई किसी नाव की बाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के अंतरका के धारियम्ब में कभी करने या उससे बाबते में सुन्धिण के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने यें हिमा के सिए;

बत का जनत आधिनियम की भारा 269-ए के अनगरन में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

2. मफशान खातून, शाहब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित के किये जा सर्कोंगे।

स्वष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्म होगा औ उस मध्याय में विया नवा हैं।

घनुसूची

फ्लैंट नं ० 403, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग, नं ० 10, विहलेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/7670/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ड

दिनांक: 6-2-1985

मोहर :

प्रस्प बाह् .टी .एम .एक

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिषण)
श्रर्जन रेंज-2, अम्बई
.बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० ऋाई ०-2/3**7ईई/6271/84-85—श्रंतः मुझे**, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं ० पलैट नं ० 702, जो 7वीं मंजिल, बिल्डिंग नं ० 10, व्हिलेज, भ्रोभियरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प ०), बम्बई-58 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से बिजत हैं) भ्रौर जिसका करार-नामा श्राय हुए श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 16-6-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार इल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, गिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (की बन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर-६ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिणा के लिए, और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याँ उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा अं लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् धु--- 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी ।

(मन्तरक)

मोहम्मद, मृ्नीर हाजी अञ्चुल रक्ताक।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिन में किए के प्रकार क्षेत्रें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE LAND

फ्लैंट नं० 702, जो 7वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, हिल्लेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के प्रीष्ठे, जोगेश्वरी (प०) अम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/6271/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-2-1985

मोहर 🖫

प्रकार आहाँ . की <u>. इन</u> . इस् _-----

वावकण अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन सुखना

भारत तरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश मं० भ्राई ०-2/37ईई/6273/84-85—- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रौर जिसकी म० फ्लैट न० 504, जो 5वी मजिल, बिल्डिंग नं० 8, व्हिलेज, श्रोणिवरा, बेहराम आग के पं≀छे, जारोण्यरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ ध्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 कें: धारा 269 वस्त्र के श्रधीन सक्षम प्राधिक्तारी, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उच्चरिय से उसत अन्तरण निचित में बास्त- विक स्प से क्रिथित नहीं किया ग्या है:---

- हैंक) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और / गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

ब्त श, बब, उक्त विधित्वम, की भारा 269-त की अनुसरक बें. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

2. श्री हबीबुलिसा ग्रब्दुल कयुम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्यस संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेयू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्सूची

फ्लैट नं० 504, जो 5वी मजिल, बिल्डिंग 8, बिहलेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प०), बस्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/6273/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर फ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, बस्बई

दिनांक: 6-2-1985

मोहर 🛚

प्रक्ष नाहरं, टी. एन्. एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 फरवरा 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/6286/84-85--ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दाम

नायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अशीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसके, मं० फ्लैट नं० 505, जो 5वी मंजिल हमारत मोंटाना ए, प्लाट न० न, एम० नं० 41 (अंश), 4 वंगलीज वमींवा, अंधेर, (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इमसे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा स्नान हर श्रिधितियम 1961 का धारा 269 कख के श्रध,न सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्र; है दिनौंक 17-6-84 को पूर्वेंक्स सम्पत्ति के उचित हाजार मूल्य से कम के स्वमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल को स्वप्त है और बंतरक (अंतरितों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वेंच्य से सक्त बन्तरण निचित में बास्तिवृक्ष रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) कानरण मं हुई फिसी मात्र की बाबसा, उपक्ष विधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उत्तरी अवने में सुविधा के सिष्ट; वॉर/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा की तिथ्य

जतः जन, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग कै अनुकारण ज, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्भयस्यिन, इंटरप्राइजेज

(भ्रन्तरक)

 मास्टर कपिल बार् छात्रलाना (मायनर), मुपुत्र श्री भगवान छात्रलानी।

(भ्रन्तरितः)

3. मैंसमं ऑाशिवरा लेन्ड, डेबलपमेन्ट कंपनी (प्रा) लि० (बह व्यक्ति जिसके बारे में ब्राधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्वना कारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस हैं 45 दिन की जबिंध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी समीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानसमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का मर्कोंगे।

स्थाकीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 505, ज्ञाः 5 वी मणिल, इमारत , मोंटाना ए, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (अंश), 4 बगले(ज, बर्सीवा, अधेर। (प०), बम्बई-58में स्थित है।

श्रनुसूच, जैसा कि कि मि श्राई-2/37ईई/6286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा, दिनांक 17-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 8-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकार क्रीश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 फरवर: 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37ईई/6287/84-85--- ग्रत मुझे, लक्ष्मण दाल

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सप्तित, जिसका राचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसक, स० फ्लैट ग० 206, जो 2र मंजिल, इमारत मोंटाना र्स, प्लोट न० ८, ८०० न० ४1 (३०), ४६४लोज, वसोंवा, अंधेर्र (६०), बग्दई-58 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबढ़ अन्सूच गें अर जिल्हों) अर्जिस का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अर्थन सक्षम प्राधिकार, के वार्यालय वम्बई में रिजस्ट्र, हैं तारीख 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रति-फल निम्निलिय उद्देश्य से उनते अन्तरण कि निम्निलिय उद्देश्य से उनते अन्तरण कि निम्निलिय उद्देश्य से उनते अन्तरण कि निम्निलिय से आस्ति क्ष

- (क) अन्तरण से हुई जिसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 किन्द्र अधिनियम, 1922 किन्द्र अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने खंस्विधा के लिए;

जितः जब उन्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्र अधीर क्षित व्यक्तियों, अर्थात् उन्

मैसर्स यस्मिन इंररप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

2 कुमार, राजनं, के० नानवानं;

(अन्तारता)

3. मैसर्स ओशिवरा लैण्ड, डेवलपमेन्ट, कंपर्नः (प्रा०)लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरः जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

क्क यह सम्बन्ध नारी करके पृत्रों कर कर्मात र र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ए. सूचना की तामील स 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वों ... व्यक्तियों के ये कि नी त्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्रारा अधारस्याक्षरी के पाएँ सिलित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिख्य गरा है।

ग्रन्यूची

फ्लैंट नं० 206, जो 2र, मजिल, इमारत मींटाना-सी, ज्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (अंश), 4 दंगलीज, वर्सीवा, अंधेर, (२०), बम्बई-58में क्षिपा है।

अनुसूच जैना हि क० २० आई-2/37ईई/6287/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, वम्बई, हारा, दिनाक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, २अम प्रशासिक पहायक ब्राइडर द्यायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दनांक : 6-2-1985

मोहर:

्रशृक्षाष्ट्रं, टो. एव. एव्.======

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि.रीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरो 1985

निवेश सं० श्राई०-2/37ईई/6292/84 85--म्प्रत[∙] मुझे,

्रिक्ष्मण दास

गामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- रह. से अधिक है

और जिल्हा मं० दुकान नं० सी/17, जो गणेश भवन, उमा को-श्रापरेटिव, हार्डांग से सायट, लि०, 434, सेनापत, बाण्ट मार्ग, मार्हाम, बम्बई-16 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूच, में और जो पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिल्हा करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कछ के श्रश्चन सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रें है दिनांग 16-6-1989

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास हैंने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् निश्चत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया थया तिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिचित है भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर बाने के बन्तरक औ दाशित्य में कमी अपने या जसमे बचने में मृतिथा औ जिए अपि/एए
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या जस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृजिधा के लिए,

बक्ष: बव, अन्त अभिनियम की भाग 269 न के अनुसरण, में, उक्त अभिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) अभीन नियम नियम नियम किया है स्थान स्था

1. श्रा: बद्दोन अहमद प्रधान

(श्रन्तरक)

2. (1) हाज, उमर अहमद नवाडी, और

(2) अब्दुल रहमान अहमद कन ल।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरितयां

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पृत्राँक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त हानी डां, हो भीनर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षातर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारेम्ताक्षरी के जाम निस्तित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ ह्योगा, जो उस अध्याय में विद्या गढा। हैं।

अनुसूची

"दुकान नं० स./17, तो गणेण अवत, उमा की-म्राप० हाउभिंग मोभायट., लि० 434. सेनापति बापट मार्ग, माह,म बम्बई-16 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6292/84-85 और जो ामक्ष प्राधिकारः, बम्बई बारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ाक्ष्मण दान गक्षम प्राधिकारः सहायक ग्राप्तकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्राजैन रोज-2, **बम्बई**

दिनांबा: 8-2-1985

मोहर:

प्रकृष् वार्षः टी. एन . एस . ------

1. मैंगर्भ बिदल इंटरप्राइजिज ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स किंग सिल्ब मिल्स ।

(भन्तरिती)

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 फरवर। 1985

निदेश मं० ग्राई-2/37ईई/6536/84-85→म्प्रन मुझे, लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसक: संव गाता नंव 36, जो 1ल: मंजिल, बिंदल इड स्ट्रियत इस्टेट, कुर्ला-अंधेरी, रोड, साकीनाका, बस्बई-72 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्टी है दिनाक 22-6-19884

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत स रिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिया उद्देश्य से उक्त अंतरण तिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्नरण से हुड किसी बाय की बाबन, उक्त क्रिंपित्यभ के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एंमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, टिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ड उपीय रिप्त-निर्मेशन त्यक्तिणों. अर्थातः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिथ बाद में सुमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्पृष्किरण :---इसमें प्रयुक्त सुक्की औड पर्वो का, को स्वक्त कॉंबीसयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन्मुची ।

''गाला नं 36, जो 1लं मंजिल, बिंदल इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुली-अंधेरी रोड, साकीनाका, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6536/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार7, बस्बई द्वारा दिनांक 22/6/1984 को रिजस्टिं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-2, बस्ब**र्ड**

क्तिक 11-2-1985 मोहर ; प्रकृष आहुर्य टी । एत् हा एस् न्यान्यान्या

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रामीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/6537/84-85—ग्रतः मुझे; लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 101 से 110, जो 1ली मंजिल, बलरामा, प्लॉट सी-3, बांद्रा, कुर्ला, कम्पलैक्स, बांद्रा, (पूर्व); बम्बई-51 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षिय से उक्त अंतरण लिखित सें बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है

- (क) ब्लारण वे हुई फिसी बाब की बाबत , बचस अभिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक खें बायित्व में कमी करने वा उन्नने बचने में सुविधा के शिए; विद्व/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाम में मित्रभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त ः---14.--496 GI/85 1. मैं सर्स यूनायटेड, विरुड्से कन्स्ट्रक्शन (इंडिया) प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2 मैसर्स पाईन कैमिकल्स लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करले पूर्वोक्त् संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति भी वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय हैं, 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धीं स्थिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सबिधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्स स्थितयों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का, वो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अभ्याय में दिया

बर संची

यूनिट नं ० 101 से 110 तक, जो 1ली मंजिल, बलरामा; प्लॉट सी-3, बांद्रा, कुर्ला कॉम्पलैक्स, बांद्रा, (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/6537/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 22-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 8-2-1985

मोहरु 🗈

ॅप्रकप कार्ड्_य सी_ल एउल्लेख्य स्वरूपन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

माउच चंडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रैंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6539/84-85----ग्रतः मुझे, सक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्र बाजार मृत्य 25,000/- राज्ये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग रीचमॉन्ड, प्लॉच नं० 13, (न्यू, प्लाट नं० 345), एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, बसोंबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वांगत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्द्री हैं दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को नहां है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में में थास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :—

- (क) अभ्यारण वे शुद्ध किसी बाव की वावष्, श्रामण अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वादित्व में कमी करने वा शत्तवे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (w) ए'सी किसी आय वा किसी थन या अन्य जास्तियों ने , जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धरा-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, डिपान में सुन्धा से किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुष्धरण मों, मों, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैसर्स एल० जैड० इन्वैस्टमेन्ट्स, ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सीता नीलकन्छ ।

(भ्रन्तरिती)

3. ओणिवरा, लैन्ड, डेवलपमेन्ट, कम्पनी (प्रा०) लि० (वह ध्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करकी पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् तृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पर्लंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बिस्डिंग रीचमान्ड, प्लाट नं० 13, (न्यू प्लाट नं० 345), एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज, वसीवा बंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/6539/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मांहर :

प्रक्रम बाह्री, टी. एन. एस. - - -

ह्मावकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं॰ भ्रई-2/37ईई/6540/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701, जो 7वीं मजिल, इमारत प्रव्होरी, हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 22-6-1985

को पुनोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और मृत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बृत्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल्, निम्नितिस्त उद्देश्य से उसते अन्तर्म जिल्हा में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के अधित्य में कमी कुटने या उससे अथने में सुविधा के सिष्टु; आंद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर्ड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याऱ्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को निए;

जता अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कों, मैं उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स यस्मिन, इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स प्रिन्स इम्पेक्स प्रायवेट, लि०

(भ्रन्तरिती)

3. मैसर्स ओणिवरा लैन्ड, डेवलपमेन्टस कं० (प्राय) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इत स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतृर उक्त स्थाकर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका हैं।

धनसाची

फ्लैट नं० 701, जो, 7वीं मंजिल, इमारत; श्रव्होरी, हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41(अंश), 4 बंगलीज वर्सीवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6540/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 6-2-1985

मोहरः

मुक्त नार्', दी.पुन्.एत .,----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांलय , सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 11 फरवरी 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6541/84-85—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- राज से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो 4थी मंजिल, रीचमान्ड बिल्डिंग, प्लाट नं० 13 (न्यू प्लाट नं० 345-ए), एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधनियम, 1961 की धारा 269 कथा के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतिरत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिपत्त सं, एसे क्यमान प्रतिपत्त का प्रवृद्ध प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक केप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण्ये हुइं किसी काय की बाबता, उक्त वृत्तिविष्ये से अभीन कर देने के बन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उसते बचने में मृतिभा के किए; बर्गु/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में शिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- 1. मैसर्स एल० जैड० इन्व्हेस्टमेन्ट्स,।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रहण नीलकंठ।

(भ्रन्तरिती)

3. मैसर्स ओशिवरा, लैन्ड, डेवलपमेन्ट, कंपनी प्राइवेट लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रहा है)

जीनता है कि वह सम्पात म हितबेंद्र है)

का यह स्वना बारी करके पृशंक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यनाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसा में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोंकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं

अनुस्की

प्लैट नं० 401, जो 4थी मंजिल, रिचमान्छ बिह्हिंग, प्लाट नं० 13, (न्यू प्लाट नं० 345-ए)एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), तम्बई-58 में स्थित है। प्रमुस्पी जैसा कि ऋ० मं० प्रई-2/37ईई/6541/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासं सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 11-2-1986 मोहर : ब्रक्ष बाईक थी., एन. एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6542/84-85— ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्नीर जिसकी सं ० फ्नैट न ० 805, जो 8 वी मंजिल, बिल्डिंग श्रन्होरी, हाईट्स, प्लाट न ० 1,

एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 22-6-1984

को प्वारं प्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रित्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९७२ का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) औं श्थीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. गैसर्स यस्मिन कार्पोरेशन ।

(मन्तरक)

2. मैसर्स प्रिन्स इम्पेक्स प्रायवेट लि ०।

(मन्तरिती)

मैसर्स श्रोणिवरा लैण्ड डेबलपमेन्ट कंपनी (प्राय ०) लि ०।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरों)

जानता है कि वह सम्पिष्ठ में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्फ़न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपरित के अर्जन के सबध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस भूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्य किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंने।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्कों और पर्यों का, वा उपक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही वर्ष होगा, वो उस वृध्याय में दिया नवा हाँ।

नगुज्ञ

फ्लैट नं ० 805, जो 8 वीं मजिल, बिल्डिंग ग्रम्होरी, हाईट्स, प्लाट नं ० 1, एस ० नं ० 41 (ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प ०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/6542/84-385 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा, दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-2-1985 **ओडर 8** प्रकल बार्चाः द्वीत एतः, एतः -------

जायकर अभिर्ीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, यहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं ० **अई** ०-2/27ईई/6547/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण वास.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-सः. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 4, जो मंजू टावर 10 वी मंजिल रोगनलाल ग्रंग्रवाल, काम्पलैक्स, ग्रंपना घर 41 के बाजू में, सर्वे नं ० 41 (ग्रंग), वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण एप मे वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269 कखके श्रंधोन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ने हुई किसी जान की नानकः, उनकः जीवनियम के जनीन कर दोने के जन्तर्क के सारित्य में कभी करने ना कक्को नमने में सुविधा के क्रिस्; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अभीन, जिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात ह— 1. ग्रार० एन० ए० बिल्डसी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीकांचन एस० राय।

(भन्तरिती)

की यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त कम्पृत्ति के वर्षन के हिस्ए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के एजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्णीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्युकी

पलैट नं ० 4, जो मंजू टावर 10वीं मंजिल, रोशनसाल अग्रवाल, काम्पलैक्स, श्रपना घर 41 के बाजू में, सर्वे नं ० 41 (ग्रंश), वर्सीवा, ग्रंधेरी (प ०), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि फर्र ए ग्रई-2/37ईई/ 6547/84-85 श्रीए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन:क 22-6-1954 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **ब**म्बई

सारीख: 11-2-198**5**

मॉहर ;

श्रक्त कार्यात् टीत् एतः एकतः धान सम्बन्धः

बायकर निर्भागयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवता

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० अ**ई-**2/37ईई/6563/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी-3, जो, 2री मंजिला, न्यू कमल को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, लिंकिंग रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कैम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या जससे बचने में मृतिना के लिए और/दा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में स्विधा के निर्णा

लिंदः सव, उक्तं जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जधीन, निम्नसिचित ऋक्तियों ∡ जर्थात् क्ष्मि (1) श्रीमती सबीराबी० मेहबूब साहेब

(अन्तरक)

(2) श्री धनविदर्शसंग सरवान सिंग विद्रा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्धन के तियु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पद स्वान की तामील से 30 दिन की बन्नीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी स्वक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक कें 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मक्ति में हित्त व्यास क्यां किसी जन्म क्यां क्षित य्यास क्यां हस्ताक्षरी औं पास निवित में किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विदा वदा हाँ॥

धनुसूची

प्लैट नं बी-8, जो, 2री मंजिल, न्यू कमल को-आप॰ हाउसिंग सोसाटी लि॰, लिकिंग रोड, बौद्रा, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं अई-2/37ईई/6563/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रम्बई ।

तारीख: 4-2-1985

मोहरु 🛭

সকল কাহ_ি তী_এ হয়_এ হয়_{এখনখন---}

वायक्य विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के व्यीन स्वा

सारत स्टकार

कार्याम्य, सहायक वायकर वायक्त (विद्रीक्ष्ण) अर्थन रेज-7, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/6565/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निधिषयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स की नेथीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार भ्रूव 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 27, जो, अन्धेरी विल पार्ले पंजाबी को—प्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीप्रियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22—6—1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याँक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंतर प्राप्त प्रतिफल को स्थाप प्रतिफल को किए स्थ पाया प्रवा विकार है विकार का स्थाप का स्

- (क) कलाएक से हुई कियों नान की नामक सम्ब व्यक्तियम की सभीय कर दोने के बन्दरक की क्वित्य में कमी करने ना उससे सभने में सृतिभा के सिए; बीर/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निस्तिविक्त व्यक्तिस्तर्गी, वर्णाय् क्र--- (1) श्रीमती सत्यवती उत्तमचन्द भानन्द

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कौशस्या

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वता बारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां एक करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक् में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिव की जबिभ वा तत्स्य स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचका की दासीब से 30 दिन की संबंधि, जो भी सबिभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ((ज) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किन्दी बन्ध व्यक्ति द्वारा वृशोहस्ताकारी के वास लिखित में किए वासकेंगे।

स्पव्योकपुणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

"क्लेट नं ० 27, जो, ग्रंधेरी विल पार्ले पंजाबी को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जे०पी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6565/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); धर्जन रेंज-२, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

भोहरु 🕄

· रूप आइ ती एन **ए**सा. -----

बायकः ब्रीधीतयमः 1961 (1961 **का 43) की** धारा 1969-२ (1) के ब्रधीन सचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

र्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/6920/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उकत अधिन नियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्रार्थित के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लट नं० 107, जो, ग्रंजली, प्लाट नं० 2, एस० नं० 121, 7 बंगलोज, जे० पी० रोड, वर्सोवा व्हिलेज, अन्धेरी (प), वम्बई में स्थित है (ग्रौर इसह उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौय पूर्ण रूप से विणित है (, ग्रौर जिसका करनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण दें कि एथापर्वोक्त सपित का रोजा बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के रीच एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- 'क) अन्तरण म गए' किसी आय को बाबत, क्षावत कांधिनियम को सधीन कर उपने के उपने की वांगित मा ने प्राप्त में सभ उच्चे राजिका के लिए; बार या/
- (ख) एसी फिली आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 के उन्हें प्रिक्तियम, 1922 के जा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्हों देवारा पड़ा र देवार पड़ा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

आतः अब, उक्त व्यक्षिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात --15 -496 GI/85

(1) बाम्बे हाउसिंग कार्परेशन

(अन्तरक)

(2) श्री अञ्दुल सुलतान अब्दुल रस्ल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्न सम्पन्ति क अचन के सबब में कोई भी आक्षेप .-

- (क) इस न्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिंग की त्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में निर्णाल मकी।

स्पष्टीक रण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फ्लाट न० 107, जो, ग्रजली, प्लाट नं० 2, एस० नं७ 121, 7 बगलोज, जे०पी० रोड, वर्मीवा व्हिलेज, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जसा कि के० स० अई-2/37ईई/6920/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वर्ड द्वारा दिनाक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायम आयम्बर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 7-2-1985 महर त्रकृष बाइं.टी. एव. एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

SIZE SCHIE

कार्यालय.. सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6928/84-85--अतः मुझे

बाय कर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25 090 रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लांट न० ((1. जो, ज्लातंग इमारत, जुहु तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूवे से वर्णित है (, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है तार्र ख 25-6-1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उंचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्त में वास्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हूर्ड जिली अप की बाबत, अक्ट विधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उसमें वचने में सुविधा के लिए; बार/आ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री सुधीर गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री कमल के० अगगरवाल

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह मूचना जाशी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्लिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अन्स्ची

"फ्ल ट नं० 302, जो. जलतरंग इमारत, जुहु तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अई-2/37ईई/6928/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(लव्मण घ्रास) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 11-2-1985

४क्ष्युः वाद्देः टी. एतः एसः -----

जायकः विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० : अई—7/37ईई/6939/84—85——अतः म म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी यूनिट न० 209, जो, केशवा बिल्डिंग०, 2री में जि प्लाट सी-5, बांड कुर्ला फाम्पलक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित हैं श्रौर इसने उपाबद्ध अनुचवी में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है, श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अधीन, सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-6-1984

को प्योक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्म्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:——

- (क) अनरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मा कमी करने या उसस अचने में मृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया लया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के सिए;

कतः कव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) माधवा युनाइटेब हाटल्स (ईट) लि०

(अन्तरक)

(2) श्री हरीष लांबा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्मिक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यप्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दां शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ हाना जा उस अध्यास मा दिया गया ही।

वन्त्वी

"यूनिट नं० 209, जो, के शवा बिल्डिंग०, 7री मंजिल प्लाट सी--5, बाद्रा कुर्ला काम्पलक्स, बांद्रा (पुर्व), बम्ब**ई**--51 में स्थित है।

अनुसूची जैसे। कि नं०सं० अई-2/37ईई_/699/84-85 भौय जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-2-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक हु नायुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 8 फ़रवरी 1985 निर्देश सं० अ**ई**-2₁ 3**7ईई**| 6943₁84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो 1ला मंजील, अमरकुज बिल्डिंग, बेमंत स्ट्रीट सांताकुज, (प), बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित, ग्रीर) जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 कि धीरा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारः के कार्याय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रिजिस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स गोवानी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लोलावंती तुलसी।दस मिस्त्री ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मों दिया गया है।

भगसची

🙀 ''फ्लैट नं० 5,जं(, 1ली मंजील, अमरकुंज, बिर्ल्डिंग**, बेसंस** स्ट्रीट, सांताकुज (प०), बम्बई—54 स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० सं० अ**६**-2, 37**६६**, 6943/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, प्रस्मई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीच: 8-2-1985

प्ररूप नार्दः थी. एतः एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकात

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1985

ेनिर्वेश सं ० अ**ई--**7₁ 3**7ईई**] 6945₁84-85--अतः मुझे, लस्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक है

भीर जिनकी सं ं नं 209, प्लाटा नं 2, फ्लैट आफ जे ं पी ं रोड़, 4 बंगलोज, वर्मोवा, अन्धेरी, बम्बई—61 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यायल, बम्बई में स्थित है तारीख 26—6—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कोर दोन के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वी सिए?

बतः अब, उक्त विधितियम की धारां 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधारा ध--- (1) श्री आशियन डेंब्लमेन्ट कारपोरेशन

(अस्तरक)

(2) डा० विनोद नारायणदास गिडवानी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वयस्यो

"फ्लैंट नं० 203, जो, प्लाट नं० 29, आफ़ जे०पी० रोड, 4 बंगलोज, वर्सीवा, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूची जेसा कि ऋ० म० आई-2/37ईई, 6945, 84-85 ख्रौर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्ट डं किया गया है।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेज-2, बम्बई

तारीखा: 7-2-1985

मोहर 🕉

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूच्ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्ब**६, दिनाक** 7 फरवरी 1985 निर्देश सं० अ**६**–2, 37**६६**/6947/84–85—अतः मुझे. क्ष्मण दासः

मायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसक फ्लैंट नं० 202, जो, प्लॉट नं० 29, आफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अंतरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सविधा क लिए, और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दें वधीन, निम्निविक्त ऋक्तियों, वर्षात ४-- (1) आशियन डेवलपमेट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रज् मलिक और श्री ग्रन्नू मलिक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भीं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''पर्यंट नं० 202, जा, प्रांट न० 29, ऑफ जे०पी० रोड, 4 बगलोज ो (प), बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अई-2/37ईई/6947/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, *बम्ब*ई

तारीख: 7-2-1985

मांहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० अ**ई**-2/3/ ईई 7952 84~85**-**-अतः मुझे, लमक्षण दास.

्रश्चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रणिकारों को, यह विद्यार करने का कारण हैं कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० युनिट न० 403 एस, न, 4 थी मंजिल, माधवा बिल्डिंग, प्लाट मी०-4, बांद्राकुर्ली काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है नारीख 26-6-84 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रतिशत से विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रतिशत से विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निर्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण दिस्का में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अनुसरण ते हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिक्व में कभी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए, जीड़/बा
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः——

- (1) मैंसर्म माधवा युनाइटेड होटल्स इंट) लि० (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुमीथा जी० ताईक ग्रौर श्री एम० जी० नाईक ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी अिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंतरा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में ब्रित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के यस निविद्य में निरुष् जा सकागः

श्वकरोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्या हैं।

अनुसूची

"यूनिट नं० 403-एम, जो, 4थी मंजिल , माधवा बिल्डिंग, प्लाट मी-4, बाद्रा-कुर्ला काम्पर्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/6952/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 8-2-1985

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

(1) ममय ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायक रं वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनाक 7 फरवर्ग, 1985

निदेश सं० ग्रई- 2/3 रईई/6954/84-85---ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसका सं प्रतिष्ट नं 10, जो, बिल्डिंग नं बा-2, प्रमाना घर यूनिट नं 3, को-ग्रॉप हाउमिंग सोसाईटी लिं, ओणिवरा, ग्रॉफ जयप्रकाण रोड, 4 बंगलोज के बाजू में, अंधेरी (प्र), में स्थित है (और इसमें उपाबद श्रनुमूच। में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका अरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के क्रायीलय, बम्बई में रजिस्टा है तारीख 26-6-1984

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैमर्थ डिवलपमैंट गारपोरेशन।

(प्रन्तरक)

(2) श्र. दिलिए गोविन्द लवन्दे, और श्र. नयश्र. दिलिए लवन्दे।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगसची

पलैट नं० 10, जो, बिन्डिंग नं० वाच2, श्रमाना घर यूनिट नं० 3 को च्याप० हो उतिमा सामाईटा लि०, ओणिवरा, ग्रॉफ जयप्रकाण रोड. 4 बंगलाज के बाजूमें, अन्धेरा (प), बम्बई – 58 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैमा ति ऋ० म० अई-- 2/37ईई/6954/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनावः 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नद्दमण दान सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकार श्रायक्त (निराक्षण) स्रार्वन रोंग-2, बस्बई

तार)ख: 7--2--1985

THE RES STATES OF A STREET

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) में स्पीद सूचना

भारत तरकार

कार्यांचय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्भई, दिन।क 8 फरवरी 1985 निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/6955/84-85---भतः मुझे, लक्षमण दाम

नामकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत मिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269-च में नधीन सकम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका उन्तित बाजार मून्य 25,000/रह. से आधिक हैं

और जिसका सं० ण्लाट नं० 806, जो, 8वीं मंजिल, बिस्डिंग अन्होरी हाईटम, ण्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंग-लोज, वसींवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्रा है तारीख 26-6-1984

को पूर्वोवत संपरित् को उचित बाजार मून्य से कन् के क्यमान् प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसको क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाला-विक्त रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाव की वाबर, अक्ष अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक खे वायित्व में कभी कहने या उत्तस बचने में स्विधा के सिए; बाह्र/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के निए;

नतः अब, अनतः निधिनियमं की भारा 269-ग के नितृतरण मों, मों, उक्त किथिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) के निधनिः, निध्निविकितं कियानीं, निधित्विक्तं कियानीं, निधनिक्षितं कियानीं (1) मेसर्स यस्मिन इंटरप्रायजेरा

(भ्रन्सरक)

(2) थामतो जयावेन गुलाबचन्द शहा

(भन्तरितो)

(3) मेसर्स ओणिवरा लेण्ड डेवलपर्मेट कम्पनी (प्रायवेट) लिए।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यक्षाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की नगिंध या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की सगिंध, जो भी अपिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवय्थ चित्री बन्ध व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पार जिवित में किए का स्केंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नव्यूची

फ्लट नं० 806, जो, 8वीं मंजिल, बिल्डिंग, श्रव्होरी हाईटस, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रम्धेरो (प), बम्बई~58 में स्थित है।

त्रनुस्चें जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/6955/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण)' श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 8-2-1985

प्रकृप शाद ै, टी., एन., एस ु-ध---व=≉

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ब्राइत संस्कार

कार्यासयः, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज- 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/6956/84-85--- ग्रत: मुझे, सक्मण दास

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति विसका उचित बाबाह मृल्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, प्राउन्छ फ्लोर, यूनिट नं० 22, मगनम टावर्स, प्लाट नं० 358 एस० नं० 41 (अंग्र), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित हैं (और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 26-6-1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्ष के लिए बन्तरित की गई है, और मृत्रे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार ज़ल्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मनिवित उच्चेच्य से उच्च जन्तरण निम्मनिवित उच्चेच्य से उच्च जन्तरण निम्मनिवत सं वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाव की बावस उक्त निध-दिवस से बधीय कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में न्विभा के निध; और/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य अस्तिसों को, चिन्हें धारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध कस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात धु---

(1) मेमर्स लोखंडवाला डेवलपमेंट कारपोरेणन

शामा।

(धन्तरक) (2) श्री उमर जमाल भामा और श्रीमती हवाबाई उमर

(ग्रन्तरिती)

(3) में सर्स ओ शिवरा लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्रायवेट) लि॰

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिलए कार्यवाहिया क्रूक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में विवा नग है।

बन्स्यी

फ्लेट नं० 1, प्राजन्ड फ्लोर, यूनिट नं० 22, बिस्डिंग मगनम टावर्स प्लाट नं० 358, ऐस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोंवा, प्रन्धेरा (प), बम्बई 58 में स्थित है।

धनुसूच। जैसा विः क० सं० प्रई-2/37ईई/6956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई झारा दिनाक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिदारा महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) भ्रजन रेजि-2, बम्बई।

तारीख: 8-2-1985

मोहर 😲

प्रक्य बार्दः, टी. एन्. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाकः 7 फरवर् $_{\rm f}$ 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/6957/84-85-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसका स० फ्लेंट नं० 702, जो, 7वी मिजिला बिल्डिंग अव्होरी हाईटस, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अश) 4 वंग-लोज, वर्सीवा, अन्बेरा (प), वस्बई-58 में स्थित हे (और इससे उपाबद्ध अनुसूब, में और पूर्ण रूप में वर्णित है), ओर जिसका करारनामा आयहर अविनिधम 1961 की धारा 269 के ख, के अवान सक्षम प्राधिकार, के वार्यालय, बस्वई में रजिस्ट्रा है राख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत में वास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एसी कियी अय या विली धन या अन्य काम्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियो त्वारा एकट नदी किया गया था या किया जाना शहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

(1) मेसर्स यस्मिन इंटरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयाबेन गुलाबचन्द शहा।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स ओशिवरा लेन्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्रायवेट) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पतर ग० 702, जा, 7वी मिजिज, बिल्डिंग ग्रव्होरी हाईटस, प्याट न० 1, एस० नं० 41 (अण्.), 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रस्येर, (प), वस्बई-58 में स्थित है। ग्रनूसूची जैसा को कै०मे०ग्राई-2/37ईई/6957/84-35 आर जो अस प्राप्तकार, वस्बई द्वारा दिनाक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास स्थ्रम प्राधिदारो महायक ग्राव :र ग्रायुवत (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

नार ख : 7--2--1985 मोहर ७

प्रकृत नार्ष_ा थी_न एक्_न हुव_य - - = ====

बावकर निभृतिस्म, 1961 (1961 का 43) ली भारा 269-म् (1) के नुभीन सुजना

TISO USE IS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-2, बम्बई

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25.000/-रु. स अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेष्ट नं० 2, जो, यूनिष्ट नं० 22, खा मंजिल, बिस्डिंग मगन्म टावर्स, प्लाप्ट नं० 357, एम० नं० 41 (अंग), 4 बंगलीज, वर्सोवा, ब्रन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 का धारा 269 के ख, के अधान सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजरही है तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफाल से, ऐसे क्यमान प्रतिफाल का वन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गवा प्रतिफाल, निम्नतिवित उच्चेत्रय से उच्च अन्तरण सिवित में वास्तविक क्य से कायत नहीं किया वया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी शाव की वावत, अक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बत्ध क्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को अपभाग्य (1) को कभीन, निम्निश्ति व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

- (1) मेसर्स लोखंडवाला डेवलपमेट कारपोरेशन (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती खातोजा उस्मान शमा और मास्टरमोहमद युनूस उस्मान शमा (श्रन्तरिती)
- (3) मेसर्स ओशिवरा लेण्ड डेवपलमेट कम्पनी (प्रायवेट) लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृत्ति के वर्जन के टिन्ए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप :---

- (क) इस स्थान के उपचपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् स्थानतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलट नं० 2, जो, यूनिट नं० 22, ार्ना मिजिल, बिल्डिंग मगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 वंग-लोज, वर्सोंबा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई 2/37ईई/6958/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षम दास सक्षम प्राधिदारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निर[े]क्षण), श्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

तारीख · 8-2-1985 मोहर् ≝ प्ररूप बाई .टी .एन .एस .

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनां र 8 फरवर: 1985 निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/6959/84-85---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार पत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका स० फ्लैट नं० 3, जो, यूनिट नं० 22, 2रा मंजिल, विलिंडण मगनम टावर्स, प्लाट नं० 3578, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, अन्धेरो, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण दय से विणा है), ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 के ख के अधान लक्षम प्राधि गरा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टू, है तार्राख 26-6-1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास क्रेन का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी अप पा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए।

बतः बब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसर्ण रे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीतः, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् मून्य

- (1) मैसर्स लोखंडवाला डेबलपमेंट कारपोरेशन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री उस्मान जमाल शमा और श्री मिलिम उमर शमा।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स ओशिवरा लेण्ड डेवलपमेंट कम्पने (प्रायवेट)

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में स्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यिततयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिला गया है।

मन्स्ची

प्लैट नं० 3, जो, यूनिट नं० 22, 2रो मंजिल, बिल्डिंग मगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० ग्रई 2/37ईई/6959/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारे, बम्बई द्वारा दिनाक 26-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- 2, **बम्बई**

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाहर् हो ु एन ु एस _----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

वम्बई, दिनांक 28 फरवर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6960/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसक, सं० फ्लंट नं० 704, जो, 7वी मंजिल, विल्डिंग महोरा हाईटस, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज वर्सोवा, अंग्रेरा (प), बम्बई--58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध मृतुमूची में और पूर्ण रूप से विणा है), और जिसरा करारनाम म्रायकर म्रिप्तियम 1961 को धारा 269 इख के म्रधीन सक्षम प्राधिशारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रों है तारोख 26-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (१) एसं िन्धी जान मा किया निर्माण बन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स यस्मिन इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयेश गुलाबचन्द शहा।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स ओशिवरा लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्रायवेट) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित के ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

फ्लैट नं० 704, जो 7 वी मंजिल, विल्डिंग श्रव्होली हाईटस् प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वस्रोता, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

ग्रन्युन: जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/6960/84-85 ओर जो नक्षम प्राधिकारा, वम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गथा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 8-2-1985

अ**स्त्र नार्व**्य **वर्त**्य पुत्रान्त पुत्रान्त कार्य कार्य

भाषकर निर्मित्यस, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के नभीन स्वता

प्राप्त स्थलार

लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो 3री मंजिल, इमारत नं० ई०, मनिष पार्क, पंप हाउस, राजमाता जीजाबाई रोड़, अंघेरी, (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 28-6-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीम एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष से उक्त अन्तर्ण सिष्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्व---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मैं ककी कड़ने या उत्तर्धे रचने में स्विधा के लिए और/बा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था. खिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थता 1. था िरण रिसकलाल ग्रया।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो च्योतिपचंद्र पं० बच ।

(अन्तरितं,)

3. श्रन्धरा

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

का यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त संपील के वर्षन के किए कार्यपाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के गंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाथ के समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थळकिरिश क्रम्बुसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

वनसर्वी

क्नैट नं० 301, जो, 3रो मंजिल, इसारत नं० ६०, मनिय पार्क, पंप हाउक राजमाता जीजाबाई रोड़, अंधेरी (पूर्व), बस्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूच। जैंगा कि कि० में० श्रई 2/37-ईई/6997/ 84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दारा दिनांक 28-5-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार्रः सहायक श्रायर[्]र श्रायुक्त (निर्रःक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नार्िख : 11-2-1984

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस्.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म** (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985 रं० प्रई-82/37-ईई/7017/84-85--श्रतः व

निदेश सं० प्रई-82/37-ईई/7017/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

शोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 801, जो, 8वी मंजिल, बिल्डिंग क्वार्टर डेक, ग्लाट नं० 23, एस० नं० 82 (अक), जय-प्रकाण रोड, बर्सोवा, अंधेरी, बम्बई-69 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),और जिसका करारनामा प्रायकार प्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिज्स्टी हैं, तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से मिथक है और जन्तरक (जन्तरका) जीर जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में अध्यी करने वा उद्युख ब्यूबे में सृत्या के तिए; अदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्व अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा औ लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिशित व्यक्तियाँ, अधित् क्ष्म 1. मेगर्भ जे० एस० कार्परिशन।

(भ्रन्तरक)

2 कुमार। जना सुवे।।

(ग्रन्तिरतीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्तिस के वर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सुम्बन्धी व्यक्तियों पर नृचन्त्र की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्य क्यां की से किसी स्पन्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर संपर्तित में हिरान क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकत्ये।

स्थव्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिसा ब्या है।

जनस्यों

फ्लैट नं० 801, जो, 8वी मंजिल, बिल्डिंग क्वार्टर डेक, प्लाट नं० 23, एस० नं० 82 (अंश), जयप्रकाश रोड़, वसींवा, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/7017/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवन (निर्दाक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1985

मृख्य बार्ड. टी. दन्. एवं.

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यात्व, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रण) प्रार्जन रेंज-2. वम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं श्राई-2/37-ईई, 7018, 84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- क. ये अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 802, जो, 8वी मंजिल, बिल्डिंग क्वार्टर डेक, प्लाट नं० 23, एस० नं० 82 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण च्प से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 र्क, धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (१०) अन्तरण वं हुई किसी आज की बावत् अन्तर जीपनियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के वायित्य में कमी करने या उत्तरे ब्यूने में सुर्विशा के जिल्हा और /या
- तः एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृश्विनियस, वा धनकर विभिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रकारनार्थ बन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्वित्वा के लिए

बता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 17--496 GI/85

1. मेसर्स जे० एस० कार्पीरेशन

(ग्रन्तरक)

2. कुमार) जया सुधा

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाधेष्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 रिवा की वविध या तत्सम्मन्धी स्मृतितम् पूर् स्वान की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्तों में से किसी स्मृतित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निका जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसकी

"फ्लैंट नं० 802, जो, 8वी मंजिल, बिल्डिंग क्वार्टर डेक प्लाट नं० 23, एस० नं० 82 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37–ईई/7018/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांवः 28–6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, वस्बई

नारीख : 8-2-1985

प्रस्य नावं. टॉ. एन. एस.-----

आधकर सिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बभ्वर्ड, दिनाक 8 फरवर। 1985 निर्देण मं० ग्राई-2/37-र्राई/7 19/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिपकी मं० फ्लैंट नं० 904, जो, 9वी मंजिल, बिल्डिंग प्रव्हीरी हार्टम्, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्च, में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिनशा करारनामा प्रायवर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिवार, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभो यह विश्वाम

करने का बारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अ रण विभिन्न से बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कार दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उनसे बचने में सुविधा के मिए: और/बा
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में मंजिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. मेमर्स यस्मिन इंटरप्राइसेस

(भ्रन्तरकः)

2 श्रामत, शबनम सबलोक, बाईफ श्राफ तरलोक रिजा

(ग्रन्तरिती)

 मंसर्स ओणियरा लैण्ड देवलपमेट कपनः (प्राह्वेट) लिमिटेड

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधी-हस्ताक्षर, जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह स्थना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्णवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए भा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अमृसूची

फ्लैट न 904, जो, 9π , मिजिल, विल्डिंग श्रस्होल, हाईट्स, म्लाट नं 0.1, एस० नं 0.41 (अश्), 0.4 बंगलीज, बर्मीवा, अधेर, (प०), ब्रम्बई-0.5 में स्थित है।

श्रातुसूच। जैसा कि कि० स० श्राई-2/37-ईई/7019/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। तम्बई द्वारा दिनाक 28-6-84 को रजिस्टर्ड स्थिया गया है।

> लक्ष्मण दान मक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायक्ष प्रायक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेज-2, वस्वर्ष

तार,ख: 8-2-1985 मो**हर**ः प्ररूप बाध . टी . एन . एस . ------

भायकर कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक ४ फरवरी 1985

निदेश मं० ऋई-- 2/37-- ईई/7020/84-- 85--- ऋत: मुझे, तक्ष्मण दाम.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 902, जा, 9वा मजिल, बिल्डिंग अब्होरा हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अण), 4 बंगलांज, वर्मोत्रा, अबेरा (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयवर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क के अधान नक्षम प्राधिकारा, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्, है, नार्ख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वित्त में नास्त्रीयक रूप से कचित नहीं किया नवा है:---

- (क) बन्तरण से हुपूर्व किसी आव की वायत, उसल विभिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक को शासित्व में कमी करनं या उससे वचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी अभ वा वस्त्र जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या स्वत्त अभिनियंत्र, वा अनंकर अधिनियंत्र, वा अनंकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. स्थिपाने में मुनिधा के निष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों स्थित् ध--- 1. मेसर्भ यस्मिन इंटरप्राइसेस

(भ्रन्तरक)

2. मास्टर श्राकाण तलिक मिंग सम्रलोक

(ग्रातरिती)

 मेसर्स ओशिवरा लैण्ड डेबलपमेंट्स कम्पनः प्राइवेट लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबढ़ हैं)

कां यह सूचना वारी करके प्वाँवत सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी बाधीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्षीय या उत्सन्निक्षी व्यक्तियों दर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का अमिनतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के शत तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा पदा हैं।

and the

पलैट नं० 902, जो, 9व: माजिल, बिल्डिंग ग्रव्होरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० न० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूच। जैसा कि क० सं० 37श्रई--2/37-ईई/7020/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

ना**रीख**ं 8—2~19**8**5

मोहर 🗈

प्रकथ बार्ड . दी . एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, तारीख 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्राई-2/37ईई 7021984-85:—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न० 1006, जो, 10वी मजिल, बिल्डिंग, भ्रव्होरी हाईटस, प्लॉट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 मे स्थित है) और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा स्नायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान तिए प्रतिफल के अन्तरित की गद्ध विष्वास यह करन का कारण सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृत्या, उसके ध्वयमान प्रतिफल सी. एसे रूपमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया **€**_ (:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षा अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अञ्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्मरण मे, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात :—— 1. मैसर्स यस्मिन इण्टरप्राइजेज।

(भ्रन्तरक)

2. मास्ट अर्जुन तर्लोक सिंह सबलोक।

(ग्रन्तरिती)

3. मैसर्स ओणिवरा लैण्ड डिवलपमेट कम्पनी (प्राइवेट) लिं।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सकान्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगा।

स्पष्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों अरेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित ् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्लैट नं० 1006, जो, 10वीं मंजिल, बिल्डिंग भ्रव्होरी हाईटम, प्लाट नं० १, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज वर्सीवा, भ्रन्धेरी (प०), वस्वई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ मं॰ श्रई-2/37ईई/7021/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई बारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रामुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज-2, बम्बर्द

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🔞

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

स० ग्रई-1/37ईई/7026/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

ंशायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी का, पर दिलास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 301, जो, सी गुडीस को० प्राप० हो० सोसाईटी, ग्रीन फील्ड इस्टेट, ए० बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई—49 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28—6—1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फ्रेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के असरक को क्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/गा
- (अ) एसी विश्वा आय या 'कसी घा न अन्य पाक्रिक को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, हर्ण्यंत हम्म 1. श्रीमती नवना जयराम।

(अन्तरक)

श्रीमती प्रतिमा पी० रायजी और
 श्री पी० डी० रायजी!

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरितियो

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त मर्ग्यात के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस जध्याय में बिया गया है।

जन्स् ची

फ्लैंट नं० 301, जो सी, गुडीस को० श्राप०, हाउसिंग सोसाईटी लि०, ग्रीन फील्ड इस्टेट, एस० बी० नायर रोड, जुहू बम्बई-49 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/7026/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 28-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रंजन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 8-2-1985

मोहर 🔞

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/7048/84-85--श्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैंट नं० 5, जो, 3री मंजिल, श्री कत्यानी भवन, 223/ए०, टी० एच० कटारिया, मार्ग, माटुगा (पिश्चम रेल), बम्बई—16 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 29—6—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृत्य में कम क स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्याम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेश्य से उस्त अंतरण लिसित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभिन्नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; बौर/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सविधा से सिए।

अतः कवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री कें बाधजी कवारा शहा के कानूनी बारील (भन्तरक)

2 श्री मुहास वामुदेव मालडकर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां घूक करता हुं।

उक्त सम्पत्तिः के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पुर. स्वा की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए या सकारी।

स्वष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्वा है।

अनुमुची

फ्लैट नं० 5, जो, 3री मंजिल, श्री करवानी भवन, 223। ए०, टी० एम० कटारिया मार्ग मांदुगा (पिक्निम रेल), बम्ब ξ –16 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-2/37ईई/7048/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

सं० आई-2/37/ईई 5741/84-85:---यतः मुझे, लक्ष्मण *दासः

श्रायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, गुलशन हिल टाप को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, गाव ठाणा, लेन नं० 1, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टिंग्यम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 1-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने की कारण है कि यक्षाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य बसके दश्यमान प्रतिफल में, एने इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के नीए एमें अन्तरण में लिए तय पाए। गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय में उक्त बन्तरण सिखिल में बाल्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्त: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण . , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ए० जी० नेलसन और श्रीमती एम० पिंटो।

(ग्रन्तरक)

2 श्री होशंग मिनोचेर मुर्ती और श्री श्रस्पी मिनोचेर मुर्ती।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिनियों

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

क्यों यह सृष्यना चारी करके पृवानित सम्पत्ति के वर्णन के विष् कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मा हितबद्ध किसी क्रम्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए चा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवों का, को उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्यी

पलैट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, गुलशन हिल टाप को-ग्राप हार्जिमग सोसाईटी लि०, गावठाणा लेन नं० 1, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्र $\$-2/37\$\1 $5741^{1}84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्ट ई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रॅज–2, बम्बई

तारेख: 13-2-1985

त्रक्ष बाहै. टी. एम. एस.,-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1985 निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/5750/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, जो 6 वी मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं० 336, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिपका क्रारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 के। धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रें, है दिनांक 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उचत अन्तरण मिनित में बास्तिक रूप से किया गड़ी किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाव की वावत, उक्त जिल्लाचिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वणने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने के स्विधा के लिए;

जत:, अब, उत्सत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स यस्मिन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रामती मोला पी० अख्वानी।

(श्रन्तरितं:)

3. मैसमें ओशिवरा लैन्ड, डिबलपमैन्ट, कंपनी (प्राई०)लि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी। जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है।

को यह स्वमा जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पस्तीक एक: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

वन्स्की

पलैट नं० 604, जो 6 वीं मंजिल, इमारत, होम कोर्ट, क्लाट नं० 336, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वसींबा, अंधेरी '(प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/5750/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई हारा, दिनांक 1-6-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, अस्बई

दिनांकः 6-2-1985

प्ररूप आर्डी.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बस्बई को जिल्हा सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक फरवर। 1985

निदेश सं० श्राई 2/37ईई/5751/84-85----श्रतः मुझै, लक्ष्मण दास,

मायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका संव फ्लैट नंव 1501, जो 15वा मंजिल, बिल्डिंग, अब्होरी, हाईट्स, प्लाट नंव 1,एसव नंव 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा, अबेरा (पव), बस्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण हप से विणित हैं) और जिसका क्रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के अधान सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट, हैं दिनांक 1-6-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्ष, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक हप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व मो कमी अरने पा उसमें बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्त्यां धने, जिन्हें भारतीय बायकार जिथिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धया था या किया अना वाहिए था, छिपाने में लिया के लिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात :—— 18—496 GI/85 1. मैसर्स यस्मिन इटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रामत, कैंसर जहान मकबूल हुसन,

(श्रन्तरितः)

 मैसर्स ओश्रिवरा लैण्ड डेबलपमेन्ट कंपर्नः (प्राय०) लि०।
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रबोहस्ताक्षरः जानना है वि बह सम्पत्तिमे हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गढ़ काला हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गिरभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा नो उस अध्याय में दिमा गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1501, जो 15 वी मंजिल, विल्डिंग, अक्टोर, हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलीज, बर्सीबा, अंधेर, (प०), बम्बई-58, में स्थित है।

श्रनुसूच, जैसा कि ऋ० म० श्राई 2,37ईई,5751,84-85 और जो पक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड नियागया है।

> लथ्मण दास सक्षम प्राधिवार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर क्षण) स्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 8-2-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अध्यकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-थ (1) के अधीन म्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाव 6 फरवर, 1985

निदेश सं० श्राई 2,37ईई-5752,84-85---श्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका संव पलैंट नंव 302, जो 3री मंजिल, इमारत, सिम्फोनी,-बा, प्लाट नंव 344, एस७ नंव 41 (अंग्र), 4 बगलोज, वर्सोवा, अधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमुची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के श्रधान सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट हैं विनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर सिटी में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास इरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वर्षय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व भी कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के निए; सौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

1. मैसर्स यस्मिन कारपोरेणन।

(भ्रन्तरक)

 कुमार, दिपिका महेशचन्द्र क्पाडिया और श्रा जयेश महेशचन्द्र क्पाडिया।

(भ्रन्तरितः)

 मैसर्म ओ शिवरा लैन्ड डेवलपमेन्ट, कंपना (प्राय०) लि० (बह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश म की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राध्यत्र में प्रकाशन की तारीय 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए वा सकांगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

and the

फ्लैट न० 302, जो 3र,मंजिल, इसारत सिम्फोर्न, ब , प्लाट नं० 344, एस० नं० 41 (अंग्र), 4 वंगलोज,वर्सीवा, अंधेरे। (प०), बम्बई-58में स्थित हैं।

श्रनुसूच। जैसाकि ऋ० म० श्राई 2/37ईई/5752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बस्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार। साहायक आयक्षर स्रायुक्त (निरक्षण) स्रजेन रेजिन्2, बस्बई

विनंक : 6-2-1985

५ मध अहरी टा एन . एस . ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई दिनाक 13 फरवर/1985

निदेश सं० श्राई० 2/37ईई/5757/84 85---श्रत मुझै, लक्ष्मण दास,

्षाप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका संब हुकाँन नंब 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर, नंद ब्रुपा, अनेक्स, शापिस मेंटर, चार बंगला, रोड, अंधेरा (प०),बम्बई-58 में रिस्यत हैं (ओर इससे उपावड अनुसूच, मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) अर जिसका इरारनामा श्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 का धारा 269 ंब के अधान नक्षम प्राधिकार, के कार्यालय बस्बई म रजिस्ट्री है जनाक 1-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान गइ° लिए अन्तरित की मुभरे विश्वास करने का कारण यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फेल से, एसे धरयमान प्रसिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में समिधा के टिन्; बौड/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था., छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के ननुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स विमल कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भन्तरक)

2. कुमार। हम,दा एस० ए० सुतार,या,

(श्रन्तरिर्तः)

नयी दुकान ।

(बहुव्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सबध में काई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियंग, के वभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस वभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'दुकान नं 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर, नंद-ष्ट्रपा श्रनेक्स, शापिग सेटर, चार बंगला राड, अंधर। (प०) बम्बई 58 में स्थित है। श्रनुसूच। जैसा कि ऋ० म० श्राई-2/37ईई/5757/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारं(सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजन रेज-2, बस्बई

दिनाकः: 13-2-1985

प्रकप बार्ड . थी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985 निदेश सं० अर्ह्ट 2_l 3.7ईई $_l$ 5.767_l 8.4-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो इमारत, नं० ए-23, ग्राउन्ध्र फ्लोअर, अपना घर यूनिट न० 4, को-आप० हाउमिंग सोसायटी लि०,श्रोशिवरा, आफ ने० पी० रोइ, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाक 1-6-1984

को पूर्वाक्त संपित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान पतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में वाम्तिवक रूप सं किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित स्वारा प्रकट अक्षीं किया गया धा या किया प्राना चाहिए धा । छपान में मुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैसर्स समर्थ डेबलपमेन्ट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

 कुमारी मधुवाला टी० आरोरा, भ्रौर कुमारी प्रिती टी० अरोरा ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूचः 🕡

पलैंट नं० 6, जो इमारत नं० ए-23, ग्राउन्ड पलोअर, अपना घर यूनिट नं० 4, को-आप० हाउसिंग मोसाइटी लि० ग्रोशियरा, आफ जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-2/37**ईई**/5767/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 6-2-1985 मोहर . प्रकल बाह्". टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985 निर्देश मं० आई०-2, 37ईई, 5768, 84-85~-अतः मुझे, स्मण दास

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रो. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० एच-231, जो 2री मंजिल, श्रंसा इडिस्ट्रियल, इस्टेंट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पर्श्वेत्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में शास्तिक है किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत. बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. मैसर्स, ग्रंसा बिल्बर्स ।

(अन्तरक)

2. मैससं आगं निक प्लास्टिक्स ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविधि या तत्सं मंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और ध्वां का, जो उच्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्षी

यूनिट नं० एच-231, जो 2री मंजिल, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि कें आई-2/37ईई/5768/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-6-1984 कौ रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश स० आई-2/37ईई/5775/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर धिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 23/पी, जो लक्ष्मी ईडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, विस्तारी, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान गङ्ग प्रतिफल के लिए **अन्त**रित की मुक्ते यह विष्वास करन का कारण यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धंन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स लक्ष्मी इंडिस्ट्रयल इस्टेट,।

(अन्तरक)

2. मैससं महा कारपोरेशन।

(अन्तीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख मा 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

यूनिट न० 23/पी, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिक रोड, विस्तारीत, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/5775/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ष

दिनांक : 13-2-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेण सं अाई०-2न37ईई/5776/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैट, नं 8, जो 3री मंजिल, न्यू फेंडस को आप हाउसिंग सोसायटी लि (किणनी कुंज), 14 वा रस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय बोगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है सूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिति। (अन्तरिति। यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें अधने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती दूरी जगतराय बासवानी।

(अन्तरक)

2. मैसमं तिलकचन्द राजिन्दर कुमार जैन । (अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके प्रशेवता सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्यी

क्लैट नं० 8,जो 3री मंजिल, न्यू फ्रेन्डस को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, (किणनी कुंज), 14 वॉ रास्ता,खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-2/37ईई/5776/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्त्रई

दिनांक: 11-2-1985

प्ररूप कार्र. टी, एन. एस.-----

भायक्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश मं० अई.० 2/37ईई/5782/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है"

ग्नीर जिसकी सं० फ्लेट नं०, जो "गोरुष्ठ काउन इमारत, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1984

को पूर्वीत संस्मिति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्त- विक रूप से कथिन नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मणिया के लिए; जौर/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एएजनार्थ अतिरिती दवारा प्रकट नहीं विद्या गर्मा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिका के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्षत्रमण्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कर 1. मैसर्स पुल व्हयु कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2 श्रीमध्कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क्) इस मृज्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, भो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 6,जो "गोल्ड क्राउन" इमारत, जयप्रकाण रोड, वर्सीवा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/5782/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा, दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्रधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 पो**ह**र :

प्ररूप भार्<u>ः</u>टी पुर ्रंस , =-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

पारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निडीक्षण) अर्जन रेंज-2, जम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फ़रवरी 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/5789/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,00/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1505, जो 15 वीं मंजिल, विहिंडग अव्होरी, हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (श्रंग), 4 बंगलोज, वसींवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनूसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई म रिजस्ट्री है दिनांक 2-6-1984

का पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है बाँर मुक्ते यह विश्शस करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के पिए:

जतः भव उन्त अधिनियम की धारा 269-च के जन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह्या 19—496 GI/85

1. मैसर्स यस्मिन, इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

2. श्री मकबूल हुने न, ए० हुसे न।

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स श्रोशियरा, लेण्ड डेयलपमेट कंपनी (प्रायवेट) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दयारा;
- (का) हस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का महिला की स्थापता की किसी की किए की महिला की स्थापता की किए की स्थापता की स्थापता

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनुसूची

फ्लैट नं० 1503, जो 15 वी मंजिल, बिल्डिंग, अव्होरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (भ्रंग), 4 बंगलोज, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा कि ऋ० मं० अई०-2/37ईई/5789,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनोम : 8-2-1985

मोहर :

ধৰ্মত প্ৰায়ুত হাতি প্ৰতি প্ৰত ব্যৱহাৰ

जावकर विधानयम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के बधीन सुचना

प्रारत परकार

कार्यासय, सहायक कायकार कायुक्त (विद्वाक्षिण)

अर्जेंग रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनांक 6 फ़रवरी 1985

मिवेग सं० अई-2/37ईई/5790/84-85—अतः मृझे सक्ष्मण दास,

कायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किंभिनियक' कहा गया हैं), की धारा 269-व के जंबीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, ज्विका उचित् बाबार मूल्य 25,000/-क. व जिथक है

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1605, जो 16 वीं मंजिल, इमारत अश्हतरी, हाईट्स, प्लाट नं० 41 (धंग), 4 बंगलोज, वसींवा, ग्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावस अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2-6-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाबार मून्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हो और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का जीवत बाजार मूस्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक ही बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कृथित नहीं किया गया है ८—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वनने में सुनिधा के निए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की निए;

जतः बाब. उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसित स्वीकतयों, कर्यात् :---- 1. मैंसर्स यस्मिन, इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैंसर जहान मकबूल हुसैन।

(अन्तरिती)

3. मैं सर्स स्रोणिवरा, लैंप्ड, डेवलपमेन्ट, कंपनी (प्राय०) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध)

का यह स्वान धारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां कडता हुई 🗓

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योक रूप: — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं ० 1605, जो, 16 वीं मंजिल, इसारत, अन्होरी हाईट्स, प्लाट नं ० 41 (ग्रंण), 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं आई-2/37ईई/5790/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश स॰ आई-2/37ईई/5791,84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुक से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 201, जो 2 री मजिल, बिल्डिंग न० 9, व्हिलेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेखरी, (प),बम्बई-58 म स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 2-6-1984

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अतिरित कीगई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यह पूर्वोक्त पृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरेण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् —- 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. डा० वारडीवाला हमझा अब्दुल हुर्सैन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

पर्लंट न० 201 जो 2 री मजिल, बिल्डिंग न० 9 व्हिलेज भ्रोशियरा, बेहराम बाग के पिछे, जागेश्वरी, (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-2,37ईई/5791/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनाक 2-6-1984 को रजिस्टटई किया गया है।

> ल्दमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक . 6-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी, एन_ एस .-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निद्वीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवर।, 1985

ॅनिदेश स० आई-2/37ईई/5793/84-85---अत. मुझे

लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उम्रित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लंट न० 3, जो 2 र मिजिल, स्वेता को-आपरेटिव हाउसिंग सामायटी लि० निर्माणाधीन इमारत, एस० न० 40, एच० न० 3 (प्रण), श्रार एच० न० 4 (श्रण), श्रीर सी० टी० एस० न० 51, (श्र्ण), सहाय रोड, कोल डोगर 3, ग्रधेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण हप सं विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधान सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनाक 2-6-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क रहयमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्न सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रवयमान प्रतिकाल से एस रवयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात स अधिक ही और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तृष् पाया गवा प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण भिष्ति के बास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केसी करन या उससे बचने में सूविधा कें सिए; और/सा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियम बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियानी में सुनिया को लिए;

मतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) ■ अभीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थातः क्र-- श्री कालू सिंह द्वाराका सिंह ठाकुर

(अन्तरक)

श्री दिलीप आनन्दलाल महा और
 श्री दिपक आनन्दलाल महा।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत् सम्परित के नुर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पर्वतिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

पलेट नं० 3, जो 2 री मंजिल, स्वेता को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, निर्माणाधीन इमारत, एस० न० 40, एच० न० 3(श्रम), श्रौर एच० नं० 4 (श्रम), श्रौर सी० टी० एस० न० 51(श्रम), सहार रोड, कोल डोगरी, श्रंधेरी (पूर्व), वस्वई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि क स० अई-2/37ईई/5793/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक . 12-2-1985

मोहर 🛊

प्ररूप नाई..टी.एन्.एच.------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/5796/84-85---अत: मुझे ⇒ लक्ष्मण दास

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

भौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 31, जो 3 री मंजिल , रीच अपार्टमेन्ट, वंज्ञेवाडी, माहीम, (प०), बम्बई-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्द्री है विनांक 2-6-1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विख्वास कुरनं का कारण है कि यथापुर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रीतफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित उद्दोषय से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- '(क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एोसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;।

1. श्री जी० रविन्द्रन

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद इसाक ए० जी०

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि है जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौगे।

स्पन्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त निध-नियम के बध्दाय 20-क में परिभाषित ही, वही जर्भ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सू चा

पलैट नं० 31, जो 3री मंजिल, रीच, अपार्टमेन्ट, बंझेवाडी, माहीम (प०), बम्बई:16 में स्थित है।

अन्*सू*ची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/5796/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 2-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 12-2-1985

मोहर:

प्रकप् बाह् दी एन , पत्र , नाननाननान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फ़रवरी, 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/5797/83-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीय जिसकी म० पर्लंट नं० 302, जो श्रंधेरी मिन्य गार्डन की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत, नं० 2-3-4, सीविंगो, जे० पी० रोड, प्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उाबपद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री दिनांक 2-6-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह बिद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्रल से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियज, के जभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न, के समुसरम में, मैं उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निभननित्यत व्यक्तियाँ, अधित्:--- 1. श्रीके० रहमाम,

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती।

्(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति 🐉

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के वर्जन के निष्य कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के ट्राअपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्षीय था तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्षीय, जो भी वर्षीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत प्रभा के राजपण में अकासन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्न व्यक्ति द्यारा बचाहस्ताक्षरी के पृक्ष सिचित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वर्षिनियम, के बच्चाय 20-क में, परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा वृदा है।

वपुत्रक

प्लैट नं 302, जो अंधेरी मनिष गार्डन को-आंप हाउसिंग सांसाईटी लि इमारत नं 2-3-4, सी-विंग, जे पी रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37ईई/5797/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/6/1984 को रिजस्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजर2, बम्बई

दिनांक: 12-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड्ः टी., एन., एस.,-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश [ा]सं० आई०-2/37ईई/6673/84-85---अतः मुहे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० लन्डट्रस, एन्ड "बी" प्लाट नं० 1513, वर्सोवा लन्डट्रस, एंण्ड को-आप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, श्रोशिवरा निहलेज, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर ंइससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर [जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल ते, एसे रूपमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जत: अव:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्षभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थोत् :--- 1. श्रीमती वेद अरोरा।

🗓 (अन्तरक)

- श्रीमती पुष्पा एम० रोहिरा ग्रौर
- 2. श्री सुनील एम० रोहिरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः—-इसमें प्रयुक्त शंध्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

लन्डस एण्ड "बी" प्लाट नं० 1513, वर्सीमा लन्डस एण्ड को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगलीज, श्रोशिवरा ब्हिलेज, श्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/6673/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6र-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ंलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ः

इस्य बाइं. टी. एन . एवं . -----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निदेण मं० अई०-2/37ईई/6675/84-85— अतः मृझे सक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 35, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० सी, प्लाट नं० 18, भवानी, नगर, मरोल, मरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तियक रूप से किथत, नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उचन अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदसे वचने में सुविधा के निष्; जीर/वा
- (व) एसी किसी भाव मा किसी भन वा जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वत्त अधिनियम, वा धनकर जीधिनियम, वा धनकर जीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना जाहिए वा जियाने में सियभ से जिया के जि

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :--- 1. दीपक बिल्डर्स, प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

 अशोक कुमार मेहरा श्रौर श्रीमती जसबीर अशोक मेहरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पंतित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्ववा के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पदः स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्र्यी

दुकान नं० 35, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग सी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, ग्रंधेरी ((पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि के सं० आई-2/37-ईई/6675/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 23-6-1984 को रिजस्टडं/किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्रे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फ़रवरी 1985

निदेश सं० आई 2/ 3-ईई/ 6676/ 84785—अत[.] मुझे लक्ष्मण दास

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धीरा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिभक्तारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीरिजसकी सं० फ्लैट न० 12, जो 3री मंजिल, बिल्डिंग, न० 6, भवानी नगर, मरोल, मरोगी, रोष्ट, ग्रधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्री। इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 23-6-1984

का प्वीक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बावत उन्नत अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दर्शिया के फमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) मा जक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया एया या या किया अना साहिए था छिपान में मुजिन के लिए;

आरं मन, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्भरण नो, मों, उजन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्थे अर्थन, जिम्निलिखित ब्यानित्यों, अर्थात ---20-496 GII84 1 दीपक विल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2 अन्थोनी, चाको अरीकटट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में विगी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख यें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—-इसमा प्रमुवत शब्दों बाँर पदों का, जा उक्त हीच नयम, के हापाय 20-क मा परिभाषित इ जला प्रचं होगा, का उस अध्याय मी विश्वा एया है।

वन सची

पत्रैट नं० 12 ता 3री मजित, त्रिलिंडगर्न० 2, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोज, मरोशी, रोड, श्रंधेरी, (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6676/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 23-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक 11-2-1985

मोहर:

प्रकल बाह् ं टी । एन : एस :-----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6677/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

कायकर अ गिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख क अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्स 25,000 क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटन० 2, जो बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोगी, रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) गौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 239 कल्ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टु। है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वीकर मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/अ।
- (श्र एंसी किसी अगर या किसी धन या अन्यः आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(अन्तरक)

2. श्री के० ग्रो० थ। मस ।

(अन्तरिती)

को सह सुचन। आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त कम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया दिया है।

नग्रुची

फ्लैंट नं 2, जो बिल्डिंग नं 1, प्लाट नं 6 भवानी नगर, मरोल मरोणी, रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बबई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई'6677/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 1 1-2-1985 सोहर ; प्रकल काही, ठी, एन, ६स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फर⊀रो, 1985

निदेश सं० अई०-2/37ईई/6679/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोगी, रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व की उपधारा '(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्री मेहबूब सुलतान दामा ।

(जन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यिनियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यिक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की ारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति । हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में !रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्या

फ्लैट नं० 10, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लाट नं० 6,भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड,ग्रंधेरी (पूर्व),बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6670/84-85 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 23-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मा दास सक्षम प्रधिका सहायक आयकर आयक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

दिनांक 11-2-1985 मोहर: प्रकार आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ा. दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2 दिल/प गंगाधर देश पांड

(अन्तरिती)

मारत तरकार

भारा 269-थ (1) के सभीन राचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश मं० अई०-2/37ईई/6680/84-85--अनः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के संधीन सक्तम पाधिकारी को, यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित गाणार मृत्य 25, c00/- रु. से **अभिक हैं**

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 7 जो 2री मजिल, बिल्डिंग नं० 6, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल इरोगी, रोड ,अधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थितहै (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णिंग हैं) और जिसका एरए-नामा आय रूर अधिनियम, 1961 की धारा 269 तख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है दिनाक 23-6-1984

को पूर्वीक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान लिए अन्तरित की विष्यास करने म्भे यह का कारण पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और **बन्तरक (ब**न्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) बस्तरण से हुई किसी आद की बाबत उपत सीध-विसम को अधीन ≁र द'न के अन्तरक को दारिस्य सें क्षमी इरने या उलमे उपन मा मिविधा के लिए: क्षीर 'मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भगरतीय बाय-कर व्यक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या **धग-कर अधिनियम,** 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिदी दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिवधा ल्य ग्लए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधान . रक्ष्मिलिसित व्यक्तिमा, अथित :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप .--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंग।

ल्पब्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बया है।

नप्स्ची

फ्लैट न० 7, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं०6, प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० स० आई-2/37ईई/6680/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984 त्रो रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

बायभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-2/37ईई, 6681/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16/4 जो 2 री मंजिल, बिहिंडग, नं० 4, प्लाट नं० 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोंड ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 59 में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची मेऔर जो पूण रूपसे बिणित हैं) ग्रौर जिसका करार-नामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्याज्य वम्बई में में रजिस्ट्री है दिनांक, 23-6-1984

को पूर्वोक्त मध्यत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थयान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्ता सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल उएसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रतिफल निम्नीतिबत उद्बंद्य से उक्त बन्तरण निक्ति में बास्तविक अप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√वा
- (ध) एसी किसी जाव या किसी धन था अस्य असास्त्या का, विन्हें भारतीय वाजकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क एमोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, किया ये मूजिश से सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. दापक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्री आनंद ज≀ में इन ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना आरी करके पृवाकित संपत्ति के वर्धन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

नक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की ताबीस से 30 दिन की अविध , जां भी अधिक बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य वाक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकोंगे ।

म्बष्टीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्त्वी

फ्लैंट नं 0.6, जो 4 थी मंजिल, बिल्डिंग नं 0.4, प्लांट नं 0.16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-0.59 में स्थित 0.59

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/6681/84-85 स्प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप् आई.टी.एन.एस. -----

भारत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

बाउव स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-2/37ईई/6682/84-85—अतः मुझे मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं फ्लैंट नं 13, जो 3 री मंजिल, बिल्डिंग नं 2, प्लाट नं 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, अधेरी (पूर्व), बम्बई-59में स्थित हैं (गौर इससे उपाबढ़ अनुमूचों में गौर जो पूर्ण रूप से बिणित हैं) गौर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनयम, 1961 की धारा 2769 के ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं दिनांक 23-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क इश्यमान प्रतिकाल के लिए बंतिरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से, एसे इश्यमान प्रतिकाल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल निम्निवित उद्देश्य में उक्त कन्तरण निचित में शस्तिक का पर में कार्या नमिवित उद्देश्य में उक्त कन्तरण निचित में शस्तिक का पर में कार्या नमिवित उद्देश्य में उक्त कन्तरण निचित में शस्तिक कप में किया नहीं किया गया है:--

- (अ) बन्तरण संहुइ किसी बाब की बाबत, उथत अभिनियम के अभीन कर दने के अन्तरण के समित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविभा को चिए; शी्द्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिर्दिती ह्वारा प्रकट नहीं किया मया था वा किया जाना वाहिए वा, खियाने के समिथा के सिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्री मंजय वसंत पाठक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से /5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज वें 45 दिन के भीतर शक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, यहाँ कथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 13, जो 3 रा मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 7, भवानी नगर मरोल मरोशी, रोष्ट, ग्रंधेरी (पुर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० म्रई-2/37ईई/6682/84-85 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम ,प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 11-2-1985 मोहर : प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6683/84-85-अनः मुझे लक्ष्मण दास

आयकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000 का. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2 फ्लांट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड़ बम्बई-59 ों स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप में विणित है) स्रोर जिसका करारनामा आयर अधिनियम 1961 की प्रारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ब बई में रिजस्ट्री है दिनांक 3-6-1984

को पूर्वोक्न मपिति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसले दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त अधि-निग्रम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) तिसि किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या का या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के निष्ण,

अतः अतः, उत्रत अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उत्रत अधिनियमं की भारा 269-थं की उपभारा (1) के अधीतः, निस्तनिसित्त व्यक्तियों, संवितः :---- 1. दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिनल मनोहर परब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिशा गया है।

बत संची

फ्लैंट न० 5, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2 भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/6683/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाह 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायकः आयकर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिना 11 फरवर 1985

ानदेण स० ग्रई० 2/37ईई/6692/84-85 -- ग्रन मुझे लक्ष्मण दान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धार 260 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बारण मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

अतर तिसकी संज्ञालित कर 5, जा 5 ती मिन्दि : "ब" दिग, माटा मिट्दा, 'लाट नं 53, श्रा स्वाम , निर्मा परेन्द्र स्नायट साफ ने पिन रह, 4 बगलाज, वसीवा, अधेर (पं), वन्बई 58 ति स्थन है (आर इतसे उपाबद्ध प्रतुस्च में और जो पूण का विवास है) और जिल्ला विवास प्रतिम स्थित में भीर जे 1961 का धारा 269 केख वा स्थन वस्थई स्थित सक्षम प्राच तार के वार्या प्रमेरिजिस्ट्री हा दिना 23-6-1984

का पूर्वाक्त स्मात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचन में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ है अत्र रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात — 1 नैसर्म डाया दरटेंट्स प्राय्वेट हि०

160

(2) श्रा विनोद पी० दादलानी

(ग्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न्या 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यिम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

पर्नैष्ट न० 5, जो 5 वीमि: ', "ब" विग, मटा महल, प्ताट न० 53 श्र स्वाम, स्मर्थ प्रम्त सासायट आफ ने० प० राइ, ४ वगला वर्सीया, अधेर (प०), बम्बई-58 मे स्थित है।

श्रनुसूत्र जैसा कि क० स० हाई 2/37ईंह/6692/84-85 अर जा क्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिना, 23-6-1984 को रिजटर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास रक्षम प्राधिवारः स्हा त स्रायः स्वययस्य (निरक्षण) स्रजन रेज-2, बस्बई

दिनाक 11-2-1985 मोहर प्ररूप बार्दे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारंत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाक 11 फरवरो, 1985

निदेश सं० ग्रई० 2/37ईई/6693/84-85--ग्रत- मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी, स० फ्लैंट न० 4, जो 5 वी मंजिल, "व।" विंग, मोटा महल, ग्लाट नं० 53, श्रा स्वामी समर्थ प्रसन्त सीसायटा ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 का धारा 26 व्यक्ष के ग्राधान सक्षम प्राधिकार के भ कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बादत, उपक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिया के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आक्षिण को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियो जाना चाहिए था, छिपाने यें मृतिधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) ब बधीन निम्नलिबित ब्युक्तियों अर्थान

· 21--496 GI/85

मैसर्स डायना इस्टेट्न प्रायवेट लि०

(ग्रन्तरक)

2 श्रा विनोद प ० दादलान,

(अन्तरिनः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हां, हो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिथा गया हैं।

ग्रनुसूचो

फ्लैट नं० 4, जो 5 वी मजिल, "ब," विंग, मोटा महल, ल्लाट नं० 53,श्र, स्वाम, समर्थ प्रसन्न मोसायट, ग्राफ जे०प,० रोड, 4 बंगलोज, वसीवा, अधेर (प०), वम्बई-58में स्थित है।

श्रनुसूब, जैसा कि कि० म० श्रई 2/37ईई/6693/84-85 ओर जो नक्षम पाधिकार, बम्बई द्वारा, दिनाम 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्यण दास समक्ष प्राधिकारो सहायक स्रामास्य स्नायुक्त (निरोक्षण) स्रजन रोज-2, बस्बई

दिनाक: 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ दी एन. एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १०४५ में (1) के उधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्रमः, सहायक आयकार व्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवर,, 1985

निदेश र । श्रई० 2/37ईई/6694/84-85 - श्रन । मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा एक हैं), को भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

और जिसक। सं० फ्लैट नं० 3, जो 5वी मंजिल, ''बा' विग, मोटा महल, फ्लाट नं० 53, श्री स्वामं। समर्थ प्रमन्न सोसायट आफ जे०पी० रोड, 4 वंगलीज वर्गीचा, अंधेरी। (प०), वम्बई-58 में स्थित हैं (और डामें उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिस्ता वररारनामा आयकर आधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ष के अधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी हैं दिनाक। 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गड़ हैं और मूफो यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्दोध्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपानी मं सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की, उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैसर्स खायना इस्टेट्स प्रायवेट लि०

(ग्रन्तरितः)

2 आ विनोद पा० दादलानै।

(श्रन्तरिप्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 निस्ति में किए जा सकांग।

स्पष्टिकरणः--इसमा प्रयुक्त भव्या और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषितः ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया गया ही।

अनुसूची

पलैट नं 3, जो 5 वी संजिल, "वं।" विंग, मोटा महल, लाट नं 5 3, श्री स्वाम। समर्थ प्रसन्न सोमायटी श्राफ जे ० पी० रोड, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बर्ड-5 8 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा वि. क० म० अर्ड 2/3 र्रोडी 669 4/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बर्ड हारा दिनाव 23-6-1984 को रजिस्टर्ड विधा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार) सहायक श्रायक्षर प्रायुक्त (निर.क्षण) अर्जन रेज-2, ऋम्बर्ड

दिनांक: 11-2-1985

मोहर .

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर षायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. त्रमबर्द

वरबई, दिनाक 11 फरवरा, 1985 े

मिदेश स० ग्रर्ड २/37ईई/6695/84-85--श्रत मुझे, लक्ष्मण दास

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपयं में अधिक हैं

और जिसकी मं०

फ्लैट न० 2. जो 5वी मजिल, "ब," विश, मोटा महल, प्लाट न० 53, श्री स्वाम, समर्थ प्रसन्त मोसायट श्राफ जे०पा० रोड, 4 पगलोज, वस्ति। श्राधेर. (प०), बस्बई-58 में स्थित हैं (और दिसमें उपायद अनुसूच में और को पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 के धारा 269 कख के अब,न संक्षम प्राधिकार, के कायलिय बस्बई में रिजस्टू हैं दिनाक 23-6-19के4

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अद्भार है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिध-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निलाए अरेट निया
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण . भैं, मैं, उवत अधिनियम को धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित .--- । मैं नर्स डयाना, इस्टेट्स, प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरकः)

2 श्रामता निर्माला पा० दादलाना ।

(भ्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्मत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त राज्दों और पदों का, जो उनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

and the latest a

पर्लैट न० 2, जो 5 वी मांजन, "का" विग, मोटा महल, प्लाट न० 53, था, स्वामी एमर्थ प्रसन्न सीसायट, भ्राफ जे० पा० रोड, 4 बगलोक, वसविव अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा कि कि स० अई 2/37ईई/6695/84 85 और जो सक्षम प्राथकार, बस्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड वियागया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकार। सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजीन रेज-2, बम्बई

दिनाक 11-2-19**8**5

मोह्र र

मुक्त बार्स , ही , एन , एस

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

बारत बरकार

कार्याज्ञय, वहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश म० ग्रई ०-2/37ईई/6696/84-85—ग्रतः मुझे संक्ष्मण दास

आयकर र्राथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो 5 वी मजिल, "बी" विग, 'मोटा महल" प्लाट नं ० 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्त सोसयटी आफ जे ०पी ० रोष्ट, 4 बंगलीज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (0), बम्बई-58 में स्थित है) ग्रीर इससे उपखड़ श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूर्ण से विणित है) श्रीर जिसका करारनामां श्रायकर ग्रंधिनिम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकार के विशेष विभिन्न कार्यालय बम्बई में रजिस्झी है दिनाक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान ग्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एमे रूपमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्निकित उद्देश्य वे उक्त अन्तरण विचित्त के वास्त-विक रूप के क्षित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिक्षा के लिए; और/या
- (च) एसी किमी अाथ या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९४२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम रेया धनकर अधिनियम रेया धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्धात् हिन्स

- मैसर्स डायना इस्टेटस, प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती निर्मला पी० दादलानी।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

इक्ट सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अर्वाध या तरसम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
 पास निवास पा किए बा सकान ।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनयम, क अध्याय 20-क । परिभाषिण है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं ० 1, जो 5 वी मजिल, "बी' विग, "मोटा महल", प्लाट न ० 53,श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न सोसायटी ग्राफ जे ०पी ० रोड, 4 बगलोज, वसींवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० • श्रई-2/37ईई/6696/84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार। दिनाक 23-6-1984

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

को 'रजिस्टर्ड किया गय। है ।

मोहर 🔞

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं ० ग्रा ई ०-2/37ईई/6697/84-85—ग्रातः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो 6 वा मजिल, ''बी'' विग मोटा महल, प्लाट नं० 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्त सोसायटी को-ग्राप० हासांसग सोसायटी, लि०, 4 वगलोज, श्राफ जे०पी० रोड़ वसींवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 23-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बार का किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आया में अन्यानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स डायना इस्टेट्स, प्रायवेट लि ०

₹.

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मंजू एस० हेमराजानी ग्रौर श्रीमती सुमती के० शेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकन।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संची

पलैट नं० 3, जो 6 वीं मंजिल, 'बी' बिंग, मोटा महल प्लाट नं० 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बगलोज, श्राफ जे०पी०रोड, वसींवा, श्रंधेरी (प०) क बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क॰सं॰ ग्रं $\xi-2/37\xi\xi/6697/84-85$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

् लक्ष्मण दास सक्षेम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर 🔞

प्रकृप बाह . टो. एव. एस. ...----

बाबकर बिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 फरवरी 1985

निडेश स० ग्राई ०-2/37ईई/6698/84-85---- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '5,000/-रु. से अधिक हैं .

6वी मंजिल. "बी विंग, ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, मौटा महल, प्लाट नं० 53, ग्रपना घर, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि ० के वाजू में 4 बगलोज, ग्राफ जे ० पी ० चेंड, वसोवा, ग्रधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनसुची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख केग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 23-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उबसे अधिनियस के अधीन कर दोन के करनाथ व ांगा न बानी करने या उससे रचन धे गुजिने को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जन्मरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. मै पर्म डायना इस्टेट्स, प्रायवेट लि ०।
- (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती शिला राजन शहा और श्री राजन के० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हू।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सबध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्या में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन का प्रकाश या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िभिन मा किए के करें।

स्पब्दीकरण: इसम प्रयुक्त ब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां देथ हागा जा उस अध्याय में दियां गया है।

अनुसूची

फ्लैट न ० 2, जो 6 वीं मजिल, "बी " विग, (मोटा महल" फ्लाट नं ० 5 3, ग्रान विभ हो-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि ० के बाजू में, 4 बगलोज, ग्राफ जे ०पी ० राइ: वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि स० स० प्रई-2/37ईई/6698/84-85 श्रौर जो सक्षन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज-2, बम्बई

दिनाक 11-2-1985. मोहर : प्ररूप बाह्र . टी एन एव . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-च (1) के अधीन सचना

कारत प्रस्कृत

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेप 2 बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 12 फण्वरी 1985 निदेश स ॰ ग्राई-2/37ईड/6401/84-85—ग्रात मझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पति, जिसका अचित बाजार मून्य 25,000'-र से अधिक है

श्रीर जिसकी स० गाला न० 1 एफ, जी ०पी ० श्रीर क्यू० लक्ष्मी इडिस्ट्रियल, इस्टेट, वीरा देमाई, रोड, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थिन हे (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 21-6-1984 को पूर्वोंक्त सपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे ही और ग्रुप्ती यह विश्वाम करने का कारण ही कि तथापूर्वाका गर्माल का उचित बानार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य म उक्त अन्तरण निम्बत में वास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया ही —

- (क) अन्तरण संहन किमी आध की बाबत उपल धौर्णा बाम के सधीर क्षा रक्ष अन्तरक क दाबित्स के लाबी करन या उपल क्षान में जीवल क्षीकृत के क्षा
- (स) ऐसी किरी अप या किसी धन या जन्य अधिनयों को, जिन्ही धारतीय आधुन्तर अधिनयन, 192 का प्राप्त कर अधिनयन, 193 का प्राप्त कर अधिनयम, 10, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नदी किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में महिला के किए:

अत अब, उक्त क्षितियम की गाम १६६ के बासरण में, में, उक्त अधिनियम की गान १६० घर्न पामरा (1) ने अपीन निम्निनियन व्यक्तियों अर्थात —

- 1 मैसर्स इडिया इलैक्ट्रीक, पोल्ग मैन्युफैक्चरिंग, कपनी (अन्तरक)
- 2 मैमर्म लिक-प्रफ व्जीनियरिंग वर्क्म। (ग्रन्तरिती)
- 3 ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह म्पना जारी करक प्वान्त सम्पन्ति क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

सकत सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्षीकर्ताः -इसमा अयुक्त एक्स् कीर पदों का, या उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the second

गाला न ० 1 एफ ०, जी ०पी ० और क्यू ० लक्ष्मी इडस्ट्रियल दस्टेट, विरादेसाई, रोड, अधेरी (प०), बम्बई-58मे स्थित है। अनुस्ची जैसा कि 'ऋ० स० अई-2/37ईई/6401/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 21-6-1984 के रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षेण) स्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक 12-2-1985 माहर

प्ररूप आहू".टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) प्रजंत रेज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 7 फरवरो, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/6409/84-85——श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैंट नं० 1501, जो 15 वा मंजिल, विल्डिंग, मगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एसं० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इस्कें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिन्यम, 1961 का धारा 269 करव के श्रधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्र, हैं दिनांक 21-6-1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बान्तरितियों) के शैच ऐसे मन्तर्य के निए तब पाया गय प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उचत नन्तर्ण निम्बित के बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी नाय की नायह, उक्त निपित्य के अधीन कर योगे के बन्तरफ के दायित्य वें कनी करने या छहत्वे अपने में सुनिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया, जाना चाहिए था, छिलानं प्रेसिया के निए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित अधिनतमों, अधीत :---

- मैसर्म लोखंडवाला डेबलपमेन्ट कारपोरेशन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रं: अशिधरन, के० नायर

(ग्रन्तिग्तः)

4. मसभी ओणिवरा लैण्ड डेबलफमेंट, कंपने, (प्राय०)लि० (बहु व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबढ़ हैं)

को यह सूचना आरी करके पूनाँक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की टारीच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो. के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्थी

फ्लैंट नं० 1510, जो 15 व(मंजिल बिल्डिंग, मेगनम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41(अंश), 4 बंगलीज, वसौंबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.सं. अई-2/37ईई/6409/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21/6/1984 को रजीस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार: सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रोज-2, वस्बर्ष

दिनांक 7-2-1985 भोहर :

प्रकृष बाह्ये. टी. युद्द, युद्धुः ---

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विभीन स्वता

हारच सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरा, 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/6411/854-85---म्रन मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक हैं

और जिसक। सं० फ्लैट नं० 205, जो 2री मंजिल, इमारत, घरहोरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एम० नं० 41 (अंग), 4 बंगलीज वर्सोना, अंधरी (प०), अम्बई-58में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और जो पूर्णस्प से विणित है और जिसका करारनामा घायकर प्रधिनियम 1961 का धारा 269 व ख के अर्ध। न सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्र है दिनांक 21-5-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ज्सके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से क्षुर्य किसी आया की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राजित्य में कनी करने वा उच्चे वचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में स्थित के लिए;

अतः अतः, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अधार्त :—— 2---496 GI/85 1. मैनर्स यस्मिन इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कौशिक कोबांइन ।

(भ्रन्सरिती)

3. मैंसर्स ओशिवरा, लन्ड डेवलपमेंट, बंपनी (प्राय०) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितम्ब है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के वर्णन को नियः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 कालियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पद्यों का थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुष्यी

पलैंट नं 205, जो 2री मंजिल, इमारत, अव्होरी, हाईट्स प्लाट नं 1, एस० नं 41 (अंश), 4 अंगलोज, वर्सीना, अंधेर्र, (५०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/6411/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। वस्बई द्वारा, दिनांक 21-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>त्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-2, **यम्बई**

दिनांक : 6-2-1985

मोहर 🛭

प्रकम का<u>इं.टी.एन.</u>एस., -----

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्वई

त्रमबई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्वेश सं० श्राई०-2/37ईई/6412/84-85--- ग्रत: मुझे लक्ष्मण वास

वायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कि धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है 21 जून 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके खरमान प्रतिफल का, एसे खरमान प्रतिफल का, पन्द्र प्रतिषात से अधिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलींबत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत कहीं किया गवा है धन्त

- एक) अभारण से हुई किसी जाद की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और∕बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिय. को जिन्हें आरतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर प्रयोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सिवधा अरे जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, स्थीत्:--- 1. मैंसर्स यस्मिन, इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. मैं मर्न प्रिन्स इम्पेक्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(भन्तरिती)

4. मसमें ओशिवरा लेन्ड, डेबलपमेंट, कंपनी (प्रा०) लि० (बहु व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षर)

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यं वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के गास निकित में किए जा सक्ति।

स्थलकीकारणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया नवा है।

बम्ध्यी

फ्लट नं॰ 703, जो 7 वीं मंजिल, इसम्रत ध्रव्होरं। हाईट्स, ज्लाट, नं॰ 1, एस॰ नं॰ 41 (अंश), 54 बंगलोज, वर्सीवा, अधिरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैमा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6412/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-2-19**8**5

मोहर :

प्रकंप बाई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरा 1985

निवेश सं० श्रई०-2/37ईई/6413/84-85---- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

े सका संव पलट नंव 702, जो 7 वी मंजिल, बिल्डिंग प्राईम रोझ-ए/बी, प्लाट नंव 319,एसव नंव 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्मोबा, (अंधेरी (पव) बन्बई 58 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद प्रनुसूच। में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधान सक्षम प्राधिकार्य के सामालय बम्बई में रजिस्टा है विनास 21-6-1984

करे पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके द्रवयमान प्रतिफल से एसे द्रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यंत से बाधिक है और बन्तरक (अन्तरका)ं) और बन्तरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया भया प्रतिकस, निम्नसिवित उच्चेंच्य से उच्च बन्तरण निवित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; औद्र/या
- (का) एमी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिर्देश

अतः अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसरी रस्मिन कारपीरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रन्ड्रयूज एफ० मोनीस ।

(भ्रन्तिरती)

3. मैं सर्स ओणिवरा र्लेन्ड डेवलपमेन्ट कंपना (प्राय०) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधींहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को किए कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्भ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

बरसची

फ्लंट नं० 702, जां 7 वां मंजिल, प्राईम रोड ए/बा, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, धर्सोबा, अंधेरी (प०), में बम्बाई-58 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्वो जेंसा कि सं. श्राई-2/37ईई/6413/84-85 और जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🐠

प्रका नार्षे दी र एन ु एस .,------

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

नाइत संदुष्कार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज 2, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० अई० 2/37ईई/6417/84 85-- -अत: मुझे लक्ष्मण **या**स

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी संव यूनिट नंव 137, जो, 1 ली मंजिल, वामजी शामजो, इंडस्ट्रियल, काम्पलैक्स, प्लाट नंव 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकारी केट्ज, रोड, ग्रंघेरी (पूर्व) बम्बई 93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 279 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21 6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता को कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए.बी. को अंतर्गत सक्षम अधिकारी को पास राजिस्ट्रीकृत किया गया हो मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उशके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिसिश्वत उब्बेश्य से उक्त अंतरण किश्वत में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण वे हुई किसी जान की वावध, उपक अधिनियंत्र के बंधीन कर दोने के वस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में बृष्टिभा के बिए; बारि/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाण वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, जधीत हि—

1. मैसर्स दामजी मामजी एण्ड सन्स ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स इल्ट्रान, (इंडिया) प्रायवेट लिमिटेड ।

(अस्तरितो)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह**ू**।

उपत सम्परित के नर्धन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उच्यत अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

यूनिष्ट नं० 137, जो 1 ली मंजिल, दामजी गामजी इंडस्ट्रियल काम्पर्लन्स, प्लाष्ट न० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केठज रोड, ग्रधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं० अई-2/37ईई/6417/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 11-2-1985

माहर :

प्रस्य नाहर् ,दी ,एन , एस , ------

मामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के मिथीन स्थाना

माहत् सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

मिवेश सं० अई०-2/37ईई/6420/84-85—अतः मुझे, अक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है) की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1. जो 1 ली मंजिल, खान हाउस, फ्लाट नं० 107, फायनल टी० पी० एस० 3, 24वा रस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिमका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ला के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित को उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार भृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हैं की की महिला की किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की अधनत, उक्त अभिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कभी करने वा उससे वजने में सुविधा के निए; क्रीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को शिनहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना चाहिये चा, किया में सृत्या ची तिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण सें, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) इक्रे अभीत, निम्निवि**षक्त व्यक्तियों, अर्थात्**ः— 1. खान बिलंडर्स ।

(अन्तरक)

2. नेशनल लिसिंग लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके नुवोंक्त सम्मृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थिता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित्त में क्रिए जा सकोंगे।

स्मच्चीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

फ्लैप्ट नं 1, जो 1 ली मंजिल, खान हाउस, ब्लाट नं 107, फायनल टी पी एस० 24 वा रस्ता, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि स० आई-2/37ईई/6420/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बई

दिनांक: 11 2 1985

मोहर :

प्रकार वार<u>्यः शं. २</u>५ . १५५ . -----

नायभर निधिनयस 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-मु (1) भी न्योग सम्बन

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985 निदेश सं० अई० 2 /37ईई/6421/84-85——अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (एवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की भाग 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, विसका उचित वाचार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो 2री मंजिल, खान हाउस, फ्लाट नं० 107, फायनल टो०पो० एस० 3, 24 वा रस्ता, बांबा, बम्बई 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्रान्तिकार कार्यान्त्र बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21-6-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दूस्यमन प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है बार मूओ यह . विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, एसे दूस्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिकृत से विभ्य है बार बन्तरक (अंतरकार) और अंतरित (बन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्नीसित उद्वेषय से उचत बन्तरण मिन्वत में बास्त्व-विक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनसर्प से हुई कियों बाय की वायत, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कबी करने वा उपते, वचने में ब्रियम में सिष्; ब्रीड/वा
- (क) एँसी किसी अध या किसी धन या अभ्य वास्तिओं को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने सं कृतिथा के जिए;

1. खान बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. नेशनल लिसिंग, लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 1-45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्या

पलैट नं० 2,जो 2री मंजिल, खान हाउस, प्लाट नं० 107, फायनल टी० पी० एस० 3, 24 वा रस्सा, बांब्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/6421/84-85 ग्रीर जो सक्षेम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1'985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नतः नव, तनत अधिनियम की भारा 269-न की, नन्तरक भी, भी. उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थतः :---

दिनांक 11-2-1985 मोहर : प्ररूप बाही, टी. एन. एस. 🚊 🚊 🚊

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ(1) के अभीन स्थना

भारत सुरुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, विनांक 8 फरवरी, 1985 निदेश स० अई०-2/37ईई/6422/84-85—अतः मुझें, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो 2री मंजिल, सिल्टर मिस्ट को-आप० हार्जीसम सोसायटी लि०, कांताकूज (प०) बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप रूप से किथत नहीं किया कमा है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय मा किसी धन मा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

बत. बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. श्रीमती सुशीला होतचन्द मोटवानी

(अन्तरक)

2. मनियार दिनेश अमरीतलाल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभामित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

पलैट नं 14, जो 2री मंजिल, सिस्वर मिस्ट को-आप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, सांताकूज, (प०), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं आई-2/37ईई/6422/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम र्रेज-2, बम्बई

दिनांक 8-2-1985

मोहर: .

त्रकृष् काहे. टी. एन. एस.------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्धालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई ० 2/37ईई/6426/84 85---श्रत: मुझे, सक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, इमारत बी 2, विद्यादानी, की ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाग्नद श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम हैं, 1961 की धारा 269 क्लाके ग्रधीन पक्षम प्राधिकार। के कार्यात्य बस्बई में रैजिस्ट्रा है दिनांक 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाब की बावत, क्यतः अभिनियम के वशीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभा को जिन्ह;

बतः जब, उथत अधिनियम कौ भारा 269-न के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—— 1. मैं मर्स इंडिको अन्स्ट्रमणन कंपनी ।

(प्रन्तरक)

2. श्रा देवशा तेजशी शहा।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के रांचपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी आधक्तर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त पास निश्चित में किए आ सकेंगे।

स्थानीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

धनुसुची

दुक्तान नं 12, जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर, इमारत, बी 2, विद्यादानी, कोन्ग्राप हाउमिंग सोमायट चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई 2/37ईई/6426/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रागादिनांक 21 6 1984 को रजिस्टर्ड विथा गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरक्षरी) ग्रर्जन रेंज 2, सम्बर्ध

दिनांक: 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अपीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज 2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 12 फरवर . 1985

निदेश सं० १ ग्रई० $37 \hat{z} \hat{z} / 6427 / 84-85--ग्रनः मृझे लक्ष्मण दाय$

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचितं बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी सं० फ्लाइनं० 10%, जो 1 ली मंजिल, जी 2; इमारत, विद्यादानी: को ग्राप० हाउगिंग सोजागट चवाला, अंधेरी: (पूर्व). बम्बई 69 में स्थित है (और इसमे उपादक ग्रनुपूर्व। में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिन्नवा करारनामा ग्रायवार पाधिनियम 1961 के धारा 269 स्ख के ग्रायत सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई मे रिजिस्टू. है दिनांव 21-6-1984

को प्रवेकित सम्मत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसको स्थ्यमान प्रतिफल सो, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (को अन्तरण में हुई किसी आय की आजत, सकत लिधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में अभी करने या समसे बचने में सुविधा कें लिए; कीर/या
- (क) एमी बिनी गट श किसी धन रा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आर-का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या समकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था जिलाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यं अधीन :--- 1. मैं पर्स इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्रः ई० के० घासू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो,भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति से किए जा सक्ती।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 108, जो 1 ली मंजिल, बी 2इमारत, विद्यादानी को आप० हाउक्तिंग सोक्षायटी चकाला, अंधेरी (पूर्व) बक्रदई-69 में स्थित है।

. अनुसूची जैसािक क० सं० अई० 2/37ईई/6427/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारे, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रिजस्टिं किया गया है।

लक्ष्मण दास -सक्षम प्राधिकारी) `सेहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 2, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जनरेज 2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 11 फरवर , 1985

निदेश सं० आई० 2/37ईई/6429/84 85---- स्रत: मुझ, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका स० पनट गं० 402, जो 2 रो गणिल, राजेन्द्र को-सान० हार्जासंग सो तयट चवाला, अंधेर (पूर्व) दम्दई 99 मे ल्यित है (और उपने उनाबद अनुसूच में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिल्ला वर्णातामा स्थायनर अधिनियम 1961 का धारा 269 एख के हार्द्यान स्थाम प्राधिकार, ये वार्यालय बम्बई मे रिजिस्ट्रा है पिनाव 21-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह गिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जियक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में बास्तिक क्य से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त 'अधि नयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के याजित्व में कमी करने था उसमें दचने में मुजिया के लिए; आर्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय यो किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 री 1957 का 27) के पयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, दिपाने में मुनिश्व। खे लिए,

जतः ग्रह, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्रं अनुसरण 'भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) को गरी। स्थिनिसिट व्यक्तियों, अर्थात् क्र-रू 1. मेमर्स ओटवा बिल्डर्स एंड वन्ट्रक्स,।

(अन्तरः)

2 श्रीमत सुहास्तिन, और श्र, के०स ० नरेन्द्र । (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या तत्संबधी व्यक्तियों प्रमु सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कृषित द्वारा, लक्ष हस्ताक्षरी के पास चिख्ता में किए जा पर्ये है।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दौँ और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

पनट न० 402, भी 2 रामितिला राजेन्द्र की-आप० हाउसिय सोसायटा चराता, अंधेरा (पूर्व), बस्बई मे स्थित है।

श्रनुसूत्र। जैसा कि त्र० सं० श्राई-2/37ईई/6429/84-875 ओर जो नक्षत प्राधिनार, बम्बई झाउ, दिनाक 21-6-1984 को रिऽस्टिई क्या गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रविध्वार सहायय ग्रायार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज: 2, बम्बई

दिनाम 11-2-1985

मोहर :

त्रस्य बाई टी. ए। एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई

नम्बर्ट, दिना : 11 फरवर , 1985

निदेश स० आई० 2/37ईई/6430/84-85-ं—अत मृझे लक्ष्मण दा∹

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिन्हों से पलट ने 10, जो 2र मिजिल, इमान्त ए-4, विवासनी हो-प्राप्त हाउनिंग सोनापट चेगाला, अधेर (पूर्व), वस्पई ने प्रियन है (और इपसे उपायद अनुसूव में और जो पूर्ण हाने विगा है) ओर जिपा हा सरामा प्राप्तकर स्थिनियम, 1961 का, धा 1269 'व वे अवान सक्षम प्राधिकार, के नार्यालय वस्पई में प्राप्त है, है विना 21-6-1994

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रियमान प्रतिष्ठल से एसे (अनरका) और अतिरत्ती (अन्तिरित्यों) ये बीच एसे अन्तरण के निए र पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिंग उद्देश्य से उक्त अतरण निस्ति में अन्तरण के पिन पर से किश्वन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शियल के क्यी अपने या नसमें अवने ने अधिका के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यका बे लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 मेनर्न इंडिका कन्स्ट्रेपशन, कपना।

(अन्तरक)

2 श्रः प.० ए० वि० स्वमण्ययन।

(अनिरित)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मो कोई भी आक्षेण --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इनारा, अधाहस्ताक्षारी के पाल निर्मित में दिन्ह रा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें पय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ द्वांगा. का उस अध्याय में दिया ग्याः

अनुसूची

्र पत्र न० 10, जो 2 र, मजिल इमारत ए-4, विद्यादान की-प्राप० हाउ निग को सदट चश्याता, अधेर, (पूर्व) बम्बई मे स्थित है।

े अपुत्त जैमा कि कि कि सि आई 2/37ईई/6430/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकार, बस्बई द्वारा दिना 21-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्राधकार ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्राजन रेज 2, बम्बई

दिनाक 11-2-1985 मोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2. बम्बई बम्बई, दिनाक 11 फरवरी, 1985

निदेश स० ग्राई-2/37ईई/6431/84-85--ग्रत लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० 103, जो 1 लीम जिल, विद्यादानी को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी ए-1, इमारत, चकाला, अधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री है निाक 21-6-1984

का' पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय **पाया गया प्रतिफैँल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण** निषित में बास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ब्रावित्य में कभी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 मैसर्स इंडिको कन्स्ट्रेन्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2 श्री के० रिवन्द्रन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समात होती हो, क श्मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति गुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क उण्य 20 क म पीरमापित ₹ै, का अं्ा चा जा उर अध्यक्ष मा दिया 127 82 1

अनस्वी

फ्लैट न ० 103, जो 1 लीम जिन, विद्यादानी, को-स्राप० हार्जासग सोसायटी, इमारत, ए-1, चकाला, अधेरी (पूर्व), बम्बई मे स्थित है।

ग्रन्मुची जैसा कि क० स० ग्राई-2/37ईई/6431/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 21-6-1984 को रजिस्टर्डुकियागयाहे।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक 11-2-1985 मोहर .

प्ररूप भादः, टी. एन. एस.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

िनदेश मं० ग्राई०-2/37ईई/6432[/]84-85— श्रतः मुझे मण हास

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उन्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट नं० 402, जो 4थे। मंजिल शक्ति प्रपटिंमेन्ट्स, जोगेश्वरी, (प०), एस० वि० रोड, बम्बई-102 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 21-6-1984

ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
क्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया
तिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिचित में
ास्तविक रूप से किचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कि.सी आय की बाबत, उनक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) है अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. मैंसर्स ओमेक्स, बिल्डर्स एंड कन्स्ट्रक्टर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शरद सदानन्द करकेरा।

(ग्रन्तिरती

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, बही अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं 402, जो 4 थी मंजिल, शक्ति अपार्टमेन्ट्स, बांदिवली , एस० वि० रोड, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई- 2^{1} 3 र्रें हैं 6432/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

प्रस्य कार्यः, दी. एन. एस.-----

नागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन मुखना

भाग्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्दर (निरीक्षण)

म्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निदेश मं० म्राई०-2/37ईई/6433/84-85--- म्रहो लक्ष्मण दास

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात उन्त निधिनयम कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षन प्राधिनारी ना, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रह. में विधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो 4 थी मजिल, शक्ति श्रपार्टमेन्ट्स, बांदियली, एस० वि० रोड, जोगेण्वरी (प०) बम्बई-102 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाक 21-6-1984

पत्र पृथीवः संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वींक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य,, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखिन में बास्त- क्रिक म्य स कथित नहां किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मो कनी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (फ) एंसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हें भारतीय बायकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरही द्वारा ५कट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सृविधा के लिए

1. भैसर्स ओमेक्स, जिल्डर्स एंड कान्स्ट्रेडटर्स ।

(म्रन्तर्क)

2. श्री सदानन्द एम० करकेरा।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख खैं 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समात होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रवाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता कद्म किमी अन्य व्यक्ति दवाग, अधोहस्तादारी के पास निकास में किए का सके गे।

न्दरहीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, को उस्त विभिनियम, को अन्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसुची

फ्लैंट न० 401, जो 4 थी मजिल, शक्ति श्रपार्टमेट्स. बादिवली, एस० वि० रोष्ठ, जोगेश्वरी (प०), ब्रम्बई-102 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०स० शाई-2/37ईई/6435/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-6-1984 को रजिस्दी हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्राधुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्बई

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

िदनाक : 11-2-1985

मोहर 🗓

प्ररूप वाइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985 सं० श्रई-2/37ईई/6434/84-85--श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रकास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी ग्राफिस नं० 202, जो, 2री मंजिल, "बलरामा", प्लाट सी०-5, ब्लाक नं० ''ई", बांद्रा कुर्ली, काम्पलेक्स, बम्बई-51 में रिथत है और इससे उपाबढ़ ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिन्यम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्वत प्रवृद्धिय से उसन अंतरण निश्वित में बास्तिवक . रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाइ किसी बाब की दावत , सकत निधिनिष्म के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एमे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्निव्हों कर, जिन्हों गरणीय आय-कार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री विरोदर चन्द मेहरा।

(म्रन्तरक)

2. श्री राम बुलोमल मखिजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतरे पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ.

वनसमी

श्राफिस नं० 202, जो, 2 री मंजिल, "बलरामा", प्लाट नं० सी०-5, ब्लाक नं० ''ई'', बांद्रा कुर्ली कॉम्पलेक्स, बम्बई-51 में स्थित है।

. ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्रई -2^{l} 37ईई l 6434 l 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब

तारीख: 8-2-1985

प्रस्य भारां.. दी.. एव.. एव..------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

मारत सरकार फार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बेई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985 सं० श्चर्र-2/37ईई/6437/84-85:—श्वत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 202, जो, 2री मजिल, निकिता (एक्सटेशन) ईमारत, मी० टी० एस० नं० 838 और 838/1 से 838/4, दादाभाई क्रांस रोड, बिले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर छिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल, से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंत-रिती (अंतरितिमां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पीबधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृतिधा औ लिए।

कतः सब, उक्त अभिनियम की भाग 269-त कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-त्र की उपभाग (1) को अधीन निम्नतिसित, अस्मित्यों, अर्थात् :---- 1. श्री मनोज एम० गोराडिया।

(अन्तरक)

2. श्री शामजी मानजी पटेल।

(ग्रन्सरिती)

3. 1. श्री मनोज एम० गोराडिया, और

2 श्री शामजी मानजी पटेल।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्वी

पलैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, निकिता (एक्सटेंशन), सी० टी० एस० नं० 838 और 838/1 से 838/4, दादाभाई क्रांस रोड, विले पार्ले (प०), वम्बई-56 में स्थित है।

ि ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/6437/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🥲

प्ररूप कार्द: टी. एन. **एस**. =======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985 सं॰ भई-2/37ईई/6240/84-85:--अत: मुझे, लक्ष्मण

रा अर-213/१२/0240/84-85.--अतः मुझे, लक्स दा

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लैंट न० 1, जो, (निर्माणाधीन) प्लाट नं० 102, जो, एस० न० 141-ए०, अंबिवली विलेज, 4 बंगलोज, श्रन्धेरी वर्सोवा, रोड, श्रन्धेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-6-1984

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्नीसित्त बन्दरेस से उक्त बन्दरण बिक्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; करि/या
- (र) एंती किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए क अनसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :── 24—496 GI/84

- गम्मो को-न्नाप० हाउसिंग सोसायटी लि०।
 (ग्रन्तरक)
- 2 श्री दशरथ सखाराम माने और श्रीमती प्रेमा दशरथ माने।

(श्रन्तरिती)

को नह सुपना बारी करके पूर्वोक्ष सम्मृतित के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहिमां करता हूं।

डक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिकतयों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों मासे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिस में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्स्ची

फ्लॅंट नं० 1, (निर्माणाधीन) जो प्लाट नं० 102, एस नं० 141-ए०, अंविबली विलेज, 4 बंगलोज, ग्रन्धेरी वर्षीवा रोड, ग्रन्धरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/6240/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण क्षास, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप लाई. टी. एन. एम. - - -

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (। मार्गाक सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक दायनार वाय्कन (निरक्षिणः) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6455/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1, जो, 5वी मंजिल, केदार ग्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 290, टी० पी० एस० 3, सी० एस० नं० 591, माहीम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-6-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्श्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त समित का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रीफित में, एसे न्यमान प्रीफित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्मिखित उद्योग में उसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्मिखित उद्योग में उसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्मिखित उद्योग में उसा अन्तरण के लिए तस पाया निम्मिखित उद्योग में उसा अन्तरण के लिए तस पाया निम्मिखित अन्तर्भ में उसा अन्तरण के लिए तस पाया निम्मिखित उद्योग में अन्तरण के लिए तस पाया निम्मिखित अन्तर्भ से अधित नहीं किया गया हैं :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत तकत बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरल को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) एमी विस्ती नाय या किसी धन का बन्ध कास्तियों भई, धिन्हें भारतीय वाय-कर सिंपियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादन ये उन्तारतो देवारा प्रकट नदी क्या वाया विद्या जनग जाहिए था, किया हे ये भूतिका के लिए:

जन: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात :--- मैसर्स केदार बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2 डा० विनाद ग्रनन्त गंजभीर और श्रीमती निलनी ग्रनन्त गंजभीर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिल्दरभ किसी क्या व्यक्ति द्वारा क्थोहस्ताक्षरी के पास स्थानत मां किए का मकारे।

स्थान्द्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो नस अध्याय में दिया गया है।

बनुसुची

''फ्लैंट नं० 1, जो, 5वीं मंजिल, केदार ग्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 290, टी० पी० एस० 3, सी० एस० नं० 591, माहीम, बम्बई में स्थित है।

श्रतुमूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/6455/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त, (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-2-1985

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई दिनांक 6 फरवरीं 1985

निदेश सं ॰ अई ॰ -- 2 / 37ईई / 6347 / 84 -- 85 -- यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 704, जो, 7थी मंजिल, इमारक ग्रीन फिल्डर्स-ए०, प्लाट नं० 333, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलीज वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विजित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कर् के ग्रधीन सक्षग प्राधिन रो के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19-6-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से बाम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक अ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स यास्मिन कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोल के० बोस ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मेससं ओशिवरा लेन्ड डिवलपमेंट कम्पनी, (प्रा०) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्चो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है।)

को गृह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचारित्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्सूची

''फ्लेट नं० 704, जो, 7वीं मंजिल, इमारत, ग्रीन फिल्डस्-ए० प्लाट नं० 333, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलौज, वर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

त्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई०-2/37ईई/6347/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 6-2-1985

मोह्नर 🎍

प्ररूप मार्दः, टी. एन. एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

हायीलय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, बम्बई

वम्बई दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ईई/6348/84-85-- ग्रत. मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य **∵5,000/- रत. से अधिक ह**ै

और जिसकी सं० प्लेट नं० 101, जो, 1 ली प जिल, इमारत ग्रव्होरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एग० नं० 41 (अंग), 4 बंगलीज, दर्सोबा अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपत्बद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे राजिन्दी है तारीख 19-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, असको अयमान प्रतिफाल से, एसे अवमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कथा, निम्नलियात उद्दर्भ से उक्त बस्तरण चिक्ति में बास्तु-विक रूप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुए किसी वायु की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वस्ते में के लिए, बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, भनकर **मधि**नियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चर्रीहरू ४४ कियाने में स्विधा के तिए:

अत: अब, उक्स अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उयत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिस्मिलिशित व्यक्तियों, वर्षात् ६---

(1) मेसमं यास्मिन इंटरप्राईसेज।

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स कौशिक कम्बाइन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मेसर्स ओशिवरा लेन्ड डवलपमेट कम्पनी,

(সা৹) লি৹।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधी-हम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के यमप्रनथ में कोई भी वाकेंद्र :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस मे 4.5 दिन की अविधियातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की सामीस से 30 दिन की बंबीभ , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ हिसित मा १८२२ का सकरा।

स्पच्छीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अविधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया <u>و</u> ا

अनुसूची

''फ्लेट नं० 101, जो, 1ली मंजिल,इमारत श्रवोरी हाईट्स, प्लाट न० 1, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलीज, वसीवा, अंधेरी (प,) वम्बई-58 में स्थित है।

यन्**सूची जैसा कि कम सं० ध्रई-2/37ईई**/6348-84-85 और सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, बम्बई

नारीख . 6-2-1985

प्ररूप **बाइ**ं. टी. **एस. एस. -----**--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर **गाम्क्त (निरीक्षण)** प्रार्जन रेंज 2, वम्बई वम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्वेश सं ॰ ग्रई॰-2/37ईई/6349/84-85-- श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, जो, 1 ली मंजिल, इमारत अंधेरी हाईट्स, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलौज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इमसे उपाबड़ अनुमूची वें और पूर्णम्प से विषत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है तारीख 19-6-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम की बधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आरि/रा
- (स) एसी किसी आय या किसी कान या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-अगर अधिनियम, या धन-अगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण ≈ अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—— में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) (1) मैमर्स यास्मिन इंटरप्राईसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी मीनाक्षी शेषाद्र, ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डिवलपमेंट कम्पनी, (प्रा०) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति क्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्थव्योकरण: --इसमा प्रयावत शब्दों और पश्चां का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मां परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया गया है।

वनुसूची

"फ्लैट नं० 103, जो, 1 ली मंजिल, इमारत भ्रव्होरी हाईट्स प्लॉट नं० 1, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा के ऋ० सं० ऋई०-2/37ईई/6349¹84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, वस्बई

तरीख: 6-2-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर लाय्क्स (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० अर्ह०-2/37ईई/6352/84-85-- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

माप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, जो, 6 धीं मंजिल, इमारत 1ली, बिलिंडग नं० 3, बिलेज ओशिवरा, बहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी. (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड शनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19-6-1984,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण निखित में वार्गावव रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गैंया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकिट व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री जियाउदीन बुखारी।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद रफीक मोहम्मद हुसैनी ।

(भ्रन्त(रती)

को यह । सूचना जारी करके पृथंकिस संपंक्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यितिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य करित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

रणध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

प्रनुसूखी

पर्लंट नं० 603, जो, 6 वीं मीजिल, 1 ली बिल्डिंग नं० 3 विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रिक्ट -2/37 है | 6352/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्ट है किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बस्वई

तारीख: 6-2-1985

प्रकष काइ.टी एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 200 प्राप्त का 43) की

भारत सर्कार

कार्यात्रय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वर्ड

बम्बई, दिनांदः 8 फरवरी 1985 निर्देश सं० धई० 2/37 ईई०/6356/84-85--भतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसके तं पर्लंट नं 3, 5 वीं मंजिल, फायनल प्लाट नं 290, जो, केदार अपार्टमेंटम्, ट.० प.० स्कीम, 3, और स ० एग० नं 591,मह म डिव जन, बग्बई-16 में स्थित हैं (और इमसे उपाबद अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारतामा आयार प्रधितियम 1961 के धारा 269 द ख के अप न तार क सक्षम प्राधिदार के दार्यात्य, बस्दाई में रिजिरड्रें. है तार ख 19-6-1984

को पर्योक्त संपत्ति के उनिन बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के रिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से धृदं किसी काम को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा क निए; बॉर/शा
- (थ) ऐसी किर्मा आय या किसी थन या वन्य जा स्त्यां का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में मृतिया के किए;

अत. अस, उदा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेलर्स केवार बिल्डर्स

(भन्तरक)

2 श्री जयकुमार विन ४२ गुप्ते, श्रामता ननय जयकुमार गुप्ते ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त अंपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में में कि सी स्यक्ति इसरा.
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकों।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

वन्स्ची

पलैंट नं० 3, 5वी मंजिल, 'फायनल प्लौट नं० 290, जो केदार प्रपार्टमेंट्स्, टः० पः० स्कीम 3, और सी० एस० नं० 591 माह,म डिंद जन, बस्थई-16 में स्थित है।

अनुसूच जैसाि कि सं० घई 2/37ईई०/6356,84-85 और जा सञ्जन प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनान 19 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख 8 फरवरो, 1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीत स्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं • ऋई • - 2/3 ७ ईई / 635 ७ / 84 - 85 - - ऋतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अौर जिनक सं० दुनान नं० 4, जो, नमल कुंज, सुभाष रोड, यूनाइटेड इंडस्ट्रियल फैक्टर के सामने, बिले पा (पूर्लैर्च), बम्बई-57 में स्थित है, (ओर इससे उदा बद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिन्दा क रातामा आय र अधिनियम, 1961 क धारी 269 के कख अधान सक्षम प्राधिवार, बग्बई मे रिजर्ट्र है तारी ख 19-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अतन्कों) और अतिरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बांर/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एस० जे० वानस्ट्रवशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामती प्रविणा ओमप्रकाण णर्मा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्ट सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्थ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ६) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमा प्रयुक्त शास्त्री और पदों का, जा सम्प अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वप्स्पी

''दुकान नं० 4, कमल कुज, सुभाष रोड, यूनाइटेड इंडस्ट्रियल फैक्टरी के नामने, विलेपाले, बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूव जेना कि ऋ० सं० श्रई०--2/37ईई/6357/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 19--6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रह्मेनरेंज, बम्बई

तारीख 11-2-1985

प्रारम् बाई_ टी_ एन ़ एस ः-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

. बम्बई, दिनांक ४फरवरो 1985 निर्देश सं० अई०-2/37ईई/6361/84-85-- श्रत: मुझे, सम्म दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी मंग युनिट नंग 103, जो, निश्च मंजिल, माधवा, ई-ब्लाक, बांद्रा कुर्ली कर्माशियल कम्पलैक्स, बांद्रा (पूर्व), वस्वई-51 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बस्वई के कार्यालय में

रिजिस्ट्री है तारीख 19-6-1984

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा, के लिए; और/वा
- (ख) एेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था से किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, टक्न अधिनियम की धारा 269-ए के जनसम्भ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- 25-496GI/84

(1) माधवा युनाइटेड होटल्स, (इन्टरनेशनल) लि०।

(ग्रन्तरिती)

(2) मैं यर्स बेल इंजिनियरिंग, वक्सी।

, (ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संयत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त . अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभोषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

बन्स्चीं

"युनिट नं 103-एम, जो, माधवा, 1ली मंजिल, ई-ब्लाक, बांद्रा कुर्ली कर्माणयल कम्पलैक्स, बांद्रा, (पूर्व), वस्बई-51 में हैं स्थित है है।

यनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई०- 2/37ईई/6361/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बम्बई

तार^{भव} · 8→?—1985 मो**हर** : प्रारुप बाई ु टी. एम. एस.

बायकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8फरवरी 1985 निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/6361/84-85-- ग्रतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है और निमकी मं० यनिट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, माधवा, ई-ब्लाक, बांद्रा कुली कर्माशियल कम्पलैक्स, बांद्रा (पूर्व), वम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है तारोख 19-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहंप्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/बा
- (िख) एेटी किसी अाय या किसी धन या अन्य अवस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अत्र, टका अधिनियम की धारा 269-ा के अप्रकार में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा [1] के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--25-496GI/84

(1) माधवा युनाइटेड होटल्स, (इन्टरनेशनल) लि०।

(ग्रन्तरिती)

(2) मैं पर्स वेल इंजिनियरिंग, वर्क्स।

. (ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

.स्पर्क्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिनोषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

बन्स्ची

"युनिट नं% 103-एम, जो, माधवा, 1ली मंजिल, ई-ब्लाक, बांद्रा कुर्लो कमिशियल कम्पलैक्स, बांद्रा, (पूर्व), 🖁 बम्बई-51 में 🖣 स्थित है 3।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई०- 2/37ईई/6361/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> . लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायंक्रर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज. बम्बर्ड

तारी व · 8-2-1985

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाच 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्राई० २/37 ईई०/7211/84-85--म्रतःमुझे, क्षाण दास.

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे कि पश्चास् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 9-ख के अधी। मक्षम पाधिकारी को र्टंह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्यु 5,000/-रा. से अधिक है

और ाजसका स० दुवान न० ६, जो ग्राउड फ्लार, इमारत दसेरा प्रपार्टमेट-ए०, प्लॉट न० 47 अ.र 48, ग्रॉफ 4 बगलो, वर्सीवा ंधरी (प०), वस्बई में।स्थत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका व रारनामा स्रायकर धिनियम 1961 का धारा 269 के ख के अधान सक्षम प्राधि-ार। के कार्यालय, बम्बई मे राजस्ट्रें हे तारीख 2-6-1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान उफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का ह् प्रात्तक्त स अधिक हं और अन्तरक (अन्तरको) और नरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गा गया प्रतिफाल, निम्नीलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण खित में बान्ति विक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं टुइ किसी बाय का वाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1022 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

वतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ाधान, निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैससँ एस० एस० डिवल्पमंट कार्पोरेशन। (भ्रन्तरक
 - (भ्रन्तरिती)
- 2. श्रीमती ज्योति पी० मनसुखानी ।
- मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डिवल्पमैट, कम्पन। (प्राइवेट) लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरं, जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सैनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित से किए जा मक्ता।

स्पष्टीकरणः--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

''दुक्रान नं० ६, जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत बसेरा ग्रपार्टमेंटस्-ए०, प्लाट नं० 47 और 48, ग्रॉफ 4 बंगलो, **वर्सोवा**, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क० सं० आई० 2/37-ईई०/7211/48 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ताराख : 12-2-1985

मोहर 🔞

प्ररूप त बार्ड, टी. एन्. एस त -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यां स्वयं, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई० 2/37 ईई०/7213/8 4-8 5-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य्र 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो 37। मंजिल, इमारत ''बसेरा ग्रपाटमेंन्टस-ए'' प्लाट नं० 47 और 48, ग्रॉफ 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेर। (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करानामा ग्रायक्षर ग्राविनयम 1961 की बारा 269 के खें के ग्राविनयम सक्षम ग्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्रं है तारीख 2-6-84 को पूर्वीवत सम्पेत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि विश्वास पंतिकत संपित्ति का अचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तर्य (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया ग्राविफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख). एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जता अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकां, अर्थात :-- (1) एस० एस० डिवलपमैट कारपीरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश बी० मनमुखानी।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स ओशिवरा लेन्ड डिवलपमेंट, कम्पर्ना (प्रा०) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियुः कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संगंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५१ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षनी के पास किस में किस जो जा मकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रकी

"क्लेट नं० 303, जो, 3र्र मंजिल, इमारत बसेरा अपार्टमेंटस ए, प्लाट नं० 47 और 48, आफ 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रोनुसूची जैसा कि कि सं श्राई- 2/37ईई/7213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-2-1985 मोहर ध प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, घम्बई बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985 निर्देण मं० श्चई०- 2/37ईई/6034/84−85−- श्रत: मुझे, क्ष्मण दाम,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी म० फ्लैंट नं ० 101, जा, ार्ला मजिल, श्रणरफ महल, 105, जे० पी० रोड, अधेर, (प) वस्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णेंहैंन्य से वर्णित हैं), और जिसका तररारनामा श्राय कर श्रिधिनयम 1961 क आरा 269 कख के श्रिधोन सक्षम प्राधि । के जार्यालय, वरदई में रिजर्स्ट्र हैं तारीख 8-6-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उष्विश्य से उक्त अन्तरण निचत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण औं दाणित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिभा। के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अव, व्यत्न अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) में अभीन है किम्मिसिक व्यक्तियों, वर्धात ध

(1) श्री अब्दूल सत्तार मेमन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दूल शक्र इक्राहिम।

(ग्रन्तरिर्ता)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्राधिभोग मेलम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पलैट नं ० 101, जो, 1 र्ल मजिल, प्रभारफ महल, 105, जे ० पा ्रोड, अधेर। (प), जम्बई-58 में स्थित है।

श्रमुस्च। जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37ईई/6034/84-85 और जो सक्षम प्राधिन रा, बम्बई द्वारा दिनाक 8-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नार्खिः 13-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, $1961^{-1}(1961$ का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/6057/84--85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 4, जो ३-३ रे मं जिल, "कमल अपार्टमेंटस" 4 बंगलोज, वर्सीवा, ओशिवरा, अंधेरी (1), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 कं, धारा 269 कख के स्रर्धान सक्षम प्राधिकारः, वम्बई में रजिस्ट्री है तार ख 18-6-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के इश्यमान लिए अन्तरित की गइ मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियां गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मेलर्स भगते एण्ड कपूर हाउसिंग डिवलपमेंट-प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर सौद ग्रब्दूल रशोद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसकें स्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अअक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन् स्ट्र

"फ्लैंट नं० 4, जो, 3 री मंजिल, "कमल अपार्टमेंटस", 9 बंगला वर्सोवा, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है 1

श्रनुर्सूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37ईई, 6057/84-85 और जो सेक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 81-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**र्के** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख · 13-2-1985 मोहर ध प्ररूप आई.दी. एन. एस. -----

आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० ग्राई० 2/37 ईई०/6058/84 85---अतः मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अश्वीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, 3र्रा मंजिल, 'कमल अपाटमेंन्टम्न' 4 बंगलोज, वर्सोवा, ओशिवरा, अंधेरे (प), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 क ख के अधान, तारीख 18-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अलिएन को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अल्ला है कि यथाए वोंक्त संपाल का लिए का नात बाजार मृल्य, उमें अल्यमान प्रतिफल में एोमे द्रियमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिक्षित अन्तरेष में जन्म अन्तरेण लिक्ति में सुस्तिविक लग से क्यिंग वहीं किया गया है किया

- '(क) जन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ' आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० भगत एण्ड कपूर हाउनिंग डेव्हलपर्मेन्ट (प्राइवेट) विभिटेड ।

(ग्रन्तरक)

 मास्टर फैझल ग्रब्दुल रशाद, और

मास्टर फहाद ग्रब्दुल रशीद ।

(ग्रन्त रिर्तः)

3. मैं० भगत एण्ड कपूर हाउसिंग डेव्हलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड,

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के रार्कण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

"पलैट नं० 3, 3 री मंजिल, "कमल ग्रपार्टमेंन्ट", 4 बंगलोज, वर्सोवा, ओशिवरा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० म्राई० 2/37 ईई०/6058/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1984 को रजिम्टंड क्रिया गया है।

लक्ष्मण्य दास, सक्षम प्राधिकारी सहायुक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोदर:

प्रस्य आई. टी. एवं. एवं.। -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवर्र। 1985

निवेश स० ग्राई० 2/37 ईई०/6060/84-85—ग्रतः म्हो, लक्ष्मण धाम.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त कितियम' कहा गया है), की धारा 260व ख के अधीन सक्षय प्राध्यात्री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- के से अधिक है

और जिसका स० फ्लैट नं० 12 सी०, जो 1ली मंजिल लैन्ड ब्रेझ, को० ग्राप० हाउसिंग भोमाईटी लि० 52, पाली हिल, बाद्रा, बम्बई, 50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुस्ची में और पूर्ण घ्य से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क छ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकार, ने कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पतित के उपित बाजार मूल्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके संगमान प्रतिपास से ऐसे स्वयमान प्रतिपास का सन्द्रह प्रतिजन से विभक्त हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरन के लिए तब नावा गवा प्रति-क्स निस्तीकित स्वयदित में उस्त बंतरण सिचित के पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अध्ययन वे क्यूब किया वाम का बावक वयद विध-नियम वे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए कीव्/का
- (क) एंडर निक्की काथ वा किली थन वा अथ्य आस्तियों को, किन्हुं भारतीय नामकर अधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उपता मुमिनियन, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए वा, कियाने में सुविधा औं किया म

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न 1 श्री वासूदेव दयाराम नवान।

नीर

धासता प्ष्पा वास्देव नवानः ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रमतः बिदु ग्रार० लूल्ला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाम जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुः।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी वाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की कि 45 विन की मजिथ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्रंबारा,
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर मण्यत्ति में हिटाबक्ध किसी अन्य व्यक्ति दगरा अवोहस्नाक्षरी के पास लिखिल में किटा जा सकेंगे।

स्पष्टितिरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया प्रया ही।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 12 मी०, जो पहली मजिल, लैन्ड ग्रेश को० श्राप०, हाउसिंग सोमाईटी लि०, 52 पाली होल, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुमूच जै । कि ऋ० म० आई० 2/37 ईई०/6060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-6 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, बस्बई

नाराख 11-2-1985

माह्य 🖁

प्रकृप काइ .टी.एन.एस., ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवर। 1985

निदेश सं० फ्राई०-2/37 ईई०/6067/84-85-- फ्रतः, मुझे, तथ्मण दास.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका संव फ्लैट नंव 305, जो, अमलकुंज, मुभाप रोड, युनायटेड इंडस्ट्रियल फैक्टरा के सामने, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध म्रानुसूच, में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर म्रधिनियम 1961 का धारा 269 कख और के म्रयान सक्षम प्राधिकार्र, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टेड तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से बाम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल से पन्तर (अन्तरकों) सौर अन्तरित (अन्तरकों) सौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निकित में बास्तविक म्ह से सिथा गया है क्रिस्तरण निकित में बास्तविक म्ह से सिथा गया है क्रिस्तरण

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/ख
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का, 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा खे लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26 --- 496GI/84

1. ए५० जै० कल्स्ट्रमणन ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रा सुरेन्द प्रभाकर कामता।

(भ्रन्तरितः)

3. श्रासुरेन्द्र प्रभाकर कामत ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति वे अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तत तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदाँका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं., यही कथं होगा जो उस कथ्याय में दिना गया है।

धनुसूची

"फ्लैंट नं० 305, जो कमलकुंज, सुभाष रोड, युनाइटेड इंडिस्ट्रियल फैक्टर। के सामने, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसून। जैसा कि अम० सं० श्राई० 2/37 ईई०/6067/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टई निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 11-2-1985

प्रकृष बार्ड टॉ.एन.एस., -----

नश्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

भारत सहयहरू

कार्यालय, सहामक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/6073/84-85--श्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकः सं० यूनिट नं० 4/प ० जो लक्ष्मं इंडिंग्ट्रिन् इस्टेट, न्यू लि ६ रोड विस्तार त, अंधेरं (प), अम्बई-58 में स्थित हैं (और हैं: में उपावड अनुसून, में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 अ ख के अबं, न सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टेंड है तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त संदत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा किया गया हो सूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्वयमान प्रतिफल में, एसे क्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निनित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वे वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उबस अधिनियम, या अय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विथा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधारतः—- 1. मैसर्स लक्ष्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सोनीयाश्मास इंटरनैशनल ।

(भ्रन्तरिती)

का बहु बुधना बारी कारके पृत्तीं नत सुम्पत्ति के नर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त कम्पीत्त के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वासंपः --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पक्कोकरण: ----इसमें प्रयुक्त कांध्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

नन्त्री

"यूनिट नं० $4/\overline{q_i}$, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड, विस्तारीत, अंधेर्। (प), वस्वई-58 में स्थित है।

श्रनुसूच, जैसा दि ऋ०सं० श्राई० 2/37 ईई०/6073/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनात 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तरीख: 13-2-1985

माहर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985 सं० घई-2/37ईई/6096/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्था संपत्ति, जिसकां उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. अधिक है

और जिसकी संख्या बंगलोज न० 36, जो, गोल्डन बीच बंगलोज कि है। बंगलोज कि उपाबद ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन मुक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

का पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रां कत संपरित का उधित बाजार मूल्भ, उमके दर्मान प्रतिफल स एसं दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निधित में शास्तिक रूप से कथित हों किया गया है ।—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिश्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरण क दायित्व में कभी करने या उत्तबं सचने में सुविधा के लिए, बार/या
- (थ) एसी किसी नाम वा किसी थन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

जतः जयः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—— 1. मैसर्स बाम्बे टैक्सटाईल्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय सिन्ह एच० दुटिया।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त राब्दो और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगलीज नं० 36, जो, गोल्डन बिच बंगलोज स्किम, रूईया पार्क रोड, जुहू, बम्बई-54 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई--1/37ईई/6096/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

तारीय : 11**-**2-1985

गोहर : 🔻

अक्य वाद⁴.टी.पुन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 करवरी 1985

सं० श्रई-2/37ईई/6701/84-85:—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण **दा**स,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 701, जो, टेरेस के साथ 7वीं मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं० 336, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, प्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उनत अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—— 1. मैंसर्स वस्मिन कारपोरेणन।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ज्योति दिवेचा, कुमारी संध्या दिवेचा, और श्री रमेण दिवेचा।

(ग्रन्तरिती)

3. मैसर्स ओणिवरा लैंन्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) লিও।

> (वह ब क्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि शाव में समाप्त होती हो, जे अधीतर पृत्रीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ/होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

प्लैंट नं० 701, जो, टेन्नेंस के साथ 7वी मजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं० 336, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/6701/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

माहर :

प्ररूप आहें. टी. एन . एस . ------1, मैसर्स यस्मिल कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

2. श्रीमती सोफीबाई और श्री अहमद अवाहीम।

(भ्रन्तरिती)

मार्ठ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

~≢ सस्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं० 336, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्दी है, तारीख 23-6-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजरट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गल राक्षम अधिकारी के पास 'रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे गह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारम से हुई किसी भाग की बाबता, खक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या इससे बजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् 🛊 —

3 मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) লিও।

> (वह कव्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन को अर्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस स्वता के राज्यवा मा प्रकाशन की कारीया में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्तक्षरी कं पास लिखित में फिए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जं उक्त अधिनियम, को अध्यास 20-७ मा परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^ै।

नन्स्थी

फ्लैट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, इमारत होम कोर्ट. प्लाट नं० 336, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, वर्सीवा श्रन्धेरी (प०) धम्बई-58 में स्थित है।

श्रन्**भुची जैसा कि ऋम सं० 2/3**7ईई/6702/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिलां ह 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 6-2-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6703/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा र 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मख्या पलैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, इमारत प्राइम रोड, प्लाट नं० 318, एम० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, क्योंबा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

अरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नम्य नास्तियाँ कां, चिन्हुं भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते निभिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा नौ तिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे. मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अभात् ः—- 1. मैसर्स यस्मिन कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

 श्री दिलिप बजाज और श्रीमती हर्षा बजाज।

(भ्रन्तरिती)

मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट)
 लि०।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्सूची

पलैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, इमारत प्राईम रोड, प्लाट नं० 318, एस० न० 41 (अश), 4 बगलोज, वसौँवा भ्रान्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ स० ग्रई-2/37ईई/6703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड िहया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

अप्तयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) श्रर्णन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

मं० श्र $\frac{5}{2}$ $\frac{2}{37}$ ईई $\frac{1}{6704}$ $\frac{84-85}{-85}$ $\frac{1}{84}$ सुक्षे, सक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मग्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैंट न० 506, जो, 5वी मंजिल, इमारत रेजेन्सी बी०, प्लाट नं० बी-3, 4 वंगलोज, वसोंवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार म्लय सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उद्या अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुड किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिसकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— श्री राज ग्रडवानी और श्रीमती नीना राज ग्रडवानी।

(अन्तरक)

2. युनूस यूसूफविलाई

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स ओश्विया लैंन्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिं ।

> (वह र्व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीच से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयसची

फ्लैंट नं० 506, जो, 5वी मंजिल, इमारत रेजेन्सी-बी, प्लाट नं० बी०-3, 4 बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई $^{/}6704/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मन दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई,

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्क्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

मं० श्रई $-2^{J}37$ ईई $/6705^{J}84-85$:—-श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. ग अधिक हैं

और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं० 17 जो, 2री मंजिल, प्लाट नं ० $99^{1}100$, प्रभा कॉलनी, सांताऋूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है, तारीख 23-6-1984 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के एश्यमान अन्तरित के लिए की गह गया गया है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उपवेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वायत, सक्त जिथितियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के द्यित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी जाय का किसी भन वा जन्म नास्तिओं को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, मा भन-कर अधिनियस, मा भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्भ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविका की आए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वाल किशन साध्।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी गर्मा।

(ग्रन्त(रती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पिबतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्पिबतयों में से किसी स्पिक्त ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्योकरण :--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वनस्ची

फ्लैंट नं० 17, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 99/100, प्रभा कॉलनी, सांतांकुज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/6705/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 23-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृषादां, टी. पुन. एत्.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (गिरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/670784-85—मात: मुझे , लक्ष्मण दास,

मायक र मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्कास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रा. से बिधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 12, जो, सजीव को-म्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, 2री मंजिल, मन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा म्रायकर म्राधिनयम 1961 की धारा 269 कख के मधीन सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 23-6-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का देह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उकत अन्तरण कि बित में ।स्तिनक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ कि जी बाव की पानत, उपत सिंपिनयम के अधीन अर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—— —496GI/84 1. श्री परागजी, एच० देसाई।

(ग्रन्तरक)

2. वि० ग्रार० पंडित।

(ग्रन्तरती)

3. ब्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपत्ति के प्रजीन को संबंध में काई भी आक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ हों से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्की

फ्लैंट नं० 12, जो, 2री मंजिल, सजीव को-घाँप,० सोसाईटी, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० घ्रई-2/37ईई/6707/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

मारीख: 13-2-1985

मोहर 🤏

प्रस्प नाइंटी. एत एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाच

सभ्यासिक, सहावक आथकर जावृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

स० म्राई $-2^l 37$ ईई $^l 6708^l 84-85$:—-म्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य .

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4, जो, ए-विंग, साधना को श्रांप० हार्जासग सोसाईटी, लि०, तेजपाल स्किम रोड नं० 4, विले पालें (पूर्व), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

को पृषींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ययमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, एस उव्यमान प्रतिफाल से, एसे द्वयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक खे दायित्य में कभी करने दा उससे बचने में शुविधा के लिए, करेर/बा
- [आ] एसी फिसा आय या किसी धन या अल्य आस्तियों की, जिल्हा भारतीय अध्यक्षार अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या असक्त अधिनियम, या असक्त अधिनियम, या असक्त अधिनियम, विशेष अस्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरक्षी द्यारा प्रकट नहीं किया असा आ या शिक्षा के निरुष्ट

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के क्योम जिल्लिकत अधिकता, क्यांक्रिक- 1. श्री भ्रनन्त जी० परव।

(मन्तरक)

2. श्रीमती गौरी राजाराम मुलबे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सपर्तित के बर्धन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दोकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁰, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गमा ह⁰।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, ए-विंग, साधना को द्यांप० हाउसिंग सोसाईटी, लि०, तेजपाल स्किम रोड नं० 4, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्र $\xi-2/37$ ई $\xi/6708/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा विनाक 23-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन र्रेज-2, बम्बर्ड

तारीख: 13-2-1985

शक्य वार्षं . टी . एमं . एस् . जन्म वन्त्रवासम्बद्धाः वस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन स्भाना

भाइत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिलांक 13 फरवरी 1985 सं० ग्रई-2-37ईई/6710/84-85:--ग्रत: मुझे लक्ष्मण

वास

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 401 जो वूड लैन्ड कोश्रांप० हार्जासग सोसाईटी लि० "वूड लैन्ड" 4 बंगलोज
वसींवा ओशिवरा श्रन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है)
और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा
269 कक्क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में राजिस्त्री है तारीख 23-6-1984

की पूर्णैक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफक्ष के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुध किसी बाब की गावत, उक्त बिधिनियम के बधीम कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कीसी कारने या उससे वभने में सुविधा के हैंसए; भीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अवा वाहिए का, स्थिनने में स्विधा की लिए;

जतः जवः, उक्त जभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में', में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उप्धारा (1) के सधीन, निस्तिचित काकितमों, कर्षात् ह— 1. श्रीमती कृष्णा गुप्ता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रजयकुमार मोहनलाल जोशी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्रं की ता मासित की पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो कि अविधि साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थानत यों में से किसी स्थानत इंडारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पलैंट नं० 401 जो वृष्ठ लैन्डस ए० जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०) वसींवा 4 बंगलो, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/6710/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6 1984 को राजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्वई

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बाहाँ. दी. एन. एस.------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 8 फरवरी 1985

व म ब ६ । यन। क ४ करवर। 1985 निर्देश सं० भ्रई – 2/37ईई/6730/84 – 85: — स्नतः मझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 702 जो विंग बी 7वीं मंजिल "डेन्झील" प्लाट नं. 31 एस० नं० 41 (अंश) ओशिवरा अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीजत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेत्रय से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिषाने में मुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन,, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स कबीर इण्टरप्राइजेस।

(भन्तरक)

2. श्री कन्हैया लाल एन० खियानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सूम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 -दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचनाः कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेने।

स्यष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुद्धी

फ्लैट नं० 702 जो विंग बी, 7वी मंजिल "डेन्झील प्लाट नं० 31 एस० नं० 41 (अंश) ओशिवरा घन्धेरी (प०) बस्वई—58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० धई-2/37ईई/6730/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ़ेलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 8-2-1985

प्रस्थ भाष'.टी.एव एस -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

प्रज⁶न रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 सं० ऋई-2/37ईई/6731/84-85:--- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण

दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या द्कान एवरसन को भ्रांप हाउसिंग भोसाईटी में सहकार नगर जे० पी० रोड प्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है। और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-6-1984 को व्योपत सम्परित के उचित बाजार मृल्य संकम के रश्यमान प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गई है कोर मुक्ते यह विक्वास करनी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आफ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (व) ऐसी किसी अप या किसी धन या जन्य अर्ग करण को, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपनत अधिनियम, या **भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिणाने सें स्विधा के लिए;

कतः कवः, उकतः किंपिनियम कौ धारा २६९-ग क्रं अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हरेन जे० पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. डॉ॰ सुभाप डी॰ बंद्रे।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अक्ट सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सम्बना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 4.5 दिन की अर्जीध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवीप बार मो समान्त हानी हा, अ भीतर प्राचित व्यक्तियों में से किसी वाक्ति व्यारा;
- (क) इस मचना 🗢 रायपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-अबुब किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहन्ताकरी के पास निश्चित में किए आ सकेंगे।

रुप्रतीनार्ण:--५मम प्रयानन धार्को और पर्दा का, जो उकत जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया TOT K" 1

वन्त्रयी

वुकान एवरसन को० भ्राप हार्जीसग सोसाईटी में जो सहकार नगर जे० पी० रोड धन्धेरी (प०) बम्बई-58

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/6731/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1984

प्ररूप . बाइं. टी . एन . एत . ----

नायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अधीन स्वता

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई मम्बई, विनोक 11 फरवरी 1985

सं॰ भई-2/37ईई/6861/84-85:--- प्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कमरा नं० 4 जो ाली मंजिल, प्लाट नं० 38 श्रवंश को० भाष० हार्जिसग सोसाईटी लि० टी० पी० एस० 6 ीला रस्ता साताकूज (प०) बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय यम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 23-6-1984

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त आफि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में अभी करने या उल्लंबचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए%

शतः नव, उनत नियानियम की भारा 269-ग म नमुसर्थ में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन, निम्मलिखित न्यन्तियों तुः नवाद् ७०० 1. श्री एम० भार० कृष्ण मृति।

(भन्तरक)

2. श्री और श्रीमती नारायणा वि० राव । (ग्रन्तरिती)

3. वि सेंट्रल श्रार्केनट मार्केटिंग एण्ड प्रोसेसिंग को० आँप० लि०, मंगलोर।

> (वह व्यक्ति जिसके माधभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति व्वादा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्तें स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य न्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी गस निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त काय्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय क्या हैं।

नग्त्या

कमरा नं० 4 जो 1ली मंजित, प्लाट नं० 38, अर्थम् को० ग्रॉप० हाउर्सिंग सोसाईटी लिमिटेड, टी० पी० एस० 6, 1 ला रास्ता सातांत्रुज (प०) बम्बई-54 में स्थित है।

भ्रनुसूथी जैसा कि क सं० मई-2/37ईई/6861/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-2-1984

मोहर 🖫

प्रक्रम आई. टी, एन. एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नागुक्त (निर्काण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/6862/84-85 अतः मुझे, द्रश्लामण दास,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार :69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का अरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित याचार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 406, जो 4थीं मंजिल, पारूल भ्रपार्टमेंट प्लाट नं० बी०-3 सी० एस० नं० 3(डी०), आबिवली अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (और इउसे उपबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 25-6-1984

जो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमाम तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में उस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (१६) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उन्तर बरिय-दिवय के अभीन कर दोने के बालरक के दायित्व के कसी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बरि/वा
- (थ) एसी किसी जान या किसी धन या अन्त जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जियाने में सुनिधा के जिए;

अतः जब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण , वी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स विशाल कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रमेश एच० मखिजा।

(ग्रन्त(रती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वीक्त सम्प्रित के वर्जन के सिर् कार्यमाहियां करना हूं।

उक्त संपन्ति हो अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप १--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान की राजपण में प्रकाशन की सारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपन्ति में क्षित्र-बंदध किसी अन्य व्यक्तित कैशारा अधोहस्साक्षरी के गाम लिकित में किए का धकेंगे।

स्पथ्द्रीकरण. -- हमेसी प्रयुक्त कब्बी और पदों का, जो उक्त अधि-किक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही तर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगत्तवी

फ्लैंट नं० 406, जो 4 थी मंजिल पारूल श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० बी०-3, सी० एस० नं० 3(डी०),आंक्षियली, बीरा देसाई रोड, ऑफ वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2137ईई/6862/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप बाड'. टी. एन . एस -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/6866/84-85:—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं 16, जो, ग्राउण्ड पलोग्नर इमारत नं 1, ग्रमित नगर, यारी रोड, वर्वोवा. ग्रन्धेरी वम्बई—61 में स्थित है (और इससे उपावछ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

के पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रतिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से तिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्स किंघिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बांयरत्र मों कमी करने या उससे बचने में गुत्रधा के भन्त, और/मा
- (छ) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम दा छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था. छिपान के मृतिका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम'की धारा 269-ग जी अनुसरकः मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स प्रकाश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

 श्री नोहम्मद शौकत और श्रीमती क्यू० शौकत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख सं 65 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त र अनियम, को अध्याप 20-क मी परिभाषिण है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंखी.

बुकान नं० 16, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, इमारत नं० 1, ग्रमित नगर, यारी रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० ग्रई-2/37ईई/6866/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

· तारीख: 12-2-1984

मोहर ः

प्रक्ष्य आर्षः, दी., एत्., एस्.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० म्रई-2/37ईई/6867/84-85:---म्रतः मुझे, लक्ष्मण

दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. स अभिक है

और जिसकी संख्या दुकान न० 15. जो. ग्राउण्ड फ्लोग्नर इसारत नं० 1, 'ग्रिपत नगर'', यारी राष्ट्र, वसींवा. ग्रन्धेरी बस्बई-61 में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्द्री हैं तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान क्रितिफल के निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पामा गया प्रतिक कस निम्नसिस्त उद्देश में उक्त अन्तरण कि सिद में बास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने भें सुविधा के सिए,

- 1. मैसर्स प्रकाण कन्स्ट्रक्णन कम्पनी।
- (भ्रन्तरक)
- 2 श्री नजीर प्रहमद शेख

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शर्वे और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गंबा है।

वन्स्या

दुकान नें० 15, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, इमारत नं० 1, "ग्रामित नगर, यारी रोड, वर्मोबा, श्रन्धेरी बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई -2^{l} 37ईई l 6867 l 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर ः

प्रकथ नाइं् टी. एम. एव .-----

आयकार अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लेट नं० 202, जो 2री मंजिल, नं० 8, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (और इससे उपांबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क्ख के श्रिधीन, सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 23—6—1984

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अतरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित न्यिक्तयों, अर्थात्:—

1. श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. मेहरूक्षिया गुलाम रेहमानी।

(श्रन्त(रती)

को यह स्थाना वारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहर गक्षरी के पास सिसित में किए रा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्यास में दिया गवा है।

वन्सूची

फ्लैंट नं० 202, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 8 विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० ग्राई-2/37 ईई/6871/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-61984 का राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

तारीख: 6-2-1985

मोहर ₹

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाक फरवरः 1985

निर्देश स० अई०-2/37 ईई/6876/84-85---अतः मुम्रे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या दकान नं० 7, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत सनासाईड, प्लाट नं० 355, एस० नं० 41 (श्रंश) 4 बगलोज, वसीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 है श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूबी मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधान सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रो में तारीख 23-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (उन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती बिना पी० वधानी भौर मास्टर कुशाल यू० वाघानी।

(अन्तरक)

(1) श्री वालजी प्रेमजी शहा औरश्री अश्विन वालजी शहा ।

(अन्तरिर्ता)

(3) मेसर्स भ्रोणिवशा लैन्ड डिवेलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट), लि॰।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं० 7, जो ग्राउड फ्लोर, इमारत सनीसाईड, प्लाष्ट नं० 355, एस० नं० 41 (प्रंण), 4 तंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/6876/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

् लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

प्रस्य बार्षः, टी. एन , एस : ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेण सं० अई-2/37ईई/6881/84-85--अनः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निष्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 जो तीसरी मंजिल, "सिल्वर ग्रंकलेट, यारी रोड़ वसींवा, ग्रंधेरी बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है दिनांक 23 जून 1984

को पूर्वों बत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर, अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायिक को कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी भन वा कम्ब बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

भतः भवे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भूधीन, निम्नलिसित व्यंक्तियों, अर्थात :——

- (1) मोनोकास्ट डेब्लयसं इ विल्डर्स (अन्तरक)
- (2) प्रोफेसर विनायक धनंत चिम्लार और प्रोफेसर (श्रीमती) विद्या विनायक चिम्लकर (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास जिल्लित मो किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मूची

"फ्लैंट नं० 6 जो तीसरो, मंजिल "पिल्बर स्रंकल्ट" यारी रोड़, बर्मोबा, श्रंधेरी, बम्बई मेंस्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/6881/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 23 जुन 1984को रिजरटर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अग्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985

माहर 🖫

प्रकप **भार**े, दी. एत*्* एत्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत संद्रकांड

कार्यालय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश सं० अई०-2/37ईई/6882/84-85--अतः मु.झे लक्ष्मण दास

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल निलम अपार्टमेंटस, मचलीमार, जे० पी० रोड, वसोंवा, ग्रंधेरी, (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 23 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दे—

- (का) जन्तरण सं द्वारं किसी जाय को बाबत, उसा अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दाजिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुजिभा, के सिए; बौद्ध/वा
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्सियों की, जिन्ही भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अंक: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

(1) श्रीमती हमीदा अन्दुल सोमजी, घौर कुमारी झोहराखानू जाफर सोमजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकात एम पाठक ग्रौर श्रीमती दिव्या. सी० पाठक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्ची

फ्लैट न॰ 403, जो चौथी मंजिल, निलम अपार्टमेप्टस, मचलीमार, जे॰ पी॰ रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा की कि० सं० अई-2/37ईई/6882/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, क्षम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोह्रर 🖞

प्रकार बार्ड. टी. एत. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्भना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 2, बम्बई अम्बई दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश स० अई-2/37ईई/6883/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पर्लंट न० 409 जो, इमारत नं० बी-1, अपना घर यूनिट नं० 2 को-आपरेटिव इाउसिंग सोसायटी लि०, स्रोशिवरा, आफ जे० पी० रोड, 4 बंगलौज के बाजू में, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पुर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है, दिनांक 23 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेड़ ह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण के बिका में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है——

- (२६) जंतरण में हुई किसी जाय की बाधन्, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अंसरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वी सिए;

जतः लग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत ध---

(1) समर्थं डेक्नपमेट कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता प्रेम लता मिधा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🎥

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं। 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ब्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषिय व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम सिचित में किए वा सकेंगे।

न्यच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

सम्बद्धी

"फ्लैंट नं० 409, जो, इमारत नं० वी-1, अपना घर यूनिट नं० 2 को-आपरेटिव हाउमिंग सोसायटी लि०, भोशियरा, आफ जयप्रकाश रोड, 4 बगलोज के बाजू में अधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई--2/37ईई/6883/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23 जुन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरंक्षिण) अर्जन-रेंज 2, बम्बई

दिनाक : 6-2-1985

प्रक्ष् बाइ . टी. एन्. एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाम्कत (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 2. बम्बई

बम्बई , दिनांक 6 फरवरी, 1985

निवम सं व अई०-2 /एस्यू/ 37ईई/ 688 4/8 4-85--

श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

यकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 302 जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 9, गांव ओशिवरा बेहराम बाग के तीछे जोगेश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कखें के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 23 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनाय अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविशा के किए।

1: श्री झियाउदीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शंख भ्रब्दुल रहमान ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (का) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन की तारीक में 4.8 दिन की भवति या नरमंबंधी काकिन्यों पर सूबना की तामील में 30 दिन की भविध, जो भी अविधि साद म समाप्त होती हो, ते भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यकित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजरन में प्रकाशन की नारीन से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हिर्मित किसी। अस्य व्यक्ति द्वारा, मेझोन्स्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

 इस्टी करण । — इसर्ने प्रयुक्त गांधी प्रोर पदी हा, का उका र क नियम के अध्याय 20 क में विश्वासित है, वही धर्म होगा, जो उस धांध्याय में दिथा गया है।

समस्य जी

फ्लैट नं॰ 302 जो 3री मंजिल बिल्डिंग नं॰ 9, बिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/6884/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 6-2-1985

मोहर 🗯

इस्य बाहुँ ही प्रमुख पुरुष्ट------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11-2-1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6885[/]84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायंकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित याजार मृत्व 25,000/- रु से नधिक है

अरेर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 9, जो 4थी मंजिल बनियेम, घोडबंदर रोड, विले पालें (प), बम्बई—56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 23—6—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिचत से अधिक है और बंतरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलाक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-व को अपृत्रस्य में, में, उक्त अभिनियम की भारा-269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जभाव :---- (1) 1. मेसर्स मैजेस्टिक बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री वयोमैश मणुरादास मेहता,
 - 2. श्री हिमांशु वानीलाल मेहता, और
 - 3. श्रीमती कपिलाबेन वानीलाल मेहता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मुर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ - प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी को पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याद 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विधा गुसा है।

नगृत्यी

फ्लैट नं॰ 9, जो 4थी मंजिल, वैन्थेय, घोडबन्दर रोड, विले पार्ले (प), बम्बई--56 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/6885/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रावकर म्रामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🏻

प्रकथ बार्ड ही. एन एच : + - -

मानकर मिनिनम, 1961 (1961 का 43) की धाडा भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

TIME TO THE

कार्यांसय, वहायक बावकर बाव्यक (जिल्लाकन) धर्नन रेंज-2, बर्क्स

बम्बई, दिनांक, 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/7002/84-85-अतः मृज्ञे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी०टी०एस०नं०256, 256/1/256/2, 257, जो अंधेरी (प), बस्मई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम 1961 की घारा 269 क ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसितं भाषार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यासय सिवाधीनगर में भारा 269 ए. जी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कथ-मान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत् से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतर्गती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम से हुई फिबी बाव की बावत, डेक्स बीचींजरब से ब्यीम कर दोने के मन्तरक से बावित्य में कती करने या उससे क्यने में बुविशा के बिक्ट, बॉट/बा
- (क) एसी किसी आप वा जिसी धन का क्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण की, मी, उपभावा (1) के जभीत, निम्निजिया व्यक्तियों, अभीत् १००० विश्व (1) के जभीत, निम्निजिया व्यक्तियों, अभीत् १००० 29-496GI/84

(1) श्रीमली मेरी कुटीन्हों ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुखीबाई कुन्दनमल शहा ।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत-।, पी० के० नायर, 2, फुलचंद एम० रतनपूरीया, और 3 अशोक कुमार चव्हाण (शह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचमा पारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्थन के [तए कार्यवाहियाँ करता हु

उक्त सम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हु---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की हामील से 30 बिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के णव तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्यी

"सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 256, 256/1, 256/2, 257, जो अंधेरी गावठाण रोड, लेन नं॰ 4, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा की० ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/7002/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 जून 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

डारीच: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बाइंड बीच एनच एस्

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (१) के व्यीन स्थान

RISC BECKE

कार्यानय, सहावक वायकर वाय्क्त (निद्धीक्षण) धर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2¹37ईई¹7005¹84-85---श्रतः मुझे;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-601 जो, 6वीं मंजिल "सी शिल" ग्रपार्टमेंट स्वामी समर्थ को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 30, ग्राफ जे०पी० रोड 4 बंगलोज में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28 जून 1984

को पृष्टींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्बरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्बरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल हिम्मिलिक स्वयम्ब से स्वयंत्र अन्तरण किवित में बास्तिवक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-न के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) किरण डेव्लपमेंट कार्पौरेशन ।

(ग्रन्तरक)

. (2) श्री वर्धमान एस० खोना और श्री लारीन वि० खोना ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना चार् करके प्रविक्त संपृत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहिया करला हुं।

तका बुग्यति से बर्जन के सम्बन्ध में कोई थी नायोद्ध-

- (क) इस स्थान के श्रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वा की तामीन से 30 दिन की अवधि को भी
 सम्मिन को संग्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास बिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-601, जो 6वी मंजिल "सी शिल" ग्रपार्टमेंटस स्वामी समर्थ को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, निर्माणा-धीन इमारत प्लाट नं० 30, ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई $-2^{l}37$ –ईई $^{l}7005$ / 84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 जुन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 वम्बई,

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप भारा है दी. एन्. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चुना

मार्ट्स ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश स० अई--2/37ईई/ 7007/84--85--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० यूनिट नं 116, जो पहली मजिल 'के' इमारत अन्सइडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई -72 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) ग्रीर जित्रका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 29 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में शास्तिव क्या से किया नया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा को निए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत आधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुने भा के लिए;

जतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें; में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभिन, निम्निणिसित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) मैसर्स अन्सा बिल्डर्स ।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स मनिष टेक्नीकल सर्विसेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सुम्बुन्ध् में कोई' भी बाक्षोपः:--

- (क) इस स्वा के राजधन में प्रकाशन की तारी कर् 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी क्यि क्रियों प्र स्वा की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी स्विध याद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यित्यों में से किसी स्थालत द्वारा !
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगा।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, को उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुंबा है।

मन्स्**नी**

"यूनिष्ट न० 116, जो पहली मजिल "के" इमारत, अन्या इडस्ट्रियल इस्टेट, माकी विहार रोट, साकी नाका, बम्बई 72 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा की अरुन्थ अई-2/37ईई/7007/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28 जून 1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बस्बई

दिनाक . 12-2-1985

माह्य 🖫

श्रुक्त बाइं_ट टी_ं एन्_ट एन_ं = -- =

भावकर जिभ्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई -2/37ईई/7011/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित नाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० पलैट नं० 29-बी जो, श्रंधेरी गुल मोहर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी क कार्यालय, बम्बई में रिजिम्ट्री है, दिनांक 28-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नवा प्रतिफल कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में आस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरूप संबूद किसी शाय की बायत सकत वर्षिन नियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बढि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उन्त वीधिनियन, या ध्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया शारा पासिए था, जियाने में सृतिधा से सिए;

बतः बव, उक्त अधिनिवम की बाह्य 269-व की वनुबर्ध हाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती चारुलता नरेण दात्तानी ग्रौर श्री नरेश रसमसी दामत्तानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेस कातीलाल पारीख श्रौर श्रीमती प्रिती वाक्षेस पारोख ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मोरत को वर्जन के तिहर कार्यमाहियां करसा हो।

उन्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की ताबीच से 30 दिन की अनभि, जो भी जनभि नाद में डजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी बन्ध व्यक्ति दवार, वशहस्ताकड़ी के बाद निवित में किए वा सकारो।

रुपक करण: ---- इसमें प्रयुक्त कन्यों कौर पर्यों का, जो उक्त जिमित्यम के जभ्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

जन्त्जी

"फ्लैंट तं० 29-बी, जो श्रंधेरी गुल मोहर को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/7011/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 जून 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्**र आ**युक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकव आहें. टी<u>.</u> एव . एत<u>.</u> - - - ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बारत रहकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० अई-2/37ईई/7035/84-85 अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-का के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 5, ग्राफंड फ्लोअर, पर्ल हेवन चैपेल रोड, बाद्रा , बम्बई-50 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रा, है दिनांक 28 जून 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से ऐसे रहसमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) करनारण संहुई किसी आप कीं बासता, उक्त किमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या अससे बचने में सर्विधा के लिए कौड/पा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिएट।

- (1) श्री मोहम्मद अमीन अब्दुल रेहमान। (अन्तरक)
- (2) श्री अज्जाद अली हाजी मेहब्बूल्ला शेंख। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिमके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- ~

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

नमृत्युं

'बुकान नं० 5, जो, ग्राऊंड, फ्लोर पर्ल हवेनचैंपेंल रोड, बांद्रा बम्बई~50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/7025/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 28 जुन 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बतः सबः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियम अभीत् ।——

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष् भार्ष्, दी .एन् . एय् .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

बार्ट स्ट्रकान

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई ,बिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/7032/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के स्थीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल गाला नं० वी-23, जो पहली मंजिल नंदिकशोर, महाकेली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28 जून 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से एसे धृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्कत अधि-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिज्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः। अवन अधिनियम की धारा 269-ग को सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, न्मिनीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) ईश्वर् दयालदास केवलरामानो, एच० यू० एफ० बाय कर्ता आई० डी० केवलरामानी ।

(अन्तरक)

(2) एस० यू० भोजवानी,एच० यू० एफ० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ||

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जक्त अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

"इंडस्ट्रियल गाला नं० बी-23, जो पहली मंजिल , नंदिकिगोर महाकेली कब्ज रोड श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/7032/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🗓

प्रकृ बाद'.टर्, एन्. एस् ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (;) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/7033/84-85--यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 16, जो 3री मंजिल, फिरोजशाह स्ट्रीट, पुष्पेंद्र मेन्श्रान, सांताकूज (प), बम्बई—54 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29—6—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-मिसित उत्काबेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण हे हुई किसी आय की बाबस, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्य में कभी करने या उससे अधने में स्विधा औ शिए: और/वा
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ु--- 1. श्रीमती निती एन० बंदारिया ।

(ग्रन्तरक)

2. जयन्त पी० मर्चेन्ट और प्रमिला पुरुषोत्तम ।

(ग्रन्त(रती)

(3) अंतरक । (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

स्वत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दनार अधोहस्ताक्षरों के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्याः स्वार है।

मनुस्यी

फ्लैट नं० 16, जो 3री मंजिल, फिरोजशाह स्ट्रीट, पुष्पेंद्र मेन्शन, साताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37ईई/7033/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रस्प नाई.टी.एन.एस.-----

आथवःर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/7046/84-85—श्रतः, मुझे, लक्ष्मण वास्र

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 30-सी, जो प्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट, न्यू लिंक रोड, विस्तारित अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इममें उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जामा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, तिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट ।

(भ्रन्सरक)

2. मेसर्स कर्नावल इजिकान प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रोक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

यूनिट नं० 30-सी, जो ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड, विस्तारीत अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/7046/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीखा: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी., एन., एस., ------

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यानम्, सहायकं भायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश स० ग्राई—2/37ईई/7047/84—85——यत,मुझे,

लक्ष्मण दास

शाप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण इ' कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000 /-रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० ए-3/004, जो "ऋषिकेण" अपना घर युनिट नं० 1 को-श्रापक हाउसिंग सोसायटी लि०, ओशिवरा आफ जे० पी० रोष्ठ 4 बगलोज के बाजू में अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम। 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल कर ग्लूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्वरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुन्द किसी बाय की वाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रूए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30-496 GI/84

- (1) मैंसर्म समर्थ डिवेलपमेंट कार्पोरेशन ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विना गणेश शानभाग ।

(अन्तरित्।)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

इन्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी लाओए:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धृर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औ अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति उ्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा शकोंगे

स्पार्शकरण "---इसमें प्रयुक्त शब्यों बहुँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हुँ, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में देशा गया हुँ।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० ए-3/004, जो "ऋषिकेश", श्रपना घर यूनिंट न० 1 को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ओशिवरा- आफ जे० पी० रोड, 4 बगलोज के बाजू में, अंधेरी (प), नम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के०सं० श्रई-2/37ईई/7047/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 13-2-1985

प्ररूप बार्द , टी. एन , एस.. ----

नायकर निधनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 2619-ध (1) के अधीन सचना

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० श्रई-2/37ईई/7049/84-85--श्रतः म्हो, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी ०/30 जो 2री मंजिल प्रेम-वर्षा को-ग्राप० हाउर्सिंग सोमायटी लिं०, वर्षा कालोनी, सहार रोड अंधेरी (पूर्व०) बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुख्नी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 के खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बग्बर्ड में राजस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रसिप्ता से निए अप्तरित की गई है। और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कशित नहीं किया गया है हु--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जाः अस, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के जनसरण म , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हः—

- (1) 1. श्री कपलाकर दत्ताक्षय चौगले और
 - 2. श्रीमती शभदा कमलाकर चौगले।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० अरम्दि एम० सावला।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती और उसके परिवार के सदस्य । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना ज़ारी करके पर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया नवा है ।

मन्**स्पी**

फ्लैंट नं० डी-30, जो 2री मंजिल प्रेम-वर्षा को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰, वर्षा कालोनी, सहार रोड अंधेरी (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/3*7*ईई/7049 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (नीरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🕆

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरुक्षिण)

श्रर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/5905/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/ रा. से विश्वक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए/2, जो ब्लू-ग्रर्च को-ग्राप० हाउ-सिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 142/7|बी, ग्रौर 143/7|बी, श्राफ 4 बंगलीज रोड, ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से सिंगत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा सह सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🛭 (1) डनियल श्रदाहम किल्लेकर

(ग्रन्तरक)

(2) जयंत एम० गायतों डे।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास,
- (स) इस सूपना के , राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सफ्टित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी हो पास चिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मानिया। गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० ए/2, जो ब्लू-ग्रर्च को-ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 142/7/बी ग्रीर 143/7/बी, ग्राफ 4 बंगलीज रोड, ग्रंधेरी (\mathbf{Y}) , बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37ईई/5905/84-85 ग्रौर जो सक्षम ग्रिधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वम्बर्ध

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रस्प सार्². टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कायोसय, सहायक वायकार वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई वप्बई, दिनक 13 फरवरी 1985

निर्देश मं० %ई-2/37ईई/5910/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं 15, जो इमारत नं 15, श्री योगी कृषा को-श्राप हा इसिंग सोसायटी लिं, मनीश नगर, 4 बंगलीज जे पीं रोड, श्रधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्टर है, विनांक 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यश्रापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बा॰त, उक्त अधिनियम के सपीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डोनाल्ड डिसोझा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कीस्टो ग्रार० एम० वेगास ग्रीर श्रीमती टेरेसा एन० वेगास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां कर्ता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्भन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच भे 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी विषय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीत से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त बिधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिना नवा है।

फ्लैट नं ० 15, जो इमास्त नं ० 15, श्रीयोगी कृषा को-म्राप०-हा उसिंग सोसायटी लि०, मनीश नगर, जे०पी० रोड, स्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/5910/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीखं: 13-2-1985

मोहर 🛭

प्रकार कार्य : टी., एत : **एड** ,------

आसकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश म॰ श्रई-2/37ईई/5914/84-85--श्रतः, मुझे,

मू लुक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मन्धि जियका उच्ति बाजार मृत्य 25,000/- रुपये हे अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 2, जो चंदन अपार्टमेंट्स, ए-इलि गांवठाण, विने पार्ने (प), बस्हाई में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-6~1984 का पूर्वोंक्ट सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कार्या है कि यथापूर्वित संपत्ति का उिषत काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ।तिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण किवित में ।स्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण संहर्ष्ट किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी व्यरने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
 - (क्षः) एंसी किसी आय या किसी पन या अन्य भास्तियों की जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ६। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः कव, उस्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1, भारत देखिंग कंपनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० पी० भक्ता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हूं।

उक्त सस्पिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना दी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकतो।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैट त० २, जो चंदन श्रागर्टमेंट्स, ए-ईलिंगावठाण विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० ग्राई-2/37ईई/5914/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्यई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🕄

अस्य आहे. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/5916/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 3, जो, "ग्रमर कुंज", बिंगत स्ट्रीट, सांताक्रूस (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारामा आयकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (♣957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—

(1) मैसर्स गोवानी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तुषार गुणाबंतलाल मेहता

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोहाँ भी आक्षेप ा-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो "ग्रमर कुंज", बिसंत स्ट्रीट, सांताऋ्स (प), बम्बई-54 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/5916/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रिजस्टर्ड किय गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 8-2-1985 मोहर : प्ररूप गार्ड , टी., एन , दुस ,, न-=======

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

क्षांचालियः पहासक अध्यक्तर । युक्त (निरांक्षण)

भ्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देण सं० श्रई-2/37ई $\epsilon/5933/84-85/श्रतः, मुझे, 'श्रक्षमण दास,$

आयकर इधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैंट नं० 18, जो मुरली गोविन्द की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 527, 33वा रोड, खार, बम्बई-53 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणते है) और जिसका करारामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख़ 5-6-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त शिधनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक की दायित्व में कमी करने या जससे बवने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या पन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा के सिए;

अतः शव, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण ैं, मैं, उक्त ऑपिपियम की भारा 269-च की उपधाना (1) , अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अथित् स—— (1) श्री राम इस्सरदास गंगवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परषोत्तमदास एच० फुलवाद्य

(भ्रन्सरिती)

(3) मन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्राधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हु²।

जनस्पी

फ्लैंट नं० 18, जो मुरली गीविन्द को- श्राप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 527, 33वां रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/5933/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ड

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🗯

परूप आह. टी. एत . एस . ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर अन्युक्त (निर्शक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985 निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/5939/84-85-श्रनः, मुझे; मण दास

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० पलैंट न० 602, 65ी मजिल, बेनहर-बी, 4 बगलो, अधेरी (प०), बम्बई-400 058 भे स्थित हैं (और इससे उपायब अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 5-6-1984

का पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

ततः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री हिम्मतनाल पी० शाह और श्रीमती स्रेशकेन एच० शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री तटबरलाल एस० बकील और श्री कमलेग एन० बकील ।

(भ्रन्त(रती)

(3) ओशिवरा लैंग्ड डिबेलपमेट कपनी प्राइवेट लिमिटेड । (वह व्यक्ति जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में सहत्वछ है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सपित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्षित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जतसची

फ्लैंट नं० 6028, 6ठी भजिल, "बेनहर"-बी, जो प्लाट नं० 15/8, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बगला, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बई--400 008 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/5939/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख . 13-2-1985

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश ग० धर्ड-2/37ईई/5946/84-86—स्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन, पक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिन्की सं० पर्नेट न० 102, जो 1की मिज्र सी ब्रेझ प्रिमायसम् को- क्राप्त हार्जनिंग सोसायटी लि०, जे० पी० रोड, 7 बंगलोज, वसींद्या, अंधेरी (प), बम्बई-61 में न्थित है, (और इसेंसे उपावद्ध क्रनुष्ट्रची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रीयकर क्रिवियम, 1961 की धारा 269 कुछा, के क्राधीत सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय; वस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दास्त्रिय में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के दिस्ए: और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्रीमती जनेत विल्यम डिसोजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकूल कुमार गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं.।

बनुजुर्ची

ं फ्लैट नं० 102, जो 1नी मंजिल, सी ब्रिज प्रिमायसेस को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लों० जे० पी० रोष्ट, 7 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (प), बम्बई न61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/5946/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजने रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूपं आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुज्य (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/5954¹84-85--- अत मुझे,

लक्ष्मण दास

अगतहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'एकत अभिनियम' कहा गए हाँ), की धारा 269-रा के अभी में स्थान प्राधिकारी को यह निकाय करने का बारण की कि स्थावर समिति, जिसका उचित वाजार मूला 25,000/-रा सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट त० 42 जो श्री प्रमुख कूपा को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० मनिष नगर जे० पी० रोड अधेरी (प) बम्बई मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा म्रायकर प्रधिनियम 1981 की धारा 269क ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 7-6-1984

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्मो यह विश्वास करने का कारण है कि एशाप्यांक्त सम्मित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल नो, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्ह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के तिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्नेटिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्निक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन घर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे तचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिबधा के लिए;

अत. शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

(1) श्रीमती रूपाली दामोदर परूलेकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० ग्राचन।

(ग्रन्त(रती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) •इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारख से 45 दिन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सैमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी वाकित द्वारा,
- (ख) इस सूनता के राजपन् में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरंगः -- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधि-नियम, को अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, 'वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्तांट न० 42, जो, श्री प्रमुख क्रागिकोण ओप० हांउधि। सोस यटो लि० मनिष नगर कॉम्पलेक्स 4 बगलोज जे० पी० रोट (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रतुस्ची जैमा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/5954/84-85, और जो सक्षम प्राजिकारी वम्बई द्वारा दिनाम 7-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 12-2-1985

माहर :

प्ररूप आई टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश स० ग्रई $-2^{j}38$,ईई $^{j}5968$ $^{j}84$ -85--ग्रन मुझे, लक्ष्मण दास

· आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अगिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अपीत स्क्षार प्राणिकारी को यह पिस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० दुक्तान नं० 2 जो ग्राउन्ड फ्लोर "एवरेस्ट' विल्डिंग जयप्रकाश नारायण रोड वर्सीवा अधेरी (प) सम्बई—61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के ग्रिधीन सक्षम प्रायकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अच्य बाजार मूल्य से कर के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूला, उसके द्रश्यमान प्रीतफल को पन्द्रह प्रतिशत स आपक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरती (अंतरितयो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्लीखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्द में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अभितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिशी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

जत अट, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) मेसर्स नहार जोठ एन्ड जोगानी एसोसिएटस (ग्रन्तरक)
- (2) मोहम्मद खुर्शीद रियाघ सिद्दकी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध्या गत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी अतिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीरिर स्थावर सम्मत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क मो परिपालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2 जो ग्राउन्ड फ्लोर "एवरेस्ट" बिल्डिस जयप्रकाश नारायण रोड वर्सीवा अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैन कि क्रम सं० ग्राई-2/37ईई/5968 84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बर्ग के किन्न 7-6-1984 को रिजस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक : 13-2-1985 '

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/5970/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ग्रंधेरी आशियाना को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिं०, वर्सोवा, रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे 'उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण. रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिज़स्ट्री है, तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती रजनी गुप्ता

(अन्तरक)

 श्री दुर्गादास कल्याणदास मोर्झिरिया, कर्ता ऑफ दुर्गादास कल्याणदास, एच० यु० एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता \mathbf{z}_1^{\dagger} ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मो हितव्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में विद्या गया है।.

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, जरे, 5वी मंजिल, ग्रंधेरी आशियाना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वर्सीवा रोड़, ग्रंधेरी (प०), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जसा िक कर संर अई-3; 37-ईई; 5970, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 7-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

र्लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्ग्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवाशी 1985

निदेण सं० अई-2, 37--ईई, 5971, 84--85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य, 25,000/-रा. में अधिक है

स्रीर जिमकी सं० दुकान न० 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, निर्माना-धीन इमारन, प्लाट नं० 67, सर्वे नं० 41(स्रंश), ''प्रेरना''-त्रिनेज, श्रोशित्ररा, 4 बंगलोज, आफ जे० पी० रोड़, वर्सोवा स्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के तिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्रत का प्रतिक्रत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हीलिसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुमरणः में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मर्मा प्रापर्टीन प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2. (1) श्री खान अमिरुद्दीन मासीउद्दीन,

(2) श्री खान फासीउद्दीन मासीउद्दीन, श्रीर

(3) श्री खान मोईझुदीन मासीउद्दीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूना के राजपण मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यावस द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरणः ---इगमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

"दूकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, निर्मानाधीन इमारत "प्रेरना", प्लॉट नं० 67, सर्वे नं० 41, (ग्रग्ना), विलेज ग्रीशिवरा, 4 बंगलोज, ऑफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं० अई-2, 37-ईई/5971, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

ना: 13-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत रारकार

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बुभ्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2 $_{l}$ 37-ईई $_{l}$ 5978 $_{l}$ 84-85--अतः मुझे $_{r}$

लक्ष्मण दास, आग्रकर अधिनियम..

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रा के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर एम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलट हैं 0 2, जो, "कमल अपार्टमेंटस्", 6वी मंजिल, 4 वंगलोज, वर्सोवा, श्रोशिवरा, श्रंधेरी (प०) यम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ग का मे वर्गिन हें), श्रोर जिन्न का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्व पर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अंगरित की ।ई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिक्षत से आगक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतर्शितय) के बीच एसे अंतरण के विए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देश्य से उचन अंतरण विश्वत में बास्तविक रण से किंग्द नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई कियी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उरुसे वचने में सृदिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः उत्तः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, कै, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्मिसियत व्यक्तियों, शर्थीत् :——

 मेसर्स भगत एण्ड क्पूर हाउसिंग डेवलपमेंट प्रा० लि०

(अन्तरक)

 श्री विजयन मुलीईल ग्रौर श्रीमती अण्णा कुट्टी विजयन मुलीईल

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टींकरण:—इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियंग, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लट नं० 2, जो, "कमल अपार्टमेटस्", 6वी मंजिल, 4 बंगलोज, वसोवा, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37—ईई/5978/84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा/दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ं लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बहै

तारीख: 13-2-1985

माहर:

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्गालय, सहाध्क आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई $_{l}$ 5983 $_{l}$ 84-85--अन: मुझे, लक्ष्मण दास,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र के प्रधीत सक्ष्म प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का करा है कि स्थादर सम्पित्त, जिसका रुचित वाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० एफ०, 20, जो, 2री मंजिल, निर्मला कालोनी, सेट जॉन बाप्टीस्ट रंग्ड, बंद्रा, क्षम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की द्वारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्र.धिकारी के कार्यालय, बम्बई ह रिजस्ट्री है, तारीख 8-6-1984 की व्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचर से विषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कि रती (क्वारितयों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया प्रतिफल, निम्नित्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिए तब पाया प्रतिफल, निम्नित्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिए तब

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बदत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन दो अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैनिरती द्वारा प्रकर्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्रुदिधा के लिए;

अत अत, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री वाल्टर लोबो

(अन्तरक)

2. श्री सल्वाडीर मचाडी

(अन्नरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संवंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूत्तना के राजपत्र के शकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित्वद्ध किसी अन्य काबिल द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो से किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

बनुसूची

पलट नं० ए०, 20, जो, 2री मंजिल, निर्मला कालोनी सेंट ज़ॉन बाप्टीस्ट रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2, 37-ईई, 5983, 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/5985/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इससें इसकेंप्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

धौर जिसकी सं० पलट नं० 1201, जो. 12वी मंजिल, "प्रीमिथर्स टावसं", प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 8-6-1984
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्द्र प्रतिवास से बिधक हैं. बीर जन्तरक (बन्तरका) बीर
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के तिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स लोखंडवाला डेवलपमेट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2. कुमारी शेरी लोबो

(अन्तरिती)

4. मेसर्म श्रोशिवरा लन्ड डेवलपमेंट कंपनी प्रामवेट लि०

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे हृ अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए-कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इनमें प्रयुक्त शब्दां और गर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसची

''फ्लट नं० 1201, जो, 12वी मंजिल, प्रिमियम टावर्स'' बिल्डिंग, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41(ग्रंश), 4 बंगलीज वर्मोवा, श्रंबेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई $-2/37/\xi\xi/5985/84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारी**ख:** 13-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्श

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० अर्ध-2/37/ईई/5810/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास ,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक है

मौर जिसकी मं० फ्लट नं० 606, जो, 6वी मंजिल, प्लाट नं० 1030, कविता अपार्टमटस, यारी रोड, श्रंधेरी (प०), सम्बर्ध-61 है स्थित है (श्रौर इससे उपाधद अनुसूची है श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1962 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, सम्बर्झ है रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ल) एेमी किमी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएाने में सुविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित, व्यव्तियों, अर्थात् :--32-496GI/84

1. श्री चंद्रकांत एम० पाठक ग्रीर श्रीमती दिव्या सी० पाठक

(अन्तरक)

2. श्रीमती कांता एम० लालवानी

(अन्मरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुस्ची

फ्लट नं० 606, जो, 6वी मंजिल, प्लाट नं० 1030, किवता अपार्टमें म, यारी रोड, ग्रंबेरी (पं०), बम्बई-61 है, स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि के सं० अई-2/37—ईई/5810/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6--1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज-2, बम्ब ई

नारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० [अई-2/37-ईई/5828/83-84---लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध, अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को प्यंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वदेष से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बनने में स्विधा के निए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैं व दीपक विल्डर्स प्राईवेट लिंव

(अन्तरक)

श्री अब्दुल रंगीद अब्दुल रंगाक लल्ला।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

पलैट नं 16, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं 2, प्लाट नं 16, भवानी मरोल मरोशी नगर, रोड़, ग्रंग्नेरी (पूर्व), बम्बई-59 है स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/5828/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बङ्क

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, रिमीई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश स० अर्ड-2 37-ईई, 5829, 83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट न० 13, जो, 3री मजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाटनं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रधेरी (पूर्व), बम्बई-69 है स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्भई मैं रजिस्ट्रो है, तारीख 2-6-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त मम्पत्ति का उचिन बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकष्त स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती'(अन्तरितियों) केबीच एंसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्टि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में , उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

1. मैं दीपक बिल्डर्स प्राईवेट लि०

(**अन्त**रक)

2. श्रीमती सिसिली जार्ज थाटिल

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अने व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे से किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्चा

पलट नं० 13, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग न० 2, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोइ, अधेरी (पूर्व), बम्आई-59 है स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-2/37-ईई/5829/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, घम्बई

तारी**ज:** 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1,2 फरवरी 1985

निदेण सं० अ**ई** -2_l 3^7 ईई $_l$ 5830/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्री जिसका मं० फ्लट नं० 17, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वर्ग, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं-, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

श्री अन्योनी जोसेफ फर्नान्डीस
 ग्रौर ग्लोरिया कारमाईन फर्नान्डीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास- लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

पलंट नं० 17, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

ेअनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/5830, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० अई-2_/37ईई_/5831/83-84—अतः मुझे, मण दास,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,600/- रु. से अधिक है

स्नौर जिसकी स० पलट नं०.11, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 11, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड़, स्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान गिर्मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आंर/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए,

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

1. मैं व दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिव

(अन्तरक)

 श्रीमती नीता दिलीप दलवी ग्रीर श्री दिलीप दत्ताराम दलवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

वनुसुद्धी

पनट नं 11, जो 3री मंजिल, बिल्डिंग नं 3, प्लाट नं 11, भन्नानी नगर, मराल मरोशी रोड, श्रुधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि करु मं $\xi = 2/37\xi \xi/5831/83-84$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्ब ξ द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ध-2/37अर्हर्ध/5832/83-84--अत. मुझ, लक्ष्मण दास.

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रघेरी (पूर्व), बम्बई-59, में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-6-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पदृह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा स्विधा केलिए, आंर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी ६न या अन्य आस्तियों नी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सूविधा के लिए;

अतः अदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

1 मैं दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

 कुमारी फिलोमिना भ्रोर सिस्टर एफ० बेल्लोज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि के सं 35-2/37 अई-2/37 अई5/5832/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985 🛊

मोहर 🛭

प्रक्ष आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई--2_/ 37--ईई_/ 5834/ 83--84---अतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 13, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लांट नं० 11, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मंभ्डे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एमें दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्टिशा के लिए: और/या
- (क्र) ए'सी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ उन्तरिनी बवारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, किलाने से सविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियय की भारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उनल आरे नियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. मैं० दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील मुरलीधर महामुन

(अन्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 2-0-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 13, जो, 3रीं मंजिल, धिल्डिंग नं० 3 प्लाट नं० 11, भवानी नगर, मरोल भरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37—ईई/5834/83–84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

सारीख: 12-2-1985

प्रकल साई . दी . एत . एस_{.-----}-----

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहार्यक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्राजीन रेंज-2, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश ृसं० **प्रई-** 2/37**ईई/5835/83-84-- ग्र**त मुहो, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई 59 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्तें अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन केर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा कें लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी ६ म या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

1. मैं व दापक बिल्डर्स प्रायवेट लि ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रामतः भाममुर्नाः भेख ए० मत्तारः।

(भ्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंड नं० 14, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोगी रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई 59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई- 2/37ईई/5835/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी [सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बस्बई

^{ना}रीख: 12-2-1985

मोहर 😢

1. मैं० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि० ।

2. श्रं। वाल्टर राबर्ट डिसोझा ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुवत (निरोक्षण) अर्थन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांतः 12 फरवर 1985

निदेश: मं० अई- 2/37अईई/58 37/83- 84-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269- के अधीन सदम प्राधियारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में जीधक है

और जिसक, सं० फ्लैंट नं० 301, जो, 3र, मंजितः, बिस्डिंग नं० ए० फ्लाट नं० 18, भवान नगर, मरोर मरोग, रोड़, अंधर. (पूर्व), बम्बई-59 ने स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण कर से विणित है), अर जिस्ता दरार-नामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269व, ख के अधीन अप प्राधि रार, के कार्यालय, बन्बई में रिजस्ट्र, है, ताराख 2-6·1984

को पूर्व कित सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से काम के हरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिलक रूप से किथत नहीं। किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के उन्तरक के वादित्व से कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों को, जिन्हें भारती आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिव्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 33-496 GI/85

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीले से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सम्प्रेत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 301, जो, 3रो मंजिल, बिल्डिंग नं० ए० क्लाट नं० 18, भवान। नगर, मरोल मरोशी रोड़, अंधेरी $(\frac{1}{2})$, बम्बई-59 में स्थित है।

ग्रनुसूचा जैसा क० सं० श्रई--2/37ईई/5837/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1981 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आइ^६.दी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचेना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवर। 1985

निदेश 'सं० अई-- 2/37अईई/5842/84-- 85--- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' व्यहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्तिकत सम्पत्ति को उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है...

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ङतः अब, उक्त अधिनियमे की धारा 2019-ग के अनुसरण मं, में उज़्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेहर्स वर्धन इस्टेट्न प्राथवेट लि०।

(जन्तरक)

2 श्र.मतः रेनू वर्मा।

(अन्तोरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्रैट गं० 3, जो, "ए" विंग, 4थी मंजिल, पिश श्रपार्डमेट्स, 7 बंगनोज, वर्मोजा, अंबेर, बम्बई-61 में स्थित है।

श्रानुम् जेश कि क० मं० श्रई-2/37ईई/5842/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिनार, बम्बई द्वारा दिनांक 2--6-1984 का राजस्टर्ड किया गया हा

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुदत (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, वस्बई

तारीख: 12 -2--1985

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिलांक 13 फरवरी 1985

निदेर सं० अई- 2/37-ईई/5854/84-85/- प्रत∶ मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर की धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क हो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, -3र, मंजिल, अंधेरी हार्र्टम् बिल्डिंग, प्लाट नं० 1, एतं० नं० 41 (अंग्र.), 4 बंग्लीज, दर्मीटा अधेर (4), दम्बई 58, में स्थित हैं (ओर इतसे उग्रद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से दिणत है) और जिला कराम्लामा आकर अधिनियम, 1961 क भाग 269 है, ज दे अज्ञान अम ग्राम्थि गरे के वार्यालय बन्बई में 2-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्येमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक ख्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नरे, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अज, उहार अधिनियम की धारा 269-ग छै अन्सरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारों (1) दो अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैनर्स परिमन इंटरप्रायजेस । 🗼

(अन्तरक)

2. श्रामना नगिन इस्माईन जुम्मा।

(उन्तरिती)

3 मेनसे ओशिवरा लैन्ड डब्ब्यमेट्स । क्रम्यन: प्राइवेट लि॰

> (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरः जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भो अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का , जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूचीं

पर्लंट नं० 303, जो. 3र. मंजिल, अंधेरा हाईट्स भिल्डिंग, लाउ नं० 1, एत० नं० 41(अंग्र), 4 वंगजीत, वर्सोजा, अंधरा (पर), धम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा िः क० सं० अई- 2/37ईई/5854/ 84-85 और जो सजन प्राधिकारः, बम्बई ढारा दिनांदः 2-6-1984 को रिलिस्टर्ड किया गया है।

> लङ्गण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रज-2, बम्बर्ड

तारीख : 13-2 •1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरो 1985 -

निदेश सं० ऋई-- 2, 3 7ईई/ 5,85 8/ 84-- 85- - ऋत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से औधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, है जो, शितल सोसाईट,, उस रास्ता, मांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूच। से और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुजिस्ट्री हैं, तारीख 2-6-1984

को पूर्वोच्छ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्री पोर केर दनाई।

(अन्तरक)

2. श्रीमत: ज्यात एम० पारख।

(उन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो, िलाल सोहाईटा, 3रा रास्ता, सांतानुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

प्रतुचची जैसा कि करु संरु $\frac{1}{2}$ $\frac{37 \text{ $\frac{1}{2}$}}{3585}$ $\frac{1}{84-85}$ में और जे सक्षम प्राधिकार, वम्द्र है, रा दिनांक $\frac{1}{2-6-1984}$ को रिजन्दर्श किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षमे प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरक्षिण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख 11-2-19**85** मो**ह**र :

प्ररूप आई .दी. एम . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंद-2, अम्बई

बम्बई, दिनां स्ता फरवर। 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/5865/84--85—-प्रतः मुझे, लक्ष्मण दात्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ''लाई हवेन'', जंक्यन आफ आंबडकर रोड़ और 30वा रस्ना बाँद्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण का से बणित हैं), और जिसका करारनामा आंधर अधिनियम, 1961 का धारा 2691, ख के अधीन मेजन प्राधितार, के वार्यापय, बम्बई में रजिन्द्र, हैं, तारीख 2-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषक्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः 'अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मनर्म स्टर्गिन कार्पोरेशन

(अन्तर्भः)

श्र. नंदलाल गोबलदास कल्याण.
 श्रीर भरत नंदलाल कल्याण. ।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्यरितयों

(बह क्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

- 4. अन्तरितयों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ब्रधी-हस्ताक्षरों जानता है कि बहू सम्पर्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस गें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

फ्लैंट नं० 501, जे: 5π ; मंजिल, 'लार्डस हवेन', जंक्शन श्रॉफ अंम्बेड्स रोड़ और 30की रस्ता, बाढ़ा, बस्बई-50 में स्थित है।

अनुसूच, जैसा वि ऋ० सं० अई-2/37ईई/5865/ 84-85 और जो सेक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को रजिल्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रोज-2, बम्बई

तारीख 11-2-1985 मॉहर : प्रका आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आराज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

- बस्पई, दिनान 13 फरवर, 1985

निदेश मं० अई- 2/37ईई/5873/84-85--प्रश. मुझे, लक्षण या ;

आय कर अधिनियम, 1961 (191 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर मानि, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ुसे अाक है और जिस्की स. फॅलेट मं. 204, जो, दूसरी मंजित, अपार्टमेटन'', प्लाट नं. पी-3, बीरा देशाई रोड, अधरी (प), बम्बर्झ-58 मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रह से गणित हैं), और जिसना करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269-कर के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्झ में रिजस्ट्री है तारीख 2-6-1984 को पूर्वोद्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्ति सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से ाध्कि है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अंतरण तिस्ति में

वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-गियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी अग या बिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उण्धारा (1) के अधीन, जिम्मिटिशित व्यक्तियों, अर्थान् :--

श्रित नरेन्द्र ट.० कोठार,
 एच० य० एफ०

(अन्तरक)

2 श्रा जा० एस० नायर, ओर श्रीमता सरोजा नायर के साथ

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दि। की अविध, जो भी तबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कना व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-िगर, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 204, जो, उर मजिल, 'स्यू इप्पार्टमेट्स'' एलाट नं० प्10-3, ब्रास्ट रेगडे रोड, अंधेर, (५०), ब्रम्सई 58 में स्थित है।

अनुसूच, जैसा ि क० सं० %ई-2/37ईई/~873/ *84-85 और जो सक्षम प्राधिवार, बन्बई द्वारा दिसाः 2-6-1984 को रिजिस्टर्ड िया गना है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक आजकर आयुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेज-2, अन्बर्ट

तारीच 13-2-1985 गहर: प्ररूप आई टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाय्क जारकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज-2, अम्बई

बस्पंडी, दिनांका 12 फायरी, 1985

निदेश: स० अई 2/37ईई/5881/84-85--अत , मझे, लक्ष्यण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-इ के द्यानि सक्ष्म प्राधिकारी को यह किरवाम काने का नारण है कि स्थावर समागि, जिमका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रा में अाफ ही

और जिसका स० फ्लैंट न० 18, जो 4था मजिल, बिल्डिंग न० 1, प्लाट न० 6, भदार्न नगर मरोल मरोर्ग रोड, अधर्ग (प्रें), बम्ब्इं 50 में रियत हैं (और इससे उपाव अतुसूता में और पूर्ण का से विणा है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, एक के अधीन सक्षम प्राधिकार, वे वार्यालय, दम्बई में रिजर्ड़ी, हैं, तारीख 2-6-1984

की पूर्वीक्त सम्पत्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को निए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिश्त में पिटक है और अतरक अतरकों) और अतरिती (अतिरितिमी) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य से उक्त अतरण ितिसित में वास्तियक हुए से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अतरक स हुई किसी आग की बाबत, उवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर जनार्थ बतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के तिए,

अत अड, उक्त अधिनियम की धारा 1269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निरनिटिश्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैं द द पक बिल्डर्स प्रादवेट लि ।

(अन्तरक)

2 श्र अशोक अनतराय मुरावाला।

(अन्तिरिती)

ां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति। के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सचना के राजगा में प्रताशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यवित्यो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनि , जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त जीध-नियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

पत्रैट न० 18, जो, 47, बिल्डिंग न० 1, प्लॉट न० 6, भवानः नगर, मराल भरोर्गः रोड, अधर, $\left(q^{\frac{1}{2}}\right)$, बम्बई 59 मे स्थित है।

स्रनुम्चो जैला कि कि सं सई - 2/37ईई/58 81/8 4-85 और जो सेक्समार्थिकारा, बस्बई द्वारा दिलान 2-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल्डमण दास पक्षम प्राविकारी सहायक आक्तर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेश-2, वस्बई

तारीख . 12-2-1985 मोहर प्ररूप आई.टी एग एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, बम्धई

बम्बई, दिनांव ह12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई- 2/37 ईई/5882/84-85--श्रत , मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके एक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसके: मं० फ्लैट नं० 9, जो, 2न मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लॉट नं० 16, भवानी नगर, मरीज गरोश: रोड, अधरो (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूर्व: में और पूर्ण रूप से बणिन हैं), और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सेक्षम प्राधिकार, के बार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्र। हैं, हारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्रें यह दिश्वाम करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जिध्क है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य में उक्त अंतरण दिशिकत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अिश-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविक्षा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिशित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मैं० वापक बिल्डमं प्रायनेट लिं०।

(भ्रन्तरकः)

2 श्राः प्ररुणशांत मल्होता ।

(श्रन्तरितः)

को यह मूचना आरी करकं पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अकीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के अध्याय . 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

परीट नं० 9, जो 2रो मिजिन, बिल्डिंग नं० 3, प्लॉट नं० 16, भवानो नगर, मरोल मरोणा रोड़, अधेरा (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूत्रा जैमा कि कर मंग अई-2/37ईई/5882/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-6-1934 को रिजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

प्तारीख 12--2--1985 गोहर प्रम्ण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगकर आगुक्स (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्यई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० अई-2/37ईई/5883/84-85--- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो 1नी मंजिल, बिस्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधर, (पूर्व, बस्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित् है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्ब्ई में रजिस्डी है, तारीख 4-6-1984

को पूर्वोब्द सम्पत्ति के उचित वाजीर मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोब्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पितफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34—496GI/84

1. था० दीपाः बिल्ड्सं प्रायवेष्ट लि०

(अन्तरक)

2. श्री ग्रन्थोन। संनास

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अजीधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहरताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

 फ्लैट नं० 5 जो, 1ली मंजिल, धिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 7, भवानं, नगर, मरोल मरोशी रोड़, अंधेरो (पूर्व), अम्बई 59 में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि कि सं श्राध-2/37ईई/5883/84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण चास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैंन देंज-2, **बम्बई**

तारीख:12- 2- 1985

मोहर 🦞

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन-?, बम्बई

बम्बई, दिनांबा 12 फरवर्। 1985

निदेश सं० ग्रई- 2,37ईई,5885/84-85---ग्रन1 मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके त्रियमान प्रतिफल का पद्गह 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्राम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, 3र, मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 11, भवानी नगर, मरोल मरोर्ग, रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार नामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-6-1984

को पूर्वांक्य सम्पित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- ं(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री दीपक बिहर्ड्स प्रायवेट लि॰

(अन्तरक)

2. श्री प्रवतार गिह को० गिल 🖢

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- *(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 11, भवानं: नगर, मरोल मरोषा रोड, अंधेरा (पूर्व), बम्बई 59 में स्थित है।

भ्रनुसूच। जैसा कि कि सं० अई- 2/37ईई/5885/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12-2-19**85** मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/5886/84-**€5- - ग्र**त मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अर जिसका सं० पलैंट नं० 1, जो, 1ली मंजियु बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 15, भवाना नगर, मरोल मेरीशा रोड़, अंधरी पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), और जिल्ली करार-जनामा आराहर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधार सक्षम प्राधिकार, के वार्यालय, बम्बई मे रिजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल है, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

ं अतः. अटः, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मौ, उदय अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) वे अभीना, निम्नियिखित व्यक्तियों, अर्थातः — 1. मैं० दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(अन्तरक)

ं 2. श्री पी० सुरेश मेनन

(ग्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, जो, 1ला मंजिल, विल्डिंग नं० 4, ण्लाट नं० 15, भवान, नगर, मरोल मरोश, रोड़, अंधंरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैसा कि क्रू० सं० श्रई-2/37श्रईई/5886/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वाता दिनाक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासँ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, वस्बई

तारीखः 12-2-1985

मोहर 🖫

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

ि निवेश सं० ग्रई-2/3 र्राईई/5887 र 84-85-- ग्रत मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 6 जो 1ली मंजिल बिल्डिंग नं० 4 प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड ग्रन्धेरी 'पूर्व) बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और (पूर्ण) रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन प्राधिकारी सक्षम के कार्यालय घम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4~6—1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने, या उससे बचने मं सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अबं, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री दीपक बिल्डम प्राइवेट लि०

(भ्रन्तरक)

2. श्री विल्यम साजगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजगत्र म प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी व्यक्तियों एर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाच निष्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याम 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है:

अनुसूची

पलैट नं० 6; जो 1ली मजिल बिल्डिंग नं० 4 प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुभूची जसा कि क्रमं० ग्रई-2/37ईई/5887/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दारा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीय: 12-2-1985

मोहर ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयकत (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985
निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/5888/83-84--ग्रत मुझ,
लक्ष्मण दास

ओंप्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीर सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 603 जों 6व मंजिल बिल्डिंग ए० प्लाट नं० 18, भवानी नगर मरोल मरोकी रोड, श्रन्थेरी (पूर्व) वस्बई—59 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में र्जिस्ट्री है तारीख 4-6-1984।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल, के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह दिश्यास करने का तरण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अणिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिशित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे तचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा जकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (प्र)। के अधीन, गिम्निगिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री दीपक बिल्डमें ब्राइबेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रक्ष जे० बेलवलकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्) इस मूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इससूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक्ष्य स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पांच लिखित में किए जा स्कांगे।

स्पण्टीकरण: --- इसम अस्वत अयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त आधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहाँ अर्थ हागा का उस अध्याय मी दिया गया ही:

अनुसूची

फ्लैंट नं० 603, जो 6वी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए० प्लाट नं० 18, भवानी नगर मरोल मरोगी रोड, श्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/5888/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6- 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास .सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1984

निदेश सं० प्राई-2/37ईई/5889/84-85--प्रातः मुझे, लक्ष्मण हास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 11 जो 2री मंजिल विलिखग नं० 2, प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोगी रोड ग्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का हारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अव, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(श्रन्तरक)

_ 2. श्रीमती मुबोन रेहन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सूर्षें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शंच तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं ।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, जो 2री मंजिल बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, ग्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं।

प्रमुम् जैसा कि क म० प्रई-2/37ईई/5889/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, अम्बई
यम्बई: दिनांक 12 फरवरी (1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/5890/84-85--- म्रतः मुझे, लक्ष्मण वासः

अप्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं० 7, जो 2री मंजिल बिल्डिंग नं० 3 प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, ग्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई—59 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्राधिन्यम 1961 की धारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब माया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण नेलियत में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से डुर्ड किसी आय की, बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा केलिए;

अंत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ..., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। 3 अधीन, निम्निनिक्टित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

2. फेब्सिवा रशीद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ल) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स्से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अन्सूची

पलंट नं० 7, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोणी रोड, ब्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई- 59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/5880/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर

आयकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी. 1985

सं० ग्राई-2/37ईई $^{\dagger}5892/84-85$ —ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा से अधिक है

और जिसकी मंख्या दुकान न० 3 जो, ग्राउण्ड फ्लोर ओमेक्स ग्रागर्टमेंटम मर्वे० नं० 41, एव० नं० 18, सहार रोड बिल पार्ले (पूर्व) वम्बई में स्थिन है (और इसमे उपा- खद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है)और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूटिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

डत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्निलिक्ति ध्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ग्रहा मनीलाल हिरजी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री महा अवचार राववजी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनिग्रम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3 जो ग्राउण्ड फ्लोधर ओमेक्स ग्रपार्टमेंटस सर्वे० नं० 41 एख० नं० 18 सहार रोड विले पार्ले (पूर्व) बस्बई में स्थित हैं।

ग्रन्सूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/5892/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🖫

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 फरवरी 1985

स० ग्रई-2/37ईई/5894/84-85 — ग्रतः मुझे, लक्ष्मण रदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक ही

और जिसकी मध्या फ्लैट न० 604 जो 6वी मंजिल बिल्डिंग प्राइम्स रोज, प्लाट नं० 318 एस० नं० 41 (अण), 4 बंगलोज, वर्मावा अन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसने उगावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन हैं) और जिन्हा परास्तामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 रुज के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्जिन्से हैं नारीब 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, जटा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 35--496GI/84

1. मैसर्भ यस्मिन ग्रारगोरेणन।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती स्कमणी मोहन सिह् हिदुधा और श्रीमती काचन दीपक हीदृधा ।

(ग्रन्तरिती)

4. मैसर्स ओणिवरा लैण्ड डेवलपमेट कम्पनी (प्राइवेट)

(बह र्व्याक्त जिसके बारे मे भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबङ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त कब्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 604 6थी मंजिल बिल्डिंग प्रार्डम्स रोझ, प्लाटन० 318 एस न० 41 (अंश), 4 बंगलीज दर्मीवा धन्धरी (प०) बम्बर्ट-58 में स्थित है।

श्रातुमूची जैसा कि ऋम सं० श्राह्म $-2^{1}37$ ईई $^{1}5894^{1}84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजेन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10-2-1985

मोष्टर :

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

सं० ग्र $^{2}-2/37$ हेर्र्/5895/84-85 —- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आएकर अधि थिम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क है नि स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट ने० 203 जो 2री मंजिल "रीचमण्ट लिंडग प्याट ने० 13 न्यू प्लाट ने० 345 (ए०) एर ने० 41 (अश), 4 बगलोज, दर्सोवा ग्रन्थेरी (प बम्बई -58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ौर पूर्ण म्य से विणत है) और जिसका करारनामा यकर ग्रीधित्यम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन का प्राधितायम वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख '-6-1984

को पूर्वोक्त र ित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लि जन्ति रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण के कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्त ज के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उ अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया एक हैं:—

- (क) अ रण से हर्जुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑगियम के अधीर कर देने के अन्तरक के दोल्द में बसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1722 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था । किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उतः अव, क्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स एल० झेड० इन्व्हेस्टमेंटस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नझीरग्रहमद इस्माईल शेख।

(म्रन्तरिती)

4. मैंसर्स ओशिवरा लन्ड डेवलपमट कम्पनी प्राइवेट लिए।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

फ्लेट नं० 203 जो 2री मंजिल "रिचमान्ड" बिल्डिंग प्लाट नं० 13 (न्यू प्लाट नं० 345) एस० न० (345) एस० नं० 41 (अश), 4 बंगलोज, वर्सोवा ग्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/5895/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को र्राजटर्स्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेग स० ऋई→2/37ईई/5896/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिपकी मं० पलट न० 204 जो 2री मजिल रीचमाड विलिश्ग प्राप्त न ० 13 (न्यू नं० 345-ए) एस० न० 41 (अग), व बगलाज, दर्सोजा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुमूची मे और पूर्ण रूप से र्वाणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायांलय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल द्धयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशतः से और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिस्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया ह**ै**:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करेने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

उत[्] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स एल० जेड० इन्वेस्टमेटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शहनाज नजीर शेख।

(भ्रन्तिरती)

(4) मेसर्स ओशिवरा लैन्ड डवलपमेट कं प्रा० लि० (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधेहरताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अविध या तलांबंधी विकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की विधि जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, विशेष पूर्व ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रशाबन के नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर मर्पा। में जिल्हाप्य किसी अन्य व्यवित द्वा अवाह एउनी के पाम लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उतत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस ए तय भे दिया गया ही।

वनुस्ची

पलैट नं० 204 जो 2री मंजिल "रीनमा उ" बिल्डिंग प्लाट नं० 13 (न्यू० नं० 345 (ए०) एए०० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा श्रन्धेरी (प०) दावर्ड-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि फ्र मं० ग्रई-2/37ईई/5 96/64-85 में और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा ितंक 4-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्ष्य प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय*वर (नि*रीक्षण) ग्रर्जन जिल्हा वस्वई

तारी**ख**ं 13-2-198**5** मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π र्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 सं० ग्र\$-2/37ईई/5897/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण

दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी फ्लैंट नं० 402 जो 4थी मजिल विल्डिंग ग्रीन फील्ड—बी० प्लाट नं० 333 एमं० नं० 41 (अंग) 4 बंगलोज वर्सीवा ग्रन्धेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह किरवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल मे, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वाद से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और श्रंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— 1. मैसर्स यस्मिन कारपोरेशन।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती झरीना रहीम थरीयानी और श्री सुलतान रहीम थरीयानी।

(ब्रन्तरिती)

4. मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवलपर्मेट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, दो भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितब्द्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

फ्लैंट नं० 402 जो 4थीं मंजिल बिल्डिंग "ग्रीन फील्ड बीo" प्लाट नं० 333 एस० नं० 41 (अंग) 4 बंगलोज वसीवा म्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई $-2^{j}37$ ईई ${j}5897/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/5899/84-85'--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण

दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
2'69-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समात्ति, शिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं०-5 जो 1नी मंजिल प्रभुवन्दन को-श्राप० हाउसिंग सोमाईटी लि० प्लाट नं० 7 वीरा देसाई रोड ग्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कुख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मणित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 कुमारी भ्रामालना रामनाथ प्रभू (श्रव श्रीमती भ्रामालना सुभाष कामथ) और मुनील रामनाथ प्रभू

(अन्तरक)

2. श्री गणपति शिवराम बोरकर।

(अन्त(रती)

3. श्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. महाराष्ट्र को-श्राप० हार्जीनग फायनान्स सोमाईटी लि०।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।)

कां यह सूपना जारी करके । विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपीर के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूसूची

फ्लैट नं० 5, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 7. प्रभुवस्दन को-म्राप० हाउसिंग मोमाईटी लि०, बीरा देसाई रोड, म्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क सं० अई 2-37ईई 15899/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई.टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2 बम्बई
अम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निर्देश स० भई-2/37ईई/6100/84-85 ---श्रत मुझे, लक्ष्मण हास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथानर समात्ति, पिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु स अधिव है

और जिसकी सख्या पर्गेट न ० 701 जो 7वी मिजित लैं इस एण्ड एविंग जे० पी० रोड, 4 बनलाज मन्धेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है। और इसरो उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से बीणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-6-1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरिक (अतरिकों) और अत्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

1 श्रीमती कला भोलोतिया।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती रोशनबाई श्रकंबर श्रली खाकी।

(श्रन्तरिती)

3 अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सपित्त के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अरिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्तं स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो हा, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विख्य गया है।

अनुसूची

पर्लंट न० 701 जो 7नी मजिल लैंग्डस इन्ड ग-विंग जें० पी० रोड, 4 बगलोज अन्धेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क स० श्रई-2/37ईई/6100/84-85 और जो सक्षन शाबिकारी वस्बई द्वारा दिनाक 14-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2 बम्बई

तारी**ख** 13-2-1985 महर

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6106/84-85:--ग्रन मुले, लक्ष्मण दास ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-इ के अतीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह कि द्वास करने का कारण है कि स्थायर समात्ति, निसंका उकित बागर नृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी मं० फोट नं० 101, जो 1 ली संचित बिल्डिंग नं० 7 विलेज ओगिवता, वेहराम ताम के धीरे, जोगेश्वरी '(ए०) बस्यई-58 में स्थित हैं (और उससे उपा-बद्ध प्रमुस्वी में और पूर्ण कप से जिंगत हैं) और जिसका करारनामा अधिकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वर्ड में रिजस्ट्री हैं तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिख उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्क अित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियस की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, मिस्नलिकित ज्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री यशिन एम० इम्राहीम।

(श्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्नैंट नं० 101 जो 1ली मंजिल बित्डिंग नं० 7 विलेज ओणिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्टरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

प्रतुस्ती जैपा कि क पं० ग्रई-2/37ईई/6106/94-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई मारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मॉहर:

आयवार अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/6115/84-85'—यनः मुझे, लक्ष्मण दास.

आगवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एड्वार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 2/8/9-इन के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है हैं स्थानर समासि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000, - रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, विलिंडग, नं० 6, विलेज श्रोशियरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपायछ अनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, सक्षा प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्ट्री है, तारीख 15-6-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बागार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एं इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पारा रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त उधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अिनियम की धारा 269-च की जपधारा (1) के अधान, निम्निसिस व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2 हलीम(बी इब्राहीम कादी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हो।

उक्त संगीत के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सें कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (स) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्वच्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, व्ही अर्थ हांगा पो उम् अध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

पर्लंड नं० 101, जो, ाली मंजिल. बिल्डिंग नं० 6, विलेज ओणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०), अम्बर्स-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6115/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

भाहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां । 13 फरवरी, 1985

सं० अई-2/37ईई/6147/84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पर्लंट नं 1, जो, ग्राउण्ड पतोअर, रोझ पटेल'' इमारत, प्लाट नं 12, टी० पी० एस० 10, न्यू बेरोनिहा स्ट्रीट, बन्द्र, धम्बई—50 में स्थित हैं ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, धम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्त रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्यं, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है जीर अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बृधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36—496GI/84

श्री अब्दुरूब्ब निश्रधार।

(अन्तरक)

श्री वैजनाथ प्रसाद
 श्री टेनन्ट ऑफ
 प्रकाश शंकर वाध

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए≣ कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

पलैट नं∘ 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत 'क्रीम पटेल'' फ्लाट नं∘ 12, टी॰ पी॰ एस॰ 10, न्यू ब्रेडिंटिका स्ट्रीट, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/3 केंद्र 6137/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

वारीख: 13-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बर्ध

धम्बई, दिनांक 13 फर्रवरी 1984

सं अ अ - 2/37 **ई ई**/6141/84-85: — अस मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या दुकान नं 4, जो, ग्राउण्ड क्लोअर, मारत ग्रीन फील्डस, प्लाट नं 333, एस० नं 41 (श्रंग), 4 बंगलोज, वर्सोदा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय: बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-5-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के प्रित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय खायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

 डा० अब्युल सईद अब्दुल हमीद पटेल घौर श्रीमती जेस्सीका ए० पटेल।

(अन्तरक)

 भरीना रहीम थरीयानी भीर श्री सुलतान रहीम थरीयानी।

(अस्तरिती)

4. मैंसर्स घोशिवरा लैन्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

> (वह कम्पनी, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है।

कां यह सूचता जारी करके पर्वोक्त सम्पन्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाइन की सारीख से 45 दिन की अदिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हन्नेगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीः

दुकान नं० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत ग्रीन फील्डस, प्लाट नं० 333, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगलोज, बर्सोवा अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/3-7ईई/6141/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टङं किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बई रै

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

सं० अई-2/37ईई/6143/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, बिलिंडग, केनमोर, प्लाट नं० 346, एस० नं० 41 (ग्रंग,) वर्सोवा, अन्वेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम: प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है, सारीख 14-6-1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बरेय से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

1. श्री राम बुलोमल मखीजा।

(अन्तरक)

 श्रीमती ग्रंकित देवी भौर श्रीमती लूनिता नायुर।

(अन्तरिती)

4. मैंससं श्रोशिवरा लैंग्ड डेवलपमेंट कर्म्पनी (प्राइवेट) लि ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में अधिकार गया है।

अमुसुची

फ्लैंट नं॰ 301, जो, 3 री मंजिल, बिलडिंग, केनमोर, प्लाट नं॰ 346, एस॰ नं॰ 41 (ग्रंश), वर्सोवा, अन्धेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० 2/37ईई/6143/84-85 में श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **धास** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

तारीख: 13-2-1985

प्रस्थ आइ.टी.एन.एस.------

औयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ह-2,37ईई,6151,84-85- अत मुझे, सक्सण दास,

भायकर अधिनियम, 19'81 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 51, जो, 5 वी मंजिल, ए०-विंग, प्लाट नं० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-आप० हार्डीसंग सोसाइटी लि०, भोशिवरा विलेज, 4 बंगलीर के बाजू में, वसीवा, अंधेरी, धम्बई में स्थित है.(श्रीर इससे उपांबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विंगत है), भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अवीन सक्षम प्राधिकारी, अम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14-6-1984,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्षे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ट्रीईका कन्स्ट्रअशन कम्पनी।

(अन्तरक) .

(2) श्रीमिति सुलगा जयन्त कुलकर्णी प्रौर श्री जयंत कृष्णाजी कुलकर्णी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपित् के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अपिश्र, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्यत स्थादर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः— इसमी प्रयादन शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनिरम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, यही अर्थ हतांगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अनुसूची

"प्लेट नं० 51, जों, 5 वी मंजिल, ए-विंग, प्लाट न० 24 श्री स्वामी समर्थ प्रमन्त को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, (निर्माणाधीन इमारत) एस्० नं० 41 (श्रंश), श्रोशिवरा विलेज, 4 वंगलाज के काजू में, वर्मीवा, श्रंधेरी, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि नि अई-2/37ईई/6151/83-84 मि स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बई

तिरीख . 13-2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2, 37ईई, 6158, 84-85-- अतः मुझे,

्लुक्मणदास, कैयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनिक्ती सं० पनेट नं० 201, जो, 2 री मंजिल, विल्डिंग नं० 10, तिन्ज श्रोशितरा, बेहराम बाग केनी छे, जोगेण्यरी (प) बन्नई-58 में स्थित है (श्रीर इत्सं उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की बारा 1931 के बन्दा 269 के ब के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बन्बई में रजिस्ट्री है तारीख 15-6-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ट्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिसत्त स अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

्र अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अयूव मोहम्मद इस्माइल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपि। जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हामेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, विल्डिंग नं० 10, विलेज, श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगैश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2, 37ईई, 6158, 84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ब्रम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

💡 अर्जन रेंज, बम्बई

पन्धई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश स॰ **अई-**2_/ 37**ईई**/61**5**9/84**-8**5-- अतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 19'61 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पनेट नं० 10, जो, बी० विंग, आनन्द प्रकाश 2, कोंडिविट्टा, एम०अ.ई०डी०सी० इस्टेट, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क व के अवोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालव, वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 15-6-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या. उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थत् :--

(1) श्री ६ सीप आए० देवरस ।

(अन्सरक)

(2) श्री बी॰ फर्नान्डीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रैकाक्षन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत पिक्तमों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

"फ्लेट नं० 10, जो, बी० विंग, आनन्द प्रकाश 2, कोंडिबिट्टा विलेज, एम०आई। डी०सी०, इस्टेट, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूरी जैसा कि ऋ० सं० अई-2, 37ईई, 6159, 84-85 भीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासे सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

माहर:

प्रक्ष बाह् , दी. एन. एस.------

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुम्बा

नारत वरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बद्ध

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

सं० **अई**०-2/37-**ईई**०/6160/84-8**5--- अ**तः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के गथीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25 000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो 6वीं मंजिल, विल्डिंग नं० 8, व्हिलेज भोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इसते उपावद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अध्वार प्रेस्ट है तारीख 15-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार शुरूप से कम के दृष्यमान प्रतिफान को लिए अन्तरित की गई है और पूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम नावा गया प्रतिफल निम्निशिवित उद्देश्य से उसते जंतरण किवान में वास्तिक स्थ के कांधित महा विद्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे अचने में मिजधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जान्नियाँ की, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियस, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन्निक अधिनियस, या भन्निक अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ सन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया सभा चाहिए था कियाने में नुविधा के सिए.

कतः वय उक्त निधीनयमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त निधीनयमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खतं व्यक्तियों. वर्धातः :--- 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2 श्री गुलाम शफी साहुत अहमद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता है।

बक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🏣

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचत स्विसत्यों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थरहोक रण: ---इसमें प्रयक्त कस्यों और पर्यो का, जा उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही क्यं हाना जो उस अध्याय भ विका न्या हैं।

अनुस्ची

"फ्लैंट नं० 604, जो 6वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, किंहलेज भोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37-ई०ई०/6160 84-85 ग्रौर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, वम्बई

तारीख: 13-2-1985

माहर:

प्राक्य बाइ^र.दी. एवं. एसं.,------

कायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आध्वक (निश्विषण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 13 फरवरी, 1985

सं अई०-2, 37-ई. ई०, 6162, 84-85--- अतः मुझे

लक्ष्मण दास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका नित्त बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 34, जो योगी कृपा को० आप्र० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 15. मनिष नगर, जे० पी० रोड श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का 269 क-ख प्रारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय वम्बई में रजिस्ट्री है सारीख 15.6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपृति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्वेदेश से उदत अन्तरण सिंबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण ये हुई किसी जाम की बायत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्धरक के दाजित्य में कभी करने ना उससे अभने में मुन्तिया के सिए; सौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को बिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या भन कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अधिनियस, वानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वक्ष मा किया वाना चाहिए चा क्रियाने में सादवा के निए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् ह्या 1. श्री जेप्पू वसंतराव

(अन्तरक)

2. श्री टेक्काटटे विनोद शानभाग

(अन्तरिती)

स्त्री श्रह सुमना कारी करके पृत्रानित सम्पृतित के अर्थन के निए कार्यगाहियां करता ह्या।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन .की तारीस की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्घना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थ्यतिकरणः--इसमं प्रयुक्त एव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

मनुसूची

"पर्लैट नं ० 34, जो योगी कृपा को ० आप ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं ० 15, मिनिज़ नगर, जे ० पी० रोड, श्रंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से आई०-2,37-ई ई०-6162, 84-85; भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 15 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, प्रश्नम प्राधिकारी सहायक आयकर अक्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, अम्बई ।

तारीच : 13-2-1985 ।

मोहरु 🕄

ब्रक्ट बाहुं हो हो, प्रस्त प्रस्त ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-इ (1) के नभीन सूचना

भारत सत्रकार

कार्यांसय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई, बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

सं० अई०-2,37-ई०ई०,6164,84-85-- जतः मुझे,

ृत्यस्मण दास भीतकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम् प्राध्कियी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/-रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 402, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1 व्हिलंज श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), धम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से से वर्णित है) श्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाब वितिकत के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक से लिए तथ पाया जवा प्रतिकात. निम्निसित्त उद्देश्यों से उच्छ अन्तरण निमित्त के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी वाय की बाव्यं, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्यं में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी लाय मा किसी भन वा अन्त वास्तिमों का जिल्हें भारतीय जाय-केंद्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्मिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात हिन्स 37—496GI/84 1. श्री क्षियाउदीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री शेख अब्दुल हमीद अब्दुल रहीम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कहता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सनाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए जा सकें है।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्दर्शी

"क्लैंट नं० 402, जो 4थी मंजिल, बिस्डिंग नं० 1, व्यालेज श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई०-2/37-ई०ई०/6164/84-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

(जक्ष्मण दास) सक्षम शाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ⁷ज-2, **बम्बर्ध**।

तारीच : 13-2-1985

मोहार 🗈

प्रसम् आर्षे हो पन प्रस

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व ((1), के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, विनांक 13 फरवरी, 1985

सं॰ आई॰-2,37-ई॰ई॰-,6190,84-85—अतः मुझे खक्मण दास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं॰ फ्लेट नं॰ 1 (एन॰ ६०), जो पहली मंजिल (निर्मानाधीन इमारत), "मार्था प्लेसें", प्लाट नं॰ 385-बी॰ भवानीमाता मार्ग, कैंसर रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान वितिक्त के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा स्टेसिए; बॉर/मा
- (व) ऐसी किसी काम या किसी भन या बन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सविधा के लिए;

वतः ववः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्निविचित व्यक्तियों, अधीत् :--- मेसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मरीया ए० कोयेलो श्रीर श्रीमती फातीमा अन्योनी कोयेलो ।

(अम्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रोतित के वर्षन के जिए कार्यमाहियां सुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

प्लट नं० 1 (एन ई०), जो पहली मंजिल, "मार्था प्लेस," प्लाट नं० 385-बी०, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, ब्राधेरी (प), श्रम्शई-58 में स्थित है (निर्मानाधीन इमारत)।

अनुसूची जैसा कि कि क सं आई०-2,37-ई०ई०,6190, 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-48 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष नाइं्टी_एन ,एस् । ======

माधक दुर्गिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) के मधीन सुम्ता

1. मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शनस,

(अन्तरक)

2. श्रीमती वाय० मास्कारेहुन्स।

(अन्तरिती)

भारत ब्रह्म

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धम्बई, दिनाक 13 फरबरी 1985

निदेश सं० अई०-2, 37ई ई, 6191/84-85- अत: मुझे, 'सक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित माजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 10 (एस०ई०), जो 3री मजिल मार्था पंलीस, फ्लाट न० 385-बी, भवानी माता मार्ग, सिसर रोड, अधेर। (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं सारीख 15-6-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियोँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण निम्निलिखत से काथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: बॉर/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश सं
45 दिन की अवधि या तत्सवधी ब्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतद्व पूर्वोड्ड ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति इतायः;

(क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारं, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्त्जी

फ्लैंट न० 10 (एस० ई०), जा 3री मजिल, "मार्थापलेस" प्लाट न० 385-बी०, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड,श्रधेरी, (प), श्रम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सी० आई०-2,37-ईई,6191,84-85 श्रौर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 15-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, धम्बई ।

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ६—

नारीख 13-2-1985 मोहर प्रस्त आहें _ टी. एने _ एस... -----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अभीन सूत्रना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी, 1985 स० आई०-2/37-ई०ई०/6193/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दामः

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रा में अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० मैटर्निटी होम (बेसमेट क साथ), जो ग्राउड फ्लोर विजय राज" 229, एस० वी० रोड, बाद्रा (ए), बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टर्ड है तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित्त की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरक संहुई किली बाय की बाबत, उक्क वृधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्य में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ण) एसे किसी जाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए !

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) विकासित, निम्निविद्या व्याधिसमुगों, अवस्थि :--- 1. मैसर्स विजय राष एण्ड आसोसिएटस्

(अन्तरक)

2. श्री बन्सी लाल बी० कुकरेजा (ट्रस्टी आफ शैलेश कुकरेजा ट्रस्ट)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्महित के वर्षन के सम्बन्ध में कहि भी वाक्षेप "---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकींगे।

स्वकटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस कथ्याय में दिया प्रवाह ।

मन्त्रकी

',मैंटानंटी होम (बेसमेंट के साथ), जो ग्रउन्ड फ्लोर, "विजय राज" 229, एस० वि० रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-2/37-ई०ई०/6193/ 84-85 भ्रौर सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनाक 15-6-1984 को रिजस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी **बहायक नायकर वायुक्त (विरीक्षक)** अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

सारीख 13-2-1985 मोहर

प्रकृष वार्ष _स्रों स्ट्र प्र_ा-----

नायक उनिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

MIST SERIE

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

सं० आई०-2/37-ई०ई०/6194/84-85---यतः मुझे जक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उर्देशक बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं उद्यान नं 1 ग्रीर 2 (बेममेंट के साथ), जो ग्राउन्ड फ्लोर, विजय राज, 229, एस० वि० रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से काम के क्ष्यमान प्रतिफास के सिए जन्तरित की गई है और मुके यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफास से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफास का बन्द्रष्ट प्रतिक्षत से जिथक है जीर नंतरक (वंतर्डकों) नौर जंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे बंत्रण के सिए त्य पाया प्रया प्रति-फास निम्नसिचित उद्वोष्य से उनत जन्तरण सिचित में बास्सविक क्य से कांचत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की वावल, कक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के जन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा भी लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तर्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जें सविधा के सिष्टु;

श्रतः श्रवः, उत्तरं विभिनियमं की भारा 269-ण की अनुकरण मं, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीमः, निस्नीसीचतं व्यक्तियों, संभात ह--- 1. मैसर्स विजय-राज एण्ड एसोसिएटस्

(अन्तरक)

2. मै० कु करेजा सिलिंग एण्ड इनसीवेस्टो प्राइवेट लिमटेड (अन्तरिती)

का शृह सूचना चारी काडके पूर्वोक्य संपृत्ति भी वर्षन् के जिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫 🔻

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्तकपुरा:---इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदी का, वो सक्य जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

BREE

दुकान नं० 1 भीर 2, (बेसमेंट के साथ), जो विजय-राज, ग्राउन्ड फ्लोर, 229, एस० वि० रोड, बाद्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० 2/37-ईई/6194/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2, बम्बई।

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖇

हरून बाह[®]् दी_ं दुन_ं हुए_ं व ± प्र व्यक्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

TEN VENEZ

कार्याजय, ब्रह्मयक नायकर नायुक्त (निर्द्रीकन्)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं · अई · - 2/37-ईई/6901/84-85---अत: मुझे लक्ष्मण दास

बावकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त सभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 (दक्षिण), जो ग्राउन्ड फ्लोर, "अल्पीन" प्लाट नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम \llbracket प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 15-6-1984 को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित काजार मुख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच धेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नसिवित उद्देश्य से उन्ते सम्तर्ण निवित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है टे---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने ना उत्तरे बचने में सुनिधा में लिए; भौड़/बा
- (का) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भनकर **मिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-**नार्थ बन्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना भाहिए था क्रियोजे में सुविधः के Part 1

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥--

1. मैसर्स गिरीराज एसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती फेलिक्स फर्नान्डीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निए कार्यनाहियां करला हुं ।

लक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ८ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों स्थना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 1 (दक्षिण), जो ग्राउन्ड फ्लोर, "अल्पोन" प्लाट नं ० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई०-2/37-ईई/6901/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

मुक्त हार् हो एक एक अन्यन्त्रकारकार

नायकर निर्मागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में नुभीन स्पना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयंकर नायुक्त (निरांशिक) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० अई०-2/37-ई०ई०/6902/84-85---अतः मुझें, सक्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) '(बिक्ट इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित गणार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5 (दक्षिण), जो 2री मंजिल, "अल्पीन" फ्लाट नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिछ तय पाया भया प्रतिकस, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्त्रीक्स रूप से कवित गड़ी किया गया है है—

- '(क) अन्तरण से हुन्हैं किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, नवाँत् हि—- 1. मैसर्स गिरीराज एसोसिएटस्

(अन्तरक)

2. मै॰ आगापीत मार्टीन मोडिन्हो।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीय से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्हींकरणः --- इसमें प्रयुक्त पान्यों और पर्यों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

"क्लैंट नं० 5 (दक्षिण), जो 2री मंजिल, "अल्पीन", प्लाप्ट नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, धंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37-ईई/6902/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 23-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

पुरुष बाह्". टी. एन. एस., -----

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

प्राह्म सरकान

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देक्त)

प्रजैन रें ज, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरनरी 1985 निर्देश सं० धई-2/37ईई/6903/84-85- यतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर शिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो, इमारत नं० 4 सी, ग्राउन्छ पतोर, वर्षीता व्यू की-ग्राप० हाउसिंग सीसाइटी लि०, 4 बंगल ज श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 23~6-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का नन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) नम्तरण से हुन्द्रं किसी बाय की बावत अन्तर वाधि-नियम की नभीन, कार की में अन्तरक की बायित्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अबुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) बैं क्ष्मिक निम्नलिश्चित स्पृक्तियों, सर्भात् ट्र~~ (1) श्री मोहनदास एच० मेहतानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति मनजीत कौरगंभीर।

(3) अन्तरक ।

(भ्रन्तस्ति)

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

लक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवाँ का, को उक्त निवयम, के अध्याय 20 को में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गवा है।

अमृत्यी

फ्लेट नं 4, जो, इमारत नं 4 सी, ग्राउन्ड फ्लोर, वर्सोवा, व्यू को-ग्राप हाउसिंग मोसाईटी लि , 4 बंगलोज, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि नं० सं० प्रई-2/37ईई/6903/84~85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत्र-2, बस्बई

तारीख: 13-2-1985

सोहर 🛭

प्रारूप आह्रै.टी.एन.एस.------

जायकार भौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभौन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य , सद्ययक वायकर नाय्कत (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/6909/84-85-- यतः मुझे, लक्ष्मण वास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनिकम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, श्री ग्रक्षर कुषा को-आप० हा उसिंग सोसाईटी ब्हि॰, 36, मनिष नगर, जे॰पी॰ रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की श्रारा 269 कब के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-6-1984,

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; बॉर/बा
- ं को एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्मिलिसित क्यक्तियों, अर्थात:---- 38--496GI/84

(1) **पम**ता भुपेन्द्र दवे श्रौर धनस्थाम डी० रावल।

(ग्रन्तरक)

- (2) डा० ए० ग्रार० भंडारकर।
- (3) अन्तरकों

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरकों (अह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्स्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सृपना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृत्रींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस तुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहम्ताक्षरी के पात्र विविद्या में किए वा सकारी।

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गंग्स्पी

प्रेट तं । , जो, ओ अअर कुश को-ग्राप० हा उमिंग सोसा-ईटी लि०, 36, मनिष नगर, जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क०मं० श्रई-2/37ईई/6909/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वर्ररा दिनांक 25-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम गामिकारी सहायक ब्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्ब**र्ध**

नारीख: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकप नाहरै .टी .एम .एस . ========

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सुरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रजीव रें ज-2, सम्बद्ध

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/6914/84-85-- यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० डी-21, जो, 2री मंजिल, फ्लावर क्वीन को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, वीरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरिश के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबिश उद्योध्य से उच्ये अंतरिण लिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) मंतरण संहुदं किसी आमं की वाबत, उक्स अधिनियम के बधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (च) एंसी किसी केस्य या किसी भन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में स्विधा के बिहर;

जतः गव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की धण्धादा (1) के अधीन, निस्तिशिक्त स्थितियों, अधीत हि— (1) श्री गोर्धनदास नारायणदास हरदासानी भौर श्री हंडालदास नारायणदास हरदासानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्मानो के० जेसवानी श्रीर श्रीमिति बनीता डी० जेसवानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना वाडी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नांद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकीये।

स्वाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कां और पक्षों का, आहे उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया गया ही।

वन्त्वी

फ्लेट नं० डी-21, जो, 2री मंजिल, फ्लावर क्वीन को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वीरा वेसाई रोड, ग्रंधेरी (प), अम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-2/37ईई/6914/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोडर 🗯

प्रस्त वार् टॉ<u>.</u> एन्. एतः - - ४ ५०००

बाव्कर विश्वियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के युधीन स्वना

भारत बुडबाड

कार्यांस्य, सहायक भागकर माय्क्त (निर्धिक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6915/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो, प्लाट नं० 30, इमारत नं० 30, मिनिष लोटस को-श्राप० हाउसिज सोसाईटी लि०, मिनिष नगर, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्मृति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषम से उक्त अन्त्रण कि बिल कें बास्विक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरण संहुई किसी अप्य की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुमिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धून-कृद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अधीन हमा

(1) जी० जी० गायलोंडे।

(अन्दें ₹४)

(2) वि० मुख्यामूर्ति ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं) को बह स्वना वारी करके प्वोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्मत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क)। इस स्वाना को राजपन में प्रकशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

सम्बद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

फ्लेट नं 4, जो, प्लाट नं 30, मनिष लोटस को-प्राप हाउसिंग सीसाईटी लिं , इमारत नं 30, मनिष नगर, जे०पी० रोड, श्रंधेरी (प), अम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/6915/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. बाम्बे हार्जीमग कार्पोरेशन।

(ग्रन्सरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाफ 13 फरवरी 1985

िनदेश म० आई० 2/37ईई/6919,84_,85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जि।कः म० प्लष्ट न० 23 और 24, जी अजल, प्लाट न० 2, एप० न० 121, 7 बंगलोज, वर्षीवा व्हिलेज अधेर। (प०), बम्बई मे ज्यित है (औं इससे उपाबद म्रतुस्वा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) अहर जिहा करारनामा माय हर मधिनयम 1961 का धारा 269 के खे के भ्रवान मक्षण प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट, है, दिनाक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आकर्णया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- श्री विरीन्द्रमोहन लेहान और श्रीमती विनावि० लेहन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट न० 23 और 24, जो अंजलें, प्लाट न० 2, एस० न० 121, 7 बंगलोज, यसींवा व्हिलेज, अंधेरी (प०), अम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैसा कि ऋ० स० माई० 2,37ईई/6919/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्बाई

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

क्रम्य बार्च दी एन एसः ००००००००

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकार जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाकः 11 फरवरं, 1985

निवेश सं० माई० 2/37ईई/6923/84 85--- प्रतः मुझे, र्जक्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित बाजार मुख्य 25,000/- र से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन और फक्टरा, इमारत सार्का व्हिलेंज मे, जो, बाम्बे सा० टा० एस० नं० 76 से 76/10, पवर्ष इस्टेट, अंधेरो(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्राविनियम, 1961 को धारा 269 के कख के श्रवीन सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांत 25-6-1984

प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजम्ट्री है दिनां 25-6-1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार ृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश मन्तरण विश्वित में बास्तविक स्थ से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय काँ गावत, उपत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण .., में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात्

- मैसर्स दातसन रिवराज एंण्डकंपनी प्रायवेट लि॰ (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्स मिता मिशन टूल्स।

(भ्रन्तरिती)

3 भ्रन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

धन् सूची

"जमीन और फैक्टरी इमारस, साकी हि लिज में, जो, बाम्बे सी ०टी ० एस० नं० 76 से 76/10, पबई इस्टेट, अधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा कि क० सं० ब्राई 2/37ईई/6923/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई ढारा दिनाक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहाययक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्शक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बर्स

धिनौक: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्रकार बाद्दे टी० एन० एस०--

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

1 श्रामती राज सेहगल

(भ्रन्तरकः)

2. श्री टी० एन० सम्युष्णल ।

(श्रन्तरिती)

भारत पहुंच्याह

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवर्र, 1985 निर्देश सं ० प्राई० स-2/37ईई/69 31/84-85

मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसका स० फ्लट न० 101, जो, 1ला मंजिल, स्प्रिग लिफ, जपश्रकाश रोड, अधेर, (प०), बम्बद्द 61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुस्तों में और जो पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयाव र श्रिधिनियम 1961 के, धारा 269 व ख के अधोन सक्षम प्राधि गरा, के गयिल्य वम्बद्द में रिजिस्ट्रा है दिनाका 25-6-1984

को पूर्वों क्स समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान बित्य के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित वो बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जम्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अधि-नियम को जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, जियाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी कृरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के ज़िल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो : अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण : इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदौं का, को उक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में कि गया है।

क्सची

फ्लट न० 101, जो, 1 ली मंजिल, स्प्रिंग लिफ, जथप्रकाश रोड, अंधेरी (प०), अम्बई-61 में स्थित है।

प्रनुसूच) जैहा कि कि सं भाई-2/37ईई/6931/84 85 और ओ पक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टई वियागया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज-2, सम्बद्ध

दिनांकः: 13-2-1985

मोहर :

नसः अतः उत्तर प्रिंभिनय की धारा 269-म के ननुसरण मो, मों, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिविद व्यक्तितों, अर्थात् ३--- प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

मारण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-2, बम्बई अम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

सं० झाई-2/37ईई/6942/84/85:--- भतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

ायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० पलैट नं० 903, जो ''जमना बिहार'', प्लाट नेप्रारिंग, सी० टा० एस० नं० 549, जुहु लेन, अंधेरी (प०), 'म्बई में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूर्चा में और जो पूर्ण वप से विणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनयम 1961 का धारा 269 कख के प्रधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 26-6-1984

गे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के द्रश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास रमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार न्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के इह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे जन्तरण के लिए तय था गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रखित में बान्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जत वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, -अनुसरण , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 मैनर्स जमनादान एम० चाकरा, आर एसोसिण्ट्य । (श्रन्तरकः)
- 2 श्रामतः मुबाकेर रस.कभाई शहा और श्रः रस्तिभाई बेलजाभाई शहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों से भी किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्तित मा किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त पट्डॉ अरि पर्दो का, जो उत्तर अधिनियस के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

फ्लैट नं० 903, जो ''जमना बिहार'' क्लाट बैग्नरिंग नं० सा० टा० एस० नं० 549, जह लेन, अधेरी (प०), बरहर्ष में स्थित है।

श्रनुसूर्व। जैसा विः क० स० श्राई-2/37-ईई/6942/84-85 और जो सक्षम प्राधिर गर, बस्बई द्वारा दिनावः 26-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षम पाधिकार राहायव श्रायकार श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक: 13-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्ं(1) के वभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निर्देशिक)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई० 2/37ईई/6946/84-85--- भ्रत: मुझे, सक्सण दाम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रहे. से गाँधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 606, जो 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेन्टस, यारी रोड, सी० टी० एस० 1030, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारना-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ब अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 26-6-1984

- (क) बलारण से हुए किसी बाव की बाब्द्र, उनक अभिनिव्य के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनगत्र अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा की लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- 1. श्रोमता कांता एम० लालवानी।

(भ्रन्तरक)

 श्रामता सुर्णाला ए० कोठारा, और श्रीमती मीनाबई एम० कोठारी और श्री उदय एम० कोठारी ।

(भ्रन्तरिती)

श्री वह स्वना चारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन् के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कींड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ... 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीक ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में द्वितवव्य किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त क्षव्या मौर पर्यो का, को जक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

पलैट नं 0 606, जो 6वीं मंजिल, कविता ध्रपार्टमेन्टस, यारी रोड, सं10 ट10 मन 1030, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है।

भ्रनुसूच। जैसाकि कि० सं० भाई-2/37ईई/6946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई है। राधिनांक 26-6-1984 को रजिस्टई किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरं₁क्षण) श्रर्जन रेज-2, **बम्बई**

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 😉

एक्य बार्च ,टी. एम. एस्. - :::::::---

काश्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्द

बम्बई, विनांक 8 फरवरी 1985

ंनदेण सं० आई० 2/37ईई/6953/84-85--- झत: मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक **ह**ै और जिपकी सं० युनिट नं० एम-404, जो माधवा बिल्डिंग, 'लाट नं० सी-4, बांद्रा, कुर्ला, काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची: में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भर्धान सक्षम 🛮 प्राधिकारी के कार्यालय अम्बर्ध में रजिस्ट्रेट है दिनांक 26-6-1984 को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्तरिति (अंतरितियाँ) के बीच ए[°]से अन्तरण **के** लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्योगो से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कलाएण से हुई किसीं भाग की बाबता, उकल विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उसमे विधान में मुकिंगा के लिए: बौर/बा
- (अ) गरी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिस्ए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---39—496GI/84

- 1. मैंसर्स माधवा य्नायटेड हाटेल्स (इंट) लि॰। (भन्तरक)
- श्री सुमंत जी० नाईक और
 श्री गणपत एम० नाईक ।

(भ्रन्तरिती)

का मह सूचना जारी कारके प्रविक्त संपत्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० एम 404, जो 4या मंजिल, माधवा विल्डिंग, बांद्रा, कुर्ला काम्पलैक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई 51 में स्थित है। प्रतुसूचा जैसा कि कि० सं० धाई-2/37ईई/6953/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई, हारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

लक्ष्मण घास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

·धनोक: 8-2-1985

मोहर 🛚

प्रकृत कार्षे . टी . एव . एवं ..-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

बारव बरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० श्रई 2/37ईई/6962/84-85---श्रत: मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

जौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 22, जो लक्ष्मी अपार्टमेन्टम कोआप० हार्जीनग सोभायटी लि०, डा० चरत सिंह रोड, अंधेरी
(पूर्व), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसवा करारनामा आयकर
प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अर्धान सक्षम प्राधिकार।
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्र है दिनांक 26-6-1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के स्वित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति कम उचित बाजार मून्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वं शुर्व फिक्षी बाद की बावल उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा में न्या; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स जे० के० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. विजय किशिनचन्द सुमनानी और श्रीमती मोहना टिकमदास रिघस्चिनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीर्धानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिवा कहा है।

प्रनुसूची

पलैट नं० 22, जो 2रो मंजिल, लक्ष्मी ग्रपार्टमेन्ट्रा, कं-ग्राप० हाजींश सोसायटो लि०, डा० चरत सिंह रोड, अंधेर्र, (पूर्व), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूच जैसा कि अ० सं० अई 2/37ईई/6962/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारः सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-2-1985

मोहर ।

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

1. मेसर्स जे० एस० कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन सूचना

2. श्री नारायनभाई कानर्ज्यभाई मकवाना। (ग्रन्तरिती)

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

िनदेश सं० ग्रई 2/37ईई/6963/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 106, जो 1ली मंजिल, गलक्सी इमारत, पर्ल गलक्सी, की-श्राप० हाउसिंग सोसायटा लि० प्लाट नं० 470/471, श्राजाद रोड, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961का धारा 269 कख के श्रधान सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 26-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक खे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) दे। उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमक्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

पलेट नं० 106, जो 1ला मंजिल, गलैक्सी इमारत, पर्लं गेलैक्सी, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 470, 471, आजाद रोड, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2,37ईई,6963/84-85 और जो प्रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांव 26-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के अधीन सुमा

धारत बद्रकृत्र

कार्यासय, सहायक कायकर जायुक्त (नि<u>रीक्षण)</u> प्रजीन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/6975/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 203, जो इमारल, नं० ए-1, अपना घर को-आप० हार्जीसग मोसायटी लि०, निर्माणाधीन, इमारत क्हिलेज, मोग्रा, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्ह स अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक की वासित्य में कसी करने या उससे अवने में सुविधा के बिष: भार/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विवा चे किए;

अतः अतः, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिचित स्पन्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री के० बी० जोशी (चेंक प्रमोटर म्राफ रेलवे मेन्स) म्रपना घर को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०। (मन्तरक)
- सर्व श्री ए० जी० संझ निरी,
 श्री एन० ए० संझ निरी और एम० ए० संझ निरी।

(ग्रन्तरिती)

3. दि सारस्वत को-श्राप० बैंक लि० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो हतकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोंक्त सञ्पृत्ति के वर्धन के सिष् × कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

दनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनु सूची

पर्लंट नं ० 203, जो इमारत नं ० ए-1, रेलवेमैन्स भपना घर को-भापरेटिव हाउसिंग मोसायटी लि० निर्माणाधीन इमारत, विहलेज, मोग्रा, अंधेरी, (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

मनुसूको जसा कि क ० सं० भई-2/37ईई/6975/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 12-2-19**8**5

मोहर 🗄

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निर्धिशण) श्रजीन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरो 1985

निवेश सं० मई-2/37ईई/6987/84-85—- प्रतः मुझी लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० वुकान नं० 33, जो रोशनलाल भ्रम्मवाल, शापिंग भाकोंड, श्राफ जे० पी० रोड, भ्रपना घर (41), (अश, 41) के बाजू में, वसोंवा अंधेरा (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 के के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीन दिनांक 28-6-1984

का प्वां क्य सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में बुस्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अंतरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् क्ष्र- 1. मैसर्स मनोज सिल्क फौब्रवस,।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रुकमणा के विर्मलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

दुकान नं० 33 जो रोशनलाल श्रग्रवाल शापिंग धार्केड आफ जे०पी० रोड, श्रपना घर (41) (अंश 41), के बाजू में अंधेरी (प०), वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

मनुसूत्री जैसा कि कि सं श्राई०-2/37ईई/6987/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सङ्गम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज-2, अस्बर्ध

दिनांक: 13-2-1985

मोह्यर 🗓

प्ररूप बाइं, टी एन एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० भई०2/37ईई/6201/84-85—ग्रतः मुझे सक्मण दास

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 20 जो प्रावाड़ी इंडस्ट्रियल इस्टेट्स मरोल मरोशी, रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री हैं दिनांक 15-6-1984

को पूर्वोकः संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्ता, उत्था अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे अबने में सूबिधा के सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की अधोजनार्थ अन्तरिती दवारा परा नहीं जिया नगा था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुनिधा की लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुरेश जे० शहा ।
 (प्रोपरायटर मेसर्स कोमल इंडस्ट्रीज) ।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद चन्द्र एस० सोलंकी।

(मन्तरिती)

ध्रन्सरकों।

(वह व्यक्ति जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भ्रन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितस्यों में स किसी स्थित व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वभ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

गाला नं० 20, जो भ्रगाड़ी इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

ग्रनुसूत्री जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/6201/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

शहेड ५

प्रक्य नाइ. टी. एम. इस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मश्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6202/84-85——अतः मुझे मण दास

कैंग्रिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,060/- रह में अधिक हैं , और जिसकी मं० पलैंट नं० 4, जो 2री मंजिल, कृष्णा कुंज अने क्प को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 139, टी० पी० एस० 4, मेंन श्रव्हेन्यू रोड, सांताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रीजुस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

को प्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा को बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के निए;

सतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम का भारा 269-व की उदभारा (1) के अधीन, निष्नतिसित स्थानतयों, असित् ≝— 1. श्रीमती सुन्दरी दनानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ठाकुर लालजी सिंग ।

(श्रन्त(रती)

अन्तरिती और उनके परिवार सदस्य ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पास है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया कराता हा ।

उक्त सम्पत्ति के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (थ) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं., वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में जिए गया हैं।

अनुस्ची

पलैट नं० 4, जो 2री मंजिल, कृष्ण कुंज श्रनेक्स को-श्रापरेटिय हार्जासग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 139, टी० पी० एस० नं० 4, मेन एवेन्यू, रोड, सांताक्षूज, (प०), बम्बई-54 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/6202/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 11-2-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० प्राई०-2/37ईई/6207/84-85—अतः मुझे जन्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर, "नारबूड" इमारत, प्लाट नं० 319, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, वर्सों जा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की गारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-6-84 कां पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इर्यमान ग्रितिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह दिस्वास करने

का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके परयमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्णः और/या
- (क) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मरसर्भ यस्मिन कार्पोरेशन।

(म्रन्तरक)

2. श्री निहार ग्रहमद इकाहीम ।

(श्रन्तरिती)

3. मैसर्स ओशिवरा, लैन्ड डेबलपमेन्ट, कंपनी (प्राय०) लि०

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृषना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित्रजव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

दुकान न० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "नारवृह" इमारत प्लाट नं० 319, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, ओगिवरा, संघेरी (प०), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई 6207/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक 12-2-1985 मोहर ः। प्ररूप बाई. टी. एन. एस,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/6213/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

जीर जिसकी सं० फ्लट नं० ए-23, विग ए, सी०, प्लाट नं० 143/4/बी, इन्द्र सुख कोग्राप० हार्जसग सोसायटी लि०, अंग्रेरी वर्सोवा, रोड, अंग्रेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरका ने हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था क्या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सित्रधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन. निम्नीलिखित व्यक्तियों. अर्थात ;---40---496GI/84 1. श्री ग्रसिष्ठल्ला शेरीफ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री परशोत्तम एम० बिन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगतची

फ्लैट नं० ए-2,3, विंग ए, जो प्लाट नं० 143/4/बी, इन्द्र सुख को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अंधेरी वर्सोवा, रोड अंधेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-2/37ईई/6213/84-85 और जो क्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राप्तिकारी सहायग श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई-58

दिनांक 13-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाह .टी.एन.एस. -----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

बाइद स्टब्स्ड

सहायक भ्रायकरध्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश स⁶० ग्रई०-2/37ईई/6214/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृन्व 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संक्ष्क ब्लाक नं ए ए 5, जो 1 ली मंजिल, एस ० आप बी० एम्प्लायर्स, (ज्योति), को ग्राप० हार्जसग सोसायटी लि० जुहू कास लेन, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबड प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 की धारा और कख के श्रीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्य विक्निसिचित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण सिचित में बास्तिक क्य ने किंचित नहीं विकार क्या है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाजत, उक्त जीभनियल के अधीन कर दोने के बन्तरक के दानित्य में कनी करने वा सत्तरे दचने में सुविधा के लिए; बडि/बा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी थन या बन्ध आस्तियों का, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, मा बन-कर अधिनियम, मा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वार् प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए:

नतः नव, उन्त निमित्रम की भारा 269-य की अमुसरक में, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात:—— 1. श्री ए० ग्रार० बालसुत्रामणयम

,(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री रवी।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ-

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अवधि या सत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकोंगे।

श्वकाशिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पद्यों का, वो स्वस्त्र विभिन्नम, के जभ्याय 20-क में प्रिभावित है, बही वर्ष होगा वो उस अभ्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची

ब्लाक नं० ए¹5, जो 1 ली मंजिल, एस० म्राय बी एम्पलायर्स, (ज्योति), को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० जुहू कौस लेकन, अंधेरी, (प०), बम्बई-58ें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र श्र श्र श्र श्र श्र श्र श्र श्री १८१४/८४ अगेर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनकांक 12-2-1985_.

प्ररूप बार्ड, टी. एत. एस., =------

भाषकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन स्वना भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/6228/84-85—ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास:

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 304 जो 3 री मंजिल, इमारत निर्माण काटेज, वसोंवा, यारी रोड, अंधेरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

कीं प्रोंधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रांतशत से कृषिक है बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्मिनिया उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में वास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ग) एंग्री किसी जाव या किसी थन या अस्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिक्धा के लिए;

जतः जज, उपत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-जंकी उपभारा (1) के अभीन,निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ∷—

- 1. श्रीमती सोफयाबानू मोहमवग्रली पटेल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हवाबाई म्रलीमोहमद प्रचारीया। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्ट स्म्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप छ∞∞

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के एजपत्र में त्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृष् किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, थी उन्हा विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया तथा हैं।

वन्स्यो

प्लैट नं ० 304, जो 3री मंजिल, इमारत निर्माण काटेज, वर्सोवा, यारी रौड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं०ग्नई०-2-37ईई/6228/84-85 - और जो, सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिन'क : 13-2-1985

मोहर 🛭

सक्य बार्च. टी.; एन., एक्.,-----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भाउत बडकार

कार्याभय, सञ्चयक जायकर भागुक्त (निद्रीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निवेश सं अार्ष ०-2/37 हर्ष / 6235/84-85—अतः मुझ लक्ष्मण दास

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० धुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, ग्रंकुर इमारत, दादाभाई रोड, भवन्स, कालेज, के बाजू में, ग्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभें मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान इतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निए इस पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निए

- ्रेफ्) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त धिजिक्स के घडीन कर देने के घन्तरक क 'दावित्य भें कभी करने ना उसमें वचने में सुविधा के विष्; वरि/वः
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन प्राच्छ वास्तियों की जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मैसर्स लक्ष्मी हाउसिंग एजन्सी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नूरानी काउन, कार्क

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच है 45 दिन के भीतर उन्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक्ष में दिया गया ही।

वर्ष्य

दुकान नं० 3, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, श्रंकुर, इमारत, वादाभाई रोड, भवन्स, कालेज के बाजू में, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2,37ईई,6235,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब**म्बर्**

दिनांक 13-2-1985 मोहर : प्रकथ बाह्र . टी. एन. एत्. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

धम्बर्घ, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अ**ई**०-2/37ईई/6241/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 1, जो 1ली मंजिल, अनुराधा-बी, इलां बिज, एस० बी० रोड, अंघेरी (प०), बम्बई-58में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ड्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वयेष्य से उकत अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अत उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरक में, में, उबत उद्योधीनयम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्नोसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. अवमे बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

श्री हिमांगू, नटवरलाल कोठारी भ्रौर
 श्री विजय नटवरलाल कोठारी.

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन, की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहुनै अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'फ्लैंट नं० 1, जो 1ली मंजिल, बिस्डिंग अनुराधा-बी, इर्ला ब्रिज, एस० बी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6241,84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **घम्बई**

दिनोंक 13-2-1985 मोहर :

प्रकृषाहर्ः हो , एव , एव , ------

शावकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नुभीन सुमृता

HISTORIAN

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निर्कालक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश स० आई-2,37ईई/6238,84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संब दुकान नंव 42, जो, रोशनलाल अग्रवाल, शापिंग आर्केड, अपना घर 41 के बाजू में, एसव नंव 41, आफ जेंव पीव रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी, बम्बई में 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार धूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया नया प्रतिफल, जिम्मिबिक्त दृष्टें से उच्छ बन्तरण चिक्ति में बास्त्विक क्य से किथित नहीं किया नवा है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर येने के बन्तरक के समित्र में क्यी करने वा उच्चे दचने में बृधिका के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जावा चाहिये था, किया में सुविधा के लिए;

जतः अज, जन्त जिथिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण मो, मो, सक्त जिथिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, जर्मात ध—-- 1. मैसर्स आर० एन० ए० बिल्ड्सं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिंदु वि० मधान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार् के पूर्वोक्त सम्प्रीत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यम्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

वनसूची

दुकान नं. 42, जो रोशनलाल अग्रवाल, शापिंग आर्केड, अपना घर 41 के बाजू में एस० नं० 41, आफ जै० पी० रोड, वर्सीवा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई,623/83/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर ह मुक्त बाद्र , द्वी , पुत्र , एवं , ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारत 269-म (1) के अभीत सुमता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985 .

निर्देश सं० अई०-2_/ 37ईई/ 6239/ 84-85—अतः मुझे, राक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा. गया हु"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संकृद्धकान नं० 36, जो आर० एल० अगरवाल, शार्पिग आर्केड, अपना घर 41 के बाजू में, एस० नं० 41, आफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी, धम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय धम्बई में रजिस्ट्री हैं विनांक 16-6-1984

का पूर्वाक्त सम्बत्ति के उचित बाबार मूस्य से कह क स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफ स से, एसे स्वयमान प्रतिफ स का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के सीच एसे अन्तरूप में बिए तब पाना च्या प्रतिकृत कम निक्तिविक्त उद्योग्य से उक्त अन्तरूप निक्ति में बास्तविक स्था में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबरः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बय्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वल-कर अधिनियम, या वल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया शवा था वा किया बाना आहिए वा. कियाने में सविधा के तिक्षा

बतः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन निम्मलिसित व्यक्तियाँ सर्थात् ह 1. मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स।

(अन्सरक)

 श्री मनोहर ताराचन्द जूहवानी श्रौर श्रीमती रेखा एम० जूहवानी ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पृत्रों कत सम्परित को वर्षन को जिए कार्यनाहियां करता हुं।

अवस् सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध के कोई थी बाखेर्ज--

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी वा ने 45 जिल्ला की जनिए या तत्स्व किया के वित्र में पर सूचना की तासी सा से 30 दिन की अविध् , जो भी वर्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों के क्षित को किसी क्षतित बुवारा;
- (च) इस सुमना के राजधन में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भार रे उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबबूच किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या बकेंगे।

स्वक्रीकरणः--इतमे प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, सो सन्दर् स्थितियम, के क्ष्याय 20-क में प्रिजाबित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 36, जो आर० एल० अगरवाल, गापिंग आर्केड, अपना घर 41 के बाजू में एस० नं० 41, आफ् जे० पी० रोड, वर्सीवा, बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6239/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 16-6-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बस्बर्ष

नांक 13-2-1985 मोहर 🖟 प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6251/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है "

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, एस० नं० 98, एच० नं० 2, तरुण भारत, सोसायटी, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 16-6-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ विधनित विविद्या व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री डी० वि० बेडेकर भौर
 श्रीमती वि० डी० बेडेकर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एस० ए० कान्द्रक्टर एड कंपनी

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कीं तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

"प्लाट नं० 14, एस० नं० 98 एच० नं० 2, तरण भारत सोसायटी, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सें अई-2/37ईई/6251/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 11-2-1985 मोहर: प्ररूप बाईं. टी एन. इस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (!) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-2, 37ईई/6254, 84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयं स अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, जो 5 वीं मंजिल विल्डिंग बेनहूर, प्लाट नं० 15,8, एस० नं० 41 (स्रंश), 4 बंगलोंज वर्सोवा, स्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है: ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के द्वाधिनय में कमी करने मा उनम उचन में गाविधा के निष्, प्रीप/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

कतः, अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :——
41—496GI/84

 श्रीमृती मालथी, जी० कालरो, श्रौर श्री जोदि कालरी

(अन्तरक)

 श्री जी० एच० राड्रीक्स ग्रौर श्रीमती अनीता राड्रीक्स।

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स ब्रोशिवरा लैन्ड डेबलपमेट,कंपनी (प्राय०) लि० (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 504, जो, 5 वी मंजिल, बिल्डिंग बेनहूर, प्लाट नं० 15/8, एस० नं० 41(ग्रंग) बंगलोज, वर्मीवा, ग्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6254/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षम आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

दिनांक 13-2-1985 मोहर :

प्रका नार्ध्य दी, युष्य पुष्य .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/6257/84-85--अत: लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस ए परपात 'चकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा अ ए-स्व 🖻 अभीन संधाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने 🛮 का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से **अधिक हैं**

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, जो 7वीं मंजिल, बिल्डिंग स्कायलार्क-मी प्लाट नं० 89 एस० नुं० 41 (श्रंश), 4 अंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे उपाधद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षभ प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टीकृत है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिचत बाजार मृल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुभ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उँ वत अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) ए`सी किसी जाय या किसी धन या जन्यः ज्ञास्तियीं को, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

अतः अव, उक्त विधिनिवम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 2,69-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैस सं जे० एस० कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री जय अश्विनी कुमार पटेल

(अन्तरिती)

3. मैसर्स भ्रोशिवरा लेंड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि०) (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हतबद है)

का यह सुवना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्मिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासने 🚁

- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्कत म्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वक्कर्तकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

फ्लट नं० 702, जो, 7 वीं मंजिल, बिल्डिंग स्कायलार्फ-बी प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (भ्रंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), अम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2_/37ईई/ 2657/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-2-1985

माहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज,-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई, 6264, 84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 45 000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० दुकान नं० 15, जो ग्राउन्ड पलोर, "राजदीप" 329, टन्क लेन मांताऋज, (प०), घम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यीलय घम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वों करा सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रोत्तशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत अक्त श्रीधनियम के श्रधीन कुर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए! बद्धि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के किए;

कतः क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत स्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल मैसर्स राज एंड कपनी

(अन्तरक)

2. श्री मोहमध यसुफ, चुनावाला ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समाची

दुकान नं० 15, जो ग्राउन्डें फ्लोर, "राजदीप" 319, टैन्क लेन, साताऋज, (प०), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2, 37ईई, 6264, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर : त्ररूप बार्ष: दी. तृत्. एख.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/6276/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-६ के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० $v_l 24$, जो तीसरी मंजिल, आनन्द नगर, जुह तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय , बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16 जुन, 1985

को ग्रवींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गइ हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण कि मथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं इवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उमने उचने से मृविधा के निष्; ब्हीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अधिनियम, विकास प्रकट नहीं किया बाग था या किया बाग के लिए;

कतः डव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं भैं, उक्त अधिनियम की धरा 269-च की उपधारा (1) अधीन जिल्लासित न्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री मधुर एस० पाल।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीष बी० सेठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवा कत सपत्ति के वर्जन के बिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तासम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पतित में हितबद्ध किसी अन्य विकास द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों जाँर पदां का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता. जो उन अध्याय में दिया गया

जन्स्की

फ्लैंट नं 0 ए/24, जो तीसरी मंजिल, आनन्द नगर, जुहू तारा रोड, बम्ब\$-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर्म सं० आई०-2/37 ईई०/6276/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 16 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, "बम्बई

तारीख : 14-2-1985

माहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश स० अ**६**०-3/37 ईई0,6277,84-85—अत,: मझे, लक्ष्मण दास,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० पलट न० 402 जो बिल्डिंग नं०बी-14, अपना घर यूनिट नं० 9 को० आपरेटिव हाउर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रोणिवरा, आफ जय प्रकाण रोड, 4 बंगलोज के बाजू में अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में 'स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जन, 1984

को पूर्वेक्ति संस्पिति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिख्य में कमी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी क्षाय या किसी धन या वन्य बारितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं ० समर्थ डेवलपमेट कारपीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीश्रीगोपाल विवेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में को हैं भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविधि या तल्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपश्मा प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए हा भकीगं।

स्पष्टीकरण:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनिष्णम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्ची

प्लंट नं० 402, जो बिल्डिंग नं० बी-14, अपना घर, यूनिट नं० 9 को० आपरेटिय हाउमिंग सोसाइटी लि० स्रोशिवरा, आफ जय प्रकाश रोड, 4 बंगलोज के बाजू में, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई०-2/37 ईई०/6277/84-85 और जो मक्षम प्र.िधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 13-2-1985

माहर :

इक्द बार् ं दी पुन् दुर्-अल्प्स

आयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्यीन क्वा

गाउर ब्रुकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीकन)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई0-2/37 ईई0/6281/84-85—अतः भृक्षे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चरत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० फ्लट नं० 4, जो ऑय एस० प्लाट नं० 13, जमाला, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित है (ग्नीर इससे उपाध्व ग्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्नीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16 जुन, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत से बिधक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उपत अधि-गिरुशन से कचीन कर दोने के उपतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुनिभा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अजिस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जम, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-न्य की उपधारा (1) को अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्रीमती लथा एस० जयराज।

(थन्तरक)

(2) मे ० सिंग एक्सपोर्टर्स ।

(अन्तरिती)

भा यह सूचना बारी करके पृक्तित सम्बद्धि से वर्षन् में सिद्ध कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

वनक सुन्या रह को वर्षात्र को सम्बन्ध में कोर्स भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय से 4.2% दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचनी की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि कित में किए वा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यश ही।

वन्ध्यौ

पलैटनं० 4, जो ऑय यश प्लेटनं० 13, चकाला, अन्धेरी (पूर्व), बम्धई—59 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कम सं० आई० 2_{l} 37 ईई o_{l} 628 1_{l} 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्धई द्वारा दिनांक 16 जून \cdot 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी `सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज⊶2, बम्बई

तारीब : 12-2-1985

मोहर:

प्रकल बाहै. टी. एत. एस.-----

भाषभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37 ईई/6282/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

सूयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० पलट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग बेनहूर-ए, प्लाट नं० 15/8, एस० नं० 41 (प्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), धम्बई-48 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाम की बाबत उक्त श्राध-जियम में अभीन कर कोने के अन्तरक की दाजित्व में सामी करने या उससे जलने में सुविधा के लिये; बीद/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य बारिस्तयों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, कर्यात् :--- (1) श्री ए० हमोद भली काजी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्ध्या सिंहा।

(अन्तरिती)

(3) मे० ग्रोशिवरा लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके बारे भें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारौ कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बचीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदी का, वो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनुसूची

फ्लेट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग बेमहूर-ए, प्लाट नं० 15/8, एस० नं० 41 (श्रंग), 4 बंगलीज, वसींबा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०,6284, 84-85 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जूम, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रारधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारोख : 12-2-1985

मोहर 🥫

प्रस्य बाह .टी.एव.एस.-----

पायकर म बिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ३६३ १(1, के महोत चुनता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निदेश स० अई०-2/37 ईई /6278/84-85---अर्त्त मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा में अधिक है

स्रौर जिसकी स० य्निट न० 32,सी, जो ग्राउण्ड फ्लोर लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, न्यू लिंक रोड विस्तारित अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 16 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के सिए; और/बा
- (का) एंसी किसी बाय पा किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, ,1922 (1927 का 11, या नाना आंगानियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2), के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किय, रया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बरु अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-न कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) मै० लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ।

(अन्तरक)

(2) मैं लाथेरी कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधान के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरकाक रो के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

अनुसूची

यूनिट नं o' 32/सी, जो ग्राउण्ड फ्लोर, लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड विस्तारित, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई – 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-2/37 ईई०/6278 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-198**5** मोहर भ्र**स्य बाह**ं. टी. एन. एरा ्नन मण्डसम्मन्त्रम

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 2,69-थ (1) के मभीन सूचना

भारत सन्धार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ह0-2, 37 ईहै0, 6288, 84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

आयक् र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० दुकान न० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, 'मुआजरेन अपार्टमेट', स्ट्रीट न० 55, अम्बोली गाव, टाणा अन्धेरी, अम्बई—58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर ! पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 16 जून, 1984

कायालय, अम्बह् मराजस्ट्रा ह ताराख 16 जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान बित्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पत्य / प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तारत (अन्तरितयों) के बीद ऐसे मन्तरण के निए तथ पाया भागा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिकल कम म कथित नहीं जिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारः प्रकट नहीं किंग गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविका के लिए।

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंद स्यक्तियों, अधीन टि—
42—496GI/84

(1) श्री इस्माइल अब्दुला चुनावाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमोहम्मद उमर मधा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजफन में प्रकाशन की लागील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी ज्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जा भीतर पूर्विन्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रारंग,
- (स) इस सूचन। व राजप न मा प्राम्मकान को तारी से सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, 'मुआजरेन अपार्टमेंट्र, स्ट्रीट नं० 55, अम्बोली, गाँवठाणः अन्धेरी बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई० $\pm 2/37$ ईई०/6288/84-85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 16 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 13-2-1985 मोहुरु ⊌ "

प्रकृष् वार्ड्,टी...पृत्

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मं (1) के अभीन सुचना

भारत स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरीं 1985

निदेश सं० . अर्ह०-2/37 ईर्ह०/5737/84-85--अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें ध्सके पश्चात 'उनत निभिन्यम' नहां नया हैं), की नारा 269-य के मधीन सक्षम प्राधिकारी को मह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका अचित वाबार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 20, जिलेज श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोग श्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम रहियमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख को अनुसार अंतरित की गई है और भूमें यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरेष से उसते अंतरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मण्डल वे हुई किसी बाम की सबत, सबस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खे वार्षित्व में कमी करते का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 विश्व का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा से बिए;

हत: जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भी, में उका अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री क्षियाउद्दीनं बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीला मुकूंद चिटनिस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति यें किए बा,सकेंगे।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पर्योका, को उनक विभानिक्षम, को अध्यास 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया ववा है।

वनुस्ची

पलैट नं० 101, जो पहली मंजिल, विलिडग नं० 20, विलेज ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5737, 84-85 घ्रौरजो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण यास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख :-13-2-1985

मोहर 🛭

प्रसम् बाहुं । बीउ हुन्। हुन्।

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 42) की पारा 269-म (1) के नभीन सूचनः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ष

अम्बर्फ, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० आ**६**०-2₁37 **ईई**०₁5738₁84-85--अतः मुक्ते, लक्ष्मण दास

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रलाट नं 303, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 9, विलेज ग्रोशिवरा, वेहराम बाग के पीछे, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई—59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूचे। में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत उक्त आप-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिख भे कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/आ
- (थ) एंडी किसी आयं या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः सव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, वर्धात :-- (1) श्री जियाउद्दीन बखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल गनी बींनेमिया सिद्दीकी ।

(अन्तरिती)

की नह क्षमा बाही करके पृथानित सभ्यतित के सर्वत के जिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उथत् सम्पृतित् के वर्षय के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप्;न

- (क) इस ब्रुचना के राजपन में प्रकारन की तारी हु से 45 दिव की नवीं भा तत्स्थ्यत्मी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविभि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी स्थापत ह्वारा;
- (क) इस सूचना के अञ्चलक के प्रकारक कई तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी कम्प व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

नन्स की

पलट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, विलेज श्रोणिवरा, बेहराम भाग के पीछे, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5738/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ा जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ष**

तारी**ख** : 13-2-1985

मोहर :

प्रकृप बार डी पन पुर क्लान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिन'क 13 फरवर्। 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/5739/84-85-ग्रसः मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 204 जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग ने० 10, बिलेज श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिष्टिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक् ते हुए किसी बाव की बावस्, उक्क जीवनियम के अधीन कर दोने के अध्यारक की व्यक्तिक में केसी करने या उससे बचने में सुविधा / के लिए; और्ट्र/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कान्य किया गर्मा प्रकट नहीं किया गया को किया जिल्हा जो किया जो सुनियम के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री क्षियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद एम० सुलतान ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जुर्वन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्वी

फ्लैट न ् 204, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 10, बिलेज ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बुम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-2/37 ईई०/5739/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहरु 🛭

प्रकार बाह् हो, एक, पुर्स कारण

भागकष्ठ सभिनियत, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के स्थीन सूच्या

्शास्त्र बृहकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिसांक 13 फरवरो 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/5740/84-85-अत:,

मझे, लक्ष्मण दास,

्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इ के अधीन संश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 401 है तथा जो चौथी मजिल, बिहिंद्रग नं ० ए-8, अलकुवा, मिल्लत निगर, म्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्सरी (पश्चिम), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाबार मूल्य सं कुम के क्यामाथ प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह निववास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित गाजार मूक्य उसके क्यमान प्रतिकास से, एस क्यमान प्रतिकास का ब्रम्स प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीध एमें बन्तरण के निए उम पामा गमा प्रतिकास, निम्निचित उद्योग्य से उपस बन्तरण कि बिह्य के वास्तरिक कर से कथा। प्रतिकास गमा है ---

- (क) कत्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा शे सिए; बॉर/बः
- (का) एँसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तिमाँ का, जिन्हु भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः जब, अकत विभिन्न की भारा 269-व के बन्तर्थ में, में, अक्त आधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री शेख इब्राहिम अकिल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारा करकं प्रानित संप्रितः के मूर्जन के निए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्रभांडस्ताकारी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

न्यक्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होगा, को उस सभ्याय में दिया गया हैं।

वन्स्भी

फ्लंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-8, अल-कुबा, मिलात नगर, बेहराम बाग के पीछे, बिलेज ग्रोशिवरा, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5740/ 84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षाभ) अर्जन रेज-2, बम्बई

भम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37/ईई०/5744/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 601, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, विलेज श्रोणिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (पिण्चम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बॉजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्य ई अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शय की बाबस, उन्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

(1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) डा० इकबाल अहमद खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सु 45 दिन की व्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्रे सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमू, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेंट नं० 601, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, बिलेज धोशियरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्यरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37/ईई०/5744/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज-2, बम्बई**

तारीख : 13-2-1985

मोहर 🖠

प्ररूप बार्ड . टी. एन. ऐसे .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) . अर्जन रेंज-2, बंक्षुई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

≰ निर्देश सं० अई-2/37 ईई/5745/84-85--अत: मुझें, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, विलेज औशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्चम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैतारीख 1 जून, 1984

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितुफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान गितफल स. एसे दश्यमान गितफल का गंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रक्रट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा को किए:

भतः वय, उभर विधिनियम, को धारा 269-व की बन्तरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री शहेन रफीक ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वींक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस-स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

[.] अनुसूची

पलैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, विलिंडग नं० 2, विलेज स्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37 ईई/5745/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चन्द

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-2/37-ईई०/5746/84-85-अतः मुझें, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 201, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, बिलेज श्रीणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिंचम), बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत अनुसूर्च) में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं), श्रीर जिसकों करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 260 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जूम,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है "----

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की वाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/मा
- '(ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

अतं: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीजियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री वरसी नाहीर जावेद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से.
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों क्रिश्र सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षत्र सम्ब

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, बिलेज धोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्चम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37-ईई/5746/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13~2-1985

मोहर् 🦠

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विमांक 13 फरवरी 1985 निर्वेश सं० अई-2/37 ईई/5747/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया χ^2), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्याम करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 601, जो 6 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, विलेज म्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पिश्वम), बम्बई-58 में स्थित हैं (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), म्रौर जिसका रारासामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्ति बाजार मूल्य से कम के रुष्यमान प्रनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तक "तिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुकिथा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं जिल्ला मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधाग (1) के बधीन.. निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—— 43—496GI/84 (1) श्री जियाउद्दीने बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री खैरुन्निसा मकसूद आलम कुरेशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मृष्या के राजण्य भे प्रकातन का तारी **सं**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितब स्थावर मंपत्ति में हितब स्थावर स्थावर मंपति में हितब स्थावर स्थावर संपति में पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों आ, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्'स्ची

पलैष्ट नं० 601, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 10 विलेज भ्रोणिवरा, बेहराम बाग के पाछे, जोगेष्वरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि ,ऋम सं० अई-2/37 ईई/5747/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार्क 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ॄैलक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🗄

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-2/37 **ईई**/5762/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पर्लंट नं० ए-19, जो व्हिक्टोरि ब्लाक्स को० आपरेध्व हार्ज्सग सोसाइटी लिमिटेड, हिल रोड, टी० पी० एस० नं० 2, बाब्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, किम्निनिश्वित उज्ज्वेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किमत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण प्र दायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री सैयद मुजताबा हुसैन उर्फ बाबर पाग्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद रेझा बेग में ग्रीर श्रीमती राइस फातिमा मोहम्मद रेजा बेगूओ

(अन्तिरिती)

(3) अन्तरितीयों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपृष्यी

प्लैट नं ० ए-19, जो ब्लाक ए, पांचवीं मंजिल, ब्हिक्टोरी ब्लाकेंस, को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 31-बी, हिल रोड, टी० पी० एस० नं० 2, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं अई-2/37 ईई/5762/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भाष्यार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को सभीन सुमना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक अञ्चलर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/5786/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, जो पहली मजिल, बिल्डिंग सनस्वेप्ट नं० बी, प्लाट नं० 353, एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पिच्चम), बम्बई—58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तृष्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के विका

खतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निस्निसिंख व्यक्तित्यों, अथाति है——

- (1) मै॰ लोखण्डवाला बेवलपमेंट कारपोरेशन। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कविता विमोद सराफ भौर मार्डन सिम्प्टेक्स (इण्डिया) लिमिटेड । अन्तरिती)
- (3) मै॰ म्रोशिवरा लैण्ड हेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाही करता हू।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त प्रकां और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा वां उस अध्याय में विभा चुना है।

दशस्त्री

पलैट नं 106, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग सनस्वेट्ट-बी प्लाट नं 353, एस० नं 41 (श्रंश), 4 बंगलोज, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37 ईई/5786/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर:

प्रक्र. बाइं. टी. एन. एत. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-वं (1) के बंधीन स्वा

सारत बहकार

कार्यालय, सहायक आयंकेर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं ॰ ग्रई-2/37 ईई/5787/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकोरी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो पहली मंजिल बिल्डिंग सनस्वेप्ट-बी, प्लाट नं० 353 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज, वसींवा अन्धेरी (पिश्चम) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के, दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पंतियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः─

- (1) मै० लोखण्ड वाला डेवलपमेंट कारपोरेशन। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री विनोद सराफ । (ग्रन्त(रती)
 - (3) मै॰ ओशिवरा नैलैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

्वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मब्दीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, सो उस अध्याय माँ दिया गया है।

वन्स्ची

पर्लैट नं० 105, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग सनस्वेष्ट/बी, प्लाट नं० 2 353 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा, ग्रन्धरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37 ईई/5787 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा-दिनांक 2 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आकुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2 णम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रक्र आहें . शे. एवं . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फ़रवरी 1985 निदेशसं० ग्नाई०-2/37 ईई०/5909/84-85--- मतः मुझे लक्ष्मण दास.

भूपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट न० 307 जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० सी-28/27 प्लाट नं० सी-41 यमुना नगर ओणिवरा, धाँफ जे० पी० रोड, धन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 जून, 1984

को पूर्वेक्त सर्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल न निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरम निख्त में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: बीर/या
- (का) एसी किसी बाय मा किसी अन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा अन-कर अधिनियम, गा अन-कर अधिनियम, गा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया मया था या किया याना भाहिए था, कियाने में सृतिया के लिए;

कत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के सधीन निम्यलिखित क्युक्तियों, अर्थात् क्र— (1) मैं ० ढोल किया एण्ड दयाल बिल्डर्स।

ज (धन्तरक)

(2) श्रीकच्णाकर ए० शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथानित सम्मित्त के वर्षन के विद्यु कार्यज्ञाहियां करता हुं।

बन्ध सम्पत्ति को एउ के साका पा कार्य भी बासरेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-श्रद्भ किसी अन्य अधित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क गास शिक्षित से किस अस्त्रेगे।

स्मण्डीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उकत अधिक नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, बहुत वर्ध होगा, का उस अध्याय में दिया गया

ग्रनुसूची

फर्लंट नं० 307 जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० सी 27/28, प्लाट नं० सी-4 यमुना नगर ओशिवरा, प्राफ जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रन्सूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37 ईई०/5909/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रॉजस्टर्ड कियागया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर अधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 13-2-1985

मोहरु :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. +----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण), अर्जने. रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांकी 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5938/84-85--- श्रतः मुक्षे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000′-रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, श्ररेना-ए, बिल्डिंग, 4 बंगलोज, वर्सवा श्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई— 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्रूंख्य से वांणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5 जून, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य स कम क स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास कर्ने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एेसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एम पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में सुविधः के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसर्ग मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) मैं व्यस्मिन कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दामोवर पंढारीनाथ मडकईकर।

(भन्त(रती)

(3) मैं० ओणियरा लैंण्ड कारपोरेश्चन कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मक्ति में क्षहितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के प्रितिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 101 जो पहली मंजिल, श्ररेना-ए बिल्डिंग, 4 बंगलोज वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० प्रई-2/37 ईई/5938/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 13-2-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप माइं. टी. एनं. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई०¹5940/84-85--- मतः,

म्झे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जे । वीं मंजिल, स्नी साइड-ए बिल्डिंग, 4 बंगलोज, वसोकः श्रन्धेरी (प्) बम्बई— 58 में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका कर्णरनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 कल है श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रो हैं तारीख 5-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंधरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अकः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण ें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीलः, निम्मसिकित व्यक्तियों, अर्थात् कुल्ल (1) श्री प्रनाहिता एच० रामोडया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल शारदा।

(म्रन्त(रती)

(3) मैं सर्स ओशिवरा लैंग्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिंग । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निरं कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोक्ष स 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: —-इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 601, जो, 6वीं मंजिल, सनीसाईड-ए, बिल्डिंग, बैंगनोज, वर्सोबा, प्रत्येरी (प), बम्बई-58 में स्थित

भ्रतुसूची जैसा कि कि कि भ्रई-2/37/ईई०/5940/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ृलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. ट. एन्, एस. - - ---

भारपंकार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निर्देश सं० अई-2/37 ईई/5941/84-85--यतः

मुझे, लक्ष्मण दास इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 602, जो, 6 वीं मंजिल, सनी साई ड-ए बिल्डिंग, 4 बंगलोज, वसींवा अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्दी है, तारीख 5-6-1984

को पृषोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उसस बचन में अन्तरक के लिए, बार/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ के कन्यरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्यारअली जी० रामोडिया।

(अन्तरक).

(2) मास्टर कमलेश कुमार।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स घोणिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिल्ला-कार्यवाहियां भूभ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमक्वाली व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वितयों में की किसी व्यक्ति क्वाली
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यापत द्वारा अधारणाक्षण के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और उसा का भे उन्हरः अधिनियम: के अध्याय 20-कि पे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्स्वी

फ्लैटनं० 602, जो 6वीं मंजिल, सनीसाईड-ए बिल्डिंग, 4 बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई--58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई ०/5941/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

सारीख : 13-2-1985 -

मोहर:

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

अम्बर्ध, दिनाक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37**ईई**0/5955/84-8---यत्तः मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीरिजिसकी स० फ्लेट नं० 603, जो 6 वी मंजिल, बिल्डिंग न० 5, विलेज ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई – 58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई ने रिजस्ट्री है, तारीख 7-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिडिस बें बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्मरण से हुइ किसी जाय की बायत, उक्त जी भीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पक्ष नियम जिला जाना पाहिए था, किया में तृषिधा के लिए;

बतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
44—496GI/84

(1) श्री श्चियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्सारी मोहम्भद अहमद ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्थन के कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरें।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगत्त्रची

पलट नं० 603, जो, 6वी मजिल, बिल्डिंग न० 5, विलेज स्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) क्षम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० स० आई-2/37 ईई/5955, 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हैंद्वारा दिनाक 7-6-1985 क़ो रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर

प्ररूप आर्घ. टी. एन., एन., -----

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कामनिय, सहायक भायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, घम्बई घम्बई, दिनांक 13 फरैंबरी 1985 निर्वेश सं० अई-2/37 ईई०/5966/84-85---यतः, मझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

मीर जिसकी सं० पलैंट नं० 704, जो, 7 वी मंजिल, एवरेस्ट विस्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्वोबा, अंघेरी (प), सम्बई—61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्धि अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, सम्बई में रजिस्टी है, तारीख 7-6-1984

की पूर्विकत संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक कैं दायित्थ में कमी कररे वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, म्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :——

- (1) मैं मसं नाहर शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएट्रस । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नसीम अब्दुल्ला सेंद्र अल-वहीवी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिंख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वंबधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति-बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सक¹गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिसा गया है।

फ्लैंट नं० 404, जो 7 वीं मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्राप्ता नारायण रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/5986/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्र₁धिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, बम्झई

तारीख : 13-2-1985

मोहर:

प्ररूप नार्¹्टी_एन_एस् ========

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 🐣 भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई $\circ/5973/84-85$ —अतः मुझे, लक्ष्मण वास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करेंने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1—बी, जो गौतम ऋयू, वर्सोवा, 7 बंगलोज, अविनाश इमारत के सामने, आफ जे० पी० रोड, अन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिजकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 7 जून, 1984

को पृशंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यू से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आग की शावत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) (1) मैं • गौतम बिल्डर्स।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती नूरानी बी इक्राहिम खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्मत्ति के अर्थन के तिथु कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी किसी किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया। गया हैं।

नग्स्ची

प्लीट नं० 1-बी, जो गौतन ब्ह्यू प्लाट नं० 134, वर्सोबा, 7 बंगलोज, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-58 ; स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०,5973/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म दासण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर 🔢

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-ख़ (1) के अधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेंश सं० आई०-2/37 ईई0/5984/84-85—अतः मुझे, शक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1202, जो बारहवीं मंजिल, प्रिमीयम टांवर्स बिरुटंग, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कू ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और,/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्सियों कार, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) मैंसर्स लोखण्ड वाला डेवलपर्मैंट कारपोरेशन। (अन्तरक)

(2) श्री सुक्रता सेन।

(अन्तरिती)

(2) मैं० श्रोणिवरा लैण्ड कारपोरेशन कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्थी

फ्लेंट नं० 1202, जो बारहवीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स बिहिंडग, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई0/5984/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 9 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 13-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आहे. टी. एन., एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/5988/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लैट नं० 8, जो गाउन्ड फ्लोर, ग्रीन फिल्ड बिल्डिंग 4 बंगलोज, वर्मोवा, अन्ध्रेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण, के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गुमा है :—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आग की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलि**सत** व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं ॰ राज एसोसिएटस् एण्ड एच॰ डी॰ शेट फमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक अर्जन देव गोगिया श्रीर श्री अर्जन देवगोगिया।

(अन्तरिती)

(3) मैं ० ग्रोशिवरा लैंण्ड डेवलपमैंन्ट कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी. आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकारन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाष्ट्रीकरण:---ध्रसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो प्राउण्ड फ्लोर, ग्रीन फिल्ड बिल्डिंग, प्लॉट नं० 333, 4 बगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/5988/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा :दनांक 9 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बर्ध**

सारी**ख**: 13-2-1985

मोहरु 🔞

प्रकृष वार्षः टी. एन . एस . ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्टर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निवेश स० आई०-2/37 ईई०/5990/84-85—अतः **मुझे**, $\sqrt{6}$ लक्ष्मण, दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० .601 जो छठवी मंजिल, बिडिंग न० 12, विलेज श्रोशिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेशवरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार सूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अकि पह मिना नया है हिन्स

- (क) अन्तर्यस्य चे हुर्द्ध किसी अध्य की बाब्स्, उक्क निभिनियम के अधीन कर दोने के अंतर्य के दासित्य मो कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (क), एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध् आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सूत्रिधा के लिए;

कतः अथा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरकं में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मेलिट्रिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीरियाज अहमद खान।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्वेंबित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकार में किए का सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यो

पर्लंट नं० 601, जो छठवी मजिल, बिल्डिंग नं० 12, विलेज श्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), धम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-2, 37 ईई०, 5990, 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 9 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहर ≝

त्रक्य नाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं अाई ०-2/37 ईई ०/6022/84-85-अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 73, जो ग्रोम निकेतन, सातवी मिजिल, 314, पाली राम रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है सारीख 8 जुन, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रक्षिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्तिस्ति उद्योद्य से उच्छ बन्तरण किचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अलगरण से हुए किसी माथ की वायत उच्च विकित्त किया के प्रधीय कर दोने के बन्दा के वाजित्व में कारी करने वा उससे वचने में सुविका के सिबं: वरिंद वा/
- (स) एँसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कुर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्ण अन्तर्गिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया बा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की भास 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सिकिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० ग्रोम बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप एम० वखारिया भौर श्रीमती प्रमिला दिलीप बखारिया।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी कर के प्रॉक्ट संपरित के सर्थन के सिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो ज्वस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा नथा है।

वनसूची

फ्लैंट नं० 73, जो सातवी मंजिस, ध्रोम निकेतन, पाली राम रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37ईई/6022 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 8 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

नोहर 🛭 🕛

प्रकप नाइ टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

क्ष्मयांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, जम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/6030/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, 'बी' विंग, सी शिल, 7 बंगलोज, वर्सोबा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8 जून, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान ध्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये बास्तियक रूप से कियत नहीं किया नवा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में एक्सी करने या अससे कचने में सुविधा के लिए। मीर/या
- (लं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के क्योगनार्थ अन्तिरिती दवाया प्रकट नहीं किया भया था सिया जाना चाहिए था, क्यिपाने में मिलिया के निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थार :--- (1) मैं ० चेतन डेबलपमेंटस ।

(अन्तरक)

(2) मैं० स्टार ग्लास वर्क्स।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र भें प्रकाशन की तारीब से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में सत्राप्त होती हो, के भीतर प्रांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरण ए---इसभे प्रयुक्त अव्योध श्रीर पदों का, को उनक अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होरे: को उस अध्याय में दिवा नेवा हैं।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 202; जो दूसरी मंजिल, 'बी'' विंग, सी शिलं, 7 अंगलोज, वर्मोवा, अन्धेरी (पश्चिम), अम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/6030/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 8 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

माहर:

प्रस्प आहं. टी. एन, एस्.-----

भायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के संधीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2¹37ईई/6047/84-85---- प्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वरम करने का आरण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित गाजार मून्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 44, जो 4थी मजिल, जुना, वर्सोवा, शांती निकेतन, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 7 बर्गलोज, अंधेरी (प०), बस्वई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वांणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्ब्रित का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप में कथित नमी किया गया है:---

- (क) करारण से शुर्द किसी बाव की बाबत उक्त जिल-निधम के जभीन कर दोनें को बन्तरक के दायित्व में कभी करने या अवसे वचने में सुविधा थीं सिए, बहु-/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन ना अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः भवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म **भै वन्दर्य** वे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभा<u>रा</u> (1) से अभीत निम्मिलियन व्यक्तियों, वर्धात् ड—— म 45—496GI/84 1. श्री के० जी० वल्लभन्।

(अन्तरक)

 श्री फक्ट्रीन, मोहम्मद अली इंडोरेवाला और श्रमीरूदीन फक्ट्रीन इंडोरेवाला।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह स्वता बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत क्यारित के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नामेष् र—

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीस से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द स्थावत द्वारा अधोहस्ताझ्डी के पास लिकित में किए जा सकोंने।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयंक्त कन्यों जोड़ पर्वी का जो जनके जिल्ला के अध्याय 20-क में परिशादित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 44, जो 4थीं मंजिल, जूना वसोंना शांती निकेतन को-प्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि० 7 बंगलोज, अंग्रेरी (पं०), बम्बई-61 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं सं श्रई-2 37ईई 6047 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🖹

प्रक्रम कार्युः खी ः एवः , एवः ------

वायकतः वृद्धिनियमः, 1961 (1961 का 43) की वाद्धाः 269-वृ (1) के वधीन सूचना

माइत सहकार

कार्याजय, सहायक मायक र नागुक्त (निरीक्ष्ण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० श्रई- 2^{j} 37ईई j 6054 j 84-85—श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-24, जो इंद्रदर्शन की-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 4 बंगलीज रोड, आफ वर्सोवा रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण कप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 8-6-1984 को प्रबेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्ष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिखित उद्वरेष से उकत बन्दरण सिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा ची लिए।

बतः अप, उपत अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्री राजेंद्र एच० उसगांवकर।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रवीण म्नार० नागरेचा और श्रीमती कुसुम पी० नागरेचा।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वगुसूची

पलैंट नं० बी-24, जो इंद्रदर्शन को-ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिं०, 4 बंगलोज रोड, ग्राफ वर्सोवा रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37ईई/6054/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर 🛭

प्रकप बर्ह्य . टी. एन . एस 💥 ======

आयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) में संभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं ॰ श्रई-2/37ईई/6056/84-85—श्रतः; मुझे, लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो 1ली मंजिल, हरीशिवम अपार्टमेन्ट्स, कपूर बिल्डिंग, जे० पी० रोड, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 8 6-1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्विश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अथ या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. मैसर्स हरीशिवम् बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विनावि० कोचर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जा<u>री करके पूर्व</u>ीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियू कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो 1ली मंजिल, हरी शिवम श्रपार्टमेन्ट्स, कपूर बिल्डिंग जे०पी० रोड, अंधेरी, बम्बई-58 म स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-37ईई/6056/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-2, वस्बई

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बार्षं हो . एन्. एच्. प्रव. प्रव.

प्रारत चरुकार

कार्यालय ह सहायक भायकर नायुक्त (निर्धिक्षेण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निदेश सं० श्चई-2'37ईई/6101/84-85---ग्रतः, मुझे, सक्ष्मण दास

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गणार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-405, जो गुलशन विला-1, गुलशन विला प्रिमायसेस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 208-बी, जुहू कास रोड, आफ बर्फीवाला मार्ग, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्री है दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से मिषक है जोद मृन्तद्रक (जन्तरकों) जोद मन्त्रिती (जन्तिरितयों) के बीच एसे मृन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त मुद्दैशियित्व के स्थीत कर वाने के मृत्दरक के सामित्य में कसी करने वा उन्नदे वचने में सुनिशा के निष्ठ; बाँदि/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भाउतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती वृधारा प्रकट नृहीं किया गया था वा किया जाना चारिक्य था, जिलाने में स्टिंग्सा के सिक्

बत्ध नव, उन्त निमिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण वी, मी, उन्त निमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो नभीन। निम्मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) 1. श्री हरीदास ग्रमरीतलाल चितालीया ।

(अन्सरक)

 श्री मीहमदग्रली मोहनभाई दारेडिया (लोखंडवाला) और श्रीमती परवीन मोहमदग्रली दारेडिया (लोखंडवाला)

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिति ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

 गुलशन विला प्रिमायसेम को-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड ।

> (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख हं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिख्ति यों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ' जिम्मितियम के जन्माय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिरा गमा है।

अनुसूची'

फ्बैट न ० ए/405 जो गुलशन विला-1, गुलशन विला प्रिमायसेस को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 208-बी, जुहू कास, रोड, ग्राफ बर्फी वाला मार्ग, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई/37ईई/6101/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गृया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकष काइ. टी. एन. एस. -----

माथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश मं० श्रई-2/37ईई/6102/84-85—श्रत:, सुझे, - लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 83 जो 8वीं मजिल, अपार्टमेन्ट्स, अंधेरी न्यू जिस्मन विला को-म्राप० हार्जसग सोसायटी लि० एस० वि० रोड, अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्ड सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई हा और मृक्षे यह विश्वास किरो का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उम्त बन्तरण जिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अभिनियम को अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायिएय में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा श्री लिए;

जतः लग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, भें न उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन निस्किधिवित व्यक्तियों, अर्थात क्ष--- 1 श्री बहादुर मली, हबीब वालजी।

(ग्रन्तरक)

2 डा० नजीर ग्रली गुलाम प्रली मयेधानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आ**री करके पर्वोक्त** संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबध्ध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भगवा है।

वनुसूची

पलैट न० 83, जो 8वी मजिल, जस्मिन श्रपार्टमेन्ट, अधेरी न्यू जस्मिन विला की-ग्राप० हाउसिंग मोमायटी ति०, एस० वो० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि क्ष० स० ग्रर्ड-2/37ईई/6102/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक: 13-2-1985

मोहर 🗓

हरूप बार्यु द**्य**े धुन**ु धुन**ु------

जायकर अर्डिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) जे जभीन स्चाना

गाउँच चरकार

कार्यानव, सहायक बायकर नायुक्त (निर्द्रीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/6138/84-85---ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105-ए, जो 1िमी मंजिल, 'डेन्झील', प्लाट नं० 31, एम० नं० 41 (अंग) ओिशवरा, 4 बंगलोजं, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं). और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के, एते व्यक्तान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्योगों से उचत बन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कृषित्व में कमी करने या उत्तर्ख बचने में सुविधा के लिए; बौद/बा
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्थिक्तयों, अधित् ः—— 1. मैसर्स रविराज डेव्हलोपस ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती इंद्राणी घोष।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो कि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशाहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 105-ए, जो 1ली मजिल, 'डेन्झील', प्लाट नं० 31, एस० न० 41 (अश), ओणिवरा, 4 बंगलोज, वर्सोवा अंधेरी (प०), बम्बई-85 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० श्रई-2/37ईई/6138/84-85 और जो सक्षम प्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2, बम्बई

दिनांक : ,13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बार्य है ही हुए हुए व्यक्त -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985
निदेश सं० श्रई०-2/37ईई/6144/84-85---श्रतः मुझे
क्मण दास
यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
को पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, को धारा
69-ध को अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
रण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य
5,000/- रतः में अभिकृ हो

और जिसकी सं० पलैट नं० के-5/1, जो ग्राउन्ड पलोग्नर 'किशोर दर्शन', बिल्डिंग, 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (प०) बस्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 14-6-1984

का पृत्यों कर संपत्ति के उचित बाबार मूच्य से कम के जियमान ब्रितिफल के लिए बंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कर संपत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके द्रप्रमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह बितशत से बीधक है बीर जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वृतिफल, निक्नीविधित स्व्योकों से उच्य जन्तर्ज निविद्

- (क) सम्प्रत्य के हुई फिली बान की बान्सु, बचन बाँधनियम के बधीन कर बंदे के बम्तरक के धावित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के मिए; श्रीर/वा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी वन या बन्स वास्तिकों को जिन्हें भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट विभिन्यम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती इवाय प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्य;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सधीन, निकालिकित व्यक्तियमें हो स्थान ६---

1. कुमारी मिताक्शारा बी० पुरोहित ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती फातीमा, सी० लोपेझ।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना चारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप पू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खर्जा को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकींगे।

स्वाच्यीकरण:----इसमें प्रवृत्त कव्यों बॉट पर्यों का, वो उत्यक्ष व्योधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं व्यो होगा धी उस व्ध्याय में विका प्रवा हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं० के-5/1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, किशोर दर्शन, 4 बंगलोज, वसींघा, अधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6144/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लश्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक: 13:2-1985

मोहर 🖺

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण), महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985 निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/6152/84-85—न्यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्नेट न० सी/51, जो 5वीं मंजिल, न्यू चन्द्रा को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, वीरा देसाई, रोड, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा म्रायकर म्राधिनयम 1961 की धारा 269 कख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टी है दिनांक 14-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कर्ने बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य अस्स्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात (—— 1. श्रीमती तरुणी टी० गहा।

(ग्रन्तरक

 श्रीमती मंगला, बलबत बागले, और कुमारी, पूर्णिमा बलबंत बागले।

(भ्रन्तरिती

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्परित के अर्जन के लि कार्यवाहमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया। हैं।

जनसूची

फ्लैट नं॰ सी/51, जो 5 वीं मंजिल, न्यू चन्द्रा को-ऑप हार्जींसग सोसायटी लि॰, बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/6152/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, हारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर 🛭 प्ररूप बाई. टी. एम. एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **आपृक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निवेश सं० अई० 2/37ईई/6153/84-85--अतः मु**झें** मण दास.

बायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित' बाजार मूल्य 25,000 '- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/49, जो 4 थी मंजिल न्यू चंद्रा को-ऑप०हाउसिंग सोमाइटी लि०, वीरा देसाई रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 14-6-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्मलिखित उद्घेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित् किन्निस्ति व्यक्तियों, अधित् किन्निस्ति

1. श्री सुभाष कांतीलाल कपाडिया।

(अन्तरक)

2. श्री कै० गोपाल सालीयन ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्वेंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

बन्स्ची

पलैंट नं० सी 49, 4थी मंजिल, न्यू जन्द्रा, कोन्जाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वीरा देंसाई, रोड, ग्रंधेंरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/6153/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सिनांक: 13-2-1985

महिर् 🖫

प्रकृत कार्यं . टी . एवं . एवं १०००-----

नाधकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के संधीन सूचना

नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई० 2/37ईई/6161/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिवारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 35, जो श्री योगी कृपा को आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 15, मिनव नगर, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व, में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 15-6-1984

को ब्वॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से तुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उदत अधिनियम, या धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कत अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्री., मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क्रिअयोन, निम्नलिखित स्वितियों, अर्थात्.— 1. श्री देक्काष्टदे विनोद शानभाग !

(अन्तरक)

2. श्री जेप्पू वसंय राव श्रीर श्रीमती शिला वसंय राव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्स स्प्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रव्हिया श्रासम्बन्धी व्यक्तियों पर्
 मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र खोभी
 श्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्वित्रयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीत से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध
 किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
 लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उन्स जिभिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विवा गया हैं।

वप्युची

फ्लैंट नं० 35, जो श्री योगी कृपा को आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 15, मनिष नगर, जे० पी० रोड श्रोधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूनी जैसा कि० सं० अई-2/37ईई/6161/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनाक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

विमांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस., -----

बायबाड म्रीभृतियम्। 1961 (1961 का 43) बाँ

भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायन वायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985 निदेश सं० अई०-2/37ईई/9210/84-85--अत: मुझें, लक्ष्मण दास

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, पार्क दर्शन, नं० 2 लल्लू भाई पार्क के सामन, ग्रंधेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाक 15-6-1984

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है , और मुभे यह विश्वास मुभे यह विश्वास करने का कारण यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नह किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुइ किसी शय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मां सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय वा किसी धन या जन्म अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती पूर्वारा प्रकृट नहीं किया मया था वा किया जाना चाहिए वा जिनाने के स्थिका के लिए;

सत: सब, उक्त विश्विषय की भारा 269-म के सन्सरक में, में, जन्म अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री विद्या सागर गुप्ता और
 श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीता कालरा और श्रो एस० के० बेरो। (अन्तरिती)

व्यं यह बुजना कारी करके नृज्यों कर तृज्यों तह तह के वर्णन के हिंगु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्रीश सी, 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सकरेंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

फ्रनैट न० 3, जो आउन्ड फ्लोर, पार्क दर्शन, नं० 2, लल्लु भाई, पार्क के सामने, श्रंधेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/9210/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा, दिनाक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2. बम्बर्ष

दिनास 13-2-1985 भोहर प्ररूप आहे.टी.एन.एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज 2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई 2/37ईई/6236/84न85—अतः मुझे, सम्माग हास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट न० 2,जो बी-विग, 2 री मंजिल, लिला अपार्टमेन्ट, यारी रोड, वसींवा, ग्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधान सक्षम प्राधिकारी कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित मही किया गया है ं——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात :---

1. सरदार मनजीत सिंह

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर मेंघराज धामेजा।

(अन्तरिर्ता)

3. अन्तरिती श्रौर उनका परिवार । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्पन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्ची

फ्लैट नं ० 2, जो बी विंग, 2 री मजिल, लिला अपार्टमेन्ट्म, यारी रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई 2/37ईई/6236/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर ख प्रकल बाह् ुटी. एन. एस. - - - --

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई 2/37ईई/6248/84-85--अतः मुझे, निश्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो सोनल 66, मेट जोसेफ, अव्हन्यू, शांताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा अपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 6-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकी, यह विश्वास करने मा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के क्ल्यूह प्रतिकृत से बिए अन्तरित की गई अंतरक (बंतरकों) और अंतरित सा (जंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुद्दे किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अटिंग्सी इवारा प्रकट नहीं किया गण जा या किया जाना चाहिए जा, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं एक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— 1. श्रीमती झरीन अली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बार्बरा जीन, डिसोजा और एशाली मायकल डिसोझा ।

(अन्तरिती)

को सह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यूं में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट नं० 9, जो 4 थी मजिल, सोनल 66 सेट जोसेफ अव्हन्य, साताकज, (प०), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०स० अई 2/37ईई/6248/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनानः 13-2-1985 मोहरः ॥ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेण सं० अई० 2/37ईई/6297/84-85---अत: मृ्झे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लंट नं० ए/002, जो ग्राउड प्लोअर, शितल अपार्ट मेन्ट्स, क्सोंबा शीतल को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० अविनाश के पीछे, जे०पी० रोड, 7 बंगलोज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- 1. श्रीमती मधु सिंह, श्रीरश्री श्याम सिंह ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मध अस्लाम कुरॅशी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस जूबना के राज्यत में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

फ्लैट नं० ए/2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, शीतल अपार्टमेन्ट्स, वर्सोवा, शीतल को आप० हाउमिंग मोसायटी लि०, अविनाश के पीछे, जे०पी० रोड, 7 बंगलोज, ग्रंधेरी (प०), बम्बईन् 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्सल अई 2/37ईई/6297/84-85 और जो सज्ञम प्राधिकार। वस्वई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रंज-2, वस्बई

दिनां रु: 13-2-1985

प्रसम् बाइ ै टी ॒ एत . एस _--------

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/6283/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० जी-71, माणेक मोती, यारी रोड, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई-91 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 18-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिचित में बालाविक कम से किथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उत्तर्स बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयज्ञ. 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियप्र की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, क्रिक्ट्रिनिकृत व्यक्तियों, वधात हि— 1. श्रीमती अमीनाबाई, फिदाहुसेन, जेठा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती, मुनीरा अब्बास नाईकवाडी ।

(अन्नरिती)

3. म्रोनर म्रौर उनका परिवार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को नह तुष्ना बारी करके प्वॉक्त संपत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हां।

इक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सै 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्थयतीक रण: — इसमें प्रयुक्त कावरों भीर पदों का, को उससे सिंभिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० ज़ी-71 जो, माणेक मोती, यारो रोड, वर्सोवा श्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है।

अन्सूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6283/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 18-6-1984 को रंजिस्टर्ड किया गया है।

> बक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक 13-2-1985 मोहर ब प्रकप. अरड्. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीव सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर वायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/9289/84-85---अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1104-ए, जो 11 वीं मंजिल, बिल्डिंग ब्राईटंग टावर्स, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (श्रंग), 4 बगलोज, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्गोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियोंं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित तब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- ((क), यन्तद्भग से हुई किसी बाग की बावत, उक्त शिंपित्यम के अधीत कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या प्रसस्ते वचने में सविधा क लिए; और√वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों स्त्रों, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया में स्विका की विकास

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन्, निम्नलि_खित व्यक्तियों, अधीत् ६—— 1. मैसर्स मनिष इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. मैं मर्स एल० डी० ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स द्योणिवरा, लैन्ड डेवलपमेट, कंपनी (प्रा०) लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के बर्बन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थित्यों में से किसी स्थित दुवारा;
- (स) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दितवर्थ किसी यन्य व्यक्ति व्यारा, वधोहस्ताक्षरी के शाम निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैंट नं ० 1104-ए, जो 11 वीं मजिल, बिस्डिंग ब्राईटन टावर्स, प्लाट नं ० 356, एस० नं ० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6289/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मॉहर ■ प्रकप् **भार्य**्टी <u>.पुन् .</u> एस ,,----

ज़ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्भन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/6335/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो इमारन, नं० 2, मरोल मरोशी, रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्णकप से विणित है) और जिमका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 19-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरभ के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उनत अन्तरण सिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन था अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के सिए;

अतः अव, उपन्न अधिनियम की भारा 269-ग कें अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत: ——
47—496GI/84

- 1. श्री श्रल्लाह बक्स जमाल साब नायकवाडी। (श्रवस्तरक)
- श्री मुस्ताली इब्राहीमबाई, सिद्धपुरवाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्णन के बिष कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध-

- (फ) इस सचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में बरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ara di

पर्लंड नं । 11, जो 3 री मंजिल, इमारत नं । 2, प्लाट नं । 17, मरोल व्हिलेज, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं ग्राई-2/37ईई/6335/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985

मोहर 🤃

प्रकप बाह् ही एन एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं ० ग्रई-2/37ईई/6338/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 405, जो बिल्डिंग न० बी:1 4 थी मंजिल, 'ग्रपना घर यूनिट नं० 2, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगलोज, श्रन्धेरी (प), ब्रम्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबब ग्रनुस्थी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ओर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिग्रम 1961 की धारा 269 कक्ष के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अत्र अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , भैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मैं० समर्थं डेवलपमेट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजयपी० राधेश्वर।

(ग्रन्त(रती)

को ग्रह सूचना पारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्ने 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनिशम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, भी उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्या

फ्लैंट नं० 405, जो बिल्डिंग न० बी-1, 4 थी मंजिल, "ग्रपना घर यूनिट नं० 2, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगलोज, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/6338/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर 🛭 प्ररूप बार्च . टी. एन ा एस ा ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मधीन सुमना

भारत बहरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

लक्ष्मणः दास

गार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे. इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० बी-9, जो 2री मंजिल, श्रानन्द भवन, 45, बजाज रोड, विलेपालें, (प०), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीव्यानयम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 19-4-1984

हो पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

1. श्रीमती भान मती बेन, जयन्ती लाल भवेरी।

(भ्रन्तरक)

 श्री माशिकांत , जयन्तीलाल सवेरी, और श्रीमती कोकीलाबेन शशिकान्त सवेरी।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरितियों उनके परिवार के साथ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्यास्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन् के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकोंगे।

स्पब्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त जीधनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विदः यक्षा है।

नन्स्ची

पलट नं० बी-9, जो श्रानन्द भवन, 45, बजाज रोड विलेपार्ले, (प०), बम्बई-56 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि से धर्म-2/37ईई/6345/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दारा दिनांक 19-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-2-1985

प्रकप बाई. टी. एन. एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं ० अर्ध-2/37ईई 6346 84-85 अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 207, जो 2री मंजिल, इमारत, मोंटाना-सी, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलीश वसींवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 19-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरतिफल के क्षिय अप्तरित की गई है और अन्तरित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिश से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच वेसे अन्तरक के लिए तय पाया गया श्रविषक के बिचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी नाय की वावस्त, अन्य अधिनियम के नधीन कर देने में जन्तर्क के दायित्व में कमी कर्ने या उससे वचने में सुविधा के सिए; श्रीड़/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए बा, खिपाने में सविधा के सिए; और/या

कत: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैसर्स यस्मिन, 'इंटरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा एन० ग्रडवामी।

(श्रन्तरिती)

4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राय०) लिं० (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदाहै)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य ब्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बास लिसित में किए जा सकेंने।

नगृत्यी

फ्लैट नं० 207, जो 2री मंजिल, इमारत, मोंटाना-सी, फ्लाट नं० 4, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंग्रेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6346/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गैया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्थना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश स. आई-2/37ईई /9351/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

म्प्रयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी स० पलैंट न० 10, ए-विग जो जीवन रचना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 295, वि० पी० रोड, अधिरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1991 की धारा 299 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टी है दिनांक 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान् प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्तें यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से मुभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंसरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पावा गया प्रति-फल निम्मालिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बंदारण से हुई किसी बाद की बाबत, उपत बाधितियुक् के ब्राधीन कर बोने के बंदारक के बादित्य में कामी करने वा उससे बचने में सुनिका के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धृत या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा से बिए;

बतः, बब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- श्रीमती खातिजाबाई, अकबरअली जमानी । (अन्तरक)
- 2. श्री बरकतअली बद्दीन पटेल,।

(अन्तरिती)

- 3. (1) श्री बरकत अली बी॰ पटेल,
 - (2) श्री एफ० बी० पटेल, ग्रीर
 - (3) श्रीमती एम० एफ० पटेल ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु[±]।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध,, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय प्रे दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 10,ए-विग, जो जीवन रचना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 295, वि०पी० रोड,श्रंधेरी (प०),बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई/237ईई/9351/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आहें, डी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरा, 1985

निदेश स॰ आई-2/37ईई/6353/84-85--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टेनमेंट न० 511, डी-52, एम० आय० जी०, बांद्रा, पूर्व, बम्बई-51 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 299 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवन्त्र अधिनियम, या भवन्त्र अधिनियम, या भवन्त्र अधिनियम, विश्व प्रशासनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविभा के लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के के अभीन, निम्नलिहिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात् ह— 1. बालकृष्ण बी० सुवर्णा ।

(अन्तरक)

2. श्री रतन अविनाश गोडबोले ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्मत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकों शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज़ से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्त्यी

देनमेन्ट, न० 511, जो, डो-52, एम० आव० जी०, बांद्रा, बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० स० आई-2/37ईई/6353/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारीः बम्बई द्वारा, दिनोक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक : 13-2-1985

मोहर 🔢

प्रस्य भारी, टी. एन. एत.----

अगयकर अधिनिग्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालयः महायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई/दिनांश 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6355/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 310, जो अंधेरी कृपा प्रसाद कोआप० हार्जसंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 198, सी०टी० एस०
नं० 64, गोरेगांवकर बाडी, दाऊद बाग रोड, भराडा बाडी के बाज
में, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 19-6-1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-, जिथिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अस्ति स्वारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित म्यक्तियों. अर्थात् मु— 1. श्री इस्माईल गनी चावला।

(अन्तरक)

- 2. श्री परेश हीरालाल आफ श्रीर श्रीमती मुद्रा परेश श्राफ। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पाम विक्तित में किए जा सकोंगे।

ल्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वतसर्थी

फ्लैंट नं० 310, जो श्रंधेरी कृपा प्रसाद को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 198, सी० टी० एस० नं० 64, गोरेगाँव कर बाडी, दाऊद बाग रोड, भराण्डा वाडी के बाजू में, (श्रंधेरी (प०), वम्बई 58 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि सं अई 2/37ईई/6355/84-85 ग्रौर जो' सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व**: 13-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप. मार्च. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई० 2/37ईई/6360/84 85—अत: मुझे लक्ष्मण धास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो वसींघा रत्तन नगर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत न० ७, ४ बंगलोज, जे० पी० रोड, ग्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दि कि 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचत उद्देश्य से उच्च अन्तरण दिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री युक्क टी० मेहता भीर श्रामती फातिमा फश्रदीन मर्चेन्ट

(अन्तरिती)

2. श्री तरूण एम० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उस्त राम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपं:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकृ कूरे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित/ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रगत्तवी

पलैंट नं० 302, जो 3री मंजिल, इविंग, इमारत नं० 7, वसींबा रत्तन नगरको आप० हार्जीसंग मोसायटी लि०, रतनगर, 4 बंगलोज, जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि कि कि अई 27/3ईई/6360/84_85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर **धा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2-बम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्रस्पः बादः टीः एनः एसः -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/6395/84-85--- प्रतः मुझे, **'कैश्म**ण दास,

बायकर विभिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा े69-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 210, जो 2री मंजिल, सुन्दर "पार्क" बी-इमारत, श्राफ विरा देसाई रोड, अंबिवली विलेज, श्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रदीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिल्द्री है, तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान .तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित ध्यक्तियों, अभितः :----48—496GI/84 श्रीमती कमला पूरी ग्रीप श्रीमती उषा तुली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती शिश्रा विश्वास।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृथेंक्त नंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति खित में किए या सकने।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उब्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्ची

पर्लंट नं० 210, जो 2री मंजिल, "सुन्दर पार्क", बी-इमारत, श्राफ विरा देसाई रोड, अंबिवली विलेज, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/6395/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

माहर:

प्रकप् बाइं. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुभना

भारत सरकार

फार्जनय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, बम्बई

षम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० घई-2/37ईई/6402 और 6275/84-85-प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो 5वी मंजिल, ग्रल-हसानत, चपे लेन, मांताकृज (प०) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निचित में नाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की शावत, उक्त अधिनिवृत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कनी करने दा उक्त वे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. कियाने से सहिता के लिए।

नतः अव, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मन्सूर श्रब्दुल हुसेन श्रौर
 2. श्रीमती निसमा पन्सूर हुसेन ।

नासमा मन्सूर हुसन । (श्रन्तरक)

(2) 1. इसुफी हेपतुल्लाभाई चिनीकमवाला ग्रीर 2 श्रीमती झैतून इसुफी चिनीकमवाला।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके वृजींक्त् सम्पत्ति के जर्जन् के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों आहे पर्वो का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गुका है।

नन्त्र्या

फ्लैट नं० 7, जो, 5थीं मंजिल, ग्रल-हसानत चंप लेन सांताऋज (प०), बम्बई–54 में स्थित है।

श्रनुभूची जैमा कि क सं० श्राई-2/37ईई/6402 और 6275/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी घम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधीकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

मोहरः

प्रक्ष बाइं.टी. एन . एसं., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

शाहत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1985

सं० **ग्रई**-2/3**7ईई/64**10/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-

रु. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1509 जो 15वीं मंजिल. बिल्डिंग, मैंगनम टावर्स, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (ध्रंश), 4 बंगलोज, वर्सीवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-6-1984 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य संकप्न के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे नंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जग्रूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्स लोखण्डवाला डेवलपर्मेट कारपोरेशन। (भ्रन्तरक)
- 2. डा॰ सत्थनाथन के॰ नायर।

(भ्रन्तरिती)

3. मैसर्स घोणिवरा लैन्ड डेक्लपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निव् कार्यवाहिया करता हुं।

एक्स सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की नविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियो गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1509, जो 15वीं मंजिल, बिल्डिंग मैंगनम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, भन्धेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/6410/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1985

प्रकार कार्य हो हो एन्. इस .-----

नायकर निभितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-मु (1) के नभीन सूचना

बाइल चंडकाड

नार्यात्व, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/6428/85-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्टों इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिषत वासार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, राजेन्द्र को-मांप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, चकाला, म्रन्धेरी (पू०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-6-1984

का प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब धाया गया प्रतिफल निम्निजितित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कप से किंशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरूप से हुई निक्षी बाद की बाद्यु, उन्तर बीधीन्वम के बधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

वतः अव, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- मैसर्स भ्रोमेक्स बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रेक्टर्स । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री विजय के० कुलकर्णी। (ग्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूनोंक्त संपरित के अर्थन के सिक् कार्यनाहियां कारता हूं ।

उन्त कम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामीस से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो ग्राउण्ड क्लोग्नर, राजेन्द्र को-मांप हाउसिंग सोप्तायटी, लि०, चकाला, मन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-2/37ईई/6428/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21--6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई,

तारीख: 13-2-1985

प्रकप नाइं. टी. एन. एसं ------

नामकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में सधीन स्थान

बारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जः रेज्-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई--2/37ईई/6440/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिपकी सं० प्लैंट नं० सा- 7, जो, मोसल अपार्टमेंट, 7 बंगलोज, अधिरो (प०), बम्बई- 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयवर अधित्यम, 1961 के, धारा 269 कख के अधित, सक्षम प्राधिकार, के वार्यालय, बम्बई में रजिस्टा है, तार।ख 21- 6- 1984

को पूर्वोक्स मम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क विकासिवित उद्देश्य से सक्त अन्तरण मिवित में वास्त्विक क्या बिका सवा है 3—

- (का) बन्तरण संसुद्ध किसी भाष की बाबत सकत अधिन नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी कर्तने वा उसते बचने के सुनिधा के लिए; बीफ/मा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य शास्तियों की, विनह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में ग्रियभा की निए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रा. रवी शंकर सेठ।

(भ्रन्तरकः)

2. श्रा कमल किशोर मेटा

(ग्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके प्वास्ति तम्बर्ति के वर्षन के तिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संविध, यो भी जविध याद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए आ तकांगे।

स्थव्हाकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पर्धों का, था सक्द अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पवा है।

वन्त्र्य

फ्लैट नं० सा- 7, जो, शातल भ्रपार्टमेंट, 7 बंगलोज, भ्रन्धेरा (प०), बम्बई- 58 में स्थित हैं।

श्रनुसूचा जैजा कि ऋ० सं० ग्रई- 2/37ईई/6440/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्ब**र्**

तारीख : 13-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाह् , टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवर्रा, 1985

निर्वेश सं० प्रई- 2/3कईई/6442/84-85--धतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्चित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 308, जो, चकाला प्रगति को ग्रांपि हाउलिंग सोसाईटों लि०, जे० बो० नगर, श्रन्धेरा (पू०), बम्बई--59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कब के अध न सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्र, है, तार, ख 21-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्न्यह भितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित्वित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण निम्बत वे वास्तिक स्थ से कर्षण प्रशिं किया गया है:—

- (क) नन्तद्रम् से हुप्तै किसी नाय का बाब्त्, उक्त विधिनियुत्र के नधीन कर दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में धृविधा के लिए; शरि/या
- (ख) एंधी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्तः वयं उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं के वन्सरण मं, में उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्राएम० राजन।

(श्रन्तरकः)

2. श्रीमता नयना कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वन्यूकी

पलैट नं० 308 जो 3री मंजिल, चकाला प्रगति को-भ्रांपि हाउसिंग सोसाईट, लि०, प्लाट नं० 65-ए, बायर-लेस स्टेशन के बाजू में, आफ श्रां निवास **बाग**रका रोड, जे बंा० नगर, प्रन्धेर्स (पू०) धम्बई-59 में स्थित हैं।

अनुसूच: जैसा कि ऋ० सं० अई- 2/37ईई,6442,84. 85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई ब्रारा दिनांक 21- 6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दात• सक्षम प्राधिकारः।• सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बम्बई

नारीख: 13-2-1985

प्ररूप बाइ .टॉ.एन.एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- 2, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 13 फरवर्≀ 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/6457/84-85→-अतः मुझे क्षमण द्वास.

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी सं० फ्लैंट नं० 28, जो, बी-विंग, प्लाट नं० 19, मनिषदीय को-ग्रांपि० हाउमिंग सोसायटो लि०, मनिष नगर, श्रन्धेरा बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाध्रद्ध अनुमूची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कष के ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिन्द्री है, तारीख 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरह कें दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बद्रीदीन ई० जेटा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दिलीर जयन्ती लाल गहा।

(म्र∘तरितं₁)

3. श्रन्तरित्। I

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. भ्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैट नं० 28, जो, बं--विंग, प्लाट नं० 19, मनिषद्वंप को-म्मॉप हाउसिंग, सोसायटा, लि०, मनिष नगर, भ्रन्धेरी, बम्बई--58 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैया कि क० सं० श्रई-2/37ईई/6457/84-85 ओर जो पक्षप प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

तारी*न*ा: 13-2-1**895**

मोहर ६

प्ररूप बाई. टी. एन. ऐसं. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज -2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/6546/84-85 —श्रतः मृझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कुमरा नं० 56, जो 1ली मंजिल, रोशन लाल प्रगरवाल शिपग श्राकेंड, भ्रपना घर के बाजू में, श्राफ जे० पं रा रोड, वसींवा, श्रन्धरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है, (और इससे उपायड श्रनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्र; है तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्र्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयंत्व में कमी करने था उससे अपने में सुविधा कैं लिए; और/या
- (क) श्रेसी रिकटी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिक्क भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जस, उक्त सिंपिनियम को भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सधीन मिन्निकि विकासिकारों, सर्वात ४--- 1. मैं मर्स प्रार० एत० ए० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

 श्रः राजू नारायणदाम उबरानं और श्रीमती नान्कः एन० उबरानः।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से > 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद्य में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

् कमरा नं० 56, जो 1र्ला मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल गाँपिंग श्राकेंड, श्रपना घर के बाजू में, श्राफ जे० पो० रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरों (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/6546/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकार्।, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिराक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बस्बई

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

1 श्री वी0 के० पुरी।

(ग्रन्तरक)

2 लिना ग्रार० एल० नायर।

(ग्रन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, मंहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-2, वस्वई
बम्बई दिनाक 13 फरारी 1985

निर्देश सर्व अई-2/37ईई/6548/84-85--म्रत मुझे, लक्ष्मण वाम

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात उक्त की धिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा संबोधिक है

और जिपकी स० पलैंट न० 9, स्वप्न धर को-म्राप० हाउसिंग सोसाईटी नि०, जो, काला, ग्रन्थेरी (पूर्व) विम्बई-99 में स्थिन है। ओर उसमें उपावड ग्राग्यूची में आर पूर्ण रूप से विणित त्), ओक गिका करारनामा ग्रायकर ग्रिशिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यातय, बराई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त से, एसे दृश्यमान प्रतिक्त का पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक कर से कि सिस मही किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किगी शाय की बाबा उसल क°व नियम के अधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में काम कारने या उमसे बचने में सुविधा के क्रिए और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ना, रिजन्ह भारतीय राव अर कि धिनिया १३३४ (1922 का १) या उन्तर अधिनिया या बन कर आधानस्य (भ) 57 (1957 का 27) का प्रयोजनाथीं अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म कं अनुसर्प में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिङ्गिल सिक्तमों नाभात् 49—496GI/84

को यह सूचना चारी करके प्यान्त सम्पत्ति के न्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त तस्पति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपेश--- ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः का तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वों कर ध्यक्तियों में में किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वान अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित को किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक रण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पर्लंट न० 9, स्वप्न घर कोग्रा-प० हाउसिंग सोसाईटी, लि० में जो काला, ग्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-99 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क स० श्रई-2/37ईई/6548/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारो वस्बई द्वारा दिनाक 22-6-1984 ेको राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन. रेज--2, बम्बई

तारीख : 13-2-1985

प्ररूप**्र माइ^{*}, टी. ए**स. एस. ------------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की भारा** 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर माय्क्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

म ० अर्ह $-2^{l}37$ ई $\frac{1}{6551}$ 84-85-प्रत मुझे, लक्ष्मण दाम,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उद्याद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण वी कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

और जियकी १९७या फ्लैंट नं० 6, जो इमारत नं० 7, 2री मजिल, नवजीवन सोमाईटी, नवजीवन को ग्राप० हाउसिंग, सोमाईटी लि०, मोरी रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची है और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूष्य स कम के दृष्यमान मितक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह दिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अतरिती (अतरितियाँ) के बाच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तिक रूप से किया गया हैं :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनस्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था स्थिपाने में मुविधा के रिएए

जतः अष उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- 1. श्री मेघराज एन० ग्रडवानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री किशोर प्रभुदास भ्रदनानी।

(अन्त(रती)

3 अन्तरिती

(बहंब्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुए।

उक्स सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्यंवंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस स्चना के राज्यक्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हिन्द बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास निम्बित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय, 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

mun with

फ्लेट नं० 6, जो, इमारत नं० 7, 2री मंजिल, नवजीवन सोसाईटी, 'नवजीवन को०-म्राप० हार्जासग मोसाईटी लि०, मोरी रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क सं० प्रई-2/37ईई/6551/84+ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 22-6-1984 को रजिस्टर्ग किया गया है।

नक्ष्मण दास.
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 11-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, बम्बई

वम्बई. दिनाक 13 फरवरी 1985

निर्देश म० ग्रई-2/37ईई/6553/84-85-श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् के जवित अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंचित बाजार म्स्य 25,000/-रा. स अधिक है

और जिसकी मध्या प्लाट न० 1485/87, जो, प्लेट नं० 27, 5वी मजिल, गरेज न० 6, के साथ, मून कापट कोग्राप० हाउसिंग सोसाईटी, ति०, ग्राफ कार्टर रोड, बादा, कम्बई—50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रतृभूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारतामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकार के कार्यालंड, बम्बई में रजिस्ट्रा है

तार ख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रति-फल के लिए अतिरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिय उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिभिनियम के अभीन कर देने के ब्न्स्रक की शिम्लिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां स्थिति हु— . 1. श्रीमती सन् गजू।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुकेश महेश गुप्ता।

(ग्रन्त(रती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिंग कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ग्लाट नं० 1485 87, जो, फ्लैंट न० 27, 5त्री मर्जिल, गरेज न० 6 के साथ, मून ऋष्टि-को श्राप० हार्जसग सोसाईटी जि०, श्राफ कार्टर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि के स० श्राई-2/37ईई/6553/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 22-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख 13-2-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985 निर्देश स० ग्रई $-2^{l}37$ ईई/6559/84-85 — ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,(14)0/- त में अधिक है

और जिसकी सख्या पलैंट न० 43, जो 4थीं मजिल सिद्धाथ बिल्डिंग, विलेज वसींवा, ग्रन्धेरी बम्बई सर्वे० न० 135, एच० न० 2 सिटी सर्वे न० 1315 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ओर पूर्ण रूप से विणत है), और जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रिविनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरितं की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूव कत सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी कि, सी आय या कि मी अन या कल्य अतिरायं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनाम, 19.2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतत जब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण क, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे वधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, वर्षात् --- 1 श्री कमल ग्रनीय तलसानिया।

(ग्रन्तरक)

2 श्री के० के० भावरी।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अअन क मम्बन्ध म कोई भी शक्षप --

- (क) इस स्वना के राजपण मा अकाणन की 'तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मूचना की तामीत से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो के भी पर्वावा व्यक्तियों में से मिसी ना वत द्रारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भानर उन्हें स्थाव ह नमित्र में हिंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति सारा अधाहस्ता । के पास लिखित में किए जा स्केगे।

स्पष्टीकरणः:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।.

अ (सूच)

पलैट न० 43, जो 4था मजिल, सिद्धार्थ विल्डिग, विलेज वर्मोवा, ग्रन्थेरी वस्वई मे स्थित ह। ग्रन्थुची जैसा कि क स० ग्रई-37ईई/6559/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्मण दास, सक्षम प्राविकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 13-2-1985 मोहर

वस्य बाह .टी.एन्.एड.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बस्वई

बम्बई, दिनावः 13 प वर, 1985

निर्देश स० अई-2,37ईई/6699/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण क्सं.

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-खं स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि थावर सम्पन्ति, जिसंका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सं अधिक है

और जिसका सख्या फ्लेटन० 202-ए०, जो०, 2 रामिजल, 'ममीर" इमारत, आफ जे० पी० रोड, 7 बगलोज, अध्येरा (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिल्ला करारनामां गाउन अगिरिम 1961 का धारा 269 वख के अधान ज्यम प्राधिवार। के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रा है, ताराख 23-6-1984

पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तेफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ग्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त बाँधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए, बाँद/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिन्यम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ", मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् थु— 1 श्रा श्रशः इ.० मधानः आर श्रामत विरिश्मा ए० मधानः।

(अन्तर्र)

2 श्रा गांपेन्द्र नाथ बनर्जी।

(अन्तरिनी)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया

जन्त् ची

पनेट नं० 202- ए०, जो दूसर मि: ', ''६म र'' श्रोफ छे० प्रा० राड, 7 बगलाज, श्राधेरा (प०), बम्बई- 58 में स्थित है।

अनुसूच, जैसा वि न०स० अई- 2/3/ईई/6699/84-85 ओर जा मक्षम प्राधिशार। बस्वर्ष द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण यान, भक्षम प्राधिवार, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निराक्षण), स्रर्जन रेज- 2, बम्बई

तार, ख . 13-2 ·1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के वृंधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेऽ:- 2, बम्बई

बम्बई, दिनाव 13 परदरी, 1985

निर्देश स्०४ ई- 2/37ईई/6711,84- 15-2 मुझे, रुध्मण दारा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिका सखा फाउनल एनाट नं 66/बा अप टा प् पा एस 2 आफ बिले पार्ले (पूर्व), प्रार्थना समाज रोड, बिने गले (पूर्व), बान्बई-57 में स्थित है (और इससे उपा-बाह अनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिल्हा करारनामा आयार प्राधिन स्म, 1961 का धारा 269 इख के अपीन, सक्षम प्राधि तर, के कार्याच्या, बन्बई में रिजस्ट्र, है, रीख 23-6-1984।)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्धा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में स्ट्रीवधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मैनर्स जयश्री बिल्डर्म (इण्डिना)।

(अन्तर-

 श्रामता गुसुनवेन चन्दूलाल पारेख, और श्रोनो राकेश चन्दूतात पारेख।

(अन्तरित

कौ यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्र 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, र अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हिंग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में गमा है।

अनुन्नी

फाप्रतन्त प्लाट त० 56/वा, ग्राफ टा० पा० ण्या ग्राफ विजे पार्ने (पूर्व), प्रार्थना सभाग रोड, विजे पा (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित हैं।

म्रनुसूचः जैसा कि ऋ० सं० म्रई- 2/37ई $\frac{6}{1}/6711/6$ 85 और जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा विनाक 23-1984 को रजिस्टर्ड विज्ञा गया है।

लक्ष्मण व सक्षम प्राधिका सहायक स्रोयकर स्रायुक्त, (निरीक्ष स्रोत रेंज- 2, वर

नार, ख: 13-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवर , 1985 सं० ग्राई- 2/37र्हिं /68 63/84- 84 -- ग्रत मुजे, लक्ष्मण

र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ज्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 00/- रु. से अधिक है

जिनका संस्था फ्लैंग ने० 601, जो, अधारफ महल" मिजिल, इमारल न० ब - 105, ज्यप्रताल रोड, आहेर हो, बिन्दर्स- 58 में रिजत है (जार इस्में उपावण अनुसूच, रि पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनवा वारारनामा र अधिनियम 1961 का धार 269 व्या के अधीन प्राधिगर, के वर्षात्र्य, दस्पर्द में रिजस्ट्र, हे, तारीख 6-1984।

तेंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास का कारण है कि स्थापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और ती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- कि जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- ्क) एसी किसी आय या किसी वन अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,
- अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण जिस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्रीमत, सबेग एम० आईभवाला।

(ऋत्रक)

2 श्र, झ्वादग्रल, एच० उर्न,या।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

भ्लैंट नं० 604, जो, '' अक्ररफ महल' 6वीं मजिल, . इमारत नं० ब.- 105, इ.४प्रशाहः रोड, अन्तेर, (५०), बम्बई- 58 में स्थित है।

श्रनुमूच, जैसा कि क स० श्रई 2/37ईई/6863/84 85 ओर जो सक्षम प्राविकार,, बम्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रिक्टर्ड विया गया है।

> त्रधनण दान, सक्षम प्राधि गरा,, सहायक द्वायुक्त स्वायुक्त (निराक्षण) स्रजीन रोज- 2, बम्बई

तार.ख: 13-2-1985

मोहर .

श्रुष्य बाहं टी. एव एस.-----

г^рттт 1801 (1001 гт 10) г 9 мгат

का का कि नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

भारत् सरकाड

कोर्यास्य, सहायक जायकर नाम्कत (निरीक्ष्)

श्रर्जन रेज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 परवर, 1985

स० ग्राई- 2/37ईई/6865/84-85--ग्रातः मुझे, लक्ष्मण दानः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्तिन बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

और जिमकी र ल्या फ्लैंट न० ई/25, जो, 5 व। मजिल, एयरलाईन अपामिटन, प्रताप बालनी, अन्देरा (प०), बस्पई-58 में स्थिन हैं (ओर इससे उपाबद्ध अनुँसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिपशा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, बस्बई में रिजस्टा है, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपल बिध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क्ष) एरी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के लिए;

गत , गब, उन्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता रिष्दा एस० केछ।

(अन्तरकः)

2 श्र,मतः, श्रमतुझ क्राकाया णाहेन वाईफ श्राफ श्रपकर श्रने शारयार।

(श्रन्तिरते,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के जर्जन के लि कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थहोग्य जो उस अध्याय में दिय गया है।

ब्नुस्ची

पलैंट नं० ई/25, जो 5वी मंजिल, एयरणाईन श्रपामेंट, प्रताप कारती, अधेरा (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुस्च, जैला कि क स० अई-12/37ईई/6865 84~ 85 ओर जो सक्षम प्राधितार, बम्बई हारा दिनाव 23.6— 1984 को रजिस्टर्ड निया गया है:

> लक्षण दाः।, सक्षम प्रशिदारः, सहायः ग्रायंकर ग्रायंक्त (निरक्षिण), ग्रर्जन रेज-2,वस्बई

नारं ख: 13--2--1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस्.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी, 1985

निदेश मं० अई-2,37ईई,6911,84-85--अत. मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिय, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्लैट न० 301, जो 3री मंजिल, इमारत न० "एँ ठक्कर अपार्टक्ट जुहु लेन ग्रधेरी (प), अम्अई—57 हैं में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई से रजिस्ट्री है तारीख 25—6—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तिस में वास्तिवक रूप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियर, के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के निष्

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात —— 50—496GI/84 (1) श्रीमती ज्योतीबेन सी शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय चद्र न्यालचन्द बोहरा, श्रौर श्रीमती कमलेश विनयचद्र वोहरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अश्वोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्भूषी

पलैट न० 301, जो 3री मजिल इमारत न० " η " टक्कर अपार्टमेटस जहु लेन, ग्रिधेरी, (प), बम्बई-57 में स्थित अनुसूची जैसा कि क्रम म० अई-2/37ईई/6911, 84-85 है जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक 13-2-1985

मोहर

प्रकथ आइ. टी. एन . एस . ------

क्षायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीकाण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

बम्ध्रई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अ**ई** -2_{l} 3 7**ईई** $_{l}$ 6 9 $2\,1_{l}$ 8 4-8 **5** — अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पितन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 305, जो 2री मंजिल, बी ब्लाक, संजली प्लाट, नं० 2, एस०' नं० 121, 7 बंगलोज वर्सीया विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यायल बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिभिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने से समिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रम्, मूँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बोम्बे हाउसिंग कारपोरेशन ¹⁹।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण जी० अडवानी। भा

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर के सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पाकतेकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया नथा है।

वंत प्रची

प्लेट नं० 205, ग्रो, 2री मंजिल, बी ब्लाक, श्रंजली प्लाट नं० 2, एस०नं० 121, 7 बंगलोज, जे०पी० रोड, वर्वोपा विलेज. ग्रंधेरी (प) धम्बई; स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अ**ई**-2,37**ईई**,6921,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक **25-**6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1985

प्रक्ष बाइ. टी. एन. एस. ------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

शार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० अ**ई** -2_{l} 37**ईई** $_{l}$ 6936_{l} 84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट न० बी-4, क्वान्स व्ह्यू प्रिमायसेस, को आप० हार्जसग सोसायटी लि० जुहु रोड़ सांतांश्रंज (प), बम्बई-49 में स्थित है (ग्रीर इससे उापाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रितफल से, एसे दश्यमान श्रितफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रितक क्य निम्नसित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत उनत बिध-नियम के बधीन कर बने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट वहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विष्

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती यु० आर० लालवानी क्र (अन्तरक)
- (2) श्रीमती किरण पी० वासवानी। (अन्तरितः)
- (3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भौतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विद्या क्यांकित के पास कि वित्त में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नेवा है।

बनुसूची

फ्लैट न० जी-4, क्वानस व्हयू प्रिमायसेस को० श्रोप० हाउसिंग मोसायटी लि० सिनेमा लिडो के सामने, जुहु रोड़अ सांतांकुज (प), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋम सं० अई -2_l 37ईई $_l$ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ष**

विनांक : 13-2-198**5**

प्रकार **, बार**्ड टी., एन्ड प्रस्तु ड व व व व

जायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के निधीन सूचना

भारत तडकाड

कार्माक्षयः, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अ**ई**-2/37**ईई**/6949/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 702, जो बी, विंग 7वी मंजिल, बनझेर , प्लाट नं० 9 भीर 9ए एस० नं० 4 श्रंण() भ्रोगिवरा 4 बंगलोज, श्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा. 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इवारा प्रवट नहीं किया गया था या विका जाना चाहिए था, छिपान में मुरियन। सी निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यिक्टियों, अर्थात् । —

(1) श्री फेन्सीस्को क्षेवियर डिसिल्वा मौर श्रीमती फिलोमिना डिसिलवा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आर० डब्लू० एसोसिए टस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्बद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उमत जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लट नं० 702, जो, बी विंग, 7वी मंजिल, बेनक्सेर, प्लाट नं० 9 और 9ए, एस०नं० 4 (अंग) ओशिवरा, 4 बंगलोज अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/6949/84-85 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक:13-2-198**5**

मोहर 🕄

प्ररूप जाईं. टी. एन. एस. -----

जायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वासक मासकर मास्क्य (गिरीक्रक)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष्ट बम्बर्ष्ट, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/6974/84-85--अतः मुझे, र्क्स

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2, जो धनसुख को०-श्रोप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 1ला रस्ता ,टी० पी० एस० नं० 3 सांताकुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एोसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण तं हुई किसी आयं की वायतं, उपत जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के स्विधा के लिए;

बतः वय उक्त वाधिनियम की भारा 269-ग वौ वन्सरण में, में, उक्त व्यधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--- (1) श्री टी० एम० पटेला।

(अन्तरक)

(2) श्री धनज़ी वि० सावला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो धनसुख को०-म्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि० , प्लाट नं० 74ई०, 1ला रस्ता, टी० पी० एस० नं० 3, सांतांऋज, (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/6974/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 13-2-1985

मोहर:

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

कार्यांचय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्श बम्बर्ध, दिनांक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/698584-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निद्दास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11 , जो 4थी मजिल, रत्नदीप 27, केसर रोड, श्रंबोली, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप

से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1962 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्धई में रजिस्ट्री है तारीख 28-6-1984

क्षे पृथिति संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास क स्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीज अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जाय की धावत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ भें कमी करने या उससे अधने भं स्विधा के निय; जीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) अधिन मिन्निलिखित व्यक्तियों, अथित :— (1) श्रीमती सुलिना एस० काटकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऋस्तीन पीटर डिसोजा। (अन्तरिती)

को बंद सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सि कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न बन्धित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप उन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में श्रकासन की तारीच -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, यहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दि पना है।

नन्सूची

फ्लेट नं० 11, जो 4थी मजिल, रत्नदीप, 27 सिसर रोड़ ग्रंबोली, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-2/37ईई/6985/84-85 ग्रीए जो सन्नन गतिकारो, अम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज–2, क्षम्ब

दिनांक : 13-2- 1985

माष्ट्र 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई अम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अ**ई**त्-2_| 3 7ईई_| 6994_| 84-85--अतः मुझे अक्ष्मण दस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट ए-7 ो 1 ली मंजिल, आराधना इमारत, 2 कड़ल रोड, माहीम, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-6-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्री मती शाखा मेहरा।

(अन्तरक)

(1) श्री हुंग कू० घूक और श्री चंग लिन चंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्रध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा सकरें।

स्थरतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० ए~7, जो 1ली मंजिल, आराधना इमारत 2, कडेल रोड़, माहीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/6994/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई आरा दिनांक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **सम्ब**ई

दिनोक : 13-2-1985

मोहर 🕆

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकारु

काबासय, सहायक बायकण बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निदेश स० अई-2/37ईई/7001/44-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं फ्लैट नं 10, जो 1ली मॉजल, इमारत नं 3, "सिमा" सेंट्रल गर्वनमेंट एम्प्लाइज को श्रोप हाउसिगं सोसायटी लि , 4 बंगलोज रोड श्रधेरी (प), बम्बई-58 मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप सं वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय, पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/बा
- (म) एसी किसी आय या क्रिसी धन या मन्य भास्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए:

बत वब., उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात :—— (1) आर० सबाणिवन ।

(अन्तरक)

(2) मारी सी० मंम्युअल।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्थिकत ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए अप्रसर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

जन्स्ची

पलैट नं० 10 , जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 3, "सिमा" सेंट्रल गवर्नमेट एम्प्लाईज हाऊसिंग मोसायटी लि० 4 बंगलीज, रोड ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/7001/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्नई द्वारा दिनाक 28-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब ई**

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ', टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात उक्त आधानयम कहा-गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पास्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भार जारा नं पर्नेट नं 35 , जो 37 संजिन, जुना वसंविष्णात निकेतन को० ओप० सो ायर, 7 बंगलीज, यार: रोड़, वर्सोजा, अंदेर, (प), बम्बई में स्थित हैं (ओर इनसे उपाबस्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं) और जिसका करार तमा आव , र अधिनियम 1961 क धारा 269न, ख के अधान सक्षम प्राधि गर, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टू, है तार द 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियान बों स्विभा क लिए;

जत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंघ की उपधारा (1) के क्पीन रियनिस्मित व्यक्तियों, अधार '—— 51 —446 GI/84 (1) एच० एम) इस्सरान्।।

(भ्रन्तरक)

(2) बेरिम ड.० जे० राड्र.ग्ज।

(अन्तद्भित,)

(3) अन्तरितः

(वह व्यक्ति जिसके ग्रस्थिग मे सम्यात है)

क्कां यह स्थाना खारी करके पृथांकित सम्परित के अर्थन को लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचनों की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस किया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ' किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।'

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याम 20-क में परिभाषत है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वाही।

ग्रन्सूची

पलैट नं० 35, जो, ेरा मंजिल जूना वर्सीवा, शाती निवेतने को० भ्राप० सोनायट: , ७ वंगलोज, यारा रोड, वर्सीवा, अधेर , (४), वस्वर्द में किन्न है।

ं अनुसूच ^{*}जैसा क० सं० अई- `|37ईई|7027 84--85 और जो भक्षन प्राधि ार , बम्बई द्वारा।दनाक 28--6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारो महायक स्नायकर आयुक्त (तिर क्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनां ३ : 13--2- 1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकेर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्:--2, बम्बई

बम्बर, दिनांक 13 फरवर 1985

निदेश सं० ग्रई- 2/37ईई/7319/84-85--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार स्ंल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि क सं० युग्टिनं 305, नव-विवेव इंडस्ट्रियल र इस्टेट, भोगुल लेन, माहम, इम्टई- 16 में न्थित है (और इसे उपार्ट अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से न्णिंग है) और जि। ज न्या नामा आतार अधियम 1961 क धारा 269, ख के अधन स्काम प्राधार के वार्यात्य बव्ह में रजिस्ट है तार ख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का ट्रीचित बाजार मल्य में कम के हरणमान प्रितिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाणविक्त गमा ति का उचित बाजार म्हा, उसके दृश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकः) अदृश्यमानी (अन्तरितयोः) के बीच एम अन्तर्भ के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दाधित्व के कमी करन या उससे बचने में मृविधा के लिए: और/या
- (का एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (i) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामर्ता मणि ज,० डेम्बार।

(अन्तरक)

- (2) 1. भ्याम जन्तिह एच० यु० एफ०, 2: गिरर्धर एच० जन्निह एच० यु० एफ०
 - 3. श्र चंद ज हिएच० यु० एफ०, 4. मनंहिर जयस्तिह एच० यु० एफ०,

(स्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कायवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपैत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अर्जाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों ने का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुयूचः

युटि नं० 305, जो तत्र-विवेश इंडस्ट्रियल इस्टेट भोगुत ले। माहम , बस्दई-16 में न्स्यत है।

प्रशुप्तः जैता कि कम सं० प्राई 2/37ईई/7319/84-85 और ने भक्षत प्राधि गर, बन्बई हारा दिनाक 29-6-84 का रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि गरी सहायक स्रायक्तर स्रायक्त (निर क्षण) स्रर्जुन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 13-2-1985

मोहः ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्दई, दिनाक 12 परदर्श 1985

निर्देश सं० अई 2/37ईई/7441/84 85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दाः

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अत्राज्ञ का सं० फ्लैट न० 2, जो शाउन्थ फ्लोर, प्लाट नं० 3, स ०ट ०ए ४० नं० 1309, र बंगलोज के बाज् में, टैंशाला फ्रार्जिंट, अरेर, वार्सीना राड, बस्दई में रियत हैं (अर होने उपायद अनुच्च में अरू पर्ण हप से विणित हैं) अर जिल्ला कार्रामा आर र अर्थिन्यम 1961 क धारा 269 , ख के अधान कि प्राप्त हम प्राध्वार। के वार्यात्य बम्बई में रिजस्टू है तार ख 6-6-1984

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मिल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तेरित की रई है और मूभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्ताक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल है पर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अड, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मोइनुद न ि.दश्क अ. घर मुल्दा।

(अन्तरक)

(2) राधाुष्ण नाराजण भट।

(ग्रन्तरितः)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिलके अधिकोग मे सम्पात है।)

(4) सोसायटी ।

(वह क्यक्ति जिस्के <mark>बारे में</mark> हस्याक्षर जायता है कि व सम्पति में ।हसबद्ध है।)

क्यों यह मंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यम्र,हिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की नामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयंक्त कब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मन्स्ची

प्लाट नं० 3, जो सी०ट० एप० 1309, 7 बंगलीत के बाजू में, बैजाता अर्थिमेंट, फ्तैर नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, अंधेर वर्सोदा राइ, बभ्दाई में स्थत है।

अनुसूच जैं। कि त्रम सं० अई-2/37ईई/7441/ 84-85 और जो क्षिम प्राधि र , बम्बई द्वारा दिनान 6-6-1984 को रजिस्टई निया गया है।

लक्ष्मण नास सक्षम प्राधिः। रो सहयात आयकर अयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंजन् 2, बम्बई

दिनांगः 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निदेश म० अर्ध- 2/37ईई/7590/84-85--अत: मुर्से लक्ष्मण दास

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्स, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,00 /-रु. से अधिक हैं

और जिसका गं० फ्लेंट न० 303, जो "ब, किंग लक्ष्मन जुहला 107, जे० पाठ रोड, नवश्य किंगम के सामने, अहें राष्ट्र (प), बम्बई—58 में स्थल के (और उससे उपाबत अनुमूब में और पूण हव से विणा है) और जिसदा करारतामा आपकार अधिनयम 1961 के के धारा 269%, के के अधिन स्थम प्राधिनार के निर्मत बम्बई में रिकरद है तार ख 7-6-84 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सप्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रियोशत स अधिक है और अतरिक (अतरकों) और अतरिती (अन्तारीत्या) के बीच एस अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिक्ता किंगालित उद्देश्य से उच्त बन्तरण कि विवत में वास्ति किंका निम्नालित उद्देश्य से उच्त बन्तरण कि विवत में वास्ति विका स्थ स कायत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्त अधि-किश्र के अधीन कर बन के अन्तरक के शामरण में कमी करने वा सबसे बचने में सृत्यिश के खिए; बार्-या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधन कर अधिनियम, शाधन कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

तः कवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के समसरण माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) गीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अथित :---

- (1) मेतर्स बिले जनस्द्रवधान कंपनः। (धन्तरक)
- (2) श्र. कांतीलाल लाल्चंद जैन और श्र.मत्। कांत,लाल जैन । (श्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरकः ।

(वह व्यक्ति जिसके म्रिष्टिभाग में में सम्पात हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त हाती हा, के भावर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति देशार अधाहस्ताक्षरी के शत सिखित में किए आ सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमाँ प्रयुक्त शाउने और पदों का, आ उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ,।वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया है।

वमुसूधी

प्लैंट न० 303, जो 3र मंजिल ब " विग लक्ष्मन जुहून: ,107 जे०पा०रोड़, नवरंग सिनेमा के सागन, अधेर। (य), बम्बई में स्थित है।

अनुसूच जैमा ति श्रम स० आई 2/37ईई/7590/ 84-85 और जो अक्षम प्राधितार, बस्दई हारा विनांत 7-6-1984 की रजिस्टई किया या है।

> तक्ष्मण दास ,क्षप प्राधिकार) सहायक ग्रायवर आय्वन (निर**ःक्षण)** ग्रजन ^{के}न---2, **सम्ब**र्ड

दिन[ं]क . 13-2-1985 मोहर ३ प्ररूप आइ. टी. प्र. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2 बम्बई वम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/8013/84-85--बतः मुझे, ाण दास,

हायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ' इसके पण्णात् उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित शाजार मूक्क 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लाट नं० बी-28 ओशिवरा, धीरा देसाई रोड़, अंधेरी (प्) बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबत्व अनुपूची में और पूर्ण रूप से वाणत है) और जिनका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन सभम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-6-1984

का प्वावत सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमाम प्रतिफल के लिए कुल्तित की गईं है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथ)पर्योक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल सं, एसे इष्यमान प्रतिफल का न्दिह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, दिम्नलिखित उद्वव्य से उक्त अन्तरण सिखिस में बास्तिक एप से कथित मही किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की धानत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा की सिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनसम्ब को , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अवधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्;--- (1) श्री दोलतराय रमनलाल देसाई।

(ग्रन्तरक)

(2) भुखानवाला स्टोन सेंटर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्जन के निष् कायवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में को हाँ भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है शे 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपरित म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके आधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसू वो

ब्लाट नं० बी-28, जो ओशितरा वीरा देसाई रोड, अंधरी (प०) बम्बई-59 में स्थित है। प्रतृसूची जैसा कि कम सं० अई- $2^{1}37$ ईई/8013/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 21-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

माहर :

प्रकप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/8260/84-85--ग्रतः सुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पोक्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० पलैंट नं० 114, जो, 11 वी मंजिल, "मिति इस्टेट" भ्रांफ जे० पी० रोड़, 4 बंगलोज वसोंचा अंधेरी (प), बम्बई—61 में स्थित है (और इसम उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप संवागत है) और जिनका करारनामा ग्रायकर श्रनिधम 1951 की धारा 239 के, ख के श्रनीर सक्षम शिक्षकारी के कार्यालय बम्बई मे रिनस्ट्री है तारीब 28-6-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तारत का गई ह और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का गई ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारीत्या) के बाच एस अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलि। खत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तावक रूप स काथल नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ने हुए किसी आव की काव्य न खबता, छवता विधितियम के वधीन कर दोने के अन्तरक न दायित्व में कमी करने वा उद्देश वक्षे में सुविधा के लिए; और√या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा खें लिए;

बतः बब उक्त बीधीनयम की धारा 269-न की बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मेतर्स भवीन डेव्हनापर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जन्नश्रंतज्ञाल लक्ष्मीशास दामानिया और श्रीमती निर्माला जेवदामानिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामनाह्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां भा से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यख्तीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बनी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्नेट नं० 114, जो, 11वी मंजिल ''ग्रमित इस्टेट'' ग्रांफ जे० पी० रोड़, 4 बंगनोज, वर्सोजा, अंधेरी (प), वस्वई-61 में स्थित है।

भनुमूची जैसा कि क्रम सं॰ भ्र-2'37 ई/8260/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गय. है।

. लक्ष्मण दास सभ्रम प्राधिकारी

सह्य अध्यहर आपुना (तिर क्षण); श्रजंत रेंज-2; बम्बई

दिवांक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस. - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/37जःl.364जून/84---म्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पं० सर्वे नं० 136 और न्यू सर्वे नं० 3/120, और सी० ११ स० नं० 807 ग्रांफ महीम िबीजन, बम्बई में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और रिजस्ट्री हर्जी ग्रियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-6-1984

को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्दस् प्रितिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियारे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किमी बाय की बावत, उथत बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एन किसी कार्या जिसे धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवाग एकर बन्नी किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उव, उवत विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उवन अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) -में अधीन, निम्मेलिखित व्यक्तियों, अर्थात हु— (1) मरीया म्रन्थोनेथ मस्करेन्हस इमन्थेरो, ज उर्फ मरीया मस्करेन्हस मन्थेरो ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. चुनीलाल ज्ञानचन्द मेहरा,

2. नारायणदास शानचन्द मेहरा, और

बिन्द्र बिहारी राममूर्ति मेंहरा।

(अन्तरिती)

(3) भाडत्।

(बह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग मे सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मूचनाकि राजपत्र से प्रकाशन की तारोक्ष रे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हुनै वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाँम० 1032/78 और जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984 को है रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राक्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज – 2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) प्रार्जन रेज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 13 फरवरी 1985 निर्देश सं० प्राई-2/3-7जी/3650/जून/84—प्रातः मुझी, लक्ष्मण दास्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित झाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

अगर जिसकं सं० प्याट न० 4% जो बयलों, फिक्चर और फिटिंग के साथ नूतन लक्ष्मी को० आप ह उसिंग सोसायटी लि० एन० एस० रोड गं० 9, जे० बर्डिंग डी० स्कीन, विले पालें (प) बम्बई – 56 में स्थिन हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अबिकार, के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अबिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-1984

का पूर्वोक्त सपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक स्प से व्यिश्त नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सिवधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. मैं. उक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यिक्तयों, अर्थन् ——

(1) बी० जी० गाइगिल ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 श्री विमलकुमार संतालाल भोजातिया।
 2 श्री विनोद कुमार संत लाल भोजातिया,
 - श्री रतन कुमार सतालाल भोजातिया और
 श्री मोहत कुमार संतालाल भोजातिया ।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक।

(बह रुयक्ति जिसके क्रक्षिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह जे 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्केशिकरण:---इसंमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

अनुपूची नैपा कि बिलेख सं० एस० 475√79 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई हारा दिनाक 21—6—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

भायकर जीधनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985 निर्देश सं० म्रई-2/37जें---/3718/जून/84---मतः मुझे लक्ष्मण दास,

मूम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेरजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्ये 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 113, 113 सी, 34-34बी, 36-36बी, 1.74एए, लेडी जमगेटजी रोड़ और माहीम बजार कास रोड़ विस्तारित और माहीम बाझार कास रोड बम्बई सी० एस० नं० 1/753 झॉफ माहीम डिबीजन, बम्बईमें स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता छिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण छिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितों में सुनिजा औं किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

52-496GI/84

- (1) 1. सफ्या वाउदभाई घडी श्रली,
 - 2. मनु दाउदभाई घडीग्रली,
 - 3. रेहाना दाउदभाई घाडी म्रली, और
 - 4. श्रब्दुलग्रली दाउदभाई घाडीग्रली।

(भ्रन्तरक)

(2) इस्माईल युसुफ पांडोर

(म्रन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके **प्रधिभोग** में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 शिन की वनिष्ठ या तत्सम्बन्धी स्मित्तवों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जनिष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्मित्तवों में से किसी स्मित्त हुवारा;
- (श) इस ,सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

अनुस्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 2392/79 और जो उप र्राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 7-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पश्चर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक : 13-2-1985

मोहर 🥫

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st January 1985

No. A. 32014/1/85(i)-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretry (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period indicated against their names or until further orders, whichever is earlier :-

- Sl. No., Name and Period
- 1. Shri I. N. Sharma-2-1-85 to 31-3-85
- 2. Shri Tursame Singh-2-1-85 to 31-3-85
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade.

No. A. 32014/1/85(ii)-Admn.I,—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants of the CSSS cader of Union Public Service Commission as Senjor Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier :-

Si Name No.	Period	Remarks	
S/Shri			
1. H.O· Madan	2-1-85 to 31-3-85	Against regular vacancy	
2. V.P. Mahajan	Do.	Do.	
3. Smt. Saroj K. Kapoor	Do.	Vice Sh. I.N. Sharma appointed as Private Secretary on ad-hoc basis.	
4. Rameshwar Dasa	Do.	Vice Sh. Tarsame Singh appointed as Private Secretary on ad-hoc basis.	

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sonior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS for seniority in that Grade.

The 19th January 1985

No. A. 32014/1/84-Admn, III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders, whixhever is earier :-

S. Name (S/Shri) No.	Period
1. S.L. Kumar	12-7-84 to 31-7-84
2. Philip john	Do.
,3., A.S. Jat	Do,
4. G.L. Bhat	Do.
5. Bhagirathi Kumar	10-7-84 to 31-7-84
6. Dev Dutt (SC)	16-7-84 to 31-7-84
7. Manjit Kumar	19-7-84 to 2-9-84

M.P. JAIN Under Secy (Admn) Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Deitn, the 21st February 1985

No. S-20/65-AD.V.—In continuation of notification No. 3-20/6-AD.V.—In Communition of Indication of Providence of Investigation on ad-hoc basis from 1-6-84 to 6-8-84.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMEN'T.

New Delhi-110 001, the 19th February 1985

No. 18/1/85-Adm.II.—Shri Sushil Kumar Chakravati. an Inspector from West Bengal State Police, is appointed as Deputy Supdt of Police (In tructor) on deputation in the Central Detective Training School, Calcutta with effect from the afternoon of the 14th January, 1985 until further orders.

No. 18/2/85-Adm II.—Shri Dilip Ranjan Chaktaborty, as Inspector from West Bengal State Police, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Calcutta with effect from the afternoon of the 4th January, 1985 until further orders.

The 25th February 1985

No. 3/32/79-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the Govt. of Madhya Pradesh, Shri P.P. Mahurkar IPS (MP-1958) has relinquished the charge of the post of Deputy Director (Development), Burcau of Police Research & Development, New Delhi on the afternoon of 15th February

> S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 18th February 1985

No. P.V-II-1/81-Estt-I-Vol.III.—The President to appoint on promotion, Inspector Nawal Singh of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till further orders. He took over charge of the post on 6-2-1985 (FN) and has been posted to 47 Bn. CRPF.

The 20th February 1985

No. O II-1764/82-Estt.- .- The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoun of the 6th February, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular, basis, which ever is earlier.

No D. I-18/84-Fstt-I.—The service of the following CRPF Officers are placed at the disposal of Government of Punjab. on deputation basis from the dates as noted against each ;-

- 1. Shri H. S. Rai, Asstt. Commandant,-08-01-85 (FN) 3rd Bu, CRPF.
- 2 Shri Kichan Chand Sharma-09-01-85 (AN)
- Asstt Commandant, 5th Bn. CRPF.
- Shri H.B.S. Arneja, Asstt Commandant -15-01-85 28th Bn. CRPF. $-(\Lambda N)$
- 4. Shri Jagiit Singh, Asstt. Commandant 35th Bn, CR PF - 10 01-85 (FN)

The 22nd February 1985

No O. II-1811/83-Estt,-The President is pleased to appoint Dr. Viriod Malik as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 4th July, 1983. Dr. Malik has been examined medically by the Medical Board and found fit.

The 27th February 1985

No. O. II-121/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri B.S. Rekhi, Commandant to the rank of Commandant Selection Grade in a temporary capacity till further orders.

2. Shri Rekhi tookover charge of the post in the forenoon of 29-1-85.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th February 1985

No. E-32015 (4)/5/85-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri L. R. Wahi, on promotion as Assistant Commandant (JAO) CISF HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 2nd February 1985.

The 19th February 1985

No. E-16013(1)/21/84-Pers.L.—The President is pleased to appoint Shii R. P. Kureel, IPS (HP: 68) on promotion as Deputy Inspector General in the Central Industrial Security Force in the pay scale of Rs. 2000-2250/- on tenure deputation basis with effect from the afternoon of 2nd February 1985 and upto 8th July 1986 when he will complete 5 years of tenure at the Centre.

No. E-32015(4)/6/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Ganguly, on promotion as Assistant Commandant (IAO) CISF Eastern Zone HQrs Calcutta with queet from the atternoon of 1st February 1985.

No. E-32015(4)/4/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagmal Singh, on promotion as Assistant Commandant (JAO) CISF North Zone HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 2nd February, 1985.

No. E-32015(4)/178/84-Pers.J.—The President is pleased to appoint Shri R. J. Khatri, on promotion as Assistant Commandant in Cloff Una Anapara Thermal Power Project Anapara with effect from the afternoon of 6th October 1984 on purely ad hoc basis and temporary upto 24th Maich, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 22nd February 1985

No. E-16014(1)/23/73-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri L. M. Devasahayam, relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (I&P) CISF HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 31st January 1985.

No. E-16013(2)/23/84-Pers.I.—On appointment on deputation Shri D. S. Bhullar, IPS (Pb:64) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit PPT Paradip with effect from the afternoon of 9th February 1985.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 23rd February 1985

No. 10/33/79-Ad I.—Shri B. P. Jain, Assistant Audit Officer in the office of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, is appointed to the post of Accounts Officer

in the office of the Registrar General, India, New Delhi by transfer with effect from 19th February, 1985.

2. The headquarters of Shri Jain, will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 20th February 1985

F. No. BNP/C/5/85.—On the recommendations of the departmental promotion Committee (Group 'B/) the following regular Deputy Works Engineer (Work-Shop) are appointed as Assistant Engineer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B 'Gazetted) with effect from dates shown against each upto 10th March 85 (Afternoon) or till the post if filled on regular basis, whichever is earlier.

S. Name of Officer No.	Post against which appointed on adhoc basis.	Date of adhoc ap- pointment
S/Shri		
1 Rambriksha (SC)	Assistant Engineer ((Mech.)	12-2-85 (FN)
2. K.K. Garg	Assistant Engincer (Civil)	12-2-85 (FN)
3. R.N. Thakur (ST)	Assistant Engineer (Air-Cond.)	13-2-85 (FN)

These adhoc appointments do not confer any prospective rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointments can be discontinued at any time without assigning reason.

The 22nd February 1985

F. No. BNP/C/5/85.—Shri G. R. Thakoor an ad hoc Technical Officer (Ink Factory) in the scale of Rs. 650-1200 is reverted to the post of Deputy Technical Officer (Ink Factory) in the scale of Rs. 550-800 (Group 'C') in Bank Note Press, Dewas with effect from 16-2-85 (Afternoon).

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA .

New Delhi-110 002, the 21st February 1985

No. 443-CA.I/29-74.—On his attaining the age of super-annuation Shri K. Krishnamurthy, Audit Officer (Commercial) working in office of the Accountant General (Audit-II), Tamil Nadu, Madras has retired from Govt, service with effect from 31-10-1984 (AN).

K. P. LAKSHMANA RAQ Asstt. Comptt, & AR, Genl. (Comml).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 22nd February 1985

No. Admn.I/O.O.No. 60.—Shri Jawahar Lal Gupta, an officiating Assistant Audit Officer (permanent Selection Grade Section Officer) of this office expired on 13-2-1985 and his name has consequently been struck-off the rolls of this office with effect from 14-2-1985.

The date of birth of Shri Gupta is 16-6-1934. He joined Government Service on 21-3-1955 (AN).

The 23rd February 1985

No. Admn.I/O.O.No. 59.—Shri S. S. Lal, an officiating Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals Limited Ranipur Hardwar, with effect from 25-5-1984 (FN), on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Government of India conveyed vide C.A.G.'s letter No. 1954-GE II/1-84 dated 24-8-1984.

(Sd) /- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 22nd February 1985

No. 5461/A-Admn/130/83-84-Consequent on his permanent absorption in the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, with effect from July 24, 1984 (FN), the Lien of Shri T. N. Dhar, Substantive Audit Officer in the Audit Department, Defence Services, has been terminated, in term of FR 14-A(d) from the same date.

B. S. TYLE Jt. Director og Audit Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 8th February 1985

No. 4/G/85.—The President is pleased to re-employ Ex-Brig C. D. P. Singh in a Civilian capacity to the post of Director of Health Services, Ordnance Factory Board, for a period of one year w.e.f. 1st Dec. 1984.

The 11th February 1985

No. 5/G/85.—On attaining the age of superannuation, Shri Dilip Kumar Mitra, Offg. S.O. (Subst. & Prmt. Assistant) retired from service w.e.f. 31st Jan. 1985 (AN).

V. K. MEHTA, Dy. Director General.

DIRECTORATE GENERAL, FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTE

Bombay-400 022, the 19th February 1985

No. 5/3/83-Estt.—The Competent Authority is pleased to appoint Shri T. V. Ramchandran in the grade of Additional Assistant Director (Dock Safety) in a substantive capacity with effect from 29-5-84.

No. 15/10/83-Estt.—The Resignation of Shri Prakash Srivastava, Assistant Director (Industrial Hygiene) of DGFASLI Organisation Bombay has been accepted w.e.f., 5-2-1985 (AN).

V. K. MEHTA Dy. Director General. Head of Department.

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 8th February 1985
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-Admn(G)/1152.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delh on ad-noc basis for a further period of 3 months with effect from 1-1-1985 (FN).

P. C. JAIN Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 13th February 1985

No. 1/2/84-Admn(G)/1113.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Banerjee, (Grade I of the CSS) to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, with effect from 29th January, 1985 until further orders.

M. P. ISSAC Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th February 1985

No. 2(42)/EST.I/85/385.—Shri Y. P. Mehta, Assistant Director, Grade II (P&D) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service voluntarily w.e.f. 27-1-1985 (AN).

R. K. KULKARNI Joint Textile Commissioner-

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA

Dehra Dun, the 14th February 1985

No. 1-2/84-WII/310.—In continuation of this Institute Notification No. 197/84-WLI/3(22)B, dated the 9th February, 1984, the undersigned is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri S. B. Prasad, as Finance Officer in the Wildlife Institute of India, Dehra Dun, for a further period of one year with effect from the 1st February, 1985, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. B. SAHARIA Director Wildlife Institute of India

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

' Nagpui, the 19th February 1985

No. A-19011(208)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Gurachary, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mine. in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 16-1-85 forenoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th February 1985

No. 3(113)60-SII.—On attaining the age of superannuation Sh. B. L. Chauhan, Administrative Officer, AIR, Rohtak retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October 1984.

The 20th February 1985

No. 10/75/61-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. R. K. Srivastava, Administrative Officer, ESD: AIR, New Delhi to the post of Senior Administrative Officer, NSD: AIR, New Delhi in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 28th Jan, 1985 unt.l further orders. Sh. Srivastava assumed charge as Sr. Administrative Officer, NSD: AIR, New Delhi on the same date.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director Administration
for Director Genaral

New Delhi, the 18th February, 1985

No. 17/7/84-S IV(Pt).—Consequent upon their promotion the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different AIR Offices/Doordarshan from the date shown against each; till further orders:—

\$1. No.	Name	Station/Office	Date of Joining
	i M. Jayanarayanan i S.K. Sharma	-	12-12-84 (F.N.) 1-1-85 (F.N.)

J. D. BHATIA
Deputy Director of Administration
for Director Genera

New Delhi-1, the 19th February 1985

No. 4(12) /76-SI.—Shri Kaling Borang, Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh resigned from Government Service with offect from 28th December, 1984.

The 25th February 1985

No. 4(61)/81-SI.—Smt. Nandita Dwivedi, Programme Executive, All India Radio, Allahabad expired on 13th February, 1985.

The 26th February, 1985

No. 6(113)/62-SI (Vol. II)—Shri L. K. Wahal, Programme Executive All India Radio, Chhatarpur retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 31st January, 1985.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 14th February 1985

No. A-31014/1/84-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint Shri Krishan Kumar, substantively in the post of Assistant Research Officer

(Visual) in the Directorate of Advertising & Visual Publicity with effect from 5th February, 1985.

G. P. BHATTI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th February 1985

No. A-38013/4/84-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shi D. S. Chadha, Assistant Director General (PFA) in the Directorate General of Health Services retired from Government Service in the afternoon of 31st December, 1984.

P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 18th February 1985

No. PA|73(2)|84-R-JV|H-139.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Prakash Namdeo Jangale as Resident Mtdical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Contre in a temporary capacity with effect from the afternoon of February 1, 1985 for a period of three years.

M. D. GADGIL.

Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 21st February 1985

No. N/226/CWS/Estt.I/537.—Shri Payattiniyil Velayodhan Balakrishnan Nair relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SB on 11-1-1985 FN consequent on voluntary retirement.

K, VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th February 1985

No. A.32023/1/85/R.—Director, Reactor Research Centre hereby appoint Shri Vadivel Vembian, a permanent Upper Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk of this Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 18-1-85 to 4-3-85 in an officiating capacity on an ad-hoc basis vice Shri-A. Venkatesaiah, Assit Admn. Officer proceeded on training.

The 11th February 1985

No. RRC/A 32023/1/84-R/2291.—In continuation of this Centre's Notification of even number (17237) dated November 19/21, 1984 Director Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri Kilikulangara Maman Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 1-1-85 to 28-2-85 or until further orders whichever is earlier, in an officiating capacity on an ad-hoc basis.

The 12th February 1985

No. RRC/A-32023/1/85/R/2326.—Director Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. Javantheeswarann a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade III of this Research Centre in an officiating capacity as Assistant Administrative Officer in the same Centre with effect from February 4, 1985 Afternoon until further orders.

Kum. S. GOPALAKRISHNAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 16th February 1985

No. EST/ESD/2035.—The Director SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri J. M. Suri, a permanent Technical Assistant 'B' and now officiating as Scientist/Ffigineer SB of this Centre with effect from the afternoon of July 26, 1984.

K. S KRISHNAN Administrativo Officer-II

CIVIL AVIATION DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL **AVIATION**

New Delhi-22, the 12th February 1985

No. A.38013/1/85-EA.—Shri M. P. Jain, Senior Aerodrome Officer Office of the Director of Acrodromes, Delhi retired from Government services on the 31-1-1985 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK
Asstt. Director of Admn.,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi the 25th January 1985

No. A.12032/5/75-EA.—In supersession of this office Notification of even number dated 20th February, 1976, the Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation of Shri G. S. Batura, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from 4th January, 1978 consequent upon his abosorption as Airport Officer Operation in the International Airport Authority of India,

> B. BHAUMIK Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 11th February 1985

No. A.32013/9/84-EC(·).—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department in the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six moonths w.e.f. the date shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier and to post them at the station indicated each :

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/	Shri			
1. B·1	K· Biswas	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	1-12-84
2. P.I	R. Ganguly	ACŞ, Calcutta	ACS, Calcutta	29-12-84
3. R.S	S. Bhagirath	ACS, Delhi	ACS, Delhi	30-11-84
4. S.I	C. Pal	ACS, Calcutta	ACS, Madras	30-12-84
5. J·C	Dey Sarkar	ACS, Patna	ACS, Calcutta	3-12-84
ъ. S·I	Sardana .	D.G.C.A. Now Delhi		20-10-84
7. S.F	R. Deshpande	ACS, Bombay	ACS, Bombay	20-10-84

1 2	3		5
8. Gajram Singh	ACS, Delhi	ACS, Delhi	3-12-84
9. D.N. Sune	ACS, Bombay	ACS, Bombay	20-10-84
10. R.K. Modak	ACS, Hagpur	ACS, Bombay	10-1-85
11. B.C. Biswa.	ACS, Gauhati	ACS, Madras	29-11-84

2. The ad-hoc appointment of the above officers in the grade of Communication Officer shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and service so!! rendered on ad-hoc basis will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

> V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th Fabruary 1985

No. 4/85.—Shri P. M. Panwar, lately posted as Senior Superintendent of Central Excise Collectorate, Delhi on transfer to the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's Order No. 2/85 dated 1-1-85 issued vide letter F. No. A.32012/0/84-Ad.II, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (C&CE), New Delhi on the foregoing of the 29-1-85 forenoon of the 29-1-85.

No. 5/85.—Shi Mathew John, lately posted as Assistant Collector, Central Excise, Cochin Collectorate, on transfer to Collector, Central Excise, Coenin Collectorate, on transfer to the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 2/85 dated 1-1-85 issued vide letter F. No. A.32012/6/84-Ad.ll, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (C&CE), New Delhi on the forenoon of 1st February, 1985

The 22nd February 1985

No. 6/85.—Shi S. Chatterice, lately posted as Senior Technical Officer (T.R.U.), Central Board of Excise & Customs, New Delhi on transfer to the office of the Departmental Representatives, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Delhi Benches in the Directorate-General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 2/85 dated 1-1-1985 issued vide letter F. No. A-32012/6/84-Ad.II assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the forenoon of the 13th February, 1985. 1985.

> A. C. SALDANHA Director General of Inspection

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 19th February 1985

No. 1/85.—Shri N. M. Mandanwar, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Central Excise Collectorate, Nagpur having attained the age of Superannuation retired from Government Service on 31-12,1984 (A/N).

KASHMIRA SINGH Collector

L DE MAR THE THE WELL AND ALL A CHARACTERS

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 22nd February 1985

No. A-19012/1046/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission Lendby appoints Shri Lallan Singh Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant

Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-1-B 40-1200 for a period of one year or till the post is filled or regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 17-2-1984.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. (I) Central Water Commission

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE ALIPORE

Calcutta, the 12th February 1985

A No. G-318/A — The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri P. K Dutta, Store & Purchase Officer, National Test House, Calcutta for a further period of 6 months from 1-12-84 to 31-5-84 (A/N).

The 15th February 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House Calcutta is pleased to exterd the deputation period of Smt I ila Sarkar, Account Officer National Test House, Calcutta for a further period of one year from 1-3-85 to 28-2-86.

. J. M. BHATTACHARJFF Deputy Director (Administration) for Director General National Test House

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 18th February 1985

No. 17528/Liqn/445(2).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Western India Radiators and Engineering Company Limited has been ordered to be wound up by an order dated 23-6-82 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official I iquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

, O. P. JAIN Add. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jan Dharam Prakashan Limited, Bhopal

Gwalior-474009, the 18th February 1985

No. 1782/PS/CP/366—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that it the expitation of three months from the date hereof the name of M/s. Ian Dharam Prakashan L mited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

\$. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of M/s. Brunton and Company (Engineers) Ltd.

Cochin, the 18th February 1985

No. Jiq/1331/85—By an order dated 12-7-1984 in C.P. No. 11/1983 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up M/s. Brunton and Company (Eugineers) I imited.

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of M/s. Reston Fibre (Pvt) Ltd.

Cochin, the 18th February 1985

No. 1 ia./1333/85.—By an order dated 23-7-1984 in C.P. No. 2/1984 of the High Court of indicature at Erazkulam it has been ordered to wind up M/s. Reston Fibre (Pvk.) Ltd.

K. PANCHAPAKFSAN Registrar of Companies Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Huns (India) Fasteners Private Ltd.

Bangalore-9, the 21st February 1985

No. 3468/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Huns (India) Fasteners Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Sri Darpana Prakashana Private Ltd.

Bangalore-9, the 21st February 1985

No. 4459/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sti Darpana Prakashana Private Ltd. unless can e is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangelore

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Savitri Properties (P) Ltd. 5/92, Nehru Place, New Delhi.

(2) Mrs. Asha Bassi W/o Sh. K. K. Bassi, R/o A-79, Prect Vihar, I. P. Extn. Delhi. (Transferce)

_ = , _ ==

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/37EE/6-84/383.—Whereas I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

No. Basement No. B-1, situated at Plot No. 3 & 4, Preet Vihar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.I. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

Iac/Acq. Range III
in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-1, Plot No. 3 & 4, Preet Vihar, Commercial Complex, Delhi, Area 130 sq ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-1-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
C-13 GROUND PLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE
NEW DFLHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/37EE/6-84/436-A -- Whereas I, S. GOPALA.

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-14E satuated at Jaina Tower, Janakpuri,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in June 1984,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer. 000**4**/00
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wes'th-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to 'he following persons, namely :-53-496GI/84

(1) M/s Jaina Properties (P) Ltd. Addinath Shiee House Opp. Super Bazai, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. S. Ahuja & Mr H. C. Ahuja, D-15. Prashad Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-14E, Jaina Tower, Distt Centre. Janak Puri, New Delhi. Area-140 sq., ft.

> G S GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985 Seal:

FORM ITNE-

- (1) Sh. Sajjan Bagaria-19. R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Mayur Exports (P) Ltd.-19, R. N. Mukheriee Road, Calcutta-1, (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX'ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1985

Ref. No. AC-66/Acqn. R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANFRIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competence property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. situated at Salap, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Howrah on 29-6-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nunsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein - 88 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 91 Decimal. Address: Mouza—Salap, P.S Donijur, Dist.—Howrah. Deed No.: 2953 of 1984

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 15-2-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1985

Ref. No. AG-67/Acqn R IV Cal/84-85.—Whereus, I, SANKAR K. BANFRJEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Salap, Dist. Howrah.. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 27-6-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing ersons, namely:-

(1) Sri Sajian Bagaria -19, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(2) M/s Mayur Exports (P) Ltd. 19, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—In terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall shave the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10 Decimal.

Address: Mouza—Salap, P. S. Domjur, Dist—Howrah.

Deed No.: 2933 of 1984.

'SANKAR K. BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 15-2-1985 Scal:

FORM I.T.N S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1985

Ref. No. AC-68 Aco R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERIFE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value averaging B. 25 (00) property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Salap, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 25-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fall

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- -- (1) Sri Sajjon Bagaria-- 19, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
 - (Transferor) (2) M/s Mayur Exports (P) Ltd. 19, R. N. Mukherice Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HAPIANATION ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 11 Decimal.

Address: Mouza—Salap, P. S. Domjur, Dist.—Howras.

Deed No.: 2904 of 1984.

SANKAR K BANERIFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 15-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Achala D. Ukalkar, D-7. Ashirwad Apartments, Kothrud, Pune-411 029.

(Transferor)

(2) Mrs. Surekha Vrijmohan Toshniwal, Chandev Sadan, Subhas Road, Dombivali (West) Dist. Thane.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No. IAC ACO/CA 5/37EF 62/3 84-85 1069.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 12, 1st floor, Shri Kalpa Co-op. Housing Society, situated at Dombivali (W) Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range. Pune in July 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Shri Kalpa Co-operative Housing Society, Dombivalı (W) Dist. Thane.

(Arca-44 69 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6213 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhawan 106/107, Koregaon Park, Punc-411001

Date: 2-2-1985

FORM IT'NS-

(1) M/s A. V. Mulay and Co., 1141 Shivaji Nagar, J.C. Road, Pune-16. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. -No. IAC/Acq/CA-5|37EE|5639|84-85|1071.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5-A Plot No. 1021 & 1022 Sadashiv Peth. Nagnath par situated at Pune-30, Nagnath par situated at Pune-30, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(2) Shri Ganesh Gangadhar Dharap, 1145, Sadashiv peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-A. Plot No. 1021 & 1022 Sadashiv peth, Nagnath Par, Pune-30 (Area—775 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5639 in the month of June 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411001

Date: 2-2-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.-

M/s. Makwana Bros and Co., 441, Somwar peth, Pune-411 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE PUNF

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF|5129 of \$4-85|1072,-Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Flat No. 401, 4th floor, H. No 2416, Fast Street,

situated at Punc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC. ACON, Range, Pune in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have that the tair market value of the reason to believe property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(2) Shri Dhammdas Ramchandta Nandwani, 747/20, Gandhi Bldg., Agarwal Colony, Bhawani peth, Pune-411 002.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms-and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, H. No. 2416 east street, Pune-1. (Area-110 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to a le registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, rune under document No. 5129 in the month of June 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107 Koregoan Park Pune-411001

Date: 2-2-1985

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE: PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE[6796]84-85]1073. — Whereas, J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Plots of land situate at village Panch-Pakhadi, Umed Nagar situated at Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC ACON Range Pune in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than , fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Mahavir Enterprises. Pipe Line, Opp. Savani Transport High way Thane

(Transferor)

(2) M/s Mahalaxmi Developers Umed Nagar, Pipe Line Rd Near Iai Santoshi Ma Temple, Panchpakhadi, Jhane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period cal 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plats of land situate at village Panch-Pakhadi. Thane known as Umed Nagar, Plot Nos. 87, 90, 108, 112 Pt. and

(Area-total 16983.35 sq. meters.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 6796 in the month of June 1984).

ANII. KUMAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance Sakseria Bhayan 106/107, Koiegoan, Park Pune-411001

Date: 2-2-1985

FORM ITNS

(1) Shri Burjor Nowraji Land and others, 68-A Breach Candy Gardens. Bhulabhai Desai Road Bombay-400026.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE 6690/84-85|1070,-Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value erceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands bearing plot No. 15, 16, Bungalow C.S. Nos. 15 & 16, situated at Pune.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-54-496GI/84

(2) M/s Majithia and Ihakkar Properties (Pvt.) Ltd., 112-113 Mittal Tower 'B' Wing, 11th floor, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated bearing Plot No. 15 & 16 Koregaon Park, Pune-4 known as 'Restinore'.

(Land area-11764 sq. yards).

(Property is described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6690 in the month of June 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411001

Date: 2-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|5648 of 84-85|1074.—Wehreas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. Units-G-2 and M-2, Tarabaug. Koregaon Rd. Pune
CTS No. 17/7/2 C.S. No. 371-A|1-5|1A-2 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC Acqn. Range. Pune in July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. H. Domadia, Shri Rohit Jaswantrai Mehta and Shri Bipinchandra Nemchand Shab—trustees of private trust known as 'Jayem Trust' at C/o J. M. Mchta, 21/1 R.A. Kidwai Road, Wadala (South) Bombay-460 031.

(Transferor)

 Janab Husainabhai Saheb Husamuddin
 Janab Abbasbhai Saheb Fakhruddin
 Janab Saidsharbhai Saheb and
 Janab H. S. Mohyuddin,
 Trustees of His Holiness Dr. Syedna Taher Saifuddin Memorian Foundation—
 Majithla Chambers, 276, Dr. D. N. Road, Bombay. 400, 001
 bay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Units bearing G-2 and M-2 admeasuring 1798.17 sq. ft. and M-2 admeasuring 938.33 sq. ft. aggregating to 2736.50 sq. ft. in building known as 'Tarabaug' Situate at Koregaon Rd., Pune C.T.S. No. 17/7/2 Pune C.S. No. 371-A|1-5|1A-2 admeasuring 1000 sq. mts. being portion of final plot No. 287 of T.P. scheme Sangam Wadi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5648 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1985

Seal 4

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|4827|84-85|1075.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Survey No. 566, Hissa No. 16, Bibwewadi, situated

at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn Range Pune in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Laxmibal Bhaguji Bibwe and others (8), 119, Bibwewadi, Pune-411 009.

(Transferor)

(2) Shri Kiran Ranchoddas Ganatra, Prop. M/s. Ganatra Builders, r/o, 5, Ashoknagar, Pune-411 007.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 566, Hissa No. 16, Bibwewadi, Pune city totally adm. about 43520 sq. ft. and out of that the remaining vacant portion of land admeasuring about 10520 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 4827 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authorite Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37G|817|84-85|1219.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a tan market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F.P. No. 191, CTS No. 348/A/1/1B, Sangamwadi.

situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Bombay in June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cett of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shii Abhay Alios Jawahar Dhasamsey and others, 186, Walkeshwai Road, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Shir Madhav T. Samant and others, 37-D. Balmount, Nepean sea Rd., Bombay-36

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE-

Property situated on Dhole patil Road, bearing Final plot No. 191, CTS. 348 A[1]1B, Sangamwadi, Pune-i (Area—2571.95 sq. mt).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2795/80 in the month of June 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune 411001

Date: 2-2-1985

Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/787/84-85/1220.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property at Survey No. 4726/40, Plot No. 40, Pandharpur, situated at Dist. Sholapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Pandharpur in June 1984.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gangadhar Mahadeo Gurjar, at & Post Pandharpur, Dist. Solapur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Shankarno Deshakar, C/o Shri S.R. Joshi, Advocate, 'Kala Meruthe', Near Bhaji Market, Pandharpur. Dist. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 40, C.R.S. No. 4726/40, Pandharpur, Manishah Housing society, Dist. Solapur,

(Area—90.5 sq. mt. and 28-16 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar. Pandharpur under document No. 1219 in the month of June 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakscria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-2-1985

Seal:

FORM ITNS --

(1) Mr. Ziauddin Bukbari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A'odul Bhai Allauddin Somani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985 '

Ref. No. AR.II/37EE/5811/84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 202 on 2nd floor, S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor of Building No. 9, S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5811/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid promotty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1985

FORM ITNS-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abid Rashid & Mrs. Mumtaz Begum A, Rashid.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX:

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985.

Ref. No. AR.II/37EE/5833/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2B on Ground floor of building No. A on Plot No. 18, in Bhawani Nagar at Marol, Maroshi Road, Andheri (east), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphism able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment or any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Shop No. 2B on Ground floor of building No. A on Plot No. 18, in Bhawari Nagar at Marol Marohi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5833/84-85 on 2-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :---

Date: 11-2-1985

FORM ITNS-

M/s. Resham Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rathi Unni & Mr. C. K. Unni.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5839/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101, 'Pride' on Plot No. 17, 18 & 43 (Pt.), S. No. 91A (Pt.), 95A (Pt.), Mauja, Versova, Andheri (West),

Bombay-400 061, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10i, in the building 'Pride' at Plot No. 17, 18 & 43 (Pt.), S. No. 91A (Pt.), 95A (Pt.), Mouje, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5839/84-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Gyasuddin Allabux.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5850/84-85.—Whereas. 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 704, 7th floor of building No. 6, S. No. 41 of Oshiwara, Jogeshwari, Andheri (West), Bombay-58,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 on 7th floor of Building No. 6 (Al-Madina) Millat Nagar S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5850/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-55-496GI/84

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Yazmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Esmail Abdulla Jumma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5852/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 405 on the 4th floor in the building Ivory Heights
at Plot No. 1, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova,
Andheri (West), Bombay-58,

situated at Bombay

persons, namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5852/84-85 on 2-6-1984.

Flat No. 405 on the 4th floor in the building Ivory Heights at Plot No. I, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

LAXMAN DAS Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

> Acquisition Range-II Bomba"

Date: 7-2-1985

(1) Ishwari G. Uttam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5855/84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1304 on the 13th flour Sheffield Towers, at Plot No. 354 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 -(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Kamlesh Labhshanker Avasatthi.

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1304 on the 13th floor Sheffield Towers, at Plot No. 354 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5855/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-2-1985

(1) Mohan G. Uttam.

(Transferor)

(2) Minaxi N. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMESIONER OF INCOMETAX

(3) M/8, Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF-INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5856/84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1303 on the 13th floor Sheffled Toward at Plot No. 354, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later."
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1303 on the 13th floor Sheffleld Towers at Plot No. 354, S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andhen (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/5856/84-85 on Authority, 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukharı.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5857/84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS,

eing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable operty having a tair market value exceeding Rs. 25,000/nd beraign

Villago Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58, uated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred and the agreement is registered under ctio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of e Competent Authority Bombay on 2-6-1984

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that c consideration for such transfer as agreed to between the ries has not been truly stated in the said instrument of asfet with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; undior
- (b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Gulam Hussain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as private. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 502, 5th floor of Bldg. No. 9, S. No. 41 of Village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5857/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act to the following sons, namely :-

Date: 11-2-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Vijendra, M. Shenai (HUF).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Saghir Ahmad Ansari. Sharif Ahmad Ansari,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Bombay, the 8th February 1985

BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

Ref. No. AR.II/37EE/5872/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 1, 'Pearl Haven', Ground floor, Plot No. 68A, SS Scheme VIII Chappel Rd., Bandra (West), Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the say Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b)-facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Shop No. 1, 'Pearl Haven', Ground floor, Plot No. 68A SS Scheme VIII, Chappel Rd., Bandra (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5872/84 85 o 2-6-1984.

> LAXMAN DĀ Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dato: 8-2-1985

(1) M/s. Yazmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961*(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-11 **BOMBAY**

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5893/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 602 on the 6th floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 of S. No. 41 (Pait), four Bungalows Versova, Andheri (West) Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (2) Mohit Malhotra & Santosh Malhotra. (Transferee)
- (3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:--

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on the 6th floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5893/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Sharan R. Ramchandani.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mirza Mohammad Jafar Ali Khan, Najam-es-Sani.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5900/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, 7th Floor, 'Golden Rock' Perry Cross Road, market value exceeding

Bandra, Bombay,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 da from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date . publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein . . are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 7th Floor of the property known as Gold-Rock, Goldern Rock Co-op. Housing Society Ltd., Perry Cre Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5900/84-85 4-6-1984.

> LAXMAN DA Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tr Acquisition Range Bomb,

Date: 12-2-1985.

(1) Mr. Sharan R. Ramchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Parvin Sultan Begum.

(Transferce)

....

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5901/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Hat No. 2, 7th floor, Golden Rock, Perry Cross Road, Bandra.

Bandra, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income- ax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the nurroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sand property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 7th floor of the property known as Golden Rock Perry Cross Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37FE/5901/84-85 on 4-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

56—496GI /84

Date : 12.2 1985

(1) Mr. Sharan R. Ramchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mirza Hussain Yavar Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No \R.II/37EE/5902/84 85 -Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. I, 5th floor, Golden Rock, Petry Cross Road.

Bandra. Bombay-50,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computant Authority. the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1, 5th floor of the property known as Golden Rock, Perly Closs Road Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/5902/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Sharan R. Ramchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mirza Hussain Yavar Khan,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37HE/5903/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to us the 'said Act's, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No.2, Golden Rock, 5th floor, Perry Cross Road,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor, Golden Rock, Perry Cross Road. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5903/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5911/84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs., 25,000/- and bearing

Flat No. 28C, East side Trimurti Co-op. Housing Soc etv Ltd., North Avenue, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fon market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- 's) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-metion (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Shri Decpak Chopra Dharamveer Chopra and Smt. Savitridevi Chopra

(Transferor)

(2) Smt. Parvati Chandrasen Roy.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afordaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28C, Fast side, Trimurti Co. operative Housing Society Ltd., North Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5911/84-85 on 4-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Bombay

Date: 11-2-1985

FORM ITNS——

(1) Savani Family Trust.

(Transferor)

(2) Mr. Kishorkumar Amrutlal Gobal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5912/84-85.-Whereas, I, _AXMAN DAS,

neing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Ann. 1961 (1961) (here maker - referred o as the 'said Act)', have reason to believe that the mmovable preperty, having a fair market value exceeding s. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Shirin Sohrab Palace at Plot No. 225, Natiman

Road, Vile Parle (East), Bombay-57 ituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under cotion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority it Bombay on 4-6-1984.

or an apparent consideration which is less than the fair norket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between ne parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which quent to be dislocally by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in building Shirin Sohrab Palace, at Plot No. 225 Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IJ/37EE/5912/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-oction (1) of Section 269D of the said Act, to the following creens, namely :-

Date: 11-2-1985

PORM ITNS

(1) Shri Shaikh Adam Mohommed.

(Transferor)

(2) Shri Chandraprakash R. Kumar.

(3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS' SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5913/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 9, Ground floor, New Sujata Co.operative Housing Soc. Ltd., Juhu-Tara Road, Santacruz (W), Bombey-49. (and more fully described in the Schedule annexeá hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9. Ground floor, New Sujata Co.operative Housing Society Ltd., Juhu-Tara Road, Santacruz (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5913/84-85 on 4/6[1984.

LAXMAN DAC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta. Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-2-1985

Soal:

FORM I.T.N.S. ----

титель, так вто чету — в потолиститель в потолиститель в потолистительного потолистительного в потолистите

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Abdul S. Chouhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37FF/5915 84-85 —Whereas, I,

XMAN DAS, eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

lat No. 502, 5th floor, building No. 9, forming part of sur-ey No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of he Competent Authority it Bombay on 5/6/1984. Or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration end that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of : ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 502, 5th floor, Bldg. No. 9, forming part of Survey No. 41, of Village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR.II 37EE/5915/84-85 on

5/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-2-1985

Seal

(1) Ziauddın Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ahmed R. Baig.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bornbay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5919/84-85.—Whereas, I,

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 604, 6th floor, of bldg. No. 12 forming part of survey No. 41 of Village Oshiwara. Behind Behram Baug.
Jogeshwari (W), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent. Authority at Bombay on 5/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peri of 45 days from the date of publication of T notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor of bldg. No. 12, Morming part survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37FE/5919/84-85 on 5/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 6-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd, Igbal Mohd, Amin.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.Π/37EE/5920/84-85.—Whereas, I, TAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, bldg. No. 12, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara behind Bhram Baug, Jogesh-

wari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsich apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-57---496GI /84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said minionable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein • . are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor of bldg. No. 12, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, behind Bhram Baug, Jogeshwati (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II, 37FF/5920, 84-85 on 5/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 6-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Qureshi Mohd, Igbal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/5921/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

then a the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 603, on 6th floor of bldg. No. 12 forming part of 41 of Village Oshiwara Behind B-hram Bang, Jogeshweri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, on 6th floor, Bldg, No. 12, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5921/84-85 on 5/6/1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-17
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985

-----(1) S. J. Construction.

(Transferor)

(2) Shri Nilkanth Raghunath Khire.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 2695(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5927/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 207, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United lnk Factory Vile Parle (E), Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/9/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Kamal Kunl Subhash Road, Opp. United Ink Factory, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5927/84-85 on

5/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1985 Scal :

FORM NO. I.T.N S. --

- (1) Shri Chandrashekhar G. Vaidya.
- (Transferor)
- (2) Smt. Rameshrani D. Gupta & Shri Rakesh D. Gupta.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Rel. No. AR II/37EE/5953/84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

and bearing Flat on 2nd floor, 'Bhav-Deep' Plot No. 22, Andheri Cooperative Housing Society V. P. Road, Andheri (West),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd floor, 'Bhav-Deep' Plot No. 22 Andheri Co. op. Housing Society V. P. Road, Andheti (West), Bombav The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5953/84-85 on 7/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Smt. Bhanu Sangwan.

(2) Shri Nirmal Jain.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37ΕΓ./5960/84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 704, Krishna Apartment Plot No. 15, Four Bunglow Road, Andheri (West); Bombay-58

(and more (ully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid present by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 704. Krishna Apartment, Plot No. 15, Four Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400-058
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5960-84-85 on 7/6/1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-2-1985

FORM IINS----

(1) Mr. Kantilal B. Jain,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-1AX ACt, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Rudolph D. Pinto.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5967 84 85.-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 908, 9th floor at Everest Budding at Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

tand more fully described in the soludule annoxed horeto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said insurament of the lift is with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wifed eight to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jeffned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 908, 9th floor at Everest Building at Jay Prakash Road, Versova. Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been temstered by the Computent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5967/84-85 on 7/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Date : 12-2-1985

(1) M's Bhagwati Builders.

(Transferous)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. D. Kubal & Associates.

(3) Transferor.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5979.—Whereas, I, AXMAN DAS,

raxman Das, eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Office No. 5, 2nd floor Shree Balaji Darshan at Tilak Road santacruz (West), Bombay-54.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority t Bombay on 7/6/1984.

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more hin fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazelis or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the bubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 5, 2nd floor of Shree Balaji Darshan' at Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5979/84-85 on Competent 7/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bomba,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 8-2-1985

(1) M/s Navbharat Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Balu Kishanchand Chhabria.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5981,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Flat No. 303-A, 31d floor, Bharti Apartments-A, Sherly Rajan Road, Bandra-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the increased propert and I have rea on a believe that the fair market value of the property as inforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303-A, 3rd floor, Bharti Apartments-A, Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5981/84-85 on 8/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 8-2,1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5986.--Whereas, I,

Ref. No. AR.11/3/PE/5986.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaftet referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. 606, 6th floor Concord-A at Plot No. 16, S. No. 41 (Part 4 Rungalow), Versoya, Andheri (W), Rombay-58

(Part 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) faciltating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

58-496GI/84

(1) Mr. Mohamediqbal Ismail Shivani. Shrimohamed Afzalhaji Ismail.

(2) Mohamed Igbal Haroon Merchani.

(Transferor) (Transferce)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the porperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor in the Bldg. Concord-A Plot No. 16 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5986/84-85 on 8/6/1984.

> LAXMAN DAG Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-2-1985

Seel

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5987.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 105, 1st floor S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Syed Moizuddin.

(Transferon)

(2) Jasvinder Singh & Mrs. Natinder Singh.

(Transferee)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the porperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the foresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm. able property, within 45 days from the date at the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, on the 1st floor in the building Harmony-B at Plot 343, of S. No. 41 Part 4 Bunglows, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/5987/84-85 on 8 6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date : 7-2-1985 Seal :

- (1) M/s Samartha Development Corporation.
- (2) Narayan Babu Mestry.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5994.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7. Bldg. No. B-2, Ground floor, Apna Ghat Unit No. 3, Co.op. Housing Society Ltd. Shri Swami Samartha Nagar, 4 Bunglows, Andheir (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pdy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg No. B-2, ground floor, Apna Ghat Unit No. 3, Co.op. Housing Society Ltd. Shri Swami Samartha Nagar. 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5994/84-85 on 8/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shiv Shakti Builders.

(2) K. Gopalakrishnan.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6012/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Shed No. 22, Phase III, Shiv Shakti Industrial Fstate, Andheri Kurla Road, Andheri (East) Bombay-59. (and more fully described in the achedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evalor of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; aud∕or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Shed No. 22, ground floor, Phase No. III Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village Andheri Kurala Road, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/6012/84-85 on 8/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

Date: 11-2-1985

FORM IINS ----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Nisar Ahmed AB Sattar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985 ~

Ref. No. AR.II/37EE/6013/84 85.—Whereas, I, AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 301 on 31d floor of Survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfor: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 301, 3rd floor of survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behnam Baug, Jogeshwai (W), Bombay, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE /6013/84-85 on 8/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 11-2-1985

- (1) M/s Concord Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Miss Vera Cecillia Marsh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6016/8485.—Whereas, I,

1 AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovement of the said Act') and the said Act'. able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 2nd floor, Savita-II Plot No. V-5 of St. Sebastian Homes Co-operative Society Ltd., Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 2nd floor, in Savita-II, Plot No. V-5 of St. Sebastian Homes Co-operative Society Ltd., Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6016/84-85 on 8/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. ? hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1985

(1) M/s Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Shri Swami C. Puri.

(Tranoferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6028/84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS,

eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty having a fair market value exceedings Rs. 25000/-nd bearing

lat No. 404, on 4th floor, in A Wing, Sea Shell, Seven anglow, Versova. Andheri (W), Bombay-58,

and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Is been transferred and the agreement is registered under extion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of e Competent Authority

Bombay on 8/6/1984.

It an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of anafer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx A a. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404, on 4th floor; A Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6028/84-85 on 8/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act to the following room namely:

Date: 6-2-1985

(1) M/s Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mrs. U. Kiran.

(Transferee)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

AR.11/37EE/6029/84-85 -- Whereas, I, JAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bear ng

Flat No 401, on 4th floor, in A Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid monerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, on 4th floor, A Wing, Sea Shell, Seve Banglow, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under No. AR 11/37FF/6029/84-85 8/6/1984.

> LAXMAN DA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-to Acquisition Range-Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985 Date 6-2-1985

war out of the residence and the second of t

- (1) M/s Chelan Developments,
- (2) M/s Star Glass Works.

- - - - · -(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6031/84-85.--Whereas, I,

DAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 201, 3nd floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow,

Versova, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chamter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 201, 2nd floor in 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/6031/83-84 on 8/6/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority nt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeaud property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -59-496GI/84

Date: 6-2-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37FF/6038/84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 'Amai Towei' Frat No. 406, 4th Floor, Neai Cinema, Juhu, Bombay 400.049,

4th Floor, Near Chandan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Amar Construction.

(Transferor)

(2) Uday Manohar Phalke

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Amar Tower' Flat No. 406, 4th floor, Near Chandan Cinema, Juhu, Bombay-400 049. The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6038/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 8-2-1985,

(1) M/s Dev Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Auita P. Khemani,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bonibay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EF/6046/84-85.—Wherens, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 601 in the Bldg. 'Canvera' at Jay Prakash Roa', Versova, Andhou, Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifmteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

· Flat No. 601 in the building 'Canvera' at Jayprakash Road.

Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6046/83-84 on 8-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6.2-1985. Seal -

(1) Shri Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zubiada Badruddin, Nasmulla Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 6th February 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/6051/84-85---Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000-

and bearing No.
Flat No. 104. 1st Floor, of Building 6, forming part of survey no. 41, of Village, Oshivra, Behind Behram bang, Jogeshwari (W), Hombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, on 1st floor, bldg. no. 6, forming of part of survey no. 41, of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bembay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6051/84-85 on

8-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, . Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 6.2-1985.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. J. Constructions

(Transferors)

(2) Dr. Shreepad Yeshwant Rege and Vishin Shreepad Rege

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferces)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. ARJI/37EE/6068/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

Flat No. 107 'Kamal Kunj' Subhash Road, Opp. Umted Ink. Factory, Vile Patle (East) Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferee for and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA at the said Act, shall have the same meaning as given in that (latter

THE SCHEDULE

Flat No. 107, 'Romal Kuni' Subhash Road, Opp. United Ink Factory, Vile Parle (East) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37FF/6008/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11 2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Damji Shamji & Sons

(Transferor)

(2) Shree Leena Refreshments.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR,II/37FE/6071/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No 8-A, on Ground floor in Damji Shamji Industrial Complex at Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Andheri

(East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bembay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Unit No. 8-A on ground floor in Damji Shamji Industrial Complex, at Plot No. 28, Mahai Industrial Tstate, Mahakali Caves -Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37FF/6071/84 85 on

8-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-2-1985

= -_--

FORM ITNS

(1) M/s Piagati Corporation

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal G. Shah & St Bhakirben K Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR II/37EE/6075 84-85 - Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

Unit No 87 on 3rd floor of Bidg Ratna Jyot Industrial 1 state of Irla Garthan Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to market value of the aloresald property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aloresald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have n t been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No 87 on third floor of Bldg Ratna Yyot Industrial Fstate at CTS No 744 (Part) of Irla Gauthan, Vile Parte (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Born by under No AR II/37EF/6075/84 85 on 8 6-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2 1985

(1) M/s Pragati Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Awtarsingh Sodhi Surinderkam Sodhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6076/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Unit No. 87 on 3rd floor of Bldg. Ratna Jyot Industrial Estate of Irla Gaurhan, Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is rogistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, to respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 88 on 3rd floor of Bidg. 'Ratna Jyot' Industrial Estate at CTS No. 744 (Part) of Irla Gauthan, Vile Parle (West) Bombay 56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EI./6076/84-85 on 8-6-1984.

LAXMAN DASCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-85.

Soal

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Khan Jameel Ahmed Yusuf

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6077/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000 and bearing No.
Flat No. 402, on 4th floor, bldg. no. 6, Forming part of survey no. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-60---496GI/84 ·

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat no. 402, 4th floor, bldg. no. 6, forming part of survey no. 41 of Village Oshiwata, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/6077/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Calcutta Filmlet Advertising.

(Transferor)

(2) Smt. Manek Gopalakrishna Prabhu.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX -

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6078/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 11, Parul Premises Co-op. Housing Society Ltd.,

Parul Apts., uhu Road, Bombay-49,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the Said Instrument of Transfer iwth the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- aard (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 11, 1st floor of the building known as 'Parul' belonging to the Paru Premises Coop. Housing Society Ltd., uhu Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6078/884-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 8-2-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Rci. No. AR.11/37EE/6079/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 604, Akal Cooperative Housing Society Ltd. I. B. Nagar, Andheri (E) Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not treen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manojkumar Rubykishan Khanna

(Transferor)

(2) Snehlata Devilal Mehta

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 604, 6th floor in A-1 Building Akal Coop. Housing Society Ltd. Baman Puri Road, J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6079/84-85 on 8-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 11-2-1985.

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1985

Ref. No AR 11/37EE/6104/84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flu No 101 with Cai parking space in May Lands' North Avenue, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 8-6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evision of the Habibit of the transferor to pay tax under the soil Act is respect of any income arising from the transfer: ned/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) N R. Enterprises

(Transferor)

(2) Rahul Dev Burman, HUI

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 101, in Marylands' North Avenue, Santacruz (West), Bombay 54

The agreement has been register d by the Competent Bombay under No AR II/>7EE/6104/84 85 on Authority 14-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Dated 8-2-1985 Scal :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Musabhai Ibrahim Patel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6107/84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 102, Bldg No. 7, S. No. 41 of Oshivara, Behind

Behram

Benram
Jogeshwaii (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor Bldg No. 7 S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Bang, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6107/84-85 on 14-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-2-1985. 1

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mis, Salima Gulam Kadar Bagwan,

(Transferee,

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6109/84-85.---Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

Hat No. 203, 2nd uoor Bldg No. 10 Oshiwara, Behram Bang, Jogeshwari (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hal No. 203, on 2nd floor of Bldg No. 10 41 of village Oshivara Behind Behiam Baug, Jogoshwati (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 371 Γ /6109/84-85 on 14-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1985.

Seal: -

(1) Mrs. Kulwant Kaur.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Arora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6110/84-85.—Whereas, 1, AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

nd bearing No.
Plot No. 65A, Chakala Pragati Co-operative Housing Society
Ltd., Wireless Rd. J. B. Nagar, Andheri (East) Bombay-59,
and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at

Authority at Bonbay on 14-6-1984, or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liabi of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65-A, 1st floor, Chakala Pragati, Plot No. 65-A, Whreless Road, Off Shreenivas Bagarkar Road, J.B. Nagar, Andheri (East) Bombay-59.

Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/6110/84-85 on 14/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

(1) Dr. Jitin Kumar Kanchanlal Parikh.

(Transferor)

(2) M18. Chandekanta J. Kuckreja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6130/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 5/B. Hill Top, 49/49A Pall Hill Road, Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 14-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 5/B Hill Top 49/49A Pall Hill Road, Bandra,

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6130/84-85 on 14/6/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

(1) Samartha Development Corporation.

(Transferor)

9619

(2) Shii Frank Joseph Fernandes.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Rcf. No. AR.II/37FE/6134/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Apana Ghar Unit No. 5 Co-onerative Housing Society Ltd., Sub Plot No. 6, Oshiwara, Off J. P. Road, New Four Bunglows Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 14-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; salad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---61-496GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, Apna Ghar, Co-op. Hsg. Society Ltd., Oshiwara, Off J.P. Road, Near Four Bunglows, Andherr (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EF/6134/84-85 on 14/6/1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-2-1985 Seal :

(1) (1) Mrs. Savitri Nanda & Mrs. Leela Purohit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Anita Vijaraj Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M s. Oshiwara Land Development Co, (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.JI/37EE/6140/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961: (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 105 on the 1st Floor in the Bldg, Accord-B at Plot
No. 17 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova,
Andheri (W), Rombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compotent Authority at

Bombay on 14-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) factletaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor in the Bldg, Accord-B at Plot No. 17, S. No. 41 (Part) four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No. AR.II/37EF/6140/84-85 on 1 1 6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 8-2-1985

Scal:

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Gani Ebrahim.

ed in the property).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6142/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

rable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2 on the ground floor Norwood at Plot 319 of S.

No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the ladian linearie-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interest-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect to persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 on the ground floor in the building Norwood at Plot No. 319 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/6142/84-85 on 14/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Date: 8-2-1985 ^

(1) Mr. Ziaruddin Bhukhari.

(Transferor)

(2) Smt. Shahnaz Khatib.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6149/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Flat No. 702, 7th floor, Bldg. No. 2, Village Oshiwara, Off Behram Bang, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed bereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

14/6/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period cexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th Hoor, Bldg. No. 2, forming part of survey No. 41, of village Oshiwara, behind Behram Baug, Andheii (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/6149/84-85 on 16/6/1984.

LAXMAN DAS Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the solid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rule section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6197/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

and bearing No. Shop No. 7, Gr. floor, Beach View Apartments, 77, Chimbai Road, Bandia, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Meghji Murji Shah.

(Transferor)

(2) (1) Mr. Hemant Bhikhaji Parihar,(2) Mrs. Navalben Mavji Patel &

(3) Mrs. Raniben Nanji Patel.

(Transferce)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 7. Ground floor, Beach-View Apartment 77, Chimbai Road, Bandra, Bombay-50."

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6197/84-85 on 15/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 11-2-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ret. No AR.11/37L1./6204.—Whereas, 1, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and 'nearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Hat No. 5, 1st floor, New Gautam Co-operative Housing Society 1td., Plot No. 666, TPS III, Dr. Ambedkar Road,

Khar, Bombay-52,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rombby on 15-6-1984

the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morathan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to it disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'(1) Smt. Sita M. Sahani Smt. Rukmani H. Mirchandani.

'(Transferor)

(2) Mr. 1. N. Krishnan & Mrs. Jayalaxmi Krishnan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, New Gautam Co-operative Housing Society Ltd., on Plot No. 666, TPS III, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6204/84-85 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1985

(1) M/s. Lakhandwala Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Robert Crasto.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ΛCQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6206.—Whereas, I, IAXMAN DASS,

houng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 610, 6th floor Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Control 2604 Res of the Information of the Act. 1061 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid and the apparent consideration therefor have the consideration therefore. exects the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely

(3) M/s, Osshiwara land development Co (P) Ltd,
Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 610. 6th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Pt), Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6206/84-85 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-2-1985

(1) M/s. Lokhandwala Development Corpn.
(Transferor)

(2) Mis. Hilda M. Crasto.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara land development Co (P) Ltd.

Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6208/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 609, 6th floor in the building Magnu. Towers of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 26°AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasions of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 609 on the 6th floor in the bldg., Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6208/84-85 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6209.—Whereas, I,
LAXMAN DASS,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 701 on the 7th floor in the building Crossgates-B
at Plot No. 334 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows,
Versova, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. / hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—
62—496GI/84

(2) Mr. P. K. Sholapurwala & Mi. T. K. Sholapurwala.

(Transferee)

(3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Porson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 on the 7th floor in the building Crossgates-B at Plot No. 334, or S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under No. AR.II/37EE/6209/83-84 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-2-1985

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hamida Bano Shahid Hussain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period . of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th February 1985

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in

Ref. No. AR.II/37EE/6215.--Whereas, 1 LAXMAN DAS,

that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Bldg, No. 10, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara behind Behara Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

Flat No. 501, on 5th floor, of Bldg. No. 10, forming part of survey No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jokeshwari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.11/37EF/6215/84-85 on

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument tranfer with the object of :—

15-6-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

andlor

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-11 Bombay

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date :: 6-2-1985

(1) Shri Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sajida Afzal Hussain Sheikh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37FF/6231.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 502 5th floor, Bldg., No. 7, forming part of survey No. 41, of Ochiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; send the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from respective persons the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor, of Building No. 7, forming part of survey No. 41, of Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6231/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date :: 6-2-1985

(1) M/s. Samartha Development Corporation.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Surendia Lilaium Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6232/84-85---.Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, Building No A-5. Gr Floor, 'Herishikesh' Apna Ghar Unit No. 1, Co-op. Issg. Soc. Ltd. Shri Swami Samartha Nagar, 4-Bunglows, Andheri (West), Bombay-4(10058.

Andheri (West), Bombay-400058. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Building No. A-5, Ground Floor, 'Hrishikesh' Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Housing Society Ltd., Shri Swami Samartha Nagar, 4 Bunglows, Andheri (West), Porphey 400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6232/84-85 on 16-6-1984.

IAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 11-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bhukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mannabi S. Shaikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6233/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301 on 3rd floor, bldg. No. 7, forming part of Survey No. 41, of Village Oshiware, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair LAXMAN DAS,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter X''A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 301 on 3rd floor, bldg. No. 7, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6233/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. R. N. A. Luilders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Namuata Giidhai Gopal Peshwaria.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ret. No. AR.II/37EE/6237/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, '961 (43 or 1961) (Fereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Room No. 52. Ist floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghar 41, S. No. 42, off J.P. Road,

Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Room No 52, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Aicade, Apna Ghai 41. S. No. 42, Off J.P. Road, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lombay under No. AR.II/37EE/6237/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 6-2-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Farouq Kassamali Rottonsey,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kavita G. Datwani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6247/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. R-2, 18th floor, Jolly High Rise, Co-op. Housing Society 1 td. Pali Mala Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-2 on 18th floor, Jolly High Rise, Co-operative Housing Society Ltd., Pali Mala Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6247/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 8-2-1985

and were the compared the transfer of the control o

<u>. i depretar de la calenda de</u>

FORM ITNS

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6256.-- 'Whereas, I, μ LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have least to believe that the limitove able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1504, 15th floor in building Ivori Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement in registered and the

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); (2) Mr. Najayan Madanlal Tody M/s, Madanlal Chiranjilal.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Laud Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the perperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exp: ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1504 on the 15th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows,

16-6-1984.

Versova, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6256/83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1985

FORM ITNS ...

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Yashoda L. Singhania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6258.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1502, 15th floor. Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of :—

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-63-496G1/84

(Person whom the undersigned knows to be interested in the porperty)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1502, 15th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6258/83-84 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IT Bombay

Date: 6-2-1985

FORM ITMS-

(1) M/s Yazmin Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxmi Prakash M. Singhania.

(Transferee)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6259.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1606, 16th floor in the Bldg. Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Yersova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1606 on the 16th floor in the building IVORY

HEIGHTS at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Company Authority, Bombay under No. AR.II/37//E625983-84 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985.

Scal:

(1) Ratan Gangaram Hirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6262/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

50% of the flat No. 6, 2nd floor, Asuda Kuur Co.op. Housing Society Ltd., 245 Water Field Road, Bundra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Pushpa K. Hirani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor in Asuda Kutir Co.op. Housing Society Ltd., 245 Water filed Road Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6262/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 11-2-1985.

(1) Madhava United Hotels (International).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sunil Raghbir Kakshi and Mr. Raghbir Singh Bakshi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6268/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Office No. M-303, Madhava Bldg. Bandra Kurla Commercial
Complex, Bandra (East), Bombay-51,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; est/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. M-303 on 3rd floor Madhava Bldg., Bandra Kurla Commercial Complex, Bandra (East), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6268/84-85 on Authority, 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhara.

(2) Azizunisa w/o Zahir Ahmed.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Rci. No. AR.II/37FE/6269/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 502, 5th floor, Bldg. No. 8, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority

of Bombay on 16 6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, on 5th floor, of bldg. No. 8, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR.II/37EE/6269/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985,

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Afshan K. Shahab.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6270/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 403, 4th floor, bldg. No. 10, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

at Bottony on 10-176-176. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter KXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Bldg. No. 10 forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara Behind Behram Baug, Jokeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been regisetred by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6270/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985.

SeaI:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Molid. Munic Haji Abdul Razak

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6217/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 702, 7th floor, Bldg. No. 10 Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—c

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Bldg. No. 10, forming part of survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6271/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985.

(1) Mr. Zouddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Habibunnisa w/o Abdul Qayum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6273/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No 504, 5th floor, bldg. No. 8, Village Oshiwara, Off Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-38 (and more fully described in the Schedue annexed herto),

(and more fully described in the Schedue annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, bldg No 8, forming part of survey No. 41, off Village Oshiwara, Jogeshwara (W), Bombay 38

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6273/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985.

_ == ===

FORM ITNS---

(1) M/s Yasmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No .AR.II/37EE/6286/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 505 on the 5th floor in the building Montana-A at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova. Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

64-496GI/84

(2) Master Kapil B. Chablani (Minor). S/o Mr. Bhagwan Chablani,

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, on the 5th floor in the bldg. Montana-A at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows. Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6286/84-85 on 17-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.JI/37EE/6287/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 206 on the 2nd floor in the building Montana-C at Plot No. 4, of S. No. 41 ((pt.), Four Bungalows, Versova (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adorssaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, uninely:—

(1) M/s Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Kum, Sajani K. Nanwani.

(Transferce)

(3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on the 2nd floor in the building MONTANA-C at Plot No. 4, of S. No. 41 (Pt.) Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6287/83-84 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985,

Seal.

(1) Badruddin Ahmed Pradhan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6292/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. C/17 Ganesh Bhavan Uma Co.op. Housing Society

Shop No. C/17 Ganesh Bhavan Uma Co.on. Housing Society Ltd., 434, Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Haji Umar Mahomed Chawadi, Abdul Rehman Mahomed Kunil.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein is are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. C/17 Ganesh Bhavan, Uma Co.op, Housing Society Ltd. 434 Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6292/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1985.

(1) M/s Bindal Enterprises. (2) M/s King Silk Mills.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6536/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gala No. 36 on 1st floor in Bindal Industrial Estate, Kurla Andheri Road, Sakinaka, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 36, on 1st floor in Bindal Industrial Estate, Kurla Andheri Road, Sakinaka, Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6536/84-85_on 22-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 11-2-1985.

(1) M/s United Builders Constn.

(Transferor)

(2) M/s Pine Chemicals Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6537.—Whereas, 1,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

25,000/- and bearing Unit No. 101 to 110, 1st floor, Balarama, Plot C-3, Bandra Kurla Complex, Bandra East, Bombay-51 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

movable property, having a fair market value exceeding Rs.

the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

LAXMAN DAS

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 101 to 110 (1st floor) Balarama, Plot C-3. Bandra Kurla Complex, Bandra (E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6537/84-85 on 22-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1985.

(1) M/s. LZ Investments.

(Transferor)

(2) Mrs. Sita Nilkant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property).

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6539/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 402 on the 4th floor in the building 'RICHMOND' situated at plot No. 13 (New plot No. 345) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri, West, Bombay-400058.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 402 on the 4th floor in the building 'Richmond' situated at Plot No. 13 (New plot No. 345) of S. No. 41 (part). Four Bunglows, Versova, Andherl-West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6539/84-85 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6540,—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 701 on the 7th floor in the Building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andherl (West), Bombay.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1908 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the roresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Yazmin Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s Prince Impex Private Ltd.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P). Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 on the 7th floor in the bldg. IVORY HEIGHTS at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part). Four Bungalows, Versova, Andherl (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6540/83-84 on 22-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985.

(1) M/s LZ Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arun Nilkant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/6541.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 345 A), of S. No. 41 (Pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

at Bombay on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratoin and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on the 4th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New Plot No. 345 A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andherl (West) Bombay-400 058.

agreement has been registered by the Competent ity, Bombay under No. AR.II/37EE/6541/84-85 on Authority, 22-6-1984

> LAXMAN DAS . Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6542.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'Said Act') have teasen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 805, 8th floor, Ivory heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) ficilitating the igduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitative the conceilment of any income or any memory. The sets which have not been or which tught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—65—496GI/84

(1) Ms/ Yazmin Corporation.

(Transferee)

(2) M/s Prince Impex Private Ltd.

-

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

F.at No. 805. 8th floor Ivory Heights at Plot No. 1 S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No .AR.II/37EE/6542/84-85 on 22-6-1984.

Inspecting Ass'stant Commissioner of In ome-tox Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-2 1985.

(1) M/s R. N. A. Builders,

(2) Mr. Kanchan S. Raug.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6547/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason, to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4 Manju Tower, 10th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Near Apna Ghar, S. No. 41 (Pt.) Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, it' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Manju Tower, 10th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Near Apna Ghar, S. No. 41 (P) Versova, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37FE/6547/84-85 on 22-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Smt. Satyawato Uttamchand Anand.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kaushalaya Chadha.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6565/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovas the Said Act.), have leasn to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 27, Andheri Vile-Parle Punjabi Co.op. Housing Society Ltd. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-6-1984

at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the arroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette of a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Kazerte.

LYPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Andheri Vile-Parle Punjabi Co.op. Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6565/84-85 on Authority, 22-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Ass stant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date: 12-2-1985.

- (1) Bombay Housing Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mr. Abdul Sultan Abdul Rasul Zariwalla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objectors, i. it to the organism of the said property may be made in writing to me undersigned .-

GOVERNMENT OF INDIA
CE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by an, of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette is a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period votes later,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6920/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 107 Anjali, Plot No. 2, S. No. i21, 7
Bungiows, J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-4
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration for that the consideration for such transfer as consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other nerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rub icanoa of this notice in the Official Gazette.
- EXITINATION.—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hlat No. 107, Anjalı, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, J. P Road, Versova Village, Andheri (W). Bombay-4.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6920/84-85 on 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 2690 of the said Act. I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-2-1985.

(1) Sabira B. Mehbood Saheb.

(Transferor)

(2) Dharwindersingh Sarbhansingh Bindha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACΓ, 196 1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE, 6563/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-3, 2nd floor in Devi Kamal Co.op. Housing Society 1.td. Linking Road. Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

at Bomoay on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 2nd floor, in Devikamal Co.op. Housing Society Ltd., Linking Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 22-6-1984. Bombay under No., AR.II/37EE/6563/84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985.

(1) Sudhir Gupta.

- (Transferor)
- (2) Kamal K. Aggarwal.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6928/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 302 Jaltateng Building Juhu Tata Road,

Jultareng

Bombay 400 049 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said interpreparation. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discuosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the requisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Jaltarang Building, Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37FE/6928/84-85 on Authority, 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Ass.stant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in trate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. ARJI/37EE 6939/84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No K-209 Keshava Building, 2nd floor, Plot C-5, Bandra-Kurla Complex Bandra fast, Bombay-400 051
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ...

- (1) Madhava United Hotels (International) Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Harish Lamba.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

K-209, Keshava Building, 2nd floor, Plot C-5, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Bombay-51

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6939/84-85 on 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2 1985.

Seaf :

FORM ITNS----

(2) Smt. Lilavanti Tulsidas Mistry.

(1) M/s Govani Builders.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6943/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement that the immovement of the property of able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5 on 1st floor in Amarkunj building at Beasant Street,

Santacruz (West) Bombay-400054, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the province has not been truly extend in the social instru ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, on 1st floor in Amarkunj Building, at Beasant St. Santacruz (W) Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/ 6943/84-85 on 26-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Bombay

Date: 8-2-1985.

Segl:

(1) Asian Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vinod Naraindas Gidwani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/6945/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immov-

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 203, Plot No. 29 Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-61

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984

at Bombay on 26-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 203, Plot No. 29, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6945/84-85 26-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--- 66-496GI/84

Date: 7-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Asian Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anju Malik & Mr. Annu Malik.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6947/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. AR.11/3/EE/094//84-85.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor of Konwood Apartment, S. No. 41 (Part) Off. J.P. Road, Apna Ghat, Andheri

(West), Bombay-61.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Plot No. 29, Off J.P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6947/84-85 on 26-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6952.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 403-M. Madhav Building, Plot No. C-4, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bombay-51, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984, for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s Madhava United Hotels (International). (Transferor)

(2) Mr. M. G. Naik, Mrs. Sumitha G. Naik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 403-M, 4th floor Madhava Building, Plot No. C-4, Bandra-Kurla Complex, Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6952/84-85 on 26-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Date: 8-2-1985

(1) Samarth Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6954/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
Building No. B-2, Flat No. 010, Apna Ghar Unit
No. 3 Co.op Housing Society Ltd., at Oshiwara, Off Jayprakash Rd. Near Four Bunglows, Andheri (W) Bombay-58.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the
office of the Competent Authority at
Bombay on 26-6-1984

Bombay on 26-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Dilip Govind Lawande & Smt. Jayshree Dilip Lawande.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- "EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. B-2, Flat No. 10, Aprin Ghar Unit No. 3 Co.op Housing Society Ltd., at Oshiwara, Off. Jayprakash Rd. Near Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/6954/84-85 en 26-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-2-1985

FORM ITNS -----

(1) M/s Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayaben Gulabchand Shah.

Co. (P) Ltd.

(3) M/s Oshiwara Land Development

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6955/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Flat No. 806, Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been trusferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 806, 8th floor, Ivory Heights at 1Pot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARJI/37EE/6955/84-85 on 26-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6956/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 22, Flat No. 1, Magnum Towers Plot No. 357,

S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W)

Bombay-58,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) M/s Lokhandwala Development Corporation. (Transferor)
- (2) Mr. Umar Jamal Sharma & Mrs. Havabai Umar Sharma.

(Transferee)

(3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22, Flat No. 1 on the ground floor in the Bldg. Magnu, Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/6956/84-85 on 26-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

(1) M/s. Yazmin Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayben Gulabchand Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6957/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 702, 7th floor Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova, Andheri (West),

and/or

Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

office of the Competent Authority at

an apparent consideration which is less than the fairfor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor in the building Ivory Heights Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6957/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombuy

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6958/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0004, and having

to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. 2 in Unit No. 22 on the 1st floor in the Bldg.
Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part)
Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the
office of the Competent Authority at
Bombay on 26-6-1984,

Bombay on 26-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o'her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corporation,
 (Transferor)
- (2) (1) Khatija Usman Shama (2) Mastei Mohamad Yunus Usman Shama.

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Unit No. 22 on the first floor in the building Magnum Towers at Plot No. 357 of S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6958/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6959/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Unit No. 22, Magnum Towers S, No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the arcressau property, and to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

67-496GI/84

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corporation. (Transferor)
- (2) 1. Mr. Usman Jamal Shama & 2. Mr. Salim Umar Shama,

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Unit No. 22 on the 2nd floor in the Building Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova. Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6959/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6960/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pag 25 000 (sand hearing)

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 704, Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly statd in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Yazmin Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. Jayesh Gulabhchand Shah.

(Transferec)

(3) M/s. Oshiwara Lnad Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6960/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

(1) Shri Kiran Rasiklel Ava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Jyotishchandra P. Buch.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Transferor. (Person in occupation of the property),

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.11/37EE/6997/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd floor, Building No. E Manish Park, Pump House, Rajmata Jijabai Road, Andheri (East), Bombay-69, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984

Bombay on 28-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Building No. E, Manish Park, Pump House, Fajmata Jijabai Road, Andheri (East), Bombay-

The agreement has been registered by the Compe Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6997/84-85 Competent Bombay on 28-6-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1985

FORM ITNS --- --

(1) M/s. J. S. Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Jaya Sudha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7017/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AK.113/EE//017/84-85.—whereas, 1,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tai Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 801 on the 8th floor in the building Quarter Deck
at Plot No. 23 of S. No. 82 (Part) Laiproplaceh Road, Venova

at Plot No. 23 of S. No. 82 (Part) Jaiprakash Road, Versova,

Bombay-58,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair nurket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ore defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 801 on the 8th floor in the building Quarter Deck at Plot No. 23 of S. No. 82 (Part) Jaiprakash Road, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7017/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- -

Date: 8-2-1985

FORM ITNS———

(1) M/s. J. S. Corporation.

(Transferor)

(2) Miss Jaya Sudha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7018/84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37EE/7018/84-85.—whereas, 1, AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding is, 25,000/- and bearing lat No. 802 on the 8th floor in the building Quarter Deck at Plot No. 23 of S. No. 82 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheti (W), Bombay-58, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under

as been transferred and the agreement is registered under lection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of he Competent Authority at sombay on 28-6-1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration nd that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said xet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following ctsons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802 on the 8th Hoor in the building Quarter Deck at Plot No. 23 of S. No. 82 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7018/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

FORM 1TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7019/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 904 on the 9th floor, Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), 4 bungalows, Versova, Andheri (West),

Bombay-58,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shabnem Sablok W/o Shri Tarlok Singh. (Transferee)
- (4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date f publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904 on the 9th floor in the Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7019/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

FORM JTNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7020/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 902 on the 9th floor in the Building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Versova, Andheri (W), Rombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Master Akash Sablok S/o Tarlok Singh

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Lnad Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interestcd in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, 9th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) of Versova, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7020/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7021/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1006, Ivory Heights, 4 Bungalows, S. No. 41 (Part), Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled awnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2504B, of the Incorporator Act. 1961, in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifieen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Master Arjun Sablok S/o Shri Tarlok Singh. (Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Lnad Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interest ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesmu persons wann a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 10th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7021/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 8-2-1985

(1) Mrs. Naina Jairam.

(3) Transferees.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima P. Raiji & . Mr. P. D. Raiji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7026/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, Sea Goddess Co-op. Society, Green Field Estate, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-49, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) exceeding Green Field

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Net. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in a spect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-t.; Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-68-496GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Sea Goddess Co-op. Society Green Field Estate, A. R. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7026/84-85 on 28/6/1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7048/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5. Shree Katyayani Bhavan, 223/A, T H Kataria, Matunga (W. Rly.) Bombay-16, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29.6-1984

Bombay on 29-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) favilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (i) Heirs and Successors of late Shri Vaghji Kachara Shah.
- (2) Shri Suhas Vasudeo Malankar.
- (Transferce) (3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3d days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on the 3rd floor of Shri Katyayani Bhavan, 213/A, T. H. Kataria Marg, Matunga (Western Rly.) Bombay-16.

The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/7048/84-85 29-6-984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5741/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 10, 1st lloor, Gulshan Hill Top Co-operative Housing Society Limited, Gaothan Lanc No. 1, Andheri (W), Bom-

bay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Shri Atiel Gerald Nelson and Smt. M. Pinto.

(Transferor)

(2) Shri Hoshang Minocher Surti and Shri Aspi Minocher Surti.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period ofproperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Gulshan Hill Top Cooperative Housing Society Limited, Gaothan Lane No. 1, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5741/84-85 on 1/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/5750/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 604 on the 6th floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaint consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Yazmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Shila P. Advani.

(Transferec)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, on the 6th floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5750/84-85 on 1/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5751/84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS, cing the Compelent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable restored to the control of the c roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

nd bearing No.
lat No. 1501 on the 15th floor in the building Ivory Heights
it Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) four Bungalows, Versova,
Andheri (W). Bombay-58,

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of he Competent Authority at

₹ombay on 1-6-1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforestid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than steen per cent of such apparnt consideration and that the possideration for such transfer as agreed to between the artis has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ortsaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act to the following rsons, namely :---

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Qaiser Sahan Maqbool Hussain.

(Transferce)

(4) M/s. Oshiwara Lund Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interestcd in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an arc defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1501, on the 15th floor in the Building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/5751/84-85, on 1/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX A,CT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNIMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIC MER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE, 15752/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have received to believe that the immovable property having a fair ma rket value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 302 on the 3rd 1 floor in the building Symphony B at Plot No. 344 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 3,

(and more fully described in the Schedule annexed here.o), has been transferred and the expreement is registered under Section 269AB of the Incommetax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such appear at consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly state d in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian I ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac t, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sec tion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of the issue of the section (1) of Section 269D of the sa id Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Yazmin Enterprises.

(Transferor

- (2) (1) Mum. Dipika Maheshchandra Kapadia, (2) M1. Jayesh Maheshchandra Kapadia. (Transferee
- (4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interest ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of 7th notice in the Official Gazette or a period of 30 day whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on the 3rd floor in the building Symphonyat Plot No. 344 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versovi Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5752/84-85 o 1/6/1984.

> LAXMAN DA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-II, Bomba

Date: 6-2-1985

(1) M/s. Vimal Constructions.

(Transferor)

(2) Miss Hamida S.A. Sutaria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II. 37EF/5757/84-85.- Whereas, I, I AXMAN DAS,

reing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-ind bearing No.

Shop No. 9, ground floor at Nandkripa Annexe Shopping Centre, Ghar Bungalow Road, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income fax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reducetion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) 'by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 Gr. floor at Nand-Ktipa Annexe Shopping Centre, Char Bangala Road, Ahdheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, 11/37FF/5757/84-85 on 1/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5767/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Building No. A-23, Ground floor, Flat No. 006, Apna Ghar Unit, No. 4, Co-op. Housing Society Ltd., at Oshiwara off J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Samartha Development Corporation.

(Transferor (2) (1) Kum, Madhubala T. Arora and (2) Kum. Precti T. Atora,

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building No. A-23, Ground floot, Flat No. 006, Apna Gha Unit No. 4, Co-op. Housing Society Ltd., at Oshiwara, on J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5767/84-85 or 1/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date · 6-2-1985 Seal:

(1) M/s, Ansa Builders.

(2) M/s. Organic Plastics.

(Transferor) (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5768/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. H-231, 2nd floor, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar

Road, Saki Naka, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ofher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---69-496 GI/84

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. H-231, 2nd floor Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5768/84-85 on 1/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

M/s. Shah Corporation.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No AR.II/37EE/5775/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Unit No. 23/P in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, External Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 23/P in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, External Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5775/84-85 on 1, 6, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Duri Jagatrai Vaswaney.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5776/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE/5//6/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to 'believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, 3rd floor, True Friend Co-operative Housing Society Limited (Kishni Kunj), 14th A Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxy Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) M/s. Tilakchand Rajinder Kumar Jain. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- Flat No. 8, in True Friend Co-operative Housing Society Limited (Kishni Kunj), 3rd floor, 14th A Road, Khar, Bombay-52.
- The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5776/84-85 on 1/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

(1) M/s. Pool View Corporation.

(Transferor) (Transferee)

(2) Mr. Madbu Kapoor.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5782/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. 6, Gold Crown at Jai Prakash Road, Versova, Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Bombay on 2-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in the building 'Gold Crown' at Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5782/84-85 on 2-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5789/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1503 on the 15th floor in the Building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, (West), Bombay-58

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority a. Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Maqbool Hussain A. Hussain.

(Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1503 on the 15th floor in the Building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri, (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5789/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-2-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5790/84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. c 25 900 /- and bearing

Flat No. 1605, 16th floor in the Building Lyory Heights at Plot No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) Mis. Qaiser Jahan Magbool Hussain.

(Transferce)

(4) M/s, Osiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an edefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1605 on the 16th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37EE/5790/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985

9689

.FORM_ITNS—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5791/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinoiter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

able property having a foir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3
Flat No. 20 on 2nd floor Building No. 9, forming part of Survey No. 41. of village Oshiwara, Behind Mehram Baug, Jogeshwar, (W. Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ziauddin Bukhani,

(Transferor)

(2) Dr. Pardiwala Hamza Abdul Hussain,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from her service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor, Building No. 9, forming part of Survey No. 41, of Village Oshiwata, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5791/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-YAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5793/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Flat No. 3, Shweta Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road,
Kol Dongri, Andheri (East), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beteen the parties has not been truly stated in the said instruhent of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mr. Kalusingh Dwarikasingh Thakur.

(Transferor)

(2) (1)Mr. Dilip Anandilal Shah & (2) Mr. Dipak Anandilal Shah.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exptanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Shweta Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 40 H. No. 3 and CTS No. 51 (Part) at Sahar Road. Kol Dongri, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE_5793/84-85 or 2/61984.

> LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date ; 12-2-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR./37+E/5796/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinder referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd floor, RICH Apartment, Wanzewadi, Mahim (West), Bombay-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--70-496 GI/84

(1) Mr. G. Ravindran.

(Transferor)

9691

(2) Mr. Mohammed Jshaque A.G.

(Transferce)

(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia lGazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Citical Gazette.

LAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 31, 3rd floor, RICH Aparment, Wanzewadi Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/5796/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) K. Rehman

(Transferor)

(2) Bijaykumar Agrawal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5797/84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 302 Andheri Manish Gaiden Co-op. Housing Society

1.14. No. 302 Andheri Manish Gaiden Co-op. Housing Society 1.14. C-Wing, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforcial property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(5) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Andheri Manish Garden Co-op. Housing Society Ltd, Bldg No. 2-3-4, C-Wing, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5797/84-85 on 26-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 12-2-1985.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mrs. Ved Arora

- (Transferor)
- (2) Mrs. Pushpa M. Rohira & Sunil M. Rohira

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6673/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands End 'B' Plot No. 15/3, 4 Bungalows Road, Oshiwara, Andheri (West) Bomb w-58

Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evas.on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands End 'B' Plot No. 15/3, 4 Bungalows, Road, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6673/84-85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Ashok Kumai Mehia & Smt, Jashii Ashol Mehra

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

NR II/37EE/6675[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 35, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, And Fast, Bombay-59 to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

No. 1, Bhawani Nagar, Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed (hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evas on of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days.

from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 35, Ground floor, Building No. C, Flot No. 18. Bhawani Nagai, Marol Maroshi Road, Andheri Fast, Bom-

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EF/6675|84-85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferoi)

(2) Anthony Chacko Arickitt

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons • hin a period

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6676/84 35—Whereas, I, LAXMAN DAS, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovible moment. I have a tain market value exceeding Rs. able moperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor, Building No. 2, Bhawani Nagar, Andhei(fl) Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

las been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 m, the office of the Competent Authority at

Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration, which is less, than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair mirket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hove not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Hat No. 12, 3rd, floor, Building No. 2, Plot No. 6, Bhawam Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59,

THI. SCHEDULE

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR II 371 E/6676 84-85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the algebraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 11-2-1985 Seal :

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri K. O. Thomas

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVI RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR. II/37-LE/6677/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Andheri East,

Bombay-9.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at bombay on 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. 1, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri Fast, Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5677 84 85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 11-2-1985.

Scal:

9697

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II. 37FE/6679(84-35,-- Whereas, I.

LAXMAN DAS,

hong the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, Bldg, No. 5, Bhawani Nagar, Andheri Fast Bombay 59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Deepak Builders Pyt. 1 td.

(Transferor)

(2) Mehboob Sultan Dama

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the abresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service—of notice on the respective—persons whichever—period expires—later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 5, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri West, Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR 11/371:E/6679 84-85 en 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 11-2-1985

beal:

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

(2) Dilip Gangadhar Deshpande

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

9698

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6680₁84-35.—Whertas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremofter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
No. Flat No. 7, 2nd floor, Building No. 6, Bhawani Nagar,
Andheri(E), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquistion of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fapianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Building No. 6 Plot No. 6 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E), Bombay-

The agreement has been registered by the COMPLIFNT AUTHORITY Bombay under No. AR. II/37EE/6680/84-85 on 23-6-1984.

> J AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

The : 11-2-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Mr. Anand G Mendon '

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6681|34-35.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,300/- and bearing

No. Flat No. 16, 4th floor, Building No. 4, Bhawani Nagar, Andneri East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the some meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 16. 4th floor of Building No. 4, Plot No. 16, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Audheri East, Bombay-59.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/6681[84-85 on 23-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Açquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—
71:—496GI/84

Date : 11-2-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Sanjay Vasant Phatak

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR.II/37EE/6682|84-85.--Whereas, I, LAKMAN DAS,

g the Competent Authority under Section 269B of Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'er'd Act') have reason to believe that the immovpropert / having a fair market value exceeding Rs. 00/-one bearing

Flat No. 13, Building No. 2, Bhawani Nagar Andheri

t, Bomb 1y-59 i more fully described in the Schedule annexed hereto), (;

to I more fully described in the Schedule annexed hereto), he been transferred and the agreement is registered under Section 269 \text{NB} of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Be about 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair moved value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moved that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betan' that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum: it of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 da's from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor of Bldg. No. 2, Plot No. Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Anda ri East, Born-

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/6682|84-85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the af resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1985

Seal;

FORM JINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II '37EI /6683 84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Flat No. 5, Building No. 2, Bhawani Nagar, Andheri

East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269. AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

Section 269.NB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at (East), Boinbay-59 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent very description of the property and therefor by the aforesaid exceeds the apparent very description. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deepak Builders Pvt. I ad.

(Transfero)

(2) Mrs. Minal Manchar Parab.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme valle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some me ming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 2, Plot No. 7, Bhawmi Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37FE/6683/84-85 on 23-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Vinod P. Dadlani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR. Il/37-EE/6692/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartin Prasanna Society, Oif J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the eforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Society, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR II, 37EE/6692|83-84 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Date: 11/2/1985

Scal:

FORM ITNS ----

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod P. Dadlani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6693/84-85,---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the almovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Society, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax \ct, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i.i. respect of any income arising from the transfer; and/or
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for

(b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Society, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the COMPFTENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/6693/84-85 on 23/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

.ate: 12-2-1985

wal:

(1) M/s. Dyna 1 states Pvt. I td

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod P. Dadlani,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6694/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, howing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal' Plot No. 53, Shri Swami Samaitha Prasanna Society, Off I P. Road, Four Bungalews, Versova, Andheri (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Lax Vet, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not e in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning 24 given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Society, Olf J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORIFY, Bombay under No AR.II/37EE 6694|84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11'2/1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACΓ, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala P. Dadlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR.II/37FE/6695|34 95 -- Whereas, I, Ref. No. LA (MAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t, 1961 (43 of 1961) hereinsiter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahel', Plot No 53, Shri Swami Samartha Prasanna Society, Off J. P. Read, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-

persons, namely :---

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bo nbay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evas on of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ler subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swa ur Samartha Prasi in i Society, Off J. P. Road, Four Bungilows, Versova, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/6695|84-85 on 23/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11/2/1985

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Nirmala P. Dadlani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6696 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 (000% and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 5, 5th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal' on Plot No. 53 of Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Housing Road, Four Bunglows Versova, Andheri (West), Bombay-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 5th iloor, 'B' Wing of 'Mota Mahal', Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Societý, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/6696|84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-2-1985

Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manju S. Hemrajani & Mrs. Sumati K. Shetty

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ВОМВЛУ

Bombay, the 11th February, 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6697,84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rid Bearing No.

Flat No. 3 on 6th floor 'B' Wing of 'Mota Mahal' on Plot No. 53 of Shri Swami Samartha Prasanna Co-op, Housing Society, Ltd. Four Bunglows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 085

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

on 23/6/1984.

Flat No. 3 on 6th loor, in 'B' Wing of Co-op. Housing 'Moto Mahal' on Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna Ltd. Society Four Bunglows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West). Pomber 100, 058 (West), Bombay400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR II/37EE/6697 84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombuy

Date : 11/2/1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—72—496GI/84

(1) M/s. Dyna Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M15. Sheela Rajan Shah & Mi. Rajan K. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6698 84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 2 on 6th floor, 'B' Wing of 'Mota Muhal' on Plot No. 53, Near Apna Ghar Co-op Housing Society Ltd. Four Bungalows, Off J. P. Road, Versova, Andhri (West), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys on other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 on 6th floor, 'B' Wing of 'Mota Mahal' on Plot No. 53 near Apna Ghar Co-op. Housing Society Ltd., Four Bunglows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/6698/84-85 on 23-6-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 11/2/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR.II/37EE/6401/84-85.-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Gala Nos. 1F, G. P. & Q. Laxmi Industrial Estate. Veera Desai Rd. Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s India Electric Poles Mfg. Co.

(Transferor)

(2) M/s Leak-Proof Engineering Works

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Nos. 1F, G. P. & Q. Laxmi Industrial Estate, Verra Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/6401/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

kcf. No. AR.II/37EE/6409/84-85.-Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Hat No. 1510, Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No.

4. (Part) Versova, 4 Bungalows, Andhen (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evalion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s Lokhandeala Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Sashidharan K. Nair.

(Transferce)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1510 on the 15th floor in the Bldg. Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, B on 21-6-1984. Bombay under No. AR.11/37EE/6409/84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-2-1985

FORM ITNS----

(11) M/s Yasmin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. kaushik Kombine.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA'NT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ΛCQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Bombay, the 6th February 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Rci. No. AR.II/37FE/6411/84-85.—Whereas, 1.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have jeason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 205. 2nd floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 et S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Iucome_tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is leave the section 25 of the Iucome_tax and the section 269AB of the Iucome_tax and the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

at Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said respect of any income arising from the liability Act, in transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any inconie. Or any moneys or other assets which have not been in or which ought to be disclosed by the transfered the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the West h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 205 on the 2nd floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6411/83-84 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sake Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act to the following tersons, namely:—

Dated: 6-2-1985.

(1) M/s Yazmin Enterprises

(Transferor)

(2) M/s Prince Impex Private Ltd.

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6412/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intermediate the composition of the composi property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 703 on the 7th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 703 on the 7th floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6412/83-84 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 6-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6413/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 702 on the 7th floor in the building at Plot No. 318

of S. No. 41 (Part) Four Bungalows,

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely :--

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Andrew F. Monis,

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwata Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on the 7th floor in the building at Plot No. 318 of SI. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/6413/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Dated: 11-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6417/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Unit No. 137. 1st floor, in Damji Shamji Industrial Complex Plot No. 28, Mahul Industrial Estate Mahakali Caves Road Andheri (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269'AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an appropriate apprintmental publishes in less than the feet

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Damji Shamji & Sons.

(Transferor)

(2) M/s Eltron (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc. defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 137, 1st floor in Damji Shamji Industrial Complex Plot No. 18, Mahul Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/6417/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Dated: 11-2-1985.

(1) Khan Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(2) National Leasing Ltd.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6420/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and ocaring No. 1, on 1st floor Khan House, at Plot No. 107, Final TPS. III, 24th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tix Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-73-496 GI /84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) 'oy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor of Khan House Plot No. 107 Final TPS. III, 24th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6420/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-2-1985.

(1) Khan builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) National Leasing Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6421/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property hiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
Flat No. 2 on 2nd floor at khan House, at Plot No. 107 Final TPS III, 24th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an agreement consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in the prect of any income arising from the transfer; are for
- (b) 7. Illtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor at Khan House at Plot No 107 TPS III, 24th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6421/84-85 Authority, B on 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R nge-II, Bombay

Dated: 11-2-1985.

FOPM ITNS-

(1) Mis Su hila Hoterand Motwani

(mansferor)

(2) Maniai Dinesi, Ami dal

(ranslatee)

NOTE: UNDER SECTION 39D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1501 (43 OF 1961)

GCVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR II/37EF/6422/84-85 - Whereas, I, I AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom. ax act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sure Act) have reason to believe that the immovable populty having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bea ing
F'at No 14 2nd floor in Silver Mist Coop Her og So iety
Ltd, Santactur (West) Bombay-54
(and more turly described in the Schedule annexed hereto)
has been trun terred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Au hority
at Bombay on 21.6-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a parent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transletor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

facily time the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which or eff to be disclosed by the transferee for to the finding income text (11 (*) 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the sa property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rotice on the respective persons, whichever per od expires later,
- (b) by very other person interested in the said immovable property, within 45 days from the d te of the publication of this notice in the Official Caffette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 14, 2nd floor in S lver Mist Coop Housing Society I td Santacruz (West) Bombay 400 054

The agreement has been registered b, the Competent Authority Borabay und r No AR II/37EE/6422/84-85 Authority I on 21.6 1984

> LAXMAN DA¢ Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bomb

Now, therefore, in purcuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid place 1/ by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followingpersons, namely

Dated 11-2-1985 Stal

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Devshi Tejshi Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6426/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 12, Gr. floor, Vidyadani Coop. Housing Society,
Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, Vidyadani Coop. Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69. Housing

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37RE/6426/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Dated: 11-2-1985.

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. E. K. Vasu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6427/84-85.—Whereas, I. I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 108, 1st floor, Vidyadani Coop. Housing Society,
Sahar Village, Andheri (East) Bombay-69.
(and more tully described in the Schedule annexed hereto)
has been tran ferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 21-6-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plet No. 108, 1st floor, in Bldg. B-2, Vidyadaini Coop. Housing Society, Chakala, Andheri (East), Bombay-69, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6427/84-85 On 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II,
> Remphy Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 1600 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Dated: 11-2-1985.

(1) M/s Omex Builders & Contractors

(Transferor)

(2) Mrs. Suhasini & Mr. K. C. Narendra

(Transferee)

NOTICE UNDER SPCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6429/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 402, 2nd floor, 'Rajendia' ut Chakala, Andheri (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and o.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 2nd floor 'Rajendra' Tarun Bharat Society Road, Sahar Road, Chakala, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6429/84-8 Authority, B on 21-6-1984.

> LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Dated: 11-2-1985.

FORM 1.T.N.S.—

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. A V. Subramanian

· (Tramferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/c430/84-85.—Whereas, I, LA3-IAN DAS, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'scil Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value enceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I-lat No. 10, 2nd floor, Vidyadani Coop. Housing Society

Sahar Vidage, Andheri (East), Bombay-400 069,

situated at oBmbay

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ausierred and the agreement is registered under Section 26 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Combe ent Authority at Bembiy on 21-6-1984

for an experient considere on which is less than the fair mark to be of the aforesaid property and I have mason to believe the formark evolution of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the tipe by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any maome arising from the transfer; and/or
- (b) collitating the concealment of any income or any runkys of oil, assets which have not been or lich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the clore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acqueition of the aforesaid properly by the some of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the sud Act, to the following persons namely :--

Object ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he ein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Vidyadani Coop. Housing Society Sahar Village, Andheri (Fast), Bombay-69.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6430/84-85 Authority, B on 21-6-1984.

> LAYMAN DYT Competent Author v Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range II. Bombay

Dated: 11-2-1985.

FORM 1,T.N.S.

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.2) K. Ravindran

(Transfere))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6431/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (13 of 1961) (hercunafter referred to as the 'said Act'), have ica on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor, Vidyadan Coop. Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-69,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearal consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); other assets which have not been or

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dete of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Vidyadani Coop. Housing Society, Shar Village, Hombay (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6431/84-85 Authority, Pon 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Importing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated : 11-2-1985.

Sent :

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s Omex Builders & Contractors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6432/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Shakti Apartment, Bandivli, S.V. Road, Jogeshwari (West), Bombay 400102, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons namely:—

34—496GI/84

(2) Sharad Sadanand Karkera

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Shakti Apartment, Bandivli, S.V. Road, Jogeshwari (West), Bombay 400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6432/84-85 on 21 6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 11-2-1985.

Seci :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Omex Builders & Contractors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sadanand M. Karkera.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR_II/37EE/6433/84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 401, Shakti Apartments, Shakti Apartment, Bandivli, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 102, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tent foir market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or moneys or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Shakti Apartment, Bandivli, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/6433/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Virinderchand Mehra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Bulomal Makhija.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

BOMBAY

Bombay the 8th February 1985

Ref. No. AR.H/37EE/6434/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

office No. 202, 2nd floor, 'Balarama', Plot No. C-5, of Block No. E, of Bandra Kurla Complex, Bombay-400 051.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaslette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaningas given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 202 on 2nd floor, 'Balarama', Plot No. C-5, of Block No. 'E' of Bandra Kurla Complex, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6434/84-85 on Authority, 21-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-2-1985

Scal:

(1) Mr. Manoj M. Goradia.

(Transferor)

(2) Shri Shamji Manji Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Manoj M. Goradia & Shri Shamji Manji Patel,

(Person who the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Ref. No. AR.II/37EE/6437/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor of building bearing CTS No. 838 & 838/1 to 838/4 at Dadabhai Cross Rd., Vile Parle (W), Bombay-65.

Bombay-65, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ggreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor, CTS No. 838 & 838/1 to 838/4 at Dadabhai Cross Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6437/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner oof Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Seal:

Date: 11-2-1985

(1) Shambo Co-operative Housing Soc. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dashrath Sakharam Mane and Mrs. Prema Dashrath Mane.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6240/84-85.-Whereas, I.

Ref. No. AR.II/37EE/6240/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, Shambo Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 102, Ambivali Village, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984 Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part has a table stated in the said interment of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Shambo Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 102, C. T. S. No. 141-A, Ambivali Village, Four Bungalows Andheri Versova Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6240/84-85 on 16-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Kedar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ninad Anant Gandbhir & Smt. Nalini Anat Gandbhir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6455/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 1, Kedar Apartments, Plot No. 290, Town Planning Scheme III (Mahim) CS No. 591.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, Kedar Apartments, Plot No. 290, CS No. 591 Town Planning Scheme-III (Mahim).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6455/85-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Amol K. Base,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37/6347.--Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37/6347.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000% and bearing No.
Flat No. 704 on the 7th floor in the building Green Fields-A
at Plet No. 323 of 5 No. 41 (Part). Four Rungalows Ver-

at Plot No. 333, of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Green Flelds-A at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6347/83-84 on 19-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 6-2-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Kaushik Kombine.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s, Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6348.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101 on the 1st floor in the building at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West) Rombay-58.

(West) Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on the first floor in the building at Plot No. 1 of S. No. 41 Part, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6348/83-84 on 19-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985

- \(1) M/s. Yasmin Enterprises.
- (Transferor)
- Kum, Mecnakshi Seshadri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37FE/6349.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I lat No. 103, 1st floor in the bldg. Ivory Heights at Plot No. I of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason the believe that the fair gardent approperty and I have reason to believe that the fair gardent approperty and I have reason to believe that the fair gardent approperty and I have reason to believe that the fair gardent approperty and I have reason to be a property on the control of the property and the property and the property and the property are appropried.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

75--496 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 103 on the first floor in the building Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Yersova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6349/83-84 on 19-6-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 6-2-1985

Scal:

FORM TINS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd. Rafio Mohd. Husaini.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER-OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6352/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603, on the 6th floor, 1st Building No. 8, forming part of survey no. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Bagh, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other spects which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslits-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, on 6th floor, 1st Building No. 8, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari 1(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Company Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6352/84-85 on 19-6-1984

19-6-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :--

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kedar Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Jaykumar Dinkar Gupta. Mrs. Nanay Jaykumar Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6356/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 614-A situated at 9, Bhikaji Cama Place, Flat No. 3, 5th floor of building No. 2, Kedar Apartments, Bhandar Gully, Mahim, Bombay. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-6-1984

for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the property of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia! Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor of Bldg No. 2, Kedar Apartments, Bhandar Gully, Mahim,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JI/37FE/6356/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dato: 8-2-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6357/84-85.-Whereus, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 4, Kamal Kuni, Subhash Road, Opp. United Ink Factory, Vile Parle (East), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984 for an annexent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. J. Construction.

(Transferor)

(2) Smt. Pravina Omprákash Sharma.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 4, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United Ink. Factory, Vile Parle (East) Bombay-57,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6357/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1985

- (1) Madhava United Hotels (International)
 - (Transferor)
- (2) M/s Bell Engineering Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6361/84-85 -- Whereas, I,

AXMAN DAS, seing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing No.

Aadhava 103, 'E' Block, Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra East, Bombay-51,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

sombay on 19-6-1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as if or esaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the follower persons, namely:—

-486GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

l XPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madhava 103, in the 'E' Block of Bandia Kuila Commercial Complex, Bandra (East), Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Company Authority, Bombay under No. AR II 237EL 6361/8485 on 19-6 1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 8-2-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Madhava United Hotels (International). (Transferor)

(2) Mrs. Sarla Anil Hazari & Mrs. Devibai P. Hazari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6362/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Keshava 109 on Plot No. C-5, in the 'E' Block of Bundra-Kurla Commercial Complex, Bundra (E), Bombay-51. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984 for an apparent consideration which is less than the

Bombay on 19-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Keshava 109 on Plot C-5 in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra East, Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Company Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/6362/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely ;-

Date: 8-2-1985

M/s. S. S. Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7211/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 6, Ground floor in the building Basera Apartments-A. Plot No. 47 & 48 Off. Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred adn the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reus on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Jyoti P. Mansukhani.

(Transferee) (4) M/s, Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor in the building. Basera Apartment-A Plot No. 47 & 48 Off. Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7211/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombi

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7213/84-85.--Whereas, I.

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 303, Bascia Apartments-A, Plot No. 47 & 48, Off.
4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registration under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less then the fair tharket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s. S. S. Development Corporation,

(Transferor)

- (2) Mr. Prakash B. Mansukhani.
- (Transferee) (4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

THE SCHEDULE

- (a) jacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 303, 3rd floor in the building Basera Apartments A. Plot No. 47 & 48, Off. Four Bunglow, Versova, Ancher (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7213/84-85 or 2-6-1984

> LAXMAN DA. Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-II, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 1ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) Shri Abdul Sattar Usman Memon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Shakoor Ibrahim.

(3) Transferee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR.II/37EE/6034/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Ashraf Mahal, 105, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Ist floor, Ashraf Mahal, 105 J. P. Road, Andhert (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6034/84-85 on on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---76-496 IG/84

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6057/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

Bombay on 8-6-1984

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Flat No. 4, 'Kamal Apartments' 3rd floor, 4 Bungalow, Ver-

sova, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred ... th. and the tegistered under Section 269AB of the I are any National in the office of the Competent Authority at

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) M/s. Bhagat & Kapoor Housing Development Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Saud Abdul Rashid.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor 4 Bungalow, Versova, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/6057/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Bhagat & Kapoor Housing Development Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Faizal Abdul Rashid Master Fahad Abdul Rashid.

(3) Trasferor

(Transfereç)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6058/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing Flat No. 3, 'Kamal Apartments' 3rd floor, 4 Bungalows, Ver-

sova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bembay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the roduction for evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kamal Apartments, Flat No. 3, 3rd floor, 4 Bungalow, Versova, Oshiwara, Andheri ((West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority; Bombay under No. AR.II/37EE/6058/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS-Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act. to the follows: persons, namely:-

Date: 13-2-1985

(1) Shri Vasudev Davaram Navani & Smt. Pushpa Vasudev Navani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Bindu R. Lulla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6060/84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12C, Land Breeze Co-operative Society, Pali IIII, Randra, Roysbay 50.

Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 12C, Land Breeze Co-operative Society, Pali Hill, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the . Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/6060/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent' Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date : 11 2-1985 Seal :

(1) S. J. Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay- the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6067/84-85.--Whereas 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing than market ranks and bearing Flat No. 305, Kamal Kunj Subhash Road, Opp. United Ink fractory, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984

PART III-SEC. 1]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Surendra Ptabhakar Kamat.

(Transferce)

\(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United Ink Hactory, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6067/84-85 on 8-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-2-1985

Scal:

(1) M/s Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Soniashama International.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6073/84-85.-Wheteas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Unit No. 4/P in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority. the Competent Authority

at Hombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 1(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this nonce upder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4/P in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6073/84-85 on 8 6 /1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985.

(1) M/s Bombay Textiles.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijaysingh H. Dutia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombav, the 11th Februray 1985

Ref. No. AR II/37EE/6096/84-85.—Whereas, J AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovoble property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Bungalow No 3, Golden Beach, Ruja Park Road, Juhu, Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of th. Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, on respect of any income arising from the transfer; so\bar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 36, Golden Beach, Ruia Park Road, Juhu, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6096/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No AR Π/37ΕΕ/6701/83-84.—Whereas, I.

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 701 with terrace on the 7th floor in the building Hom: Court at Plot No 336 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M s Yasmin Corporation.

(Transferor)

Mrs. Jyoti Divecha, Miss Sandhya Divecha and Mi. Ramesh-Divecha.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwa a Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 701 with terrace on the 7th floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part). Four Budglaows, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II/37LE 6701/83-84 on 23, 6 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 6-2×1985. Seul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6702/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro erty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101 on the first floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the stid Act, to the following persons, namely:—77—496 GI/84 (1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

- (2) Mrs. Sofibai and Mr. Ahmed Ebrahim.
- (Transferee) (3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever perio dexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on the first floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6702|84-85 on 023-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6703/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable Plot No. 318 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, and bearing

Flat No. 202 on the 2nd floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, ersova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Bajaj and Mrs. Harsha Bajaj.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on the 2nd floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/6703/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984.

(1) Mr. Raj Advani and Mrs. Neena Raj Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Yunsus Yusuf Bilai

(Transferce)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 8th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Refl. No. AR.II 437EE/6704/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 56, Regency-B at Plot No. B-3 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984, tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **n**⊾d /or

THE SCHEDULE

Flat No. 506 on the 5th floor in the building Regency-B situated at Plot No. B-3 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6704/84-85 on 23-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Scotton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 8-2-1985

(1) Shri Balkishan Saboo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Şavitridevi Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6705/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17, 2nd floor, Plot No. 99/100, Prabhat Colony, Santactuz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hint No. 17, 2nd floor, Plot No. 99/100, Prabhat Celony, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6705/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 11-2-1985.

Scal:

- (1) Shri Paragji Haribhai Desai.
- (Transferor)
- (2) Shri enkoba Rao Pandit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6707/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-aix Act, 1961 (43 of 1961) (hermatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600|and bearing

Hat No. 12, Sahajiv Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Andheri, Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used perein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor of Sahajiv Co-op. Housing Society Ltd., Building No. 1, Lellubhai Park Area, Andheri (West), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/6707/84-85 on 23/6/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-LL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1985.

(1) Shri Anant G. Praba.

(Transferor)

(2) Smt. Gouri Rajaram Mulve.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.Π/37EE/6708/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
A/4, Sadhana Co.op. Housing Society Ltd., Tejpal Scheme
Road No. 4, Vile Parle (East), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said lumovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-4 Sadhana Co. op. Housing Society Ltd., Tejpal Scheme Road, No. 4, Vile Parle (East) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Noe AR.II/37FE/6708/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Date: 13-2-1985.

(1) Smt. Krishna Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ajaykumar Mohanlal Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6710/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 401 Woodlands 'A' J. P. Road, Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Woodlands 'A', J. P. Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6710/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-2-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Kabeer Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Kanayalal Newandram Khiani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR,II/37EE/6730/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 702, B-Wing on 7th floor, 'Denzil Plot No. 31 S.
No. 31 S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri (West), Bombay-

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, B-Wing, 7th floor in 'Denzil' Plot No. 31 S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6730/84-85 on 23/6/1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985.

(1) Saran J Patel

(Transferor)

(2) Dr Subhash D Bendre

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR U/37FF/6731'84 85—Whereas I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Shop in I versun CHS Sahakar Nagar, J P Road, Andheri (W) Bombay 58

(and more fully described in the Scheduled annexed hereta) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finishity of the transferor to pay tax mader the mid Act, in respect of any income erising frace the transfer end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-ta 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop in Eversun Apartment CHSL, Sahakar Nagar, J. P. Rold Andhell West, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/6731/84-85 on 23/6/1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he eby mitiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under sub-sec tion (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing tersons ramely --78-496 GI/84

Date 13-261985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri M. R. Krishna Murthy Trust, The Central Arecanut Marketing and Processing Cooperative Limited Mangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. & Mr. Narayan V. Rao.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6861/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Room No. 4. 1st floor, Plot No. 38, Arvasu Cooperative
Housing Society Limited, TPS VI, 1st Road, Santacruz (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Room No. 4, 1st floor, Plot No. 38, Arvasu Co-operative Housing Society Limited, T. P. S. VI. 1st Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EH/6861/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date : 11-2-1985. Seal :

(1) M/s. Vishal Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh H. Makhija.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th Ftbruary 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6862/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Flat No. 406, 4th floor, Parul Apartment, Plot No. B-3,
C.S. No. III(D), Ambivli, Andheri (W), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Parul Apartment Plot No. B-3, C.S. No. III(D), Ambivli, Veera Desai Road, Off Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6862/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s Prakash Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Shaukat and Mrs. Oamrunnisa Shaukat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6866/84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the second section of the second s able property, having a Rs. 25,000/- and bearing fair market value exceeding

Shop No. 16, ground floor in Building No. 1, in Amit Nagar, Yari Road, Versova, Andheri, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Shop No. 16 on ground floor in building No. 1, in Amit Nagat, Yari Road; Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6866/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) M/s Prakash Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nazir Ahmed Sahikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6867/84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 15, ground floor in Building No. 1, Amit Nagar,
at Yari Road, Versova, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising frein the tran and /er

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Shop No. 15, Bldg No. 1, Amit Nagar at Yari Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.II/37EE/6867/84-85 on 23/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Date: 12-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehrunnisa G. Rehmani,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6871/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 202 on 2nd floor of Building No. 8 forming part of Survey No. 41, of village Oshiwara behind Behrami Baag, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, of building No. 8, forming part of survey No. 41, of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJ/37EE/6871/84-85 on 23/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bom**bay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985

Scat:

(1) Mrs. Bina P. Vaghani and Master Kushal U. Vaghani.

(2) Mr. Valji Premji Shah and Mr. Ashvin Valii Shah,

(Transferor)

(Transferee)

interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be

- Ref. No. AR.II/37EE/6876/84-85.--Whereas, I,
- half NAMAN DAS.

 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property Laving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No 7 on the ground floor Sunny Side at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Hombay-58.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor in the bldg. Sunny Side at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6876/84-85 on 23/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

(1) Monocast Developers & Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prof Vinayak Anant Chimulkar and Proft (Mrs.) Vidya Vinayak Chimulkar (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th February 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR,II/37EE/6881/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 6, 3rd floor, Silver Anklet, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority
at Bombay on 23/6/1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
foften are cent of such apparent consideration and that the fifte in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, 'Silver Anklet', Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6881/84-85 on 23/6/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6882/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-Flat No. 403, 4th floor, Neelam Apartments, Machilimar, J. P. Road. Versova, Andheri (West), Bombay-61.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—79—496GI/84

- (1) Mrs. Hamida Abdul Somaii Miss Zohrakhanu Jaffar Somji.
- (Transferor)
- (2) Mr. Chandrakant M. Pathak Mrs. Dnya C. Pathak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Neelam Apartments, Machilimar, J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6882/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 13-2-1985

Scal :

(1) M/s Samarth Development Corporation.

(2) Smf. Prem Lata Midha.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6883/84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Building No. B-1, Flat No. 409, Apna Ghar Unit No. 2 Coop. Housing Society Ltd., at Oshiwara, off Jayprakash Road,

Near Four Bungalow, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax miller the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. B-1, Flat No. 409, Apna Ghar Unit No. 2, Co.op. Housing Society Ltd., at Oshiwara, off Jaya Prkash Road, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/5883/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-2-1985

(1) Shri Ziauddin Bukhari Chief Pramoter.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh A. Rehaman.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II /37EE/6884/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabl property having a lait market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, building No. 9, forming part of survey No. 41. Pillage Oshiwara Behind Behram Baug,

Jogeswari Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less at a first first first and the first section which is less at a first firs

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, on 3rd floor of building No. 9, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Bang, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No.AR.II/37EE/6884/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the •ing persons, namely :-

Date: 6-2-1985

(1) M/s Majestic Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) '

(2) Mr. Vyomesh Mathurdas Mehta, Mr. Himanshu Vanilal Mehta, Mrs. Kapilaben Vanilal Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6885/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 9, 4th floor, Vainatsheya, Ghodhu under Road, Vile

Parle (West), Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 10\ lwi

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, Ghodhunder Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Compauthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6885/84-85 23/6/1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. AR.II/37EE/7002/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing CFS No. 256, 256/1, 256/2, 257 at Andheri Gauthan Road, Lane No. 4, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Boambay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Mary Coutinoh.
- (2) Mrs. Sukhibal Kundanmal Shah.

(Transferor)

(Transfered)

(3) P. K. Nair, Fulchand Ratnpurl, Ashok Kumar Chavan.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 256, 256/1, 256/2, 257 occupied by Three Tenants at Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7002/84-85 on 28-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-bax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Kiran Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vardhman S. Khona, Shri Larin V. Khona,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR 11/37EE/7005/84-85. - Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. C-601, 6th floor, 'Sea Shell', Apartments Swami Samartha, CHSL, 4, Bungalows, Andheir (W) Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the 'reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No C, 601, 6th floor, 'Sea Shell' Apartments, Swami Samartha Co-op. Hsg Soc. Ltd., Plot No. 30, Off. J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/7005/84-85 on 28-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Ansa Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Manish Technical Services.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7007/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAŞ.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

Flat No. 116, on list floor of 'K' Bldg., in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the waid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 116, on 1st floor of 'K' Bldg, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/7007/84-85 on 28-6-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Bombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985.

Ref. No. AR.II/37EE/7011/84-85.--Whtreas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Andheri West, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any more eys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Charulata Naresh Dattani, Mr. Naresh Ratansi Dattani.

(Transferor)

(2) M1. Daxesh Kantilal Parikh, Mrs. Priti Daxesh Parikh,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29-B, in Andheri Gul Mohar Co-op. Housing Society, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/7011/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mt. Mohamed Amin Abdul Rehman,

(Transferer)

(2) Mr. Sajjed Ali Hajj Mehbbulla Shaikh.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY
Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7025/84-85.—Whereas I, I AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 5, Ground floor, Pearl Haven, Chapel Road,
Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269.AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Pearl Haven, Chapel Road. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/7025/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

80-496GI/84

Date: 12-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ishwar Dayaldas Kewalramani HUF By karta Shri I. D. Kewalramani.

(Transferor)

(2) Shri S U Bhojwani, HUF

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/7032/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) '(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 25,000/- and bearing No.
Industrial Gala, 1st floor B 23, Nandkishore, at Mahakali
Caves Road, Andheri (East), Bombay-93 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

Section 2604 B of the Income tay Act 1961 in the Office Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11' of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala, B-23, Nandkishore at Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY. Bombay under No AR II/37EE/7032/84 85 on 28/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

9773

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7033/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 16, 3rd floor, Pushpendra Mansion, Phirozsha Street, Santaciuz (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Niti N. Bandaria.

(Transferor)

(2) Shri Jayant P. Merchant & Pramile Purshottam.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Phirozsha Sucet, Pushpendra Mansion, Santacruz (W), Bombay-54,
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under AR.II/37EE/7033/84-85 on 29-6-

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Scal .

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

PART III--SEC. 1

(2) M/s. Canvil Engicon Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/7046/84-85.—Whereas LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Unit No. 30-C, Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of whichever notice on the respective persons, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 30-C. Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent than the competent that the compet Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7046/84-85 on 29-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Samarth Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vcena Gauesh Shanbhag.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Rel. No. AR.II/37EE/7047/84-85.—Whereas I,

Rel. No. AR.II/37EE//04//84-85.—Whereas I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. A-3/004, HRISHIKESH Apna Ghar, Unit No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., at Oshiwara, off. J. P. Road. Near Four Bunglows, Andhert (W), Bombay-58 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3/004, 'Hrishikesh' Apna Ghan Unit No. 1, Co-operative Housing Society Limited, Oshiwara, Off. J. P. Road, near 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/7047/84-85 on

29-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7049/84-85.—Whereas L LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. D/30, Prem-Varsha Co-op, Housing Society Ltd. Varsha Colony, Sahar Rd., Andheri (East), Bombay-90

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said not, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kamlakar Datatraya Chogale, Smt. Shubhada Kamlakar Chogale.
- (2) Dr. Arvind N. Sarla.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/30, Prem-Varsha Co-op. Housing Society Ltd., Varsha Colony, Sahar Road, Andheri (East), Bombay-99, The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7049/84-85 29-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If
Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Shri Daniel A. Killekar,

(Transferor)

(2) Shri J. M. Gaitonde.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5905.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. A/2, Blue Arch Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 142/7/B & 143/7/B, Off. 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bmobay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, Blue-Arch Co-operative Housing Society Ltd., Off. Four Bungalows Road, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5910/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Donald D'Souza,

(2) Mr. Cristo Reo M. Yiegas,

(Transferor)

Mis. Teresa N. Viegas, (Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Rcf. No. AR.61/37EE/5910.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

Flat No. 15, Bldg. No. 15, Shree Yogi Krupa Co-op, Housing Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road. Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is recistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property thay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bldg. No. 15, Shree Yogi Krijpa Co-op. Housing Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the COMPETENT-AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5910/84-85 on 4/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13/2/1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Bharat Trading Co.
- (2) Shri S. P. Bhakta.

(Transferou)

(Tfansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11. BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5914/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fáir market value exceeding

Rs. 25 000 /- and bearing

Flat No. 2, Chandan Apartments, A-frla Paile (West), Bombay situated at Bombay A-Irla Gaothan, Vile

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lat Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5 6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concestment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Chandan Apartments, A-Irla Gaothan. Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5914/84-85 on 5/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Всільау

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons in units

81-496GI/84

Date: 13-2-1985

(2) M/s. Govani Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Tushar Gunvandal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th February 1983

Ref. No. AR.II/37FE/5916/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Flat No. 3, 'Amar Kunj', Beasant Street, Santacruz (West),
Bombay-400 054 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /art
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within, 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, "Amar Kuni" Beasant Street. Santacruz Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5916/84-85 on 5 6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-2-1985.

(1) Shri Ram Issardas Gangwani.

(Transferor)

Shri Parshottamdas H. Fulwadhva.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5933/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 18, Murli Govind Co-op, Housing Society Ltd., Plot No. 527, 33id Road, Khar, Bombay-52 situated Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suit Act, in respect of any income arising from the transfer; ned/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 18, Murli Govind Co-op. Housing Society, Plot No 527_33rd Road, Khar, Bombay-400 052.
The agreement has been registered by the COMPETENT

AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5933/83-84 on 5/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 8-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985 AR.II/37EE/5939/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 602, Behnur-B, Plot No. 15/B, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the ogreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have maken to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evanion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind n Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M1. Hummatlal P. Shah & Mis. Suickaben H. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. Natwarlal S. Vakil & Mi. Kamlesh N. Vakil.

(Transferce)

(3) M/8. Oshiwata Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crizette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor in the building Benhur-B, at Plot Andhen (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5939/84-85

оп 5 6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1935.

FORM ITNS----

(1) Mis. Janet William D'Souza.

(Transferor)

(2) Mr. Mukul Kumar Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE 5946/84-85.--Whetens, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating
Flat No. 102, SEA BREEZE, J. P. Road, 7 Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rilteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by t chtransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tlat No. 102, SEA BREEZ, J. P. Road, 7 Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5946/84-85 on 7/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II Bombay

Date: 13-2-1985.

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

- (1) Mis. Roopali Damodar Parulekar.
- (Transferor)
- (2) Mr.-P. K. Achan,

(3) Transferor,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5954/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Complex, Plot No. 42 in Wing-A, Society at Manish Nagar Complex, Plot No. 42 in 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacrevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 & 402 in Wing 'A' at Manish Nagar Complex at Plot No 41 in 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5954/84-85 on 7/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-2-1985.

Scal:

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mohammad Khursheed Riaz Siddiqui.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5968/84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Gr. floor, Everest Bldg., J. P. Road. Versova Andheri West, Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of she hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely . -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHI DULE

Shop No. 2 on ground floor, 'Eyerest Building'. Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No., AR.II/37EE/5968/84-85 on 7/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985, Seal:

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Rajani Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durgadas Kalyandas Morzaria Karta of Durgadas Kalyandas HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR H/37EE/5970/84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 501, 5th floor, Andheri Ashiyans Co-op. Housing Society Limited, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Auuthority at

Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facthroung the reduction or evasion of the babblity of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the ear? Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THI' SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, in Andheri Ashiyans Co-operative Society Limited, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5970/84-85 on 7-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Sharma Properties Pvt. Ltd.

(2) Shri Khan Zamiruddin Masihuddin Shri Khan Fashihuddin Masihuddin Shri Khan Moizuddin Masihuddin

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF 'NDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5971/84-85.—Whereas, I, XMAN DAS.

being the Competert Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sak' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing and bearing Ground floor, 'Prerna' Plot No. 67 Sl. No. 41 (Part) at Village Oshiwara. 4 Bungalows, Off. J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax. Act. 1961 in the office of the Competent

Auuthority at

Bombay on 7-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid coperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, 'Prerna', Plot No. 67, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Bungalaws, Off, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5971/84-85 on 7-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--82-496GI/84

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Bhagat & Kapoor Housing

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijayan Muliyil Mrs. Anna Kuvayan Muliyıl

(3) Transferor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5978/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No 2, 6th floor, 4 Bungalow, Versova, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961 in the officer of the competent Auuthority at

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective bersons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official date of Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'Kamal Apartments' 6th floor, 4 Bungalow, Varsova, Oshiwara, Andher. (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5978/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Walter Lobo

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Salvadore Machado

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR. II/37EE/5983,84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. F/20, 2nd floor, Nirmala Colony, St. John Baptist Road, Bandia, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Auuthority at

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the zervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F/20, 2nd floor, Nirmala Colony, St. John Baptist Road, Bendra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5983/84-85 on 8-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

9790

(2) Kum. Sherry Lobo

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Nil

(Person in occupation of the property)

PART III-SEC. 1]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(4) Oshivara Land Develop., Co., (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Bombay, the 13th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed :-

Ref. No AR. 11/37EE/5985/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

> 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1201, 12th floor, Premium Towers, Four Bungalows, verson, Andheri (W) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Auuthority at

> Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excee, ly the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1201 on the 12th floor in the building 'PREMIUM TOWERS' Plot No. 351 of S. No. 41 (pt), 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under No. AR. 11/37EE/5985/84-85 on 8-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:--

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Chandrakant M. Pathak Smt. Divya C. Pathak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanta M. Lalwani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/5810/84-85.—Whereas, I, ALAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Plat No. 606, 6th floor, Kavita Apartments, Andheri West,

Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor, Kavita Apartments, Plot No. 1030, Yarl Road, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5810/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

Seal ·

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Abdul Rasheed Abdul Razak Lalla (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/5828 84-85 --- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 16, Plot No. 16, Bhawani Nagat, at Marol Maroshi Road Andheri (Fast), Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on 4th floor of Building No 2 on Plot No. 16 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5828/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 12-2-1985

(1) Me/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2691 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Cicily George Thuchil

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCQME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR. 11/37EE/5829/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hat No. 13, 3rd floor, Bldg. No. 2, Bhawani Nagar, Andherl

East, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed berete),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2,6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tradsfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income serising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Building No. 2, Plot No .6 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5829/83-84 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anthony Joseph Fernandes & Gloria Carmine Fernandes

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5830/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 17, 4th floor, Bldg. No. 2, Bhawani Nagar, Andheri

East, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, memcly:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from Athe service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, Bldg. No. 2, Plot No. 14, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay-59, Andheri East.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5830/83-84 on 2-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

Seal •

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

9795

(2) Neeta Dilip Dalvi & Dilip Dattaram Dalvi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA '

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5831/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 23.000/- and bearing
Flat No. 11, 3rd floor of Bldg. No. 3, Plot No. 11 in Bhawani
Nagar, Maro! Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (a. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—83—496GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Building No. 3, Plot No. 11 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5831/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

FORM TINS-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Philomena & Sister Flize Velloz

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5832/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair reset to the said Act. immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 16 on 4th floor of bldg. No. 2, on Plot No. 13 in Bhawani Nagar at Marol Meroshi Road, Andheri (East),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which mave not over which ought to be disclosed by the transferree for vadies become tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor of Bldg. No. 2 on Plot No. 13, in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5832/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dated: 12-2-1985

- (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)

The state of the s

(2) Shrl Suncel Murlidhar Mahamuni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5834/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 13, 3rd floor, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Andheri

East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Building No. 3, Plot No. 11, Bhawaui Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5834/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 12-2-1985

=,= _=<u>-----</u>

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Shamsunni Sa Shaikh A. Sattar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5835/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property naving a rair marker value executing Rs. 25,000, and bearing
Flat No. 14, Bhawani Nagar,
Andheri (East), Bombay-59,
(and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor of Bldg. No. 4 on plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5835/84-85 on 2-6-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269O or the smid Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Walter Robert D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5837/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said. Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0007-and bearing

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. No. A, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 301, 3rd floor, Building No. A, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andherl East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5837/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-2-1985

(1) M/s. Vardhan Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Verma

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/5842/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 3, A Wing 4th floor, Pink Apartments, 7 Bunglows,
Versova, Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more' than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, A Wing, 4th floor, Pink Apartments, 7 Bungalows, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR. II/37EE/5842/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-2-1985

(1) M/s Yasmin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nargis Esmall Jumma

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Oshivara Land Dev. Corp (P) Ltd. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 13th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

AR.II/37EE/5854/84-85.-Whereas, I. Ref. No. LAXMAN DAS.

(h) by any other person-interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, IVORY TOWERS Building, Plot No. 1 of Part of S. No. 41, Verseva, Andheri (W) Bombay-58 situated at Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-84

at Bombay on 2-0-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

'Flat No. 303 on the 3rd floor in the building IVORY HEIGHTS plot No. 1 of S. No. 41 (pt), 4 Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5854/84-85 on 2/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, Ly the following persons, namely:-

Dated: 13-2-1985

FORM' ITNS---

(1) Mr. P. K. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyoti S. Parekh

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR.II/37EE/5858/84-85.--Whereas, I, Ref. No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair 'market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 204, Sheetal Society, 3rd Road, Santacruz (East), Bombay 55.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority
at Bombay on 2/6/1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, un respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 19057 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 204, Sheetal Society, 3rd Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5858/84-85 on 2/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-2-1985

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR.II/37EE/5865/84-85,-Whereas, I, Ref. No. AR LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, LOURDES HAVEN, Junction of Ambedkar Road and 30th Road, Bandra, Bombay-50 situated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as award to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, it the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following rersons, namely :---84--496GI/84

(1) M/s. Sturbridge Corporation

(?) Nandlal Gokaldas Kalyani & Bharat Nandlal Kalyani,

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Plat No. 501, 5th floor, LOURDES HAVEN, Junction of Ambedlar Read, & 30th Road, Bandra, Bombay-50" The agreement has been registered by the COMPETENT AU PHORITY, Bombay under No. AR.II, 37EF/5865/84-85 on 2/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-2-1985

(1) Narendra T. Kothari HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR LAXMAN DAS, AR.II/37EE/5873/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 204, 2nd floor, LUV APARTMENT Plot No. P-3,

Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule and hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income tax Act 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957, 27 of 1957)

(2) Shr₁ G. S. Nair Jointly with Smt. Saroja Nair.

(Transferee)

Objections, if any ,to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 204, 2nd floor, LUV APARTMENTS, Plot No. P-3, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58."

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR.II/37EE/5873/84-85 on 2/6/1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Dated: 13-2-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Anantrai Marawala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/5881/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 18, Building No. 1, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Actfi 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the vication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Flat No. 18, Building No. 1, Marol Maroshi Road, Bhawani Nagar, Andheri East. Bon hay-59.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5881/84-85 on 2/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Arunkant Malhotra

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/5882/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 9, on 2nd floor of Bldg. No. 3, on Plot No. 16 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (Γast

Bombay-59

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984.

at Bonnbay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 9 on 2nd floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 16 in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-59"

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5882/84-85 on 4/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Author'ty
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12 2 1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPATAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony Santis

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rof. No. AR.II/37EE/5883/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 3, Bliawani Nagar, Andheri East, Bombay-59

East, Bombay-39 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1984

tor an apparent consideration and which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 5, 1st floor Bldg. No. 3 Plot No. 7. Bhawani Nagar, Marol Morashi Road, Andheri East, Bombay-400059. The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5883/84-85 on 4/6/1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sul section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-2-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avtar Singh B Gill

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5885/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12, 3rd floor, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee (quality file purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expleasions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 12 Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Marol Marashl. Road, Andheri Fast, Bombay-50".

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR.II/37EE/5885/84-85 on 4/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Dated: 12-2-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Suresh Menon

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGF-II. **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/5886/84-85,—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5, 1st floor, Bldg, No. 4, Bhawani Nagar, Andheri

East, Bombay-59 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority situated at Bombay on 46-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uausfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing nersons, namely :- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 4, Bhawani Nagar, Ar ri Fast, Bombay-59" The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5886/84-85 on 4/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Dcepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) William Saldanha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5887/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 6, Building No. 4, Bhawani Nagar, Andheri West, Bombay-59.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 28-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

"Flat No. 6, Building No. 4, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59. The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR.II/37EE/5887/84-85 on 4/6/1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

Seal;

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun J Belwalkar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5888/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 603, Bldg. No A, Plot No. 18 Bhavani Nagar, Andhen East, Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as all said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meanys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—85—496GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 603, Bldg. No. A, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59"
The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR II/37EE/5888/84-85 on 4/6/1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Mrs. Mubeen Rhehan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/5889/84-85.-Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11, 2nd floor, Building No. 2, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 11, 2nd floor, Building No. 2, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59."
The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5889/84-85 on 4/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Fehmida Rashid

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR.II/37EE/5890/84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Building No. 3, Bhawani Nagar, Andheri West, Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the Competent Authorit; at Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Hat No. 7, Building No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri West. Beml av-59". The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5890/84-85 on 4/6/1984

> LAXMAN DAS Competent Authority La-recting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 369D of the said Ast to the followpersons, namely:-

Dated: 12-2-1985

(1) Shri Shah Manilal Hirji

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shah vachar Raghavji

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AK.IJ/37EE/5892/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 3 Omex Apartments, S. No. 41, H. N. 18, Sahar Road, Vile Parle (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 3 Omex Apartments, S. No. 41, H. N. 18, Sahar Road, Vile Parle (E), Bombay."
The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II, 37EE/5892/84-85 on 4/6/1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1985

(1) M/s Yasmin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rukmani Mohansingh Hinduja Mrs. Rukmani Mohansingh Hinduja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5894/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 604, 6th floor, Primes Building, Plot No. 318, Part of S No. 41, 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

at Bombay on 4-6-1984.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 604, 6th floor, Primes Roge Building, Plot No. 218, of S. No. 41 (pt), 4 Bunglows, Versova, Andheri (W3, Bombay-58."

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5894/84-85 on 4/6/1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s, L. Z. Investments.

(Transferor)

(2) Mr. Nazirahmed Ismail Shaikh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5895/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 203, 2nd floor, 'Richmond' at Plot No. 'i3 (New Plot No. 345) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 203, 2nd floor, 'Richmond' at Plot No. '13 (New Plot No. 345) (A), of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/589/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

FORM LT.N.S.

- (1) M/s. L. Z. Investments.
- (Transferor)

(2) Mrs. Shahanaz Nazir Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5986/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Richmond Building, 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any monoya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Richmond Building, Plot No. 13, New No. 345(A) of S. No. 41 (part), 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5896/84-85 on 4-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-2-1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Yazmin Corporato ni .

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zarina Rahim Thariani & Mr. Sultan Rahim Thariani,

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. $\Lambda R.1I/37EE/5897/84-85$.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 402, 4th floor Green Field-B at Plot No. 333, of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apartment consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle heads to be the such transfer as agreed to between the particle heads. ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the soquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on the 4th floor in the Building Green Field-B at Plot No. 333, of S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5897/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, COMMIS-BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5899/84-85,---Whereas. I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/

and bearing No.
Flat No. 5, Ground floor, Prabhavandan Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 7, Veera Desai Road, Andheri(W),

Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are apparent consideration. that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

86--496G1/84

(1) Miss Ashalata Ramnath Prabhu (Now Mrs. Ashalata Subhash Kamath) and Sunil Ramnath Prabhu.

(Transferor)

(2) Mr. Ganapati Shiyaram Borkar.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Maharashtra Co-operative Housing Finance Society Limited, Bombay.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Prabhuvandan Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 7, Veera Desai Road, Andheri (W); Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5893/84-85 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

Seal;

(1) Smt Kala Bhalotia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Roshanbhai Akbarali Khaki.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Bombay, the 13th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/6100/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

> (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

publication of this notice in the Official Gazette.

Flat No. 701, Lands End, A-Wing, 7th floor, J.P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. situated at Bombay

> Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 701, Lands Fnd, A-Wing, 7th floor, J.P. Road, 4 Banglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/6100/84-85 on 14-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yanin M. Ibrahim.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EF 6106/84-85.—Wherean, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 101, 1st floor. Building No. 7, Part of Survey No.
41 of Village Oshtvara, Behind Behiam Baug, Jogeswari
West, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Building No. 7, Part of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jokeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6106/84-85 on 14-6-1984,

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numery:—

Date: 13-2-1985

(1) Mry Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Halimabi Ibrahim Qadri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6115/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 101 1st floor of Building No. 6 forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara Behind Behram Bang, Jogeshwari Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax / Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Classer.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 1st floor of Building No. 6 S. No. 41 of Village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6115/84-85 on 6-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icnome-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 13-2-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Abdu Rubb Nishthar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Baijnath Prasad The tenant of Prakash Shankar Wagh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6137/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25,000] property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]bearing

Flat No. 1, Ground floor of 'Rose Petal' Plot No. 12 TPS

X-New Veronica Street, Bandra, Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor of the building 'Rose Petal' Plot No. 12, T.P.S.X, New Veronica Street, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/6137/84-85 on 14-6-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6141/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter' referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, Ground floor, Greenfields Building,

Versova, Andheri West, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act; 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Abdul Saeed Abdul Hamid Patel, Mrs. Jessica A. Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Zarina Rahim Thariani, Mr. Sultan Rahim Thariani.

(Transferec)

(3) Oshivara Land Development Corporation. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Greenfields Building, 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/614i/84-85 on 14-6-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1985

PROTION 2005/15 AP 1970

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No AR.II/37EE/6143/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301 on the 3rd floor in the Building Kenmore at Plot 346. of S. No. 41 (Part) Versova, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984.

that the consideration for such transfer as agreed to between

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any successe arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Bulmomal Makhija

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Janaki Devi & 2. Mrs. Lunita Mathur,

(Transferce)

(3) M/s, Oshiwara Land Development Co (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on the 3rd floor in the Building Kenmore at Plot 346, of S. No. 41 (Part) Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6143/84-85 on 14-6-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 13-2-1985

Scal ·

(1) M/s, Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985 .

Ref. No. AR.II/37EE/6151/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 51 on 5th floor of 'A' Wing, on Plot No. 24 of
Shree Swami Samartha Prasanua Co-operative Housing Society
Ltd. 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Sulabha Jayant Kulkarni & Shri Jayant Krishnaji Kulkarni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat N. 51 on 5th floor of 'A' Wing, on Plot No. 24, of Shree Swami Samartha Prasanna C-operative Housing Society Ltd., S. No. 41 (Part), Oshiwara, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6151/84-85 on 14-6-1984.

LAXMAN DASCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohd. Ayub Mohd. Ismail.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6158/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 201, 2nd floor, Building No. 10, Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Building No. 10, Part of Survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombin under No. AR.II/37EE/6158/84-85 on >-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in putstance of section 2000 of the still Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of his notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 13-2-1985

Seal:

87-496GI/84

FORM IINS...

(1) Mr. Dilip R. Deoras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. Fernandes.

(Transfere:)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II 37F1_/6159 84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. 10, B-Wing, Anand Prakash 2, Kondivitta, MIDC, Estate Andheri (East) Bombay-59.

situated at Bombay

transfer with the object of :-

situated at Bonnay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomeday Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, B-Wing, Anand Prakash 2 Kondivitta Village. MIDC, Estate, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE 6159'84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

FORM INS--

(1) Mr. Dilip R. Deoras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. Fernandes.

(Transfere:)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSI'I. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II / 37FE / 6159 84-85.-- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 10, B-Wing, Anand Prakash 2, Kondivitta, MIDC, Estate Andheri (East) Bombay-59.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, B-Wing, Anand Prakash 2 Kondivitta Village. MIDC, Estate, Andheri (Fast), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37FE/6159/84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DAG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for 'he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely --

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Jeppu Vasanthrao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tekkate Vinod Shasbhag.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6162/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 34, Yogi Krupu CHSL, Manish Nagai, J.P. Road.
Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- said (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, Yogi Kripa Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 15, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6162/84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1985

(1) Zlauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Abdul Hamid Abdul Rahim.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6164/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 402 on 4th floor of Building No. I forming Part of S. No. 41 Osniwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ... transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 402, 4th Floor of Building No. 1 Forming Part S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-56:

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JI/37EE/6164/84-85 on 15.6.1984

15-6-1984,

LAXMAN DAS, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1985

FORM ITNS———

(1) M/s. Giritaj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Maria Agusta Coclho Mrs. Fatima Anthony Coelho.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/3/37EE/6190/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. Flat No. 1 (N.E.), 1st floor.

bearing No. Flat No. 1 (N.E.), 1st floor, Martha Palace, Bhawanimata Marg, Ceaser Rd. Andheri (West) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter,

THE SCHEDULE

"Flat No. 1 (N.E.), Martha Palace, Bhawanimata Marg, Ceaser Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6190/84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1985

Scal:

1 ITNS ---

(1) M/s. Giriraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Yvette Mascarenhas.

(Tiansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6191/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, Bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 10 (S.E.), 3rd floor Martha Palace Plot No. 385-B. Bhawanimata Maig, Andheji (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

"Flat No. 10(S.E.) 3rd floor 'Martina Palace, Plot No. 385-B, Bhawanimata Marg, Ccaser Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJ/37EE/6191/84-85 on 15-6-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

'b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date ; 13-2-1985

%cal :

FORM ITNS----

(1) M/s. Vijay Raj & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bansilal B. Kukreja Trustee of Shadesh Kukreja Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No AR.II/37FE/6193/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Maternity Home at Vijay Raj 229, S. V. Road, Bandra (W), Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed Hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Maternity Home (including basement & ground floor) at Vijay-Raj, 229 S.V. Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6193/84-85 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Vijay-Raj & Associates,

(2) Kukreja Teasing & Ixivesto Pvt. Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOΠCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RATIONAL BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ret. No. AR.II/37FF/6194/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1 & 2. Vijay-Raj, 229 S. V. Road, Bardia, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority of Bombay on 15-6-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of hte said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2 (including Basement) Vijay-Raj 229 S, V. Road, Bandra, Bombay-400 50.

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely. — 88-496GI/84

- (1) M/s. Giriraj Associates.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Felix Fernandes,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6901/84-85.—Whereas, I, , LAXMAN DAS,

being the Comretent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovthle property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Alpine'

Bhavanimata Maig, Ceasci Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Connectent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 1, Ground floor 'Alpine' Plot No. 406, Bhavanimata Marg, Ceaser Road, Andheri (West), Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/6901/8485 on 23-6-1984.

> LAXMAN D\S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombos

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons namely:

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1) M/9. Giriraj Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agapit Martin Godinho.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE CF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6902/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.
Flat No. 5 (South) 2nd floor, ALPINE,
Plot No. 406, Bhavanimata Marg,
Ceaser Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the vaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

"Flat No. 5 (South), 2nd floor, ALPINE, Plot No. 406, Rhavanimata Marg, Ceaser Road, Andheri (W), Bombay.

agreement has been registered b ythe COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37FF/6902/84-85 on 23-6-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I leneby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) Mi, Mohandas H Mahtani,

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manjit Kaus Gambhir.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6903/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Flat No. 4, Bldg. No. 4-C, Versova View CHSL, Four Bungalows Road, Bombay-58

(and, more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. Building No. 4-C Gr. floor, Versova View Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalows, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/6903/84-85 on 23-6-1984.

I AXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

₩ Ref. No. AR.II/37EF/6909/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 1, Shree Akshar Kripa Co-operative Society Limited, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mamata Bhurendra Dave and Ghanshvam D. Rawal.

(Transferor)

(2) Dr. A. R. Bbandarkai.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

"Flat No. 1, Shree Akshar Kripa Co-operative Housing Society Limited, 36, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EF/6909/84-85 on 25-6-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

Seal ·

(1) Sh. Gordhandas Naraindas Hardasani. Sh. Hundaldas Naraindas Hardasani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Daryane K, Jeswani Smt. Vanita D. Jeswani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6914/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Flat No. D-21, 2nd floor, Flower Queen CHSL, Vecra Desai Road, Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. D-21, 2nd floor, Flower Queen Co-op, Hsg. Sec. Ltd., Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/371 $\Gamma/6914/84-85$ on 25-6-1984.

1.AXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Transferor)

(2) V. Krishnamoorthy.

(1) G. G. Gaitonde,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6915/84-85.— Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/-

brill bearing No.
bearing No. Flat No. 4, Plot 30, Manish
Nagar, Mani h I ofus Co operative
Housing Society, Bldg No 30,
Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
here here transformed and the agreement is registered, under-

has been transferred and the agreement is registered under-Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair ms ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of insfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following meisons simely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 30, Manish Lotus Co.op, Housing Society Ltd., Bldg. No. 30, Manish Nagar, Andheri (West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6915/84-85 on 25-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS-----

(1) Bombay Housing Conforation.

(Transferor)

(2) Mr. Verinder Mohan Trehan Mrs. Veena V. Trehan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6919/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Flat No. 23 & 24, Anjali Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period QM 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23 & 24, Anjali Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/6919/84-85 on 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Datson Raviraj & Company.

(Transferor)

(2) M/9, Meeta Machine Tools,

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6923/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Lease hold land and factory building at Saki Village, Bombay CTS No. 76 to 76/10 No. 4452(2) Part

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority on 25-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor so more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold land and Factory building at Saki Village, Bombay C.T.S. No. 76 to 76/10 Ward, No. 4452(2) Part of Village Saki, Powai states, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6923/84-85 on 25-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . 89-496GI/84

Date: 11-2-1985

Scal:

(1) Mrs. Raj Schgal.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Thayil Lonappan Samuel.

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of \30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6931/84-85,---Whereas, I,

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

Flat No. 101, aist floor, Spring Leaf, Jal Prakash Road, Andheri (W), Bombay-61

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Spring leaf, Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6931/84-85 on 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Competent Authority
> Acquisition Range-II, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Jamnadas M. Choksi & Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Sudhaben Rasiklal Shah Sh. Rasikhlal Veljibhai Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6942/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat, No. 903, Jamuna Vihar, Juhu Lane, Andheri, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority on 25 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 903, Jamuna Vihar Juhu Lane, Andheri West,

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6942/84-85 on 26-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS

(1) Mis. Kanta M. Lalwani,

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila A. Kothari Mrs. Menabai M. Kothari & Mt. Uday M. Kothari,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6946/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 606, 6th floor, Kavita Apartments, Yari Road, C.T.S. 1030 Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is fegistered under, Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period effect of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor, Kavita Apartments Yari Road, CTS. 1030 Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/6946/84-85 on 26-6-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 13-2-1985

Scal:

(1) M/s. Madhava United Hotels (Intrenational) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sumant G. Naik & Mr. Ganpat M. Naik,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6953/84-85.--Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. M-404, 4th floor Madhava Bldg.,

Bandra-Kurla Complex, Bandra (Fast), Bombay-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-84 for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or r-5 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-404, 4th floor Madhava Building, Bandra Kurla Com-

plex, Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/6953/84\$5 on 26-6-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 8-2-1985

(1) M/s. J. K. Builders.

(Transferor)

(2) Vijay Kishinchand Sagnani & Mrs. Mohna Tikamdas Reeghsinghani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6962/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,0007- and hearing No.
Flat No. 22, Laxmi Apartments,
Co.op. Society, Dr. Charatsingh Rd.
Andheri (East) Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforeald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 22, 2nd floor, Laxmi Apts., Co. operative Society, Ltd., Dr. Charat Singh Road, Andheri (East)

Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6962/84-85 on 26-6-1984 26-6-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 13-2-1985

FORM ITMS——

(1) M/s. J. S. Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Naranbhai Kanjibhai Makwana,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6963/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 106, 1st floor, Parle Galaxi Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 470/471, Azad Road, Vile Parle East, Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-84 for an apparent consideration which is less than the

the Competent Authority at Bombay on 26-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properving be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 106, 1st floor in the building 'Galaxy' Parle Galaxy Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 470/471, Azad Road, Vile Parle East, Bombay-57.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6963/84-85 on 26-2-1984.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Dated: 13-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6975/84-85.—Whertas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 203 No. A-I. Railwaymen's Apna Ghar Co.operative Housing Society, Ltd., Village Mogia, Andheri (East), Bombay-69, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1784 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K, B. Joshi,

(Transferor)

(2) A. G. Sanzgiri N. A. Sanzgiri & M. A. Sanzgiri

(Transferce)

(4) Sarswat Co.op. Bank Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Bldg No. A-I, Railwaymen's Apna Ghat Co.op. Housing Society Ltd., Village Mogra, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6975/84-85 on 26-6-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 42-2-1985

FORM: ITNS----

- (1) M/s. Manoj Silk Fabrics.
- (Transfeçor)
- (2) Smt. Rukmani K Numalani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6987/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 33 Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Ambority of Competent Amhority at Bombay on 28-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arrang trees the transfer and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under auhsection (1) of Section 269D, of the Act, to the following persons namely:-90-496GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 33, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off J.P. Road, Near Apna Ghat, Andheri (W), Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6987/84-85 on 28-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 13-2-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6201/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair meaket value execeding

Rs 25,000/- and bearing No. Gala No. 20, Aghadi Ind. Estates, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annoxed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ateresaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between t he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

- (1) Shri Suresh J. Shah, Prop. M/s. Komal Industries. (Transferor)
- (2) Shri Vinodchandra S Solanki.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20, Aghadi Ind. Estates, Marol Maroshi Road, Gala No. Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6201/83-84 on 15-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 12-2-1985.

Scal :

(1) Smt. Sundri Chandani.

(2) Shri Thakur Lalji Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferec.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EB/6202/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

Flat No. 4, Krishna Kunj Annexe Co-op. Housing Society Ltd., 139 TPS IV, Main Avenue Road, Santacruz (West),

Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the "said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor Krishna Kunj Annex Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 139, TPS IV, Mahim, Main Avenue Road, Santacruz (West). Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6202/84-85, on 15-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Rombay.

Dated: 11-2-1985.

Scal:

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

FORM ITNS-

(1) M/s. Yasmin Corporation..

(Transferor)

(2) Mr. Nisar Ahmed Ebrahim.

(Tra isferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6207/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 1, Norwood at Plot No. 319 of S. No. 41 (Part)
Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period . 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imn. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 on the ground floor in the building Norwood at Plot No. 319 S. No. 41 (Part), Four Bungalowe, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6207/84-85, on 15-6-1984.

> LAXMAN DASS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 12-2-1985.

Scal:

(1) Shri Asedulla Sherief.

(Transferor)

(2) Mr. PUarshotam M. Bitra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6213/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding

R₅. 25,000/- and bearing
Fiat No. 23, Indra-Sukh Co-op. Housing Society Ltd. Plot
No. 143/4/B Andheri Versova, Andheri (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Indra-Sukh Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 143/4/B, Andheri Versova Road, Audheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6213/84-85, on 15-6-11984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Dated: 13-2-1985.

Sonl:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Shri A. R. Balasubramanian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayashi Ravi.

(3) Transferce.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6214/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S.B.I. Employees Co-op. Housing Society Ltd., Jyoti, Juhu Cross Lane, Andheri (West) Bombay--8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957))

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.B.I. Employees Co-op. Housing Society Ltd. Juhn Cross Lane, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6214/84-85 on 15-61984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 12-2-1985.

Senl :

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Sofyabanu Mohamadali Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hawabai Ailmohomad Acharla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6228/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 304, 3rd floor, Nirmal Cottage at Versova, Ancheri (West). Porphys 58

(West), Bombay-58,

persons, namely :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration when the position has not been truly stand in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, Y hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor Kidwai Nagar Colony, CTS No. 1036, Yari Rd, Off. Jay Prakash Road, Versova, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay uider No. AR.II/37EE/6228/84-85 on Authority, 15-61984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Laxmi Housing Agency.

(Transferor)

(2) M/s. Noorani Crown Cork.

(Transferce)

(3) Transferor, (Person in occupation of the property)

(4) Nil.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. • **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6235/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ has been transferred on the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Ankur Building, Dadabhai Road, Dadabhai Road, Near Bhavens College, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/6235/84-85 on Authority, 6-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxy Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 13-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Acme Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX 'ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Himansu Naterwarlal Kothari (Transferce) Shri Vijay Naterwarlal Mothari

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR 11/37EE/6241/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Anuradha'-B, CIS No. 477-A, Frla Bridge, S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984,

for an apparent consideration which is less than-the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such gransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, 'Anuradha-B, bearing S. No. 213-CCTS No. 477A. Erla Bridge, S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6241/84-85 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 13-2-1985. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:--

91-496GI/84

Form No. LT.N.S.

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bindu V. Madhan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6238/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 42, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Apna Ghar, 41, S. No. 41, Off. J.P. Road, Versova, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less' than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 42, Roshardal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghat 41 S. No. 41, Off. J.P. Rond Versour Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.II/37EE/6238/84-85 on Authority, 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Dated: 13-2-1985.

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manohar Tarachand Joohwani Mrs. Rekha M. Joohwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6239/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

sand bearing
Shop No. 36, R. L. Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna
Ghar 41 S. No. 41 Off. J. P. Road, Versova, Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36, R. L. Aggaiwal Shopping Areade, Near Apna Ghai 41 S. No. 41, Off J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6239/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Dated: 13-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri D V Bedekar & Smt. V. D. Bedekan

(Transferor)

(2) M/s, S. A Contractor & Co.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR Π/37ΕΕ/6251/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Plot No. 14, S. No. 98, H. No. 2, of Tatun Bhatat Society, Chakala, Andhert (East), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sud property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, stall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 14, S. No. 98 H. No. 2 of Trun Bharat Society, Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6251/84-85 on

16-6-1981

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6254/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor in the bldg. Benhur at Plot No. 15/8—of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), of Purbus 58

(West), oBmbay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compet ni Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Malthi G. Kalro & G. V. Kalro.

∦Transferor)

(2) Shri Gerdon H. Rodricks & Mrs. Anita Rodricks.

(Transferec)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, Benhur, Plot Uo. 15,8 of S. No. 41 (Pait) Versova, Andheii (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/6254, 84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 13-2-1985.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLEII, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6257/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 702, 7th floor Skylark-B, 4 Bungalows, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Jollowing persons, namely:—

(1) M/s J. S. Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Jay Ashwinkumar Patel.

(Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on the 7th floor in the Bldg. Skylark-B at Plot No. 89 of S. No. 41 (Part), 4 bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement 'has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II/37EE, 6257/84-85 on 16-6-1984.

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition.Range-II Bombay.

Dated: 13-2-1985.

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS---

(1) M/s. Raj & Co.

(Transferor)

9865

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamod Yusuf Chunawla,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, ВОМВАУ

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6264/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No 15, Ground floor, 'Rapkeep' 319 Tank Lane, Santacruz (W), Bombay-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Ground floor, 'Rajdeep: 319 Tank Lane,

Santacruz (West), Bombay-54.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6264/84-85 on 16-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-2-1985.

FORM ITNS----

(1) Shu Madhui S Paul.

(Transferor)

(2) Shii Harish B Seth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR II/37EE/6276/84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A/24 Anand Nagar, Juhu Tara Road Bombay 49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rsteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A/24, Anand Nagar, Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6276/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 13-2-1985.

Scal:

(1) M/s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Shree Gopal Trivedi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6277/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg No. B-14, Flat No. 402, Apna Ghar Unit No. 9, Co-op. Housing Society Ltd., Oshiwara Off. Jayprakash Rd. 4 Bungalows, Andheri (W). Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

Objections, if any, to the acquisition of the gald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building No. B-14, Flat No. 402, Apna Ghar, Unit No. 9, Co-op Housing Society Ltd., Oshiwara Off Jayprakash Road, Near 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37 E/6277/84-85 on 16-5-1984.

> LAXMAN, DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Bomb, v.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

wated: 13-2-1985.

Scal :

92-496GI/84

(1) Mrs. Latha S. Jairaj.

(Transferor)

(2) M/s. Singh Exporters.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. AR.II/37EE/6281/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 4 Joy Yash, Plot No. 13, Chakala, Andheri (East), Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Joy Yash, Plot No. 13, Chakala, Andheri (East) Bombay 400 009.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EF/6281/84-85 on Authority, 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mr. A. Hamidali Kazi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sandhya Sinha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6284/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, Benhur-A at plot No. 15/8, S. No. 41 (Part) Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd..

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 301 on the 3rd floor in the building Benhur-A Plot No. 15/8 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6284/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 13-2-1985.

1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Saantheri Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. IAC/AR-II/37EE/6278|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable propert: having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing

and bearing
Unit No. 32/C, Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andhers (Wast), Bomb w-58

Link Road Extension, Andhen (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984,

for an apparent consideration which is less than they fair market value of the atore-aid property and I have fearen to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evalent of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32/C Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6278/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated: 13-2-1985.

(1) Shri Ismail Abdulla Chunawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Umar Madha

(3) Transferee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6288/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable . property having a fair market value exceeding Rs. 25,900|and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Muazreen Apartment, Street No. 35, Amboli Gauthan, Andheri, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Muazreen Apartment, Street No. 55, Amboli Gauthan, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6288/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985

Seal x

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela Mukund Chitnis

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5737/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000/- and bearing No.
That No. 101, 1st loor, Building No. 20, village Oshipara, has been transferred and the agreement is registered under the support of the contraction of the Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Building No. 20, Survey No. 41 (101) of Behind Behram Baug, Jogoswari West, Bombay-

The agreement has been registered by tħc Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5737/84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Kef. No. AR.II/37EE/5738/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay or 1-6-1984, (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferer)

(2) Mr. Abdul Gani Banemiya Siddigul

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 31d floor S. No. 41 of village Os Behind Behram Baug, Andheri (West), Bombay-59. 41 of village Oshiwara,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5738/84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985

Seal :-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT. OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5739/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No 204, 2nd floor, Bldg No 10, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkflity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mr. Ziauddin, Bukhari.
- (2) Mohd. Muneeruddin Sultan.

(Transferor)

[PART: III-SEC. 1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. No. 10, Village Oshiwar, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5739/84-85 on

1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Shakh Ibrahim Aqil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13 h February 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5740/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the einafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing No.
Flat No. 1. Bldg. No. A 3. Al guba 5 No 41, Jogeshwani Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incorporation Act. 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly started in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of env uncome a site from the transfer; andior

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moners of the second by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Ac., or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No 501, 4th 1000, Flat No 1, Bidg. No. A-8, Algoba, S axo 4. Oshiwara Joeshi ar Andheri (West), Bombay-58.

Flat No. 1, Bldg. No. A-8, Alguba, S. No. 41, Jogeshwari Authority, Bomby in to No. AR II/37FE 5740 84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A quisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
93—496 GI/84

Date: 13-2-1985

Seal ·

Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Dr. Igbal Ahmed Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 13th February 1485

Ref. No. AR IL/37LE/5744|84 85 --- Wherea, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income and the income act of the income and the i property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 601, 6th floor, Building No. 1, Behind Behram

Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Ircome-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires larer;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 601, 6th door Building No. 1, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Joge Shwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5741/84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shabeen Rafique.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 **BOMBAY**

Bonibay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5745/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201, Bldg. No. 2, forming part of S. No. 41 Village Oshiwara Behind Behiam Baag, Joseshwari (W), Rombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed nere o). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen. Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given bi that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Bldg. No. 2, forming part of S. No. 41 of Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5745/84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following: persons, namely :---

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela Mukund Chithis

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5746/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, Building No. 1, Village Oshiwara,

Behram Baug, Jogeshwari East, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen' Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. 27d /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201–2nd floor Building No. 1, survey No. 41 (Pc) Oshiwara Village, Behin I Behram Baug, togeshwari East, Bomba / 88.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5746/84-85 on 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferce)

(Transferor) (2) Khai Runnisa Maksood Mam Qureshi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5747/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 601 on 6th floor of Bldg. No. 10 S. No. 41,

Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the service of the period of the respective persons which the service of the period sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor of Bldg. No. 10 S. No. 41, Oshiwara, Jogeshwati (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5747/84-85 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, inmely:-

Date: 13-2-1985

Scal.

of :-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-J1 BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5762/84-85.—Whoreas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. A-19, Victory Blocks Co-operative Housing Society I.td, Hill Road of TPS II, Bandra (W) Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984 tion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Syed Mujtaba Husain alias Babar Pasha.
- (Transferor)
- (2) Mohamed Reza Baig & Mrs. Rais Fatima, Mohamed Reza Baig.
- (Transferce) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property vithin 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are opened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-19, Victory Block, A, 5th floor of Victory Blocks Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 31-B, Hill Road, FPS 4 Bandr (W) Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5762/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5786, 84 85.—Wooleas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoscial to the control of the c property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 106 on the 1st floor in the building at Plot S. No. 353 of S. No. 41 (Part) 100 bungalows, Versova, Andhen (W. st.), B. mpay-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair maket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corporation (Transferor)
- (2) Mrs. Kavita Vinod Saraf & Modern Symbox cluding Etd

(Transferee)

(3) M s mwara Land Development Co (P) Ltd. Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 on the 1st floor in the building Sunswept-B at Plot S. No. 353 of S. No. 41 (Part) 4 bungalows Versova, Andheri (Vicet), Bombay 38

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5786/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5787/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 105 on the 1st floor in building Sunswept B. S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Lokhandwala Development Corporation (Transferor)
- (2) Mr. Vinod Saraf,

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor in fl. Sunswept-B, 4 Bungalows Versova, Andheii (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR 11/37EE/5787/84-85 on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1985

FORM ITNS-----

- (1) Dholakia & Dayal Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Karunakar A. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGL-II BOMBAY

Bombay the 13th rebruary 1985

«Ref. No AR II/37EE/5909/84-85 —Whereas, L. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/s and bearing Flat No. 307, 31d floor, Building No. C-27/28, Plot No. C-41, Yamuna Nagar Oshiwara Off J. P. Road, Andheri (W)

Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and act. I her by intake proceedings for the iconsistion of the aforesaid property by the issue of this rotice under sub-ection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely 194—496 GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property new be more a written to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TIII SCHEDULF

rlat No. 507, 3rd door, Building No. C-27,28, Plot No. C-41, Yamung Nagar Oshiwara Off I, P. Road, Andheri (W), Rombay 58

The agreement has been registered by the Competent Vithoria. Bombay main No. AR II/3711/5909184-85 on combay on 4.6.1084

LAXMAN DAS Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 13-2-1985 Seal

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Yazmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Damodar Pandhrinath Madkaikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX \(\)\(\)\(\)(CT, \)\(\)1961 (43 OF \(\)1961)

(3) M/o Oshawna Land Development

(P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomber the 15th february 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5938/84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101 on the elst thou 'Arena-\ it Plot No. 338, S No. 41 (Pr). 4 Banchows, Andheri W), Bombay 58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfel as good to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- регіод (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No 10°, 1st floor in 'Arena-A', Plot No 338 of S No. 41 (Pt), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5938/84-85 on 5-6 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per or

Date: 13-2-1985

Seal

(1) Anahita H. Rumodiya.

(Transferor)

(2) Sunderlal Sharda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M s. Oshiwara Lind Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5940/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
Flat No. 601, 6th flor, Sunnyside-A Building, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

with the object of :-

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

hombay on 5-6-1984 to an apprient consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in he said insrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Sunnyside-A Building, Plot No. 355 of S. No. 41 (Pt), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5940/84-85 on 5-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-2-1985

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Mr. Pvaralı G. Ramediya

(Transferoi)

(2) Master Kamlesh Kumar.

(Transferee)

(3) M. s. Oshiwata Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5941/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 602, Sunny Side-A S. No. 41 (Par.) Plo No. 355, 4 Bungalows, Andheri (Wes.), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of he Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which were period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ha No. 602 on the 6th floor in the Sunny Side-A at Plot No. 355 S. No. 41 (Pair), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombaz-58

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/5941/84-85 on 5-6-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ansari Mohd, Ahmed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Rombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5955/84-85.—Whereas, I, 1.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing hat No. 603, 6th floor, Bldg. No. 5, Village Oshiwara, Ethind Betram Bang, logeshwari West, Bombay-58 situated at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 603, 6th floor, Bldg. No. 5, Village Oshiwara, Behind Behiam Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58. 7-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

FORM ITNS ...

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor) (2) Mis Nascem Abdulla Said M Wilhibi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AP.II/37EE/5966/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding ks. 25,000/- and bearing Flat No. 704 on 7th floor Everest Building, Jaypraaksh Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bembay on 7-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Everest Building, Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheti (West), Bombay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5966/84-85 on 7-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax-Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) M/s. Gautam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nooranibee Ibrahim Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR II/3/1 E 5973 84 55 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

ks 25,000 - and bearing Hat No 1B Grutam View Versova Seven Bingalows, Opp Avinash Bldg. Off J P. Road, Andheri (W) Bombay-58

estuated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competen Authority at Fembry on 7 6 1984

'or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, w respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later,
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1B, 'Gautam View', Plot No. 134, Versova, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/5973/84-85 on

7-6-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

NOT therefore in pulsuance of Section 269C of the said As I backy in the proceedings for the acquisition of the ion (1) of Section 269D of the said Act to the following - or ore mattellin-

Date: 13-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5984/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1202, Premium Towers Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 9-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efficient property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Lokhandwala Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Subrate Sen.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara I and Development

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1202 on the 12th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/5984/84-85 on 9-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date: 13-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Raj Associates & H. D. Sheth Family Trust.

(Transferor)

(2) Ashok Gogia & Arjan Dov Gogia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR./II/37EB 5988/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 8, Gr. floor, Greenfields Building, 4 Bunglows, Versova, Andhen (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-95-496 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor, Greenfields Building, Plot No. 333 of S No. 41 (part) Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No AR II/37EE/5988/84-85 on 9-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date: 13 2-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Rais Ahmed Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5990/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable results to the said Act'), have reason to believe that the immovable results to the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing
Flat No 601, 6th floor, building No. 12, Village Oshiwara,
Behind Behiam Raug, Jogeshwari (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of, the "transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mecons or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charge:

THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th floor, Building No 12, Survey No. 41 (pt) of Village Oshivara. Behind Behram Baug, Jokeshwari West), 30mbay-58

The agreement has been registered by the Competent Aumonity, Bombay under No. AR.II/37EF/5990/84-85 on 9-6-1984,

> LAXMAN, DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

FORM I.T.N S ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Dilip M. Vakharia Mrs. Pramila Dilip Vakharia.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

SEPTAMATION :- The terms and expressions

given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said proper-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in as are defined in Chapter XXA of the

said Act, shall have the same meaning as

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(Transferee)

used bere-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONR OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6022.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rt. 25 000-/- and bearing No. Flat No 73. Om Niketan, Seventh Floor, 314. Pali Ram Road, Andheri (West) Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computer Authority at the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or un) moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 73, 7th floor, Om Niketan, 314 Pali Ram Road, Andheti (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6022/84-85 on 8-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income, Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) M/s. Chetan Developments,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Star Glass Works.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II OFFICE OF THE INSPECTING **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6030.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 202, 2nd floor in 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Flat No. 202, B-Wing, Sea Shell, 7 Bungalow, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6030/83-84 on 8-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxe Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are, defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE [NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 13th February 1985

Ref., No. AR.II/37EE/6047/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Nc.

Flat No. 44, 4th floor, Old Versova Shanti Niketan Coopciative Housing Society Limited, 7 Bunglows, Andhory (W) Romboy 61

Andheri (W), Bombay-61
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Inc.

The coff the Competent Authority at
Hombay on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. G. Vallabhan.

(Transferor)

(2) Fakhruddin Mohamedali Indorewala & Amirduddin Fakhruddin Indorewala.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor, Old Versova Shanti niketan Co-operative Housing Society Ltd. 7 Bunglows, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6047/84-85 on 11-6-1984.

> LAXMAN, DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-2-1985

(1) Shu Rajendra H Usgaonkai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravin R Nagrecha, and Smt. Kusum P Nagrecha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37FE/6054.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-24, Andheri Indra Darshan Co-operative Housing Society Ltd., 143/8 Katani Road, Off. J.P. Road, Four Bunglow, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred and the representation registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. B-24. Andheri India Darshan Co-operative Housing Society Ltd. 143/8 karani Road, Off J.P. Road, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR 11/37EE/6054/84-85 on

8-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985

1084 1 S--

(1) M/s Haushivam Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR 11/37EF /6056 = Whereas I, I XMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
25 000 / ind beaums No
104 Harishy in Apartments Kapin Buildings

104 Prinsival Aparthens Rabin bindings
11P Road Andheri (W) Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
12s been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Rombay on ε 6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Internetax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax A t 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceeding for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '-

(2) Sint Veena V Kochar

(Transferce)

(4) Vidvavati Kapui Trust

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flit No. 104 in Harishivam Apaitments. Kapur Buildings, IP Road, Andheri (W) Bombay
The agreement has been registered by the Competent
Authority: Renday unde No AR II/37FF/6056/84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 13-2 1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6101.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A/405 Gulshan Villag-I, Gulshan Villa Premises Co-operative Housing Society Ltd., 208B, Juhu Cross Road, Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, if respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Haridas Amritlal Chitalia.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamadali M. Daredia Mrs. Parveen Mohamadali Daredia.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreede has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/6101/84-85 on 14-6-1984.

Flat No. A/405 Gulshan Villa-I, Gulshan Villa Premiscs Co-op, Housing Soc. Ltd. 208-B Juhu Cross Road, Off Burfiwala Marg, Andheri (W), Bombay-58.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

- (1) Shri Bhadurali Habib Valii
- (Transferor)
- (2) Mr. Najirali Gulamali Maedhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

lief. No. AI LAXMAN DAS, AR. 11/37EE/6102/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the unknowable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 83, 8th floor, Jasmin Apartment, S.V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computation. the Competent Authority at

Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-96-496GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia. Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used before as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 83, 8th floor, Jasmin Apartment, Andheri New Iasmin Villa Co-co. Housing Society Ltd., S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6102/84-85 on 14-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commis-Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-2-1985

(1) M/s. Raviraj Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indrani Gosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION PANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/6138/84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing Flat No. 105. A. Denzil S No. 41 (Part), Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Falt No. 105 on 1st floor in 'Denzil' Plot No. 31, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bunglows, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6138/84-85 on 14-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-taxAcquisition Report I
Bombay

Date: 13-2-1985

Seul:

FORM ITNS----

- (1) Ms. Mitakshara B. Purohit.
- (2) Mrs. Fatima C. Lopez.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-YAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6144 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marke, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K. 5/1 Kishore Durshan, 4 Bunglows, Versova,

Bombay-61, tan mo tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gaze......

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K 5/1. Kishore Darshan 4 Bungalows, Versova, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bounbay under No. AR.II/37EE/6144/84-85 on 14-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

NO1, CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Taruni T. Shah

(Transferor)

(2) Mrs. Mangala Balvant Wagle &

(Transferee)

Miss Poornima Balvant Wagle. (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6152 —Whereas, I, J.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C/51 New Chandra Cc-operative Housing Society, Vira Desai Road, Andheri (W) Rombay-58.

(and more turns described in the Single annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresald property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this object in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C/51. New Chandra Co-operative Housing Society Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/6152/84-85 on 14-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
> Acquisition Range-11 Bombay

Date: 13-2-1985 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/6153/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 6/46, New Chandra Co-operative Society, Veera Desai Read, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registe ed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-6-984

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cons of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhash Kantilal Kapadia.

(Transferor)

(2) Shri K. Gopal Salian,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/46, New Chandra Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6153/84-85 on 14-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

(1) Mr. Tekkatte Vinod Shanbhag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jeppu Vasanth Rao & Mrs. Sheela Vasanth Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6161.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred was the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 35 in Shree Yogi Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Marish Nagar, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreeme t is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meaning arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the indian income-tax Act, 1922 (1s of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official (1) the or a priod of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period explicit later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35 in Shree Yogi Krupa Coop Housing Society Ltd Plot No. 15, Manish Nagar, J.P. Road, A dheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6161/84-85 on 15 -6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Incompetax
Acquisition Range-JI
Bombay

Date: 13-2-1985

Sear

FORM ITNS----

(1) Mr. Vidya Sagar Gupta & Mr. Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nita Kalra & Mr. S. K. Serry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR II/37EE/6210.—Whereas, I, I AYMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A t 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorable property, 'aving a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and heating

Flat No. 3 Park Darshun No. II, Opp. Lallubhai Park, Andheri (West), Bombay-400 058, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this writce in the Olficial Gazette of a period of 50 days from the service of noting on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in recet of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Park Darshan No. II, Opp. Lallubhai Park, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bembay under No. AR.II/37EE/6210/84-85 on 15 -6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission (respective Acquisition Range-II Bombay)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6236/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, B-Wing, Lila Apartments, Yari Road,

Versova, Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for in apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sirdar Manjit Singh.

(Transferor)

(2) Mr. Manohai Menghraj Dhameja.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Lila Apartments, Yari Road, Versova Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/6236/84-85, on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6248.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, Sonal at 66 St. Joseph Avenue Santacruz (W)

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the' transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :---

97--496 GI/84

(1) Mrs. Zarine Ali

(Transferor)

(2) Mrs. Barbara Jean Desouza Ashley Michael Desouza.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trees the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used berein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, Sonal at 66, St Joseph Avenue Santacruz (W) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No AR.II/37EF/6248/84-85 on 6-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date : 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Madhu Singh Mr. Shyam Singh

(Transferor)

(2) Mr. Mohamad Aslam Qureshi,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. ARJI/37EE/6267.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Flot No. 1902, Sheetal J.P. Road, 7 Bunglows,

Andheri (W) Bombay 58
(and more fully described in the Schedule annered hereto' has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Connectent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A/002 Sheetal, J.P. Road, E Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6267/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings to: the acquisition of the anotesaid property by the issue of this office notice under sup a ron (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 13-2-1985

Dem :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR II/37EL/6283 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. G.71, Manek Moti, Ward Road, Sarala Co-operative Housing Society Itd., Versova, Andheri (W), Bombay

Flat No. G.71. Manek Moti, Ward Road, Sarala Co-operative Housing Society Itd. Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consit fation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sunt. A. F. Jetha.

(Transferor)

(2) Smt. M. A. Naikawadi

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable propert within 45 days from the date of the publication of thi notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Fiat No. G-71, Manek Moti Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. Ak-II/37EE/6283/84-85 on 18-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Manish Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. L. D. Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ret. No. AR II/37EE/6289.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1104-A, 11th floor. Brighton Towers Plot No. 356 of S. No. 41 (Pt) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West).

Bembay-58

(and more fully described in the Schedule annixed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 13 agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(2) M/s. Oshiavara Land Development Co.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1104-A. 11th floor, Brighton Towers, No. 356 of S. No. 41 (Pt), Four Bunglows, Ve Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/6289/84-85 on 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

FORM I'INS-

(1) Allah Bax Jamal Sab Naikwadi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mustali Ebrahimbai Sidhpurwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Rombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6335/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11, Bldg No. 2, Marol Maroshi, Road, Andheri (East), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceasen to believe that the fair market value of the property as a n said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the pasideration for such transfer as agreed to between the parties and not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; una /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ÐΓ which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 11, 31d floor, Bldg No. 2 Plot No. 17, Marel Village, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6335/84-85 on 19-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Ranve-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Smartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vijay F. Radheshwar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6338/84-85.—Whereas, I. LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projective naving a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Fiat No. 405, 4th floor, Building No. B-1, Apna Ghar Unit No. 2 Co-operative Housing Society Ltd., Shri Swami Samartha Nagar, 4 Bungalows, Andneri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

to a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puty tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Cazette or a period of 30 days in the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building No. B-1, Flat No. 405, 4th floor, Apan Ghar Unit No. 2 Cooperative Housing Society Ltd. Shri Swami Samartha Nagar, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6338/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissio e of In ome-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porary for a reriod upto 26-3-85 or till such time regular persons, namely:—

Date: 13-2-1985

(3) Transferee.

FORM ITNS-

(1) Smt. Bhanumatiben Jayantilal Zaveri

(Transferors)

(2) Shri Shashikant Jayantilal Zaveri and Smt. Kokilben Shashikant Zaveri.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY .

Rombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR 11/37FE/6345/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sail Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-9, Anand Bhavan, 45 Bajaj Road, Vile Parle (West). Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered un Section 269AB of the moone-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

for an ap arent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sait Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-9, Anand Bhavan, 45 Bajaj Road, Vile Parle (West) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6345/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-2-1985

Seal

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6346.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 to and hearing.

as the same Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 /- and bearing.

Flat No. 207 on the 2nd floor in the Bldg. Montana-C at plot No. 4 S. No. 41 (Pt.) Four Bungalows, Versova, Andheri (West.), Bombay-58

(and more fully deribed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19 6-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer/ and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :--

- (1) M/s. Yazmın Enterprises.
 - (Transferors)
- (2) Mrs. Chandra N. Advani. (Transferees)
- (3) Ms Oshiwara I and Development Co. (P) Ltd.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 207 on the 2nd floor in the building Montana-C at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6346/83-84 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Bombay

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

(1) Mis Khatijabai Akberali Jamani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Barkatali Badrudin Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shii Barkatali B. Patel Shri F.B. Patel Smt. M. F. Patel.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR-II/37FE/6351.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs 25,000/- and beating
No Flat No 10 in A-wing of Jeevan Rachna Co.
Housing Society Ltd., 265 VP Road, Andheri Road, Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Rombay

on 19-6-1981

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of · 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 in A-wing of Jecvan Rachna Co. operative Housing Society Ltd., 265 V.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.-II/37EE/6351/84-85, on 19-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

Scal:

98-496 G1ff184

(1) Balkrishna B. Suvarna

(Transferor)

(2) Ratan Avinash Godbole

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

(3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-11/37EE/6353.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tenament No. 511 D-52 M.I.G., Banda

Bombay-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceels the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ntoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 511, D-52 M.I.G., Bandra (East) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6353/84-85 on 19-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13 2-1985

FORM IINS-

(1) Mr. Esmail Gani Chawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Paresh Hiralal Shroff Mrs. Mudra Paresh Shroff.

(3) Mr. Esmail Gani Chawala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6355.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Flat No. 310, Andheri Krupa Prasad Co.op. Housing Society Itd., Plot No. 198 Dawood Baug Road, Andheri

(W) Bembay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, Andheri Krupa Prasad Co. op. Housing Society Ltd., Plot No. 198, Dawood Baug Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/6355/84-85 Authority, I on 19-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Pate : 13-2-1985

FORM ITNS-----

(1) Mr. Yusuf T. Mehta. Mrs Fatima Fakhruddin Merchant

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tarun S. Agarwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-11/37EE/6360.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 302, Varsova Ratan Nagar Co. operative Housing Society Ltd., Bldg. No. 7, 4 Bungalows, J.P. Rd. Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, E-wing Bldg No. 7, Versova Rattan Nagar Co-operative Housing Society Ltd., Rattan Nagar, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37FF/6360/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Kamala Puri & Smt. Usha Tuli

(Transferor)

(2) Smt. Shipra Biswas

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6395/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Flat No. 210, 2nd floor, Sunder Park, B Building, Off Veera Desai Road, Ambivli Village, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating 'he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210, 2nd floor, 'Sunder Park' B Building, Off Veera Desai Road, Ambivli Village, Andheri west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.-II/37EE/6395/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-2-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6402-6275/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, 5th floor, A-1 Hasanat Chapel Lane, Santacruz

West, Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay оп 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Mansoor Abdul Hoosein Smt. Nascema Mansoor Hoosein

(Transferor)

(2) 1. Esufi Heptullabhai Chinikamwala 2. Smt. Za:toon Lsufi Chinikamwala.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 5th floor. A-1 Hasanat, Chapal Lane,

That No. 1, 31n Hoor. A-1 Hasanat, Chapal Lane, Santacruz (W) Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6402-6275/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

FORM ITNS-

- (1) M/s Lokhandwala Development Corporation. (Transferor)
- (2) Dr. Sathyanathan K. Nair.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-11/37EE/6410/84185.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2098 or an income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1059, 15th floor, Magnum Towers, Plot No. 357 of S. No. 41 (pt), 4 buglows, Versova, Andheri (W), Pornhau 58.

Bombay-58

formony-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

Bombay on 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1509, 15th floor, Magnum Towers, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.-II/37EE/6410/84-85 on 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date: 13-2-1985

(1) M/s Omex Builders & Contractors

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay K. Kulkarni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-II/37EEffl6428/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground floor, F Society Ltd. (hakala, Andheri (E), Rajendra Co.op. Housing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Ground floor, Rajendra Co. op. Housing Socitey Ltd. Chakala, Andheri (E), Bombay.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.-JI/37EE/6428/84-85 on Authority, 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Date: 13-2-1985

(1) Shri Ravi Shankar Seth

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kamalkishore Seth

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6440.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C-7, Sheetal Apartment, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-7, at Sheetal Apartment, 7 Bungalows, Andheri (West), Bombay, 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6440|84-85 on Competent 21-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Competent Authority pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

LAXMAN DAS

Date: 13-2-1985

Seal:

99-496 GI/84

FORM ITNE

(1) Mr. M. Rajan

(Transferor)

(2) Mrs. Nayana Kumar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No. AR.-II/37EE/6442/84-85.—Whereas, I, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Flat No 308, Chakala Pragati Co. op. Housing Society Ltd., J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, Chakala Pragati Co. op. Housing Society Ltd., at Plot No. 65A, Near Wireless Station Off Shreeniwas Bagrka Rd. J. B. Nagar, Andheri (E) Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6442|84-85 on 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

Scal .

FORM I.T.N.S.--

(1) Badruddin E. Jetha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6457.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 28, B-wing, Manishdeep Co. op. Housing Society
Ltd., Manish Nagar, Audheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Dilip Jayantilal Shah

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 'B' wing, Manishdeep Co. op. housing Society Ltd., Plot No. 19 Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde No. AR.-II/37EE/6457|84-85 on 21-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raju Naraindas Ubrani Mrs. Naki N. Ubrani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6546.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Room No. 56, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghai, S. No. 41 (Pt) Off. J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 56, 1st floor, Roshanlal, Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghar, S. No. 41 (Pt). Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West.) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6546/83-84 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

(1) Shri V. K. Suri,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Leena R.L. Nair

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-IJ/37EE/6548|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and pearing Flat No. 9, Swapna Ghar Co-operative Housing Society

Ltd., Chakala Andheri (E), Bombay-99

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 22-6-1984

ية الأنف

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Swapna Ghar Co-operative Housing Society Limited, S. No. 53, Chakala Andherl (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6548/84-85 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

(1 Mr. Menghraj N. Advani.

Transferce.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishore Prabhudas Adnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

AR.-II/37EE/6551/84-85.—Whereas, I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred 19 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 6, Bldg. 7, 2nd floor, Navjivan Co. op. Housing
Society Ltd., Mori Road, Mahim, Bombay-16,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

"Flat No. 6, Bldg No. 7, 2nd floor in Navjivan Society, Mori Road, Mahim, Bombay-16.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6551/84-85 on 22-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under sub-action '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1985

(1) Mrs. Anu Ganju.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Mukesh Mahesh Gupta.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6553/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 27, 5th floor, Plot No. 1485/87 CST, Mc Craft CHSL, Off. Carter Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 5th floor in Moon Craft Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 1485/87 CST, Offi Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6553/84-85 on 21-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

(1) Shri Kamal Anil Talsania.

(2) Shri K. K. Bhambri.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.-II/37EE/6559.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

rlat No. 43, 4th floor, Sidbdharth Bldg., Survey No. 135, Hissa No. 2, C.S. No. 1315, Village Versova, Bombay, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Sidhdharth Building, S. No. 134, Hissa No. 2, C.S.No. 1315, Village Versova, Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6559/84-85 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Rof. No. AR.-II/37EE/6699/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. Λ-202. Sameer, off J.P. Road, Seven Bunglows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ashok D. Manghani and Mrs. Karishma A. Manghani.

(Transferor)

(2) Gopendra Nath Bannerjee.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-202, Samcer, off J.P. Road, Seven Bunglow, Andheri (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/6699/84-58 on 23-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bambay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow 100-496GI/84

Date: 13-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusumben Chandulal Parekh and Smt. Rakesh Chandulal Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR. II/37EE/6711/84-85.—Whereas, I, IAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Final Plot No. 66/B of TPS II of Vile Parle (E) at Prarthana Samaj Road, Vile Parle (E), Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 66/B of TPS II of Vile Parle (E) at Prarthana Samai Road, Vile Parle (East), Bombay 400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6711/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Bombay

Date: 13/2/1985

Scal:

(1) Mrs. Sabera S. Icewala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zawadali H. Unia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

AR. II/37LE/6863/84-85.—Whereas, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 604, 6th floor, ASHRAF MAHAL, Bldg. No. B, 105, Jay Pradash Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, ASHRAF MAHAL, 6th floor, Bldg. No. B, 105, Jay Prakash Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/68@8/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mrs. Rashida M. Shaikh.

(Transferor)

(2) Amtuz Zakia Shaheen W/o Askar Alı Shahryar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6865/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. F/25, Evershine Apartments, Pratap Colony, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:——The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. E/25, Evershine Apartments, Pratap Colony, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6865/84-85 on 23/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13/2/1985

(1) Smt. Jyotiben G. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Vinaychandra N. Vora, Smt. Kamlesh V. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6911/84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 301, 3rd floor, 'A' Bldg. Thacker Apartments, Juhu Lanc, Andheri (West), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 3rd floor, 'A' Building, Thacker Apartments, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6911/84-85 on 25/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13/2/1985

Scal:

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Suresh G. Advani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6921/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Fla tNo. 205, ANJALI, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, J. P. Road, Versova Village, Andheri (West), Bombay-61.

J. P. Road, Versova Village, Andheri (West), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, ANJALI, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows J. P. Road, Versova Village, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6821/84-85 on 25/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13/2/1985

(1) Smt. U. R. Lalwani,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6936/84-85,—Whereas, I. KAXMAN DAS.

baing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. G-4, Queens View Premises Co.op. Housing Society
Ltd, Santacru2 (West), Juhu Road, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Hombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 55-496G1/84

(Transferor)

(2) Smt. Kiran P. Vaswani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G 4, one Room Kitchen, Queens View Premises Co.op. Society Ltd., Opp. Lido Cine. a Juhu Road, Santacruz (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6939/84-85 on 25/6/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date: 13/2/1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ferancisco Xavier D'Silva, Mrs. Philomena D'Silva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s R. W. Associates.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6949/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 702, B-Wing, Benzer, 4 Bunglows Oshiwara, Andheri (West) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 702, B-Wing, Benzer, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwora, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6949/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1985

(1) Shri T. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhanji V Sawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

HL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II OFFICE OF THE BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No AR II/37EE/6974/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Dhansukh Co operative Housing Society Ltd., 1st Road, TPS III, Santacruz (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disolosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 2, Dhansukh Co operative Housing Society Ltd., Plot No. 74E, 1st Road, TPS III, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/6974/84-85 on 26/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date 13/2/1985

Seal

101-496GI/84

9940

FORM ITNS-

(1) Smt. Suline S. Katker.

(Transferor)

[Part III—Sec.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Christin Peter D'Zouza.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6985/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, 4th floor in Ratnadeep, 27 Ceaser Road, Amboki Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 4th floor in Ratnadeep, 227 Ceaser Road. Amboli, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6985/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

Date: 13/2/1985

Seel :

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Sharda Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Huang Kuo Ghu and Mr. Huang Lien Chang.

(Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6994/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4-7, 1st floor, Ardhna Bldg, 2, Cadell Road, Mahim

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, 1st floor, Ardhna Bldg. 2, Cadell Road, Mahim Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.II/37EE/6992/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby mayave proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-102-496GI/84

Date: 13-2-1985

Scal :

(1) R. Sambasivan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Catherine Samuel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7001/84-85.—Whereas, I,

! AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 10, 1st floor, Bldg. No. 3, Seema Central Government Employees' Co.op. Housing Society Ltd., 4 Bungalows

Andheri (W), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 10, 1st floor, Bidg. No. 3, Seema Central Government Employees Co.op. Housing Society Ltd., Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7001/84-85 on 28 /6/1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombey

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) H. M. Issrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bertam D. J. Rodrigues.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSEPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 13th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/7027/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 35, 3rd floor, Old Versova Shantiniketan Society, 7
Bungalows, Yari Road, Versova, Bombay-61.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/6/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 35, 3rd floor, old Versova Shantiniketan Society 7 Bungalows, Andherl (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/7027/84-85 on 28/6/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferciaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-2-1985

PORM TINS-

(1) Smt. Mani G. Dembla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/7319/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 305 at Nay-Vivek Industrial Estate, Moghul Lane, Mahim, Bombay-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-6-1984,

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Of
- th' fitalitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shyam Jaisingh HUF. 2. Girdhar H. Jaisingh HUF. 3. Srichand Jaisingh HUF.

4. Manohar Jaisingh HUF.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property within 45 days from the date of the publication of this proice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shale, have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 305 at Nav-Vivek Industrial Estate, Moghul Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II 37FE/7319/84-85 on 29-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-2-1985

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

(1) Moinuddin Siddique Akbar Mulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.(2) Radhakrishna Narayan Bhat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION R \NGL-H
BOM-3-4-Y

Bombay, the 12th February 1985

#Ref. No. AR.II/371 E/7441/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2, Vashali Apartment, Gr. floor, Andheri-Versova Road, Bontony,

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1901 in the office of the Competent Autho-

Bombay on 6-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally stated in the said instrument af transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

(4) The Municipal Employees Neelam CHSL.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, C.T.S. 1309, Near 7 Bungaloed. Vashali Apattment, Plot No. 3, Ground floor, The Municipal Employees Neelam Co-op housing Society Ltd., Andheri Versova Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/7441/84-85 on 6-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
pecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secing persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EF/7590.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Flat No. 303, 'B' Wing, Lakshman Juhula at 107 J. P. Road, Opp Navrang Chuma Andheri (West), Bombay-58, (an) nearc fully described in the schedule annexed heretoe, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fineen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of times which the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following trans, namely:

(1) M/s Nilay Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Lalenand Jain and Smt. Savita Kandilal Jain.

(Transferee)

(3) Transferoi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 303, 31d floor, 'B' Wing, Lakshman Juhida, at '107 J.P. Road, Opp. Navrang Cinema, Andheri (West). Bom-bay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/7590/84-85 on 7-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2 1985

Seal

(1) Dolatrai Ramanlal Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhukhanvala Store Centre.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th, February 1985

Ref. No. AR II/37FE/80/3/84-85.—Whoreas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Pict No. B-28 Oshivara; Veera Desai Road, Andheri (West)

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-28 Oshivata Veeta Desai Road, Andheri (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37LE/8013/83-84 on 21-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) M/s Urban Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Jashwentlal Laxmides Damania & Mrs. Nirmala J. Damania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombav, the 12th February 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8260/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 114 on 11th floor in Amit Estate Off. J.P. Road Foul Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114 on 11th floor in 'Amit Estate, at Off. J.P. Road, Four Bungalows, Verseya, Andneri (West), Bombay-The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde: No. ARJI/37FE/8260/84-85 on 28-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II,

Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) Maria Antomette Mascarenhas E Moenteiro alias Marie Mascarenhas Monteiro. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Chundal G. Mehra 2. Narayandas Gianchand Mehra, and 3. Bindrabehari Rammurti Mehra,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(3) Transferees and Penants.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1983

Ref No. AR-II/37EE 3644/84.—Whereas, I,

Ref No. AR-II/37EE 3644/84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136 & New S. No. 3/120 and Cadastral S. No. 807 of Mahim Division, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984,

normay on 2-0-1984, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more shan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in that Chapter. shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-1032/78 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, in cachere, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

(1) V. G. Gadgil.

(3) V. G. Gadgil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bomalkumar Santlal Bhojania, Shoi Vinodkumar Santlal Bhojania, Shri Ratankumar Santlal Bhojania. Shri Mohankumai Santalal Bhojania

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No AR-II/37G/3650/84 85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 47 with Bungalow alongwith fixture & fittings in Nutan Laxmi CHSL, squated at Vile Perls (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as 'aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 9.475/79 and registered on 21-6-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authoriti Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :--

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

. Ref. No. AR II/37G/3718/June/84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to-as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

Plot No. 113, 113C, 34-34B, 36-36B, 174AA, Lady, Jamshedir Road and Mahim Bizar Cross Road, Extension and Mahim Bazir Cross Road Bombay (S. No. 1/753 of Mahim Division,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1951, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Safva Dawoodbhai Ghadiali Manu Dawoodbhai Ghadiali Rehana Dawoodbhai Ghadiali & Abdulali Dawoodbhai Ghadiali *

(Transferor)

(2) Isniail Yusut Pandoi.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or ?

 0 days from
 the service of notice on
 persons,
 whichever period expire
- (b) by any other person inte able property, within 45 publication of this notice

Explanation:—The terms and expressions are defined in Chapter X.

Act, shall have the same in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 2392/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 7-6-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-2-1985

Sqal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gauran Devi W/o Shi Handiaj, Sh. Rajinder Kumai & Ashok Kumar sons of Sh. Hans Raj, Miss Santosh Kumar D/o Sh. Hans Raj r/o Jhanji Niwas G.T., Road, Khanna (Punjab).

(Transferor)

(2) M/s Pujas Shilpkula P Ltd. A-6, Ring Road, N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

SISTANT COMMISTAX

E I ING, LP. ESTATE:

пу 1985

.--Whereas I,

sction 269B of the reinafter referred to that the immovable seding Rs. 25,000,—

ew Delhi. le annexed hereto). ion Act, 1908, (16 Officer at

ess than the fan
id I have reason to
roperty as aforesaid
for by more than
ration and that the
ed to between the
said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in at Chapter.

non of the liability fer the said Act, in rom the transfer;

THE SCHEDULE

any income or any have not been or y the transferee for come-tax Act, 1922 or the Wealth-tax E-69, NDS.E. Part-1 New Delhi with 2.1/2 storeyed building measuring 212.1 2 sq. yds.

ACI, 193/ (2/ UI 195/),

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-2-1985

Seal

FRINTED BY THE MANAGER, COVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1985